

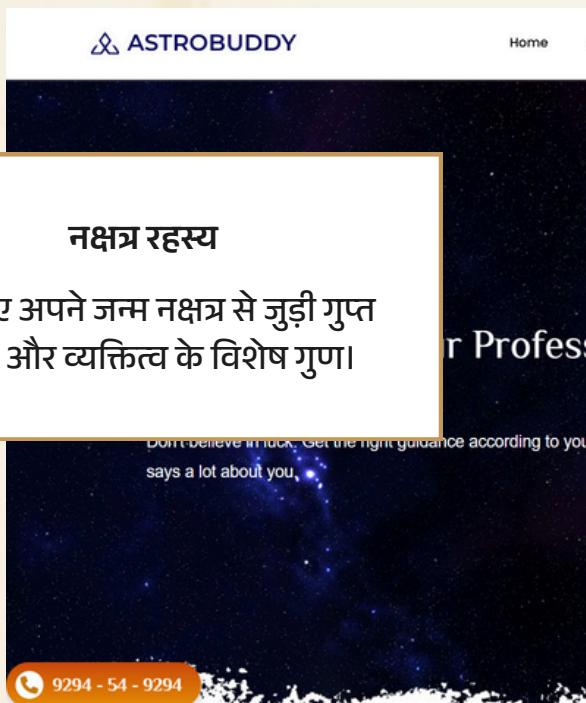


Premium Janam Kundali



The futuristic vision deeply studied & created by renowned Pandits.

एस्ट्रोबडी – जीवन की हर समस्या का ज्योतिषीय समाधान



The screenshot shows the AstroBuddy website homepage. The header features the logo and navigation links for Home and About. The main banner has a dark background with a starry sky and a central illustration of a sage reading a book, surrounded by zodiac symbols. The text "Don't believe in luck. Get the right guidance according to your sign. Your sign says a lot about you." is displayed. A call-to-action button at the bottom left says "9294 - 54 - 9294".

महादश मार्गदर्शन

वर्तमान महादशा आपके करियर, वित्त और रिश्तों को कैसे प्रभावित कर रही है – सही दिशा पाएँ।



नक्षत्र रहस्य

जानिए अपने जन्म नक्षत्र से जुड़ी गुप्त बातें और व्यक्तित्व के विशेष गुण।

Professional

रत्न सुझाव

आपके ग्रहों की स्थिति के अनुसार सही और प्रमाणित रत्न धारण करने की सलाह।

SHOP NOW →



 www.divinestones.in

यह प्रीमियम कुंडली सिर्फ शुरुआत है। सम्पूर्ण मार्गदर्शन के लिए एस्ट्रोबडी से जुड़ें।

आज ही हमारे प्रमाणित ज्योतिषाचार्यों से बात करें।

 www.astro-buddy.com

Priyanko Singha

जन्म विवरण

लिंग	:	पुरुष
जन्म दिन	:	15 मार्च 1996
जन्म वार	:	शुक्रवार
जन्म समय	:	08:20:00 घंटे
इष्टकाल	:	6:49:28 घटी
जन्म स्थान	:	Guwahati
देश	:	India

अक्षांश	:	26उ11'00
रेखांश	:	91पू44'00
समयक्षेत्र	:	-05:30:00 घंटे
समय संशोधन	:	00:00:00 घंटे
जी.एम.टी. समय	:	02:50:00 घंटे
स्थानीय समय संस्कार	:	00:36:56 घंटे
स्थानीय समय	:	08:56:56 घंटे
सांपातिक काल	:	20:28:54 घंटे
सनसाइन (सायन सूर्य)	:	मीन
लग्न राशि	:	मेष 24:42:31

पारिवारिक विवरण

दादा का नाम	:
पिता का नाम	:
माता का नाम	:
जाति	:
गोत्र	:

अवकहडा चक्र

1. वर्ण	:	वैश्य
2. वश्य	:	चतुष्पाद
3. नक्षत्र - चरण	:	उत्तराषाढ़ा - 2
4. योनि	:	नकुल
5. चन्द्र राशि स्वामी	:	शनि
6. गण	:	मनुष्य
7. चन्द्र राशि	:	मकर
8. नाड़ी	:	अन्त्य
वर्ग	:	उदर
युज्ञा	:	अन्त्य
हंसक (तत्व)	:	भूमि
नामाक्षर	:	भो
राशि पाया	:	ताँबा
नक्षत्र पाया	:	ताँबा

जन्मकालीन पंचांगादि

चैत्रादि विधि	
विक्रम संवत्	:
मास	:
कार्तिकादि विधि	
विक्रम संवत्	:
मास	:
शक संवत्	:
सूर्य अयन/गोल	:
ऋतु	:
पक्ष	:
ज्योतिषिय वार	:
सूर्योदयी तिथि	:
तिथि समाप्तिकाल	:
जन्मकालीन तिथि	:
सूर्योदयी नक्षत्र	:
नक्षत्र समाप्तिकाल	:
जन्मकालीन नक्षत्र	:
सूर्योदयी योग	:
योग समाप्तिकाल	:
जन्मकालीन योग	:
सूर्योदयी करण	:
करण समाप्तिकाल	:
जन्मकालीन करण	:
सूर्योदय समय	:
अंश	:
सूर्यस्त समय	:
अंश	:
आगामी सूर्योदय	:
चन्द्र का नक्षत्र प्रवेश	:
चन्द्र का नक्षत्र निकास	:
भयात	:
भोग	:
जन्मकालीन दशा	:
दशा भोग्यकाल	:
अयनांश	:



नक्षत्र का फल

आपका जन्म पूर्वाषाढ़ नक्षत्र के द्वितीय चरण में हुआ है अतः आपकी जन्म राशि मकर तथा राशि स्वामी शनि होगा। अवकहड़ा चक्र के अनुसार -

- वर्ण - वैश्य
- वश्य - चतुष्पद
- योनि - नकुल
- गण - मानव
- नाड़ी - अन्त्य

जन्म नाम का प्रारम्भ भी अक्षर से होना चाहिये।

शास्त्रों के अनुसार

उत्तराषाढ़ नक्षत्र में जन्म होने से निम्नवत् फल प्राप्त होंगे -

1. बृहज्ञातक के अनुसार -

तैश्वे विनीतधार्मिकबहुमित्रकृतज्ञसुभग्नश्च।

2. जातक पारिजात के अनुसार -

मान्यः शान्तगुणः सुखी च धनवान् विश्वकृजः पण्डितः।

3. मानसागरी के अनुसार -

बहुमित्रो महाकायो जायते विजयी सुखी।

उत्तराषाढसम्भूतः शूरश्व विनयी भवेत्॥

4. जातकाभरण के अनुसार -

दाता दयावान्विजयी विनीतः सकर्मकर्ता विभुतासमेतः।

कांतासुतावाप्तसुखो नितांतं वैश्वे सुवेषः पुरुषोऽभिमानी॥

उत्तराषाढ़ नक्षत्र में जन्म होने से जातक मोटे और लम्बे शरीर वाला, अधिक मित्रवाला, सुखी, मान्य, सात्त्विक गुणयुक्त, धनवान, पण्डित, धर्मात्मा, कृतज्ञ, सर्वजनप्रिय, विजयी, वीर और विनययुक्त होता है। मतान्तर से ऐसा जातक दानी, दयावान, अच्छे कर्म करने वाला, ऐश्वर्यशाली, स्त्री-पुत्रों से सुखी और अभिमानी होता है।

आधुनिक मत से

उत्तराषाढ़ नक्षत्र में जन्म होने से जातक महत्वाकांक्षी जीवन का अभिलाषी, प्रसन्नचित्त, आकर्षक व्यक्तित्व वाला, स्वच्छ वस्त्रों का शौकीन, श्रेष्ठ बुद्धि से युक्त लोकोपकारी, घर का अथवा समाज का प्रमुख, किसी विशिष्ट अध्ययन क्षेत्र में प्रवीनिता प्राप्त करने वाला, अध्यनशील, कानून का आदर करने वाला, ईश्वरभक्त, धार्मिक कृत्यों में भाग लेने वाला, योगाभ्यासी, अधिकार सत्ता का प्रेमी, तर्क-शास्त्री, सरकार अथवा सरकारी क्षेत्रों से लाभ पाने वाला होगा।

पाद (पाया) फल

उत्तराषाढ़ नक्षत्र का जन्म ताँबे के पाये में माना गया है, जो श्रेष्ठ फलदायी होता है।

स्वास्थ्य

उत्तराषाढ़ नक्षत्र का अधिकार जांघों पर होता है। इस नक्षत्र के पापाक्रांत होने पर गठिया, संधिवात, स्कैटिका तथा चक्षुरोग होने की संभावना रहती है।

उपाय

उत्तराषाढ़ नक्षत्र के स्वामी 'विश्वेदेवा' हैं, इनके प्रीत्यर्थ निमनलिखित मन्त्र का रविवार के दिन उत्तराषाढ़ नक्षत्र पड़ने पर दस हजार जप अनुष्ठान विद्यान से करें -

ॐ विश्वेदेवा: शृणुतेम गूं हवं में ये अन्तरिक्षे य उपद्यविष्टाय।



अग्निजिह्वा उतवायजत्रा आसद्यास्मिन्बर्हिष्मादयध्मम् ॥
ॐ विश्वेभ्यो देवेभ्यो नमः ॥

इस मन्त्र जप का दर्शांश हवन करें, हवन सामग्री में यव, तिल तथा कर्पासमूल मिलायें तथा हवन आग्र-समिधा पर करें।

वैश्य वर्ण का फल

व्यापारकार्ये निरतः परकर्मोद्यतः सदा ।

निष्ठुरश्चतुरश्चैव वैश्यवर्णसमुद्धवः ॥ (जातकोत्तम)

वैश्य वर्ण में जन्म होने से जातक व्यापार कार्य में लीन अर्थात् व्यवसायी सदा दूसरों के कार्यों में उद्यत, निर्मोही और चतुर होता है।

मानव गण फल

मानी धनी विशालाक्षो लक्ष्यवेधी धनुर्धरः ।

गौरः पौरजनग्राही जायते मानवे गणे ॥ (मानसागरी)

मनुष्य गण में जन्म हुआ है अतः जातक मानी, धनवान्, विशाल नेत्र वाला, धनुधारी, ठीक निशाना को वेध करने वाला, गौरवर्ण, नगरवासियों को वश में रखने वाला होगा।

नकुल योनि फल

परोपकरणे दक्षो धनाद्यश्च विचक्षणः ।

पितृमातृप्रियो नित्यं नरो नकुलयोनिजः ॥ (मानसागरी)

नकुलयोनि में जन्म हुआ है अतः जातक परोपकारी, कार्य में कुशल, धनवान्, पण्डित और माता-पिता का भक्त होगा।

विवाह, मैत्री एवं साझेदारी

उत्तराषाढ़ नक्षत्र के द्वितीय चरण के जातक के लिये अश्विनी, भरणी, पुनर्वसु का चतुर्थ चरण, पुष्य, अनुराधा, पूर्वभाद्रपद का चतुर्थ चरण, उत्तराभाद्रपद तथा रेवती नक्षत्र के व्यक्ति सर्वश्रेष्ठ हैं।

Priyanko Singha

शुक्रवार 15 मार्च 1996 08:20:00
शहर: Guwahati
राज्य: Assam
देश: India

समयक्षेत्रः -5:30:00
समय संशोधनः 0
रेखांशः 91पू44'00
अक्षांशः 26उ11'00

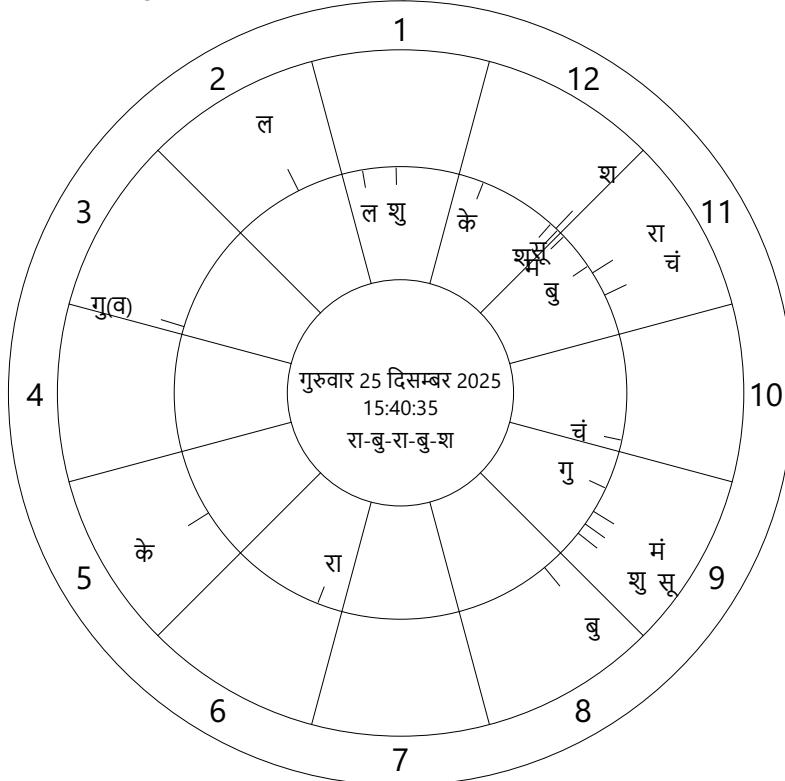
59. Dasha Effects Browser

इष्टकाल: 6:49:28
सूर्योदय: 15 मार्च 96 05:36:13
सूर्यस्ति: 15 मार्च 96 17:28:09
अयनाश: -23:48:21 लहरी

दशा ब्राउज़र टूल -विंशोत्तरी

सू	22-05-1993	रा	21-05-2016	बु	03-05-2024	रा	05-10-2025	बु	06-12-2025
चं	22-05-1999	गु	01-02-2019	के	12-09-2024	गु	26-10-2025	के	08-12-2025
मं	21-05-2009	शा	27-06-2021	शु	05-11-2024	शा	13-11-2025	शु	10-12-2025
रा	21-05-2016	बु	03-05-2024	सू	09-04-2025	बु	06-12-2025	सू	13-12-2025
गु	22-05-2034	के	20-11-2026	चं	26-05-2025	के	25-12-2025	चं	14-12-2025
शा	21-05-2050	शु	09-12-2027	मं	12-08-2025	शु	02-01-2026	मं	15-12-2025
बु	21-05-2069	सू	08-12-2030	रा	05-10-2025	सू	26-01-2026	रा	17-12-2025
के	21-05-2086	चं	02-11-2031	गु	22-02-2026	चं	02-02-2026	गु	20-12-2025
शु	21-05-2093	मं	03-05-2033	शा	26-06-2026	मं	13-02-2026	शा	22-12-2025

अंदरः जन्म कुण्डली - बाहरः गोचर कुण्डली



गोचर कुण्डली अष्टकवर्ग कक्षा

	कक्षा	अष्टक.	सर्वाष्टक
सू in धनु	1 (मं)	4	32
च in कुंभ	0 (मं)	3	27
मं in धनु	1 (सू)	4	32
ब्रु in वृश्चिक	1 (चं)	8	34
गु in मिथुन	0 (ल)	3	31
शू in धनु	0 (जु)	6	32
श in मीन	0 (शा)	3	23

गोचर कुण्डली

अंश	शुभत्व	षट्
सू 09:38:49 सम	0.97	
चं 10:36:58 मित्र	1.28	
मं 13:26:31 सम	1.37	
बु 24:32:01 मित्र	1.03	
गु 27:58:15 अतिशयन्	1.48	
शु 06:42:33 शत्रु	0.86	
श 01:35:48 मित्र	1.48	
रा 17:01:46 स्वराशि		
के 17:01:46 सम		



शनि की लघु कल्याणी दैया व कंटक शनि

जन्म राशि (चन्द्र राशि) से चतुर्थ एवं अष्टम् स्थान में शनि का भ्रमण लघु कल्याणी दैया कहलाता है -

कल्याणी प्रददाति वै रविसुतो राशेश्वर्तुर्धाष्टमे ।

आपकी जन्म राशि मकर है, जब शनि चतुर्थ अर्थात् मेष राशि में तथा अष्टम् अर्थात् सिंह राशि में भ्रमण करेगा तो शनि की लघु कल्याणी दैया कहलायेगी।

चन्द्र लग्न से गोचर में शनि चतुर्थ, सप्तम, दशम स्थान में हो तो कंटक शनि कहलाता है।

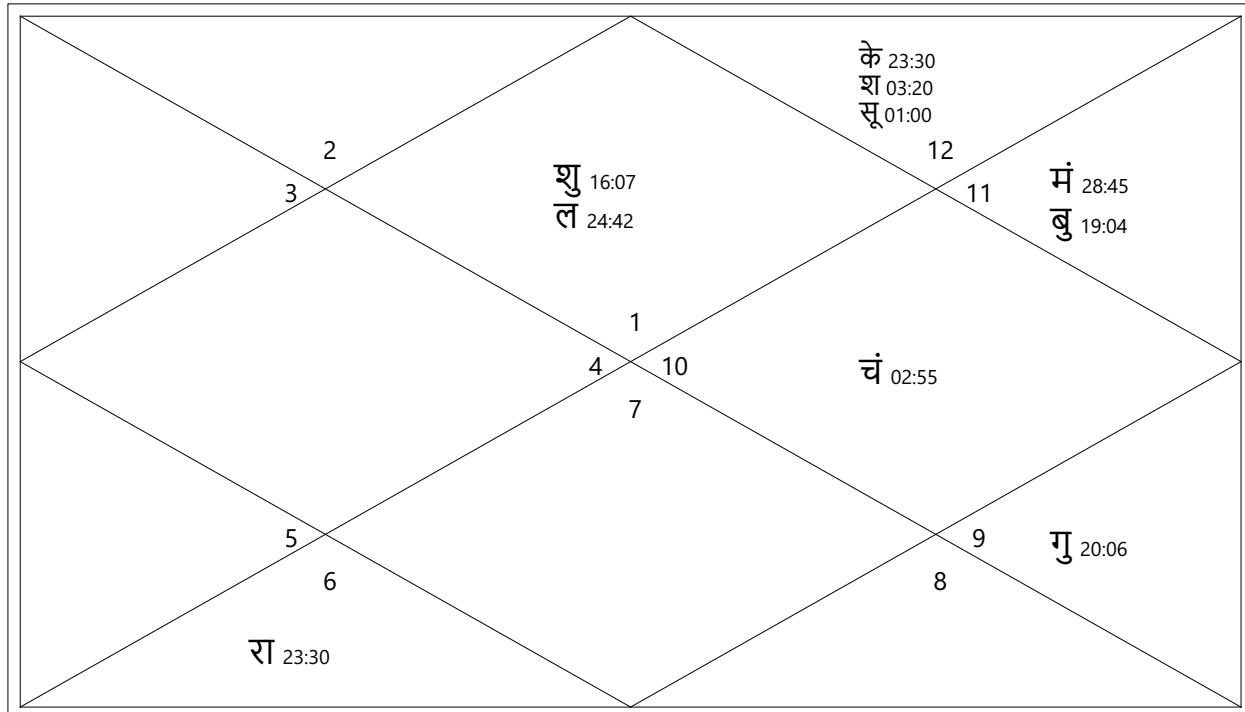
आपकी जन्म राशि मकर है अतः जब शनि मेष, कर्क और तुला में भ्रमण करेगा तो कंटक शनि कहा जायेगा।

आपके जीवन में लघु कल्याणी दैया व कंटक शनि कब-कब चलेगा इसकी जानकारी निम्न तालिका से करें -

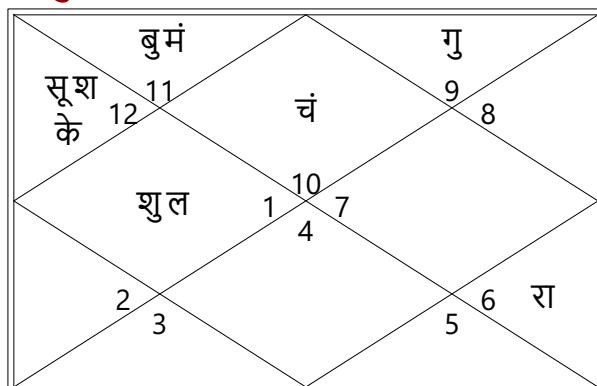
शनि का गोचर	प्रारम्भ तिथि	समाप्ति तिथि	अंतराल वर्ष-मास-दिन	अष्टकवर्ग शनि	अष्टकवर्ग सर्व
दैया की प्रथम आवृत्ति					
चतुर्थ स्थानस्थ कंटक शनि व लघु कल्याणी दैया	मेष मेष (व)	17-04-1998 26-05-2005	06-06-2000 01-11-2006	2-1-19 --	4 25
सप्तम स्थानस्थ कंटक शनि	कर्क कर्क (व)	05-09-2004 26-05-2005	13-01-2005 01-11-2006	0-4-8 1-5-5	4 29
अष्टम स्थानस्थ लघु कल्याणी दैया	सिंह सिंह (व)	01-11-2006 15-07-2007	10-01-2007 09-09-2009	0-2-9 2-1-24	1 21
दशम स्थानस्थ कंटक शनि	तुला तुला (व)	15-11-2011 04-08-2012	16-05-2012 02-11-2014	0-6-1 2-2-28	3 31
दैया की द्वितीय आवृत्ति					
चतुर्थ स्थानस्थ कंटक शनि व लघु कल्याणी दैया	मेष मेष (व)	02-06-2027 23-02-2028	20-10-2027 08-08-2029	0-4-18 1-5-15	4 25
सप्तम स्थानस्थ कंटक शनि	कर्क कर्क (व)	12-07-2034	27-08-2036	2-1-15 --	4 29
अष्टम स्थानस्थ लघु कल्याणी दैया	सिंह सिंह (व)	27-08-2036 05-04-2039	22-10-2038 12-07-2039	2-1-25 0-3-7	1 21
दशम स्थानस्थ कंटक शनि	तुला तुला (व)	27-01-2041 26-09-2041	06-02-2041 11-12-2043	0-0-9 2-2-15	3 31
दैया की तृतीय आवृत्ति					
चतुर्थ स्थानस्थ कंटक शनि व लघु कल्याणी दैया	मेष मेष (व)	07-04-2057	27-05-2059	2-1-20 --	4 25
सप्तम स्थानस्थ कंटक शनि	कर्क कर्क (व)	24-08-2063 09-05-2064	05-02-2064 12-10-2065	0-5-11 1-5-3	4 29
अष्टम स्थानस्थ लघु कल्याणी दैया	सिंह सिंह (व)	12-10-2065 03-07-2066	03-02-2066 30-08-2068	0-3-21 2-1-27	1 21
दशम स्थानस्थ कंटक शनि	तुला तुला (व)	04-11-2070 31-03-2073	05-02-2073 23-10-2073	2-3-1 0-6-22	3 31



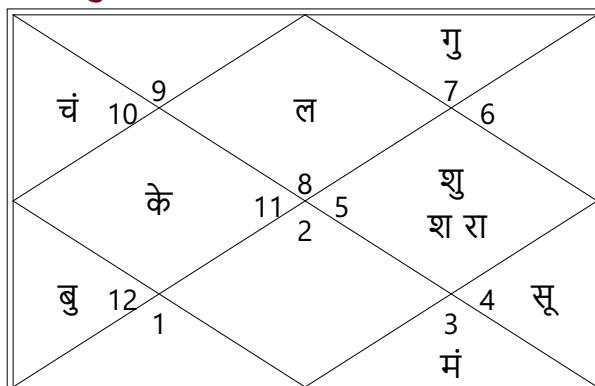
15 मार्च 1996 * शुक्रवार * 08:20:00 घंटे



चंद्र कुण्डली



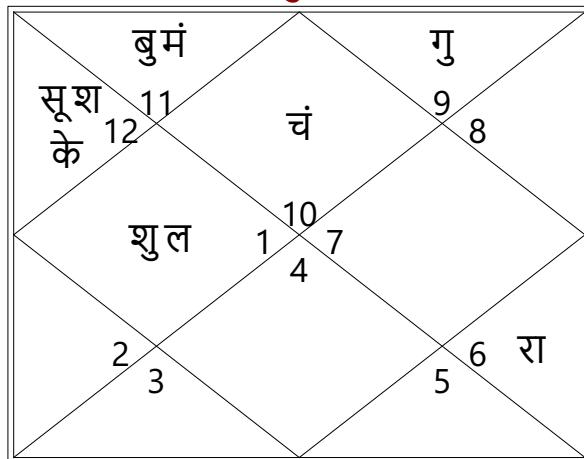
नवांश कुण्डली



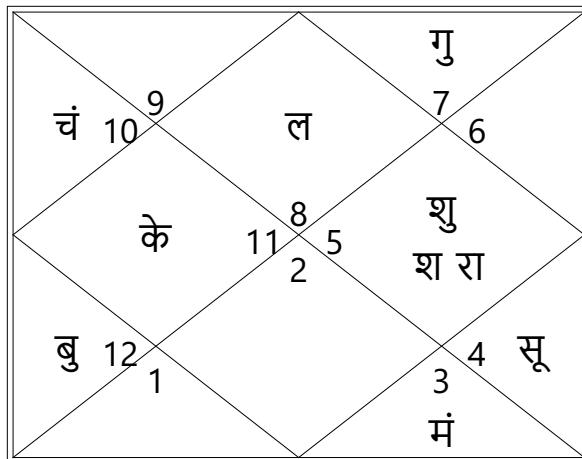
ग्रह	व/अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	रा. स्वा.	न. स्वा.	उप स्वा.	उप स्वा.	शुभा- शुभ	षड्बल
लग्न		मेष	24:42:31		भरणी	4	मं	शु	बु	सू		
सूर्य		मीन	01:00:07	00:59:47	पूर्वभाद्रपद	4	गु	गु	मं	बु	अतिमित्र	1.20
चन्द्र		मकर	02:55:22	14:28:47	उत्तराशाढ़ा	2	श	सू	गु	रा	मित्र	1.17
मंगल	(अ)	कुंभ	28:45:21	00:47:02	पूर्वभाद्रपद	3	श	गु	शु	के	मित्र	1.28
बुध	(अ)	कुंभ	19:04:21	01:45:49	शतभिषा	4	श	रा	चं	शु	मित्र	1.39
गुरु		धनु	20:06:21	00:08:22	पूर्वाशाढ़ा	3	गु	शु	रा	मं	स्वराशि	1.01
शुक्र		मेष	16:07:40	01:04:52	भरणी	1	मं	शु	सू	शु	मित्र	1.55
शनि	(अ)	मीन	03:20:06	00:07:27	उत्तराभाद्रपद	1	गु	श	श	श	मित्र	1.02
राहु		कन्या	23:30:35	-00:02:27	चित्रा	1	बु	मं	मं	गु	स्वराशि	
केतु		मीन	23:30:35	-00:02:27	रेवती	3	गु	बु	मं	गु	स्वराशि	



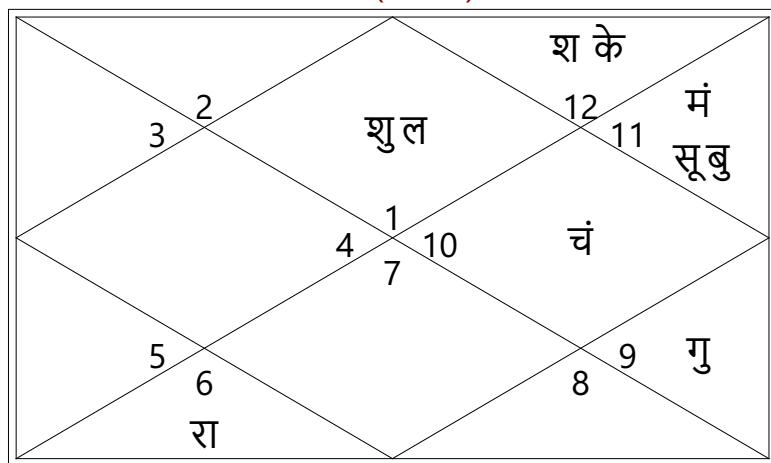
चन्द्र कुण्डली



नवांश



भाव (श्रीपति)



भाव स्पष्ट - श्रीपति विधि

भाव	भाव आरम्भ	भाव मध्य	भाव अन्त
प्रथम भाव	मेष 07:26:10	मेष 24:42:31	वृष 07:26:10
द्वितीय भाव	वृष 07:26:10	वृष 20:09:49	मिथुन 02:53:27
तृतीय भाव	मिथुन 02:53:27	मिथुन 15:37:06	मिथुन 28:20:45
चतुर्थ भाव	मिथुन 28:20:45	कर्क 11:04:24	कर्क 28:20:45
पंचम भाव	कर्क 28:20:45	सिंह 15:37:06	कन्या 02:53:27
षष्ठ भाव	कन्या 02:53:27	कन्या 20:09:49	तुला 07:26:10
सप्तम भाव	तुला 07:26:10	तुला 24:42:31	वृश्चिक 07:26:10
अष्टम भाव	वृश्चिक 07:26:10	वृश्चिक 20:09:49	धनु 02:53:27
नवम भाव	धनु 02:53:27	धनु 15:37:06	धनु 28:20:45
दशम भाव	धनु 28:20:45	मकर 11:04:24	मकर 28:20:45
एकादश भाव	मकर 28:20:45	कुंभ 15:37:06	मीन 02:53:27
द्वादश भाव	मीन 02:53:27	मीन 20:09:49	मेष 07:26:10

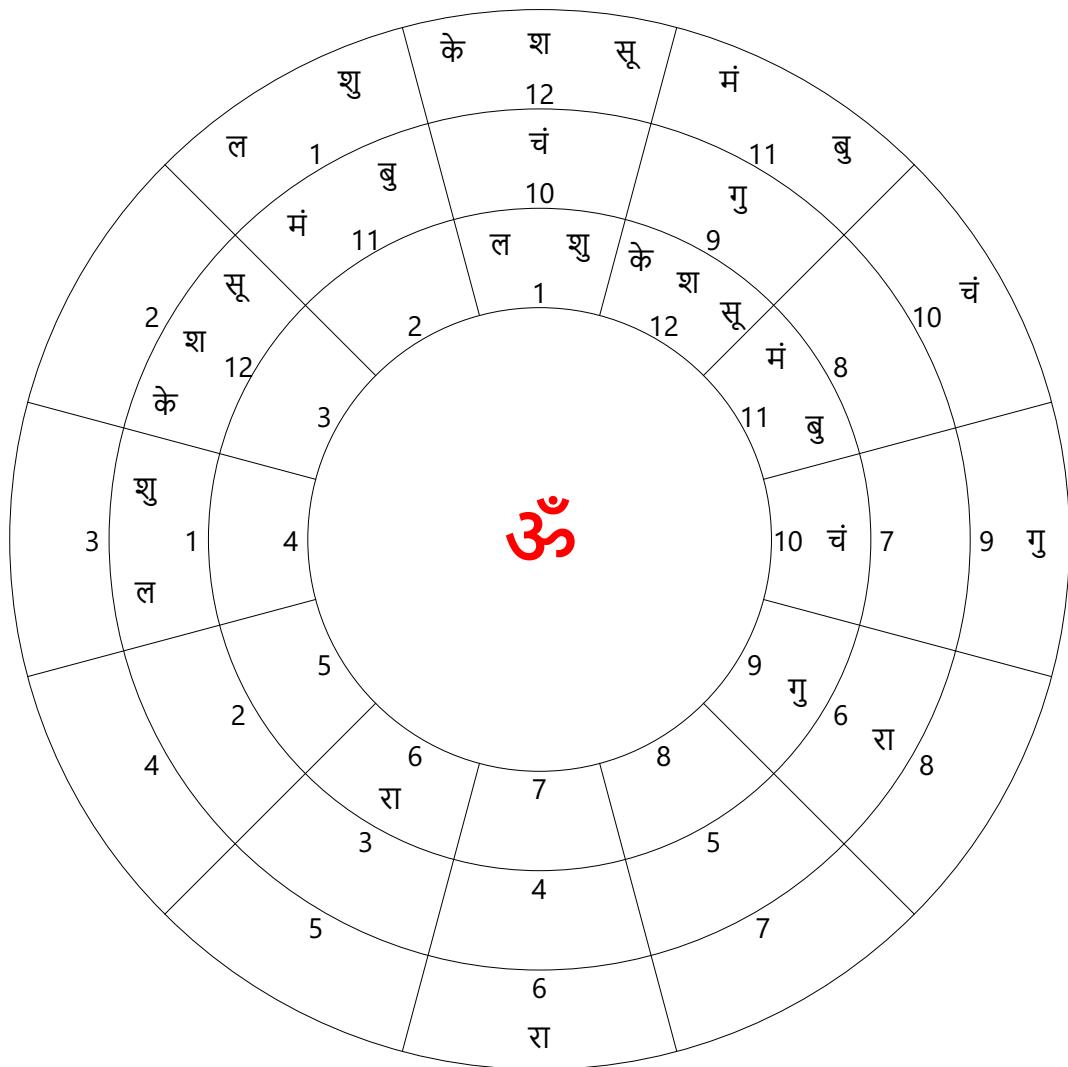


सुदर्शन चक्र

बाह्य वृत : सूर्य कुण्डली

मध्य वृत : चन्द्र कुण्डली

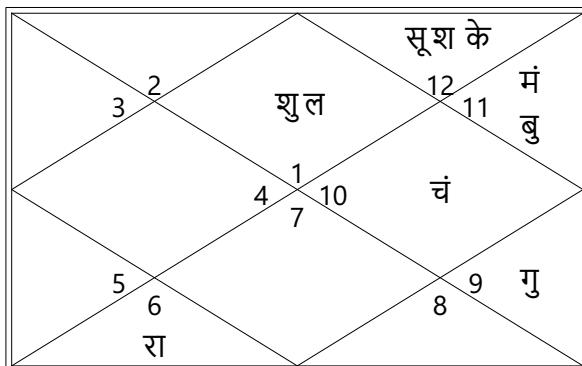
आन्तरिक वृत : जन्म कुण्डली



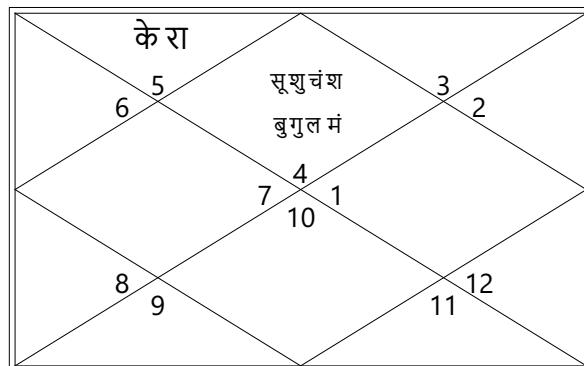
सुदर्शन चक्र के बाह्य वृत में सूर्य कुण्डली, मध्य वृत में चन्द्र कुण्डली व आन्तरिक वृत में जन्म कुण्डली बना कर तीनों कुण्डलियों के विभिन्न भावों में स्थित ग्रहों का एक साथ विश्लेषण किया जाता है।



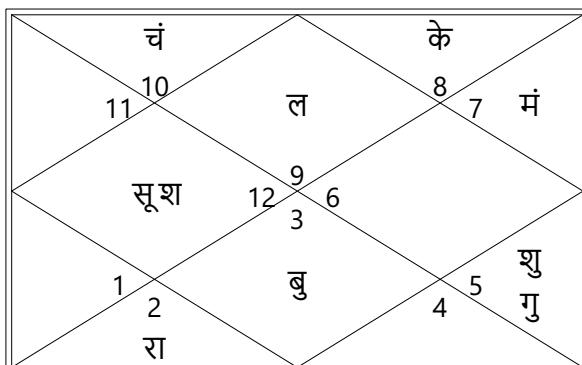
जन्म कुण्डली



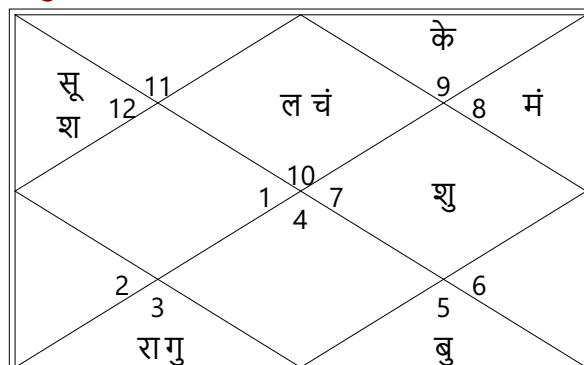
होरा (धन-सम्पत्ति)



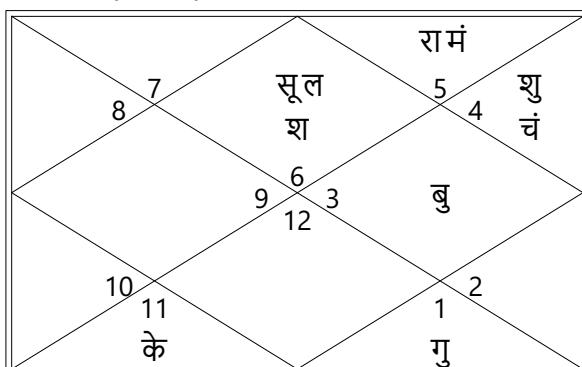
द्रेष्काण (भाई-बहन)



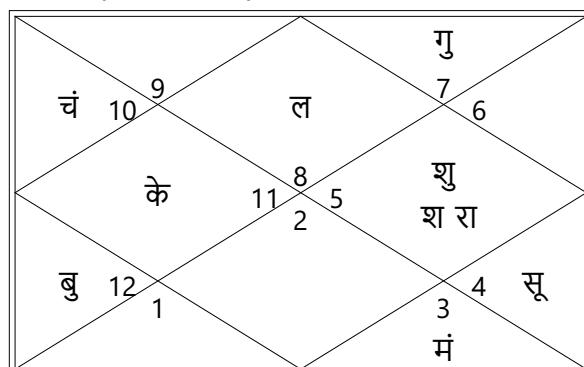
चतुर्थांश (भाग्य)



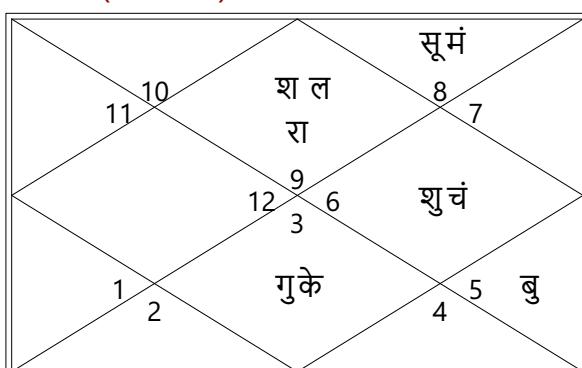
सप्तांश (संतान)



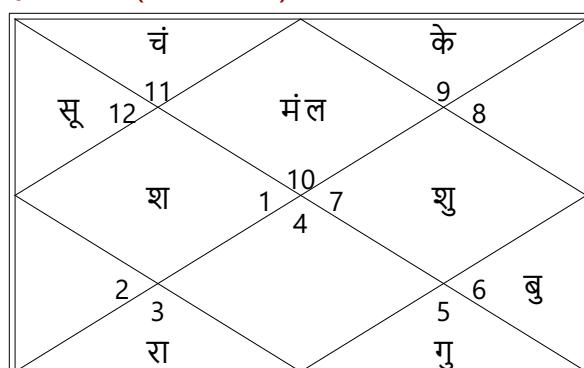
नवांश (जीवनसाथी)



दशांश (कर्मफल)

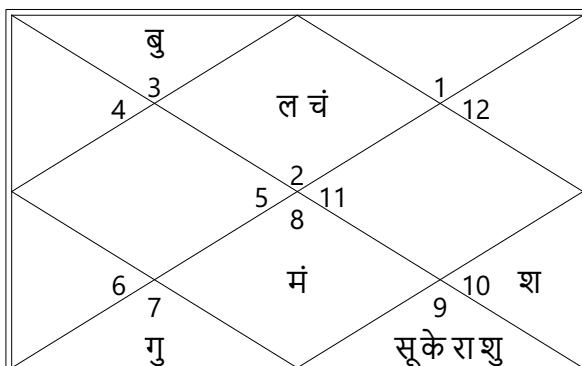


द्वादशांश (माता-पिता)

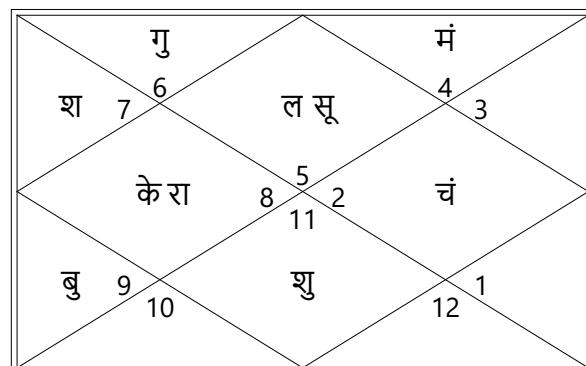




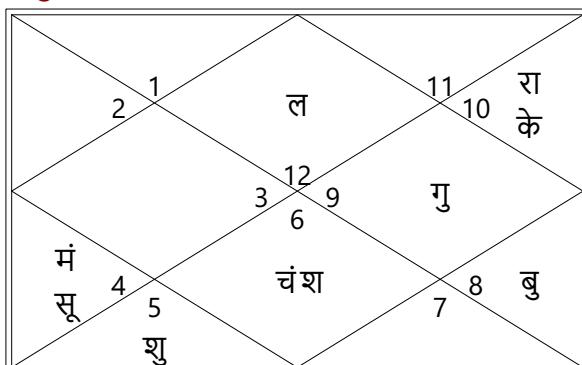
षोडशांश (वाहन)



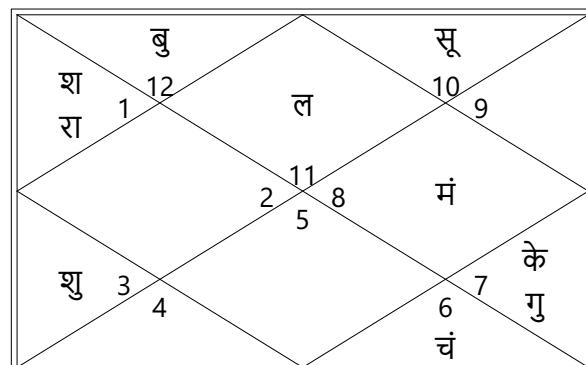
विंशांश (उपासना)



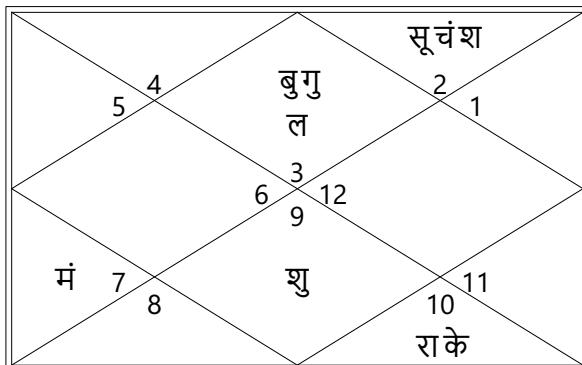
चतुर्विंशांश (विद्या)



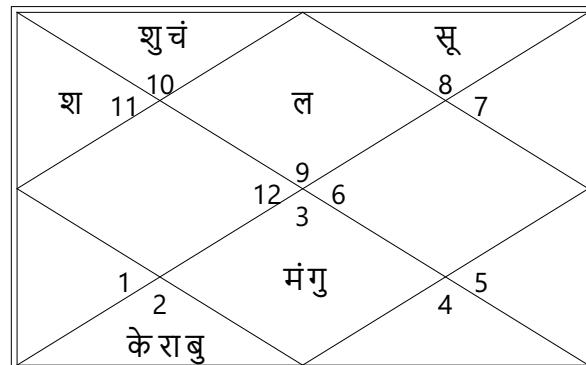
सप्तविंशांश (बलाबल)



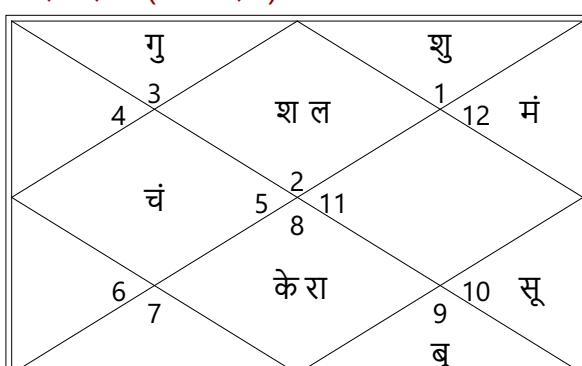
त्रिंशांश (अरिष्ट)



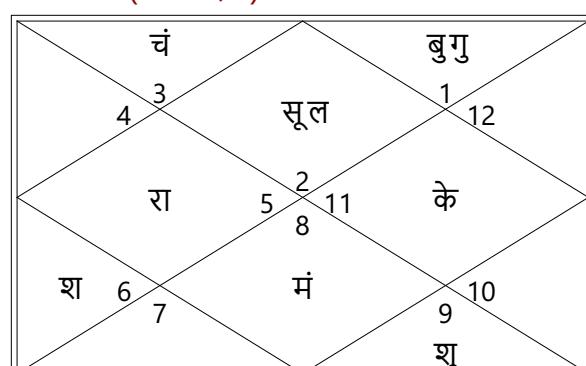
खવेदांश (शुभ-अशुभफल)



अक्षवेदांश (सभी क्षेत्र)



षष्ठ्यांश (सभी क्षेत्र)





ॐ

उपग्रह

गुलिकादि उपग्रह समूह

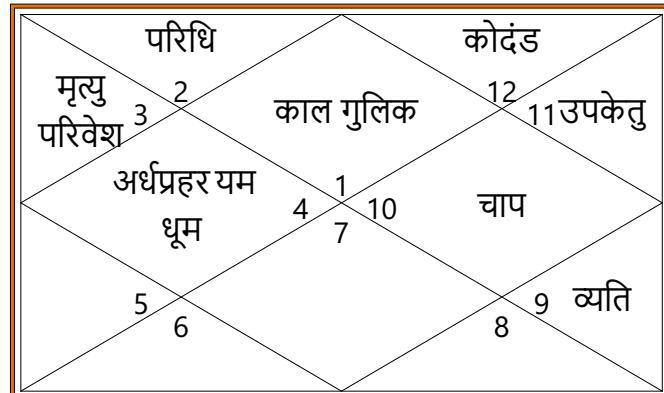
जन्म सूर्योदय से मध्याह्न के बीच * सूर्योदय-सूर्यास्त : 05:36-17:28 * जन्मवार : शुक्रवार

उपग्रह	स्वामी	उपग्रह की अवधि	आरम्भ (पराशर विधि)				अन्त (कालिदास विधि)			
			राशि	अंश	नक्षत्र	पद	राशि	अंश	नक्षत्र	पद
कालवेला	सू.	08:34-10:03	मेष	28:48:47	कृतिका	1	वृष	22:21:39	रोहिणी	4
परिधि	च	10:03-11:32	वृष	22:21:39	रोहिणी	4	मिथुन	13:10:34	आद्र्वा	2
मृत्यु	मं	11:32-13:01	मिथुन	13:10:34	आर्द्रा	2	कर्क	02:41:02	पुनर्वसु	4
अर्धप्रहर	बु	13:01-14:30	कर्क	02:41:02	पुनर्वसु	4	कर्क	21:55:32	आश्लेषा	2
यमकण्टक	गु	14:30-15:59	कर्क	21:55:32	आश्लेषा	2	सिंह	11:27:47	मघा	4
कोदण्ड	शु	05:36-07:05	मीन	00:53:19	पू. भाद्रपद	4	मेष	01:21:27	अश्विनी	1
गुलिक	श	07:05-08:34	मेष	01:21:27	अश्विनी	1	मेष	28:48:47	कृतिका	1

धूमादि उपग्रह समूह

उपग्रह	स्वामी	राशि	अंश	नक्षत्र	पद
धूम	मं	कर्क	14:20:07	पुष्य	4
व्यतिपात	रा	धनु	15:39:53	पूर्वाश्वाढ़ा	1
परिवेश	चं	मिथुन	15:39:53	आर्द्रा	3
इन्द्रचाप	शु	मकर	14:20:07	श्रवण	2
उपकेतु	के	कुंभ	01:00:07	धनिष्ठा	3

उपग्रह



अन्य विशेष लग्न व गणनाएं

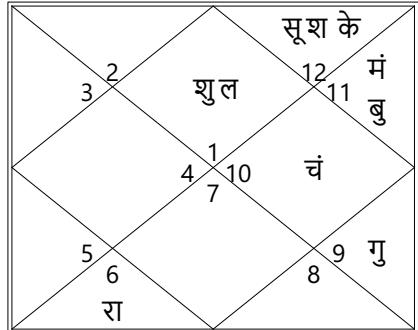
भाव लग्न	मेष	11:50:09	योगी बिन्दु	07:15:30 मीन
होरा लग्न	वृष	22:46:58	योगी	श
घटिका लग्न	कन्या	25:37:25	अवयोगी/अन्य योगी	चं/गु
इन्दु लग्न	मिथुन	15:00:00	64वां नवांश (चन्द्र/लग्न)	मेष/कुंभ
बीज स्फुट	धनु	07:14:08	22वां द्रेष्काण (लग्न/चन्द्र)	कर्क/सिंह
जन्म कुण्डली/नवांश	विषम/विषम	100 प्रतिशत (शुभफल)	सर्प द्रेष्काण	केतु



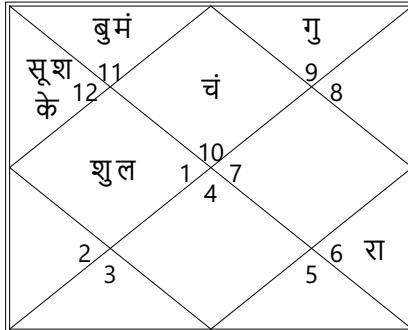
जन्म दिन : 15 मार्च 1996, शुक्रवार
 जन्म समय : 08:20:00 घंटे
 जन्म स्थान : Guwahati, Assam, India

रेखांश/अक्षांश : 91°44'00" 26°11'00"
 समयक्षेत्र : -05:30:00 घंटे
 समय संशोधन : 00:00:00 घंटे

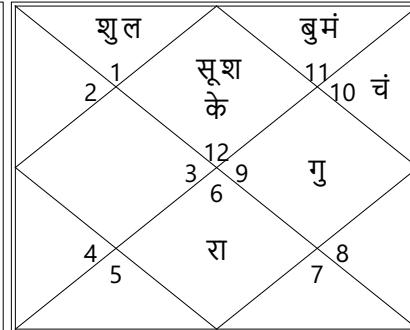
जन्म कुण्डली



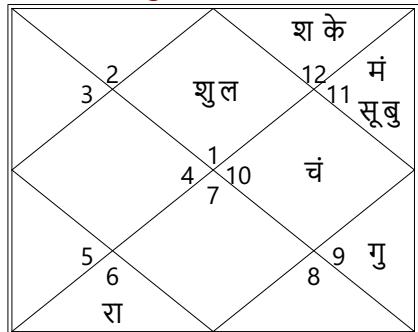
चंद्र कुण्डली



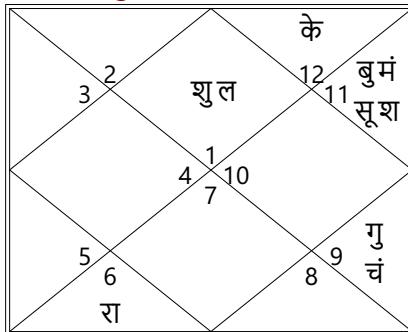
सूर्य कुण्डली



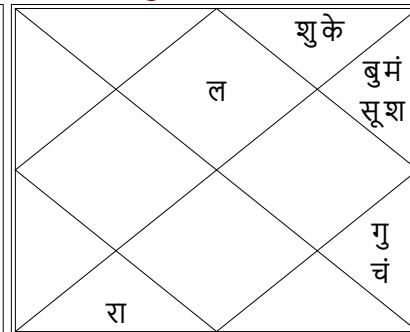
श्रीपति भाव कुण्डली



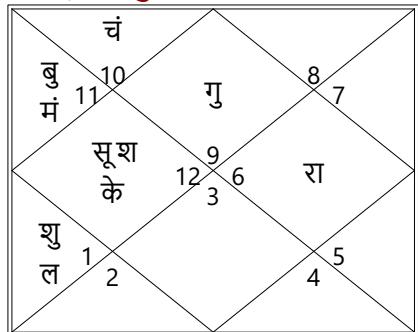
सम भाव कुण्डली



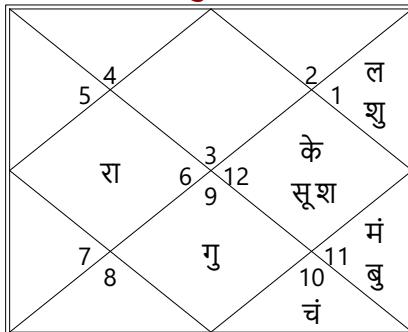
के.पी. भाव कुण्डली



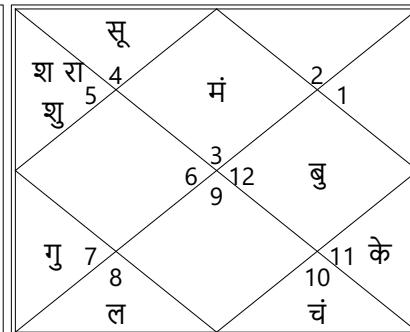
आरुढ़ लग्र कुण्डली



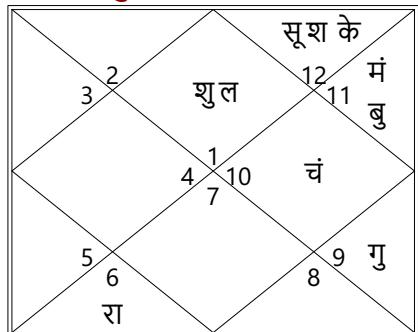
कारकांश (जन्म कुण्डली)



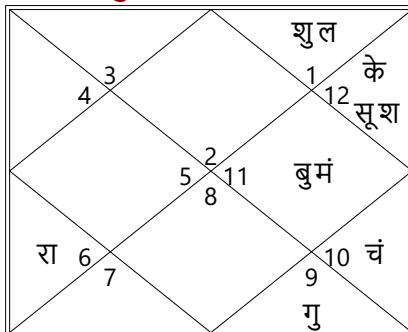
कारकांश (नवांश)



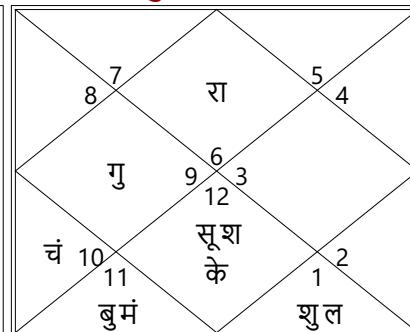
भाव लग्र कुण्डली



होरा लग्र कुण्डली



घटिका लग्र कुण्डली





नैसर्गिक मैत्री चक्र

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
मित्र	चन्द्र मंगल गुरु	सूर्य बुध	सूर्य चन्द्र गुरु केतु	सूर्य शुक्र	सूर्य चन्द्र मंगल	बुध शनि राहु केतु	बुध शुक्र राहु	गुरु शुक्र शनि	मंगल शुक्र
शत्रु	शुक्र शनि राहु केतु	राहु केतु	बुध राहु	चन्द्र	बुध शुक्र	सूर्य चन्द्र	सूर्य चन्द्र मंगल केतु	सूर्य चन्द्र मंगल केतु	सूर्य चन्द्र शनि केतु
सम	बुध	मंगल गुरु शुक्र शनि	शुक्र शनि	मंगल गुरु शनि राहु	शनि राहु केतु	मंगल गुरु	गुरु	बुध	गुरु बुध

तात्कालिक मैत्री चक्र

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
मित्र	चन्द्र मंगल बुध गुरु शुक्र	सूर्य मंगल बुध गुरु शुक्र शनि केतु	सूर्य चन्द्र गुरु शुक्र शनि केतु	सूर्य चन्द्र गुरु शुक्र शनि केतु	सूर्य चन्द्र मंगल बुध शनि राहु केतु	सूर्य चन्द्र मंगल बुध शनि केतु	चन्द्र मंगल बुध गुरु शुक्र	गुरु	चन्द्र मंगल बुध गुरु शुक्र
शत्रु	शनि राहु केतु	राहु	बुध राहु	मंगल राहु	शुक्र	गुरु राहु	सूर्य राहु केतु	सूर्य चन्द्र मंगल बुध शुक्र शनि केतु	सूर्य शनि राहु

पंचधा मैत्री चक्र

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
अतिमित्र	चन्द्र मंगल गुरु	सूर्य बुध	सूर्य चन्द्र गुरु केतु	सूर्य शुक्र	सूर्य चन्द्र मंगल	बुध शनि केतु	बुध शुक्र	गुरु	मंगल शुक्र
मित्र	बुध	मंगल गुरु शुक्र शनि	शुक्र शनि	गुरु शनि केतु	शनि राहु केतु	मंगल	गुरु		बुध गुरु
सम	शुक्र	केतु		चन्द्र	बुध	सूर्य चन्द्र राहु	चन्द्र मंगल राहु	शुक्र शनि	चन्द्र
शत्रु				मंगल राहु		गुरु		बुध	
अतिशत्रु	शनि राहु केतु	राहु	बुध राहु		शुक्र		सूर्य केतु	सूर्य चन्द्र मंगल केतु	सूर्य शनि राहु



षोडशवर्ग सारणी

षोडशवर्ग में राशियों में ग्रह

लग्न	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
जन्म	मेष	मीन	मकर	कुंभ	कुंभ	धनु	मेष	मीन	कन्या
होरा	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क	सिंह	सिंह
द्रेष्काण	धनु	मीन	मकर	तुला	मिथुन	सिंह	मीन	वृष	वृश्चिक
चतुर्थश	मकर	मीन	मकर	वृश्चिक	सिंह	मिथुन	तुला	मीन	मिथुन
सप्तांश	कन्या	कन्या	कर्क	सिंह	मिथुन	मेष	कर्क	सिंह	कुंभ
नवांश	वृश्चिक	कर्क	मकर	मिथुन	मीन	तुला	सिंह	सिंह	कुंभ
दशांश	धनु	वृश्चिक	कन्या	वृश्चिक	सिंह	मिथुन	कन्या	धनु	मिथुन
द्वादशांश	मकर	मीन	कुंभ	मकर	कन्या	सिंह	तुला	मेष	मिथुन
षोडशांश	वृष	धनु	वृष	वृश्चिक	मिथुन	तुला	धनु	मकर	धनु
विशांश	सिंह	सिंह	वृष	कर्क	धनु	कन्या	कुंभ	तुला	वृश्चिक
चतुर्विशांश	मीन	कर्क	कन्या	कर्क	वृश्चिक	धनु	सिंह	कन्या	मकर
सप्तविशांश	कुंभ	मकर	कन्या	वृश्चिक	मीन	तुला	मिथुन	मेष	तुला
त्रिंशांश	मिथुन	वृष	वृष	तुला	मिथुन	मिथुन	धनु	वृष	मकर
खवेदांश	धनु	वृश्चिक	मकर	मिथुन	वृष	मिथुन	मकर	कुंभ	वृष
अक्षवेदांश	वृष	मकर	सिंह	मीन	धनु	मिथुन	मेष	वृष	वृश्चिक
षष्ठ्यांश	वृष	वृष	मिथुन	वृश्चिक	मेष	मेष	धनु	कन्या	कुंभ

षोडशवर्ग में शुभाशुभ

सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
जन्म	अतिमित्र	मित्र	मित्र	मित्र	स्वराशि	मित्र	मित्र	स्वराशि
होरा	सम	स्वराशि	नीच	अतिशत्रु	उच्च	अतिशत्रु	अतिशत्रु	सम
द्रेष्काण	सम	मित्र	मित्र	स्वराशि	सम	अतिशत्रु	शत्रु	उच्च
चतुर्थश	अतिमित्र	मित्र	स्वराशि	सम	सम	मूलत्रिक.	मित्र	मूलत्रिक.
सप्तांश	मित्र	स्वराशि	अतिमित्र	स्वराशि	सम	अतिशत्रु	अतिमित्र	सम
नवांश	सम	शत्रु	सम	नीच	सम	सम	सम	सम
दशांश	सम	अतिमित्र	स्वराशि	अतिमित्र	सम	नीच	शत्रु	सम
द्वादशांश	सम	मित्र	उच्च	मूलत्रिक.	सम	मूलत्रिक.	नीच	मूलत्रिक.
षोडशांश	अतिमित्र	उच्च	स्वराशि	स्वराशि	सम	मित्र	स्वराशि	मूलत्रिक.
विशांश	स्वराशि	उच्च	नीच	मित्र	सम	सम	उच्च	नीच
चतुर्विशांश	अतिमित्र	अतिमित्र	नीच	शत्रु	मूलत्रिक.	सम	अतिमित्र	सम
सप्तविशांश	सम	सम	स्वराशि	नीच	अतिशत्रु	मिथुन	नीच	सम
त्रिंशांश	अतिशत्रु	उच्च	मित्र	स्वराशि	अतिशत्रु	शत्रु	सम	सम
खवेदांश	सम	मित्र	सम	सम	सम	अतिमित्र	मूलत्रिक.	उच्च
अक्षवेदांश	अतिशत्रु	सम	अतिमित्र	शत्रु	अतिशत्रु	मित्र	अतिमित्र	नीच
षष्ठ्यांश	अतिशत्रु	अतिमित्र	स्वराशि	शत्रु	सम	शत्रु	सम	उच्च

विशेषक बल

सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
षड्वर्ग	18	16	13	16	15	12	12	12
सप्तवर्ग	17	16	14	17	16	13	13	12
दशवर्ग	15	17	17	15	15	11	15	10
षोडशवर्ग	15	16	16	14	13	11	15	10



ग्रहों का षड्बल

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	47.00	19.97	49.75	8.64	4.96	53.62	15.55
सप्तवर्गीय बल	135.00	135.00	106.88	157.50	129.38	78.75	91.88
ओज-युग्म बल	0.00	30.00	30.00	15.00	30.00	0.00	15.00
केन्द्रादिं बल	15.00	60.00	30.00	30.00	15.00	60.00	15.00
द्रेष्काण बल	15.00	0.00	0.00	15.00	0.00	0.00	0.00
1. स्थान बल	212.00	244.97	216.62	226.14	179.34	192.37	137.43
2. दिग्बल	38.29	2.35	39.04	44.59	24.94	36.75	10.65
नतोन्त्र बल	38.51	21.49	21.49	60.00	38.51	38.51	21.49
पक्ष बल	40.64	19.36	40.64	40.64	19.36	19.36	40.64
त्रिभाग बल	0.00	0.00	0.00	60.00	60.00	0.00	0.00
वर्ष बल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	15.00	0.00
मास बल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	30.00
वार बल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	45.00	0.00
होरा बल	0.00	0.00	0.00	60.00	0.00	0.00	0.00
आयन बल	27.29	56.79	26.12	38.83	0.88	49.26	31.50
युद्ध बल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
3. काल बल	106.44	97.64	88.24	259.47	118.75	167.13	123.62
4. चेष्टा बल	27.29	19.36	1.76	15.79	40.25	49.00	1.16
5. नैसर्गिक बल	60.00	51.42	17.16	25.74	34.26	42.84	8.58
6. द्वक बल	22.39	5.19	20.42	12.46	-2.06	24.43	24.38
कुल षड्बल	466.41	420.93	383.25	584.20	395.48	512.52	305.83
षड्बल (रूप में)	7.77	7.02	6.39	9.74	6.59	8.54	5.10
न्यूनतम वांछनीय	390	360	300	420	390	330	300
वांछनीय का अंश	1.20	1.17	1.28	1.39	1.01	1.55	1.02
स्थान बल वांछित का अंश	1.28	1.84	2.26	1.37	1.09	1.45	1.43
दिग्बल वांछित का अंश	1.09	0.05	1.30	1.27	0.71	0.73	0.36
काल बल वांछित का अंश	0.95	0.98	1.32	2.32	1.06	1.67	1.85
चेष्टा बल वांछित का अंश	0.55	0.65	0.04	0.32	0.80	1.63	0.03
द्वक्बल वांछित का अंश	0.91	1.42	1.31	1.29	0.03	1.23	1.57
तुलनात्मक स्थिति	4	5	3	2	7	1	6
इष्ट फल	37.63	19.67	25.76	12.21	22.61	51.31	8.36
कष्ट फल	22.37	40.33	34.24	47.79	37.39	8.69	51.64

भावबल

	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII
भावमध्य राशि	मे	वृ	मि	क	सि	क	तु	वृ	ध	म	कु	मी
भावमध्य अंश	24	24	24	24	24	24	24	24	24	24	24	24
भावाधिपति बल	383	512	584	420	466	584	512	383	395	305	305	395
भाव दिग्बल	30	20	40	30	10	10	0	50	50	0	40	20
भाव दृष्टि बल	9	-69	2	29	-40	-69	-39	-23	0	4	16	35
ग्रह	0	0	0	0	0	0	0	0	60	0	0	-120
दिन-रात्रि	0	0	15	0	15	15	15	15	0	0	15	0
कुल भावबल	423	463	642	480	451	540	488	425	506	311	378	331



ग्रहों पर दृष्टि

दृष्टि देने वाले ग्रह

द्रष्ट ग्रह	अंश	सूर्य 331:00	चन्द्र 272:55	मंगल 328:45	बुध 319:04	गुरु 260:06	शुक्र 16:07	शनि 333:20	राहु 173:30	केतु 353:30
सूर्य	331:00	-	1/4 (14)	-	-	3/4 (25)	-	-	4/4 (14)	-
चन्द्र	272:55	-	-	-	-	-	1/4 (21)	-	4/4 (49)	(10)
मंगल	328:45	-	- (12)	-	-	1/4 (23)	-	-	- (10)	-
बुध	319:04	-	- (8)	-	-	1/4 (14)	-	-	- (34)	-
गुरु	260:06	1/4 (5)	-	- (4)	-	-	1/2 (28)	4/4 (26)	3/4 (41)	1/4 (33)
शुक्र	16:07	-	3/4 (7) (38)	1/4 (8)	1/4 (13)	4/4 (58)	-	-	3/4 (25) (48)	-
शनि	333:20	-	1/4 (15)	-	-	3/4 (28)	-	-	4/4 (19)	-
राहु	173:30	4/4 (48)	1/2 (19)	4/4 (60)	3/4 (42)	1/4 (13)	- (14)	4/4 (49)	-	4/4 (59)
केतु	353:30	-	1/4 (35)	-	- (2)	3/4 (46)	-	-	4/4 (59)	-

श्रीपति भावों पर दृष्टि

दृष्टि देने वाले ग्रह

द्रष्ट भाव	अंश	सूर्य 331:00	चन्द्र 272:55	मंगल 328:45	बुध 319:04	गुरु 260:06	शुक्र 16:07	शनि 333:20	राहु 173:30	केतु 353:30
प्रथम	24:42	11	34	12	20	55	-	42	45	-
द्वितीय	50:09	34	12	47	44	-	2	51	58	13
तृतीय	75:37	37	25	43	31	51	14	38	37	37
चतुर्थ	101:04	19	55	17	7	49	39	22	6	53
पंचम	135:37	29	38	33	53	57	30	24	-	37
षष्ठ	170:09	50	21	60	44	14	8	51	-	53
सप्तम	204:42	33	4	34	27	-	55	34	-	45
अष्टम	230:09	20	-	19	14	-	42	46	13	58
नवम	255:37	7	-	6	1	-	30	35	37	37
दशम	281:04	-	-	-	-	-	17	-	53	6
एकादश	315:37	-	6	-	-	12	-	-	37	-
द्वादश	350:09	-	32	-	-	45	-	-	53	-



ग्रहों की अवस्थाएं

ग्रह	जाग्रदाद्य अवस्था (3 का समूह)	बालाद्य अवस्था (5 का समूह)	लज्जिताद्य अवस्था (6 का समूह)	दीप्ताद्य अवस्था (9 का समूह)	शयनाद्य अवस्था (12 का समूह)
सूर्य	स्वप्न (मध्यमफल)	मृत (शून्यफल)	क्षुधित तृष्णित	मुदित (अधिमित्र)	आगमन (गमनशील)
चन्द्र	स्वप्न (मध्यमफल)	मृत (शून्यफल)	मुदित	शान्त (मित्र)	कौतुक (पुण्य धनवान)
मंगल	स्वप्न (मध्यमफल)	मृत (शून्यफल)	मुदित	शान्त (मित्र)	आगम (धर्मकर्मरहित कायर)
बुध	स्वप्न (मध्यमफल)	वृद्ध (अत्यलपफल)	मुदित	शान्त (मित्र)	गमन (विवित्र भवन वाला)
गुरु	जाग्रूत (पूर्णफल)	वृद्ध (अत्यलपफल)		स्वस्थ (स्वक्षेत्र)	भोजन (सुभोजन/पूर्णधनी)
शुक्र	स्वप्न (मध्यमफल)	युवा (पूर्णफल)	मुदित	शान्त (मित्र)	गमन (मानसिक कष्ट)
शनि	स्वप्न (मध्यमफल)	मृत (शून्यफल)	तृष्णित मुदित क्षोभित	शान्त (मित्र)	भोजन (नेत्रव्याधि)
राहु	जाग्रूत (पूर्णफल)	कुमार (आधाफल)		स्वस्थ (स्वक्षेत्र)	शयन (क्लेशपूर्ण/धनी)
केतु	जाग्रूत (पूर्णफल)	कुमार (आधाफल)	क्षुधित तृष्णित क्षोभित	स्वस्थ (स्वक्षेत्र)	गमन (महाधनी गुणी दानी)

टिप्पणी - जाग्रदाद्य व बालाद्य अवस्थाओं में ग्रहों के फल की मात्रा व शयनाद्य अवस्था में ग्रहों की अवस्थाओं का फल दिया गया है।

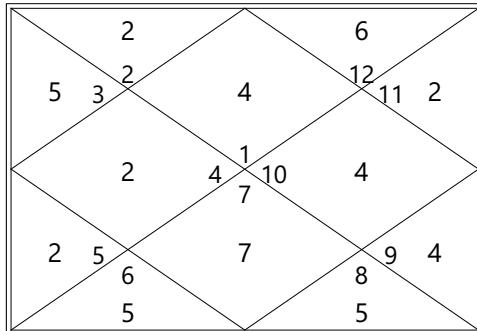


अष्टकवर्ग - भिन्नाष्टक वर्ग

सूर्य

सूर्य राशि	12	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	
शनि	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
गुरु	0	1	1	0	0	1	0	1	0	0	0	0	4
मंगल	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	8
सूर्य	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
शुक्र	1	0	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	3
बुध	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	0	7
चन्द्र	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	0	0	4
लग्न	1	0	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	6
योग	6	4	2	5	2	2	5	7	5	4	4	2	48

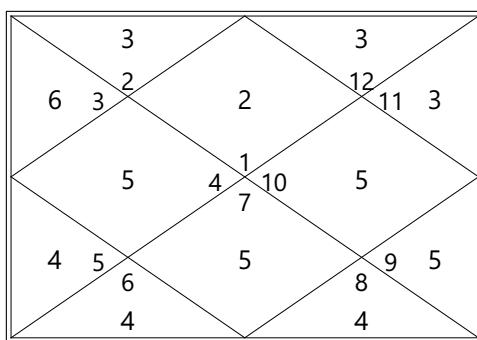
सूर्य



चन्द्र

चन्द्र राशि	10	11	12	1	2	3	4	5	6	7	8	9	
शनि	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	4
गुरु	0	0	1	0	0	1	1	0	1	1	1	1	7
मंगल	0	0	1	1	0	1	1	0	0	1	1	1	7
सूर्य	1	0	0	0	1	0	0	1	1	1	0	1	6
शुक्र	1	1	0	0	0	1	1	1	0	1	0	0	7
बुध	0	1	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	8
चन्द्र	1	0	1	0	0	1	1	0	0	1	1	0	6
लग्न	1	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	4
योग	5	3	3	2	3	6	5	4	4	5	4	5	49

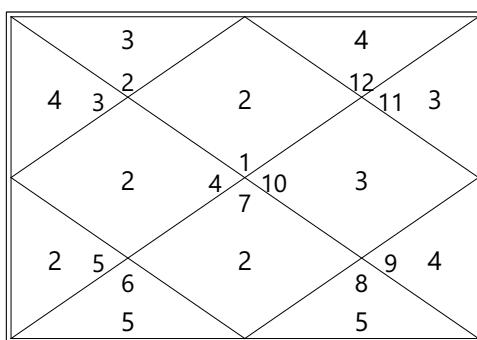
चन्द्र



मंगल

मंगल राशि	11	12	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	
शनि	0	1	0	0	1	0	0	1	1	1	1	1	7
गुरु	0	0	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	4
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
सूर्य	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	1	1	5
शुक्र	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	4
बुध	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	4
चन्द्र	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	0	0	3
लग्न	1	0	1	0	1	0	0	1	0	0	0	1	5
योग	3	4	2	3	4	2	2	5	2	5	4	3	39

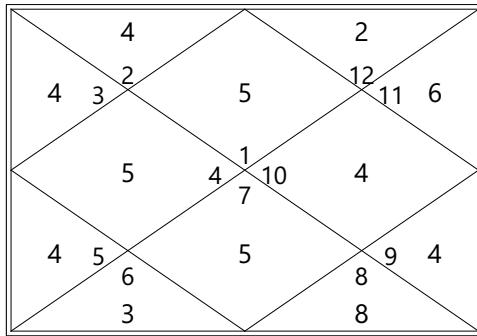
मंगल



बुध

बुध राशि	11	12	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	
शनि	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	8
गुरु	0	0	0	1	0	1	0	0	1	1	1	0	4
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
सूर्य	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	1	0	5
शुक्र	1	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	8
बुध	1	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	8
चन्द्र	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	1	0	6
लग्न	1	0	1	1	0	1	0	1	0	1	0	1	7
योग	6	2	5	4	4	5	4	3	5	8	4	4	54

बुध



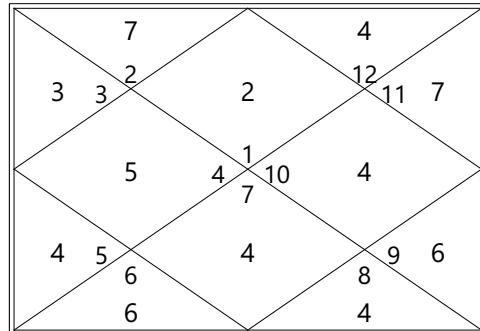


अष्टकवर्ग - भिन्नाष्टक वर्ग

गुरु

गुरु राशि	9	10	11	12	1	2	3	4	5	6	7	8	
शनि	0	0	1	0	0	1	0	1	1	0	0	0	4
गुरु	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	8
मंगल	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	7
सूर्य	1	1	0	1	1	1	0	0	0	1	1	1	9
शुक्र	1	1	1	0	0	1	0	0	1	1	0	0	6
बुध	1	0	1	1	0	1	1	1	0	0	1	1	8
चन्द्र	0	0	1	0	0	1	0	1	0	1	0	1	5
लग्न	1	1	1	0	1	1	0	1	1	1	1	0	9
योग	6	4	7	4	2	7	3	5	4	6	4	4	56

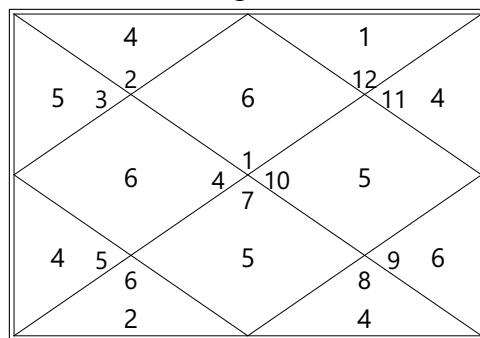
गुरु



शुक्र

शुक्र राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
शनि	0	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	0	7
गुरु	1	0	0	1	1	1	1	0	0	0	0	0	5
मंगल	1	0	1	1	0	0	1	0	1	1	0	0	6
सूर्य	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	0	3
शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	9
बुध	1	0	1	1	0	0	1	0	1	0	0	0	5
चन्द्र	1	1	0	0	1	1	0	1	1	1	1	1	9
लग्न	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	8
योग	6	4	5	6	4	2	5	4	6	5	4	1	52

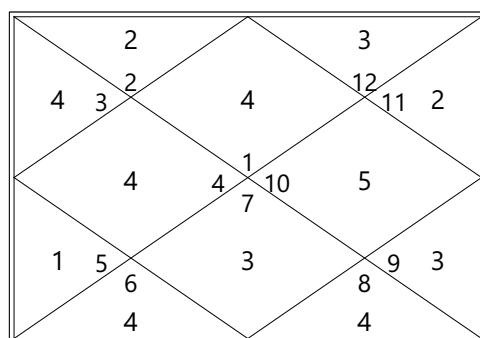
शुक्र



शनि

शनि राशि	12	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	
शनि	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	4
गुरु	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	4
मंगल	0	1	0	1	1	0	0	0	1	1	1	0	6
सूर्य	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
शुक्र	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	1	3
बुध	0	0	0	0	1	0	1	1	1	1	1	0	6
चन्द्र	1	0	0	1	0	0	0	0	1	0	0	0	3
लग्न	0	1	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	6
योग	3	4	2	4	4	1	4	3	4	3	5	2	39

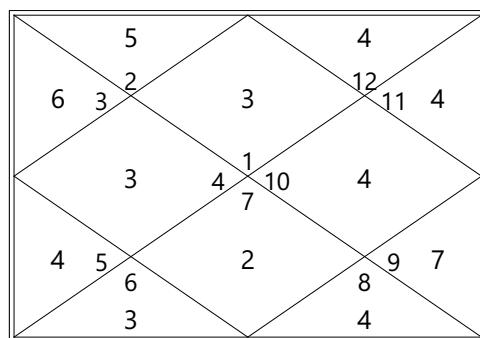
शनि



लग्न

लग्न राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
शनि	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	0	1	6
गुरु	1	1	1	0	1	1	1	0	1	1	0	1	9
मंगल	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	1	0	5
सूर्य	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	1	0	6
शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	0	0	7
बुध	0	1	0	1	0	1	0	1	1	0	1	1	7
चन्द्र	0	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	5
लग्न	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
योग	3	5	6	3	4	3	2	4	7	4	4	4	49

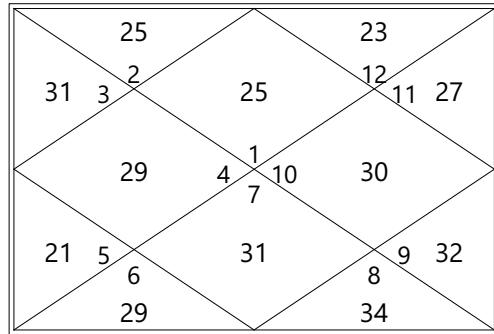
लग्न



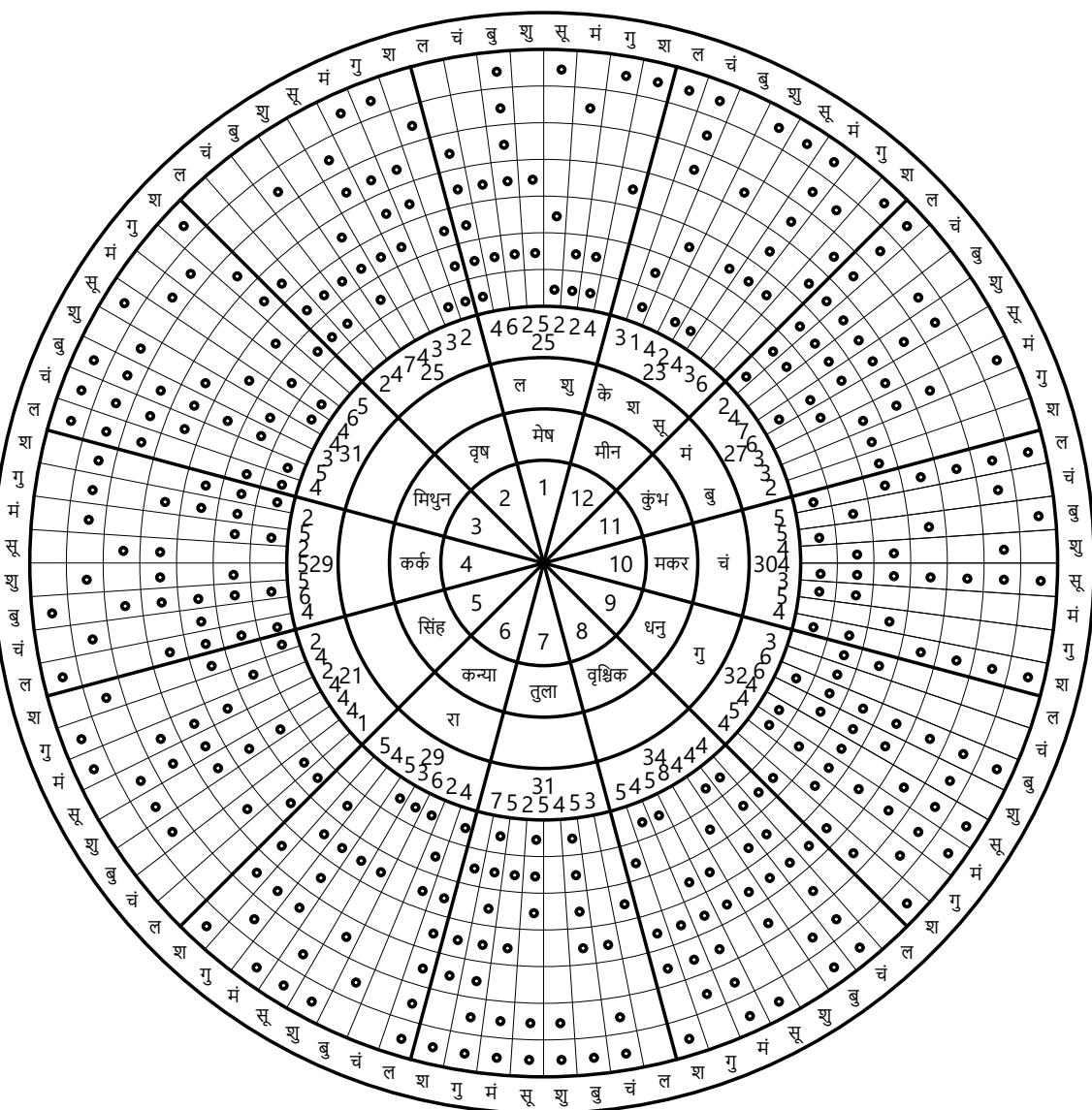


सर्वाष्टक वर्ग

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
लग्न	3	5	6	3	4	3	2	4	7	4	4	4	49
सूर्य	4	2	5	2	2	5	7	5	4	4	2	6	48
चन्द्र	2	3	6	5	4	4	5	4	5	5	3	3	49
मंगल	2	3	4	2	2	5	2	5	4	3	3	4	39
बुध	5	4	4	5	4	3	5	8	4	4	6	2	54
गुरु	2	7	3	5	4	6	4	4	6	4	7	4	56
शुक्र	6	4	5	6	4	2	5	4	6	5	4	1	52
शनि	4	2	4	4	1	4	3	4	3	5	2	3	39
	25	25	31	29	21	29	31	34	32	30	27	23	337



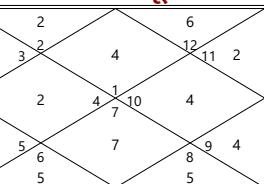
सर्वचन्चा चक्र



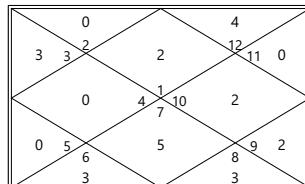


शोधन से पूर्व

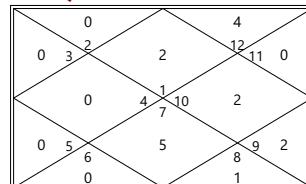
सूर्य	
राशि पिण्ड	133
ग्रह पिण्ड	84
शुद्ध पिण्ड	217



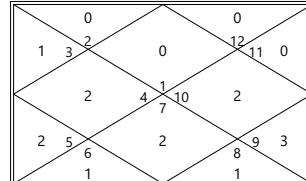
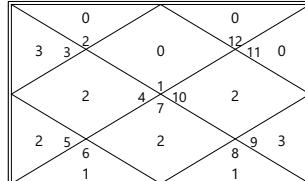
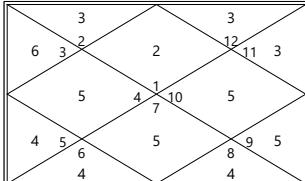
त्रिकोण शोधन



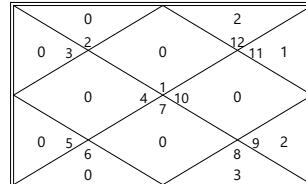
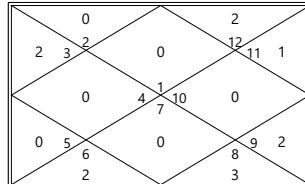
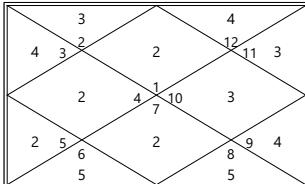
एकाधिपत्य शोधन



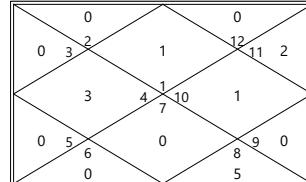
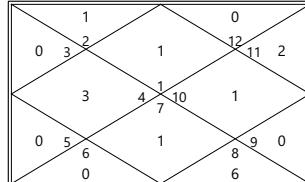
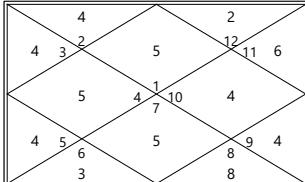
चन्द्र	
राशि पिण्ड	101
ग्रह पिण्ड	40
शुद्ध पिण्ड	141



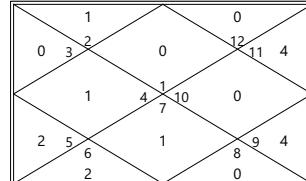
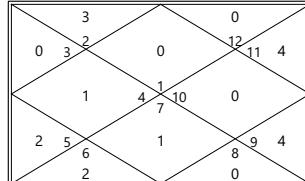
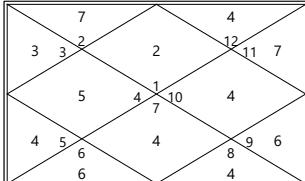
मंगल	
राशि पिण्ड	77
ग्रह पिण्ड	53
शुद्ध पिण्ड	130



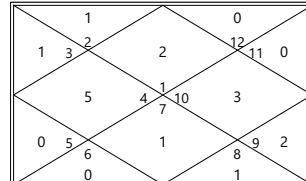
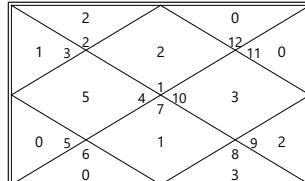
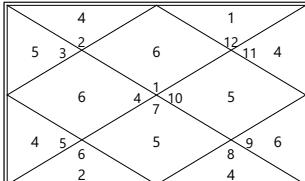
बुध	
राशि पिण्ड	86
ग्रह पिण्ड	38
शुद्ध पिण्ड	124



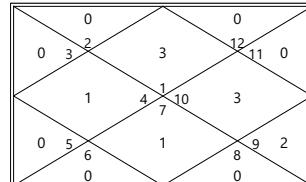
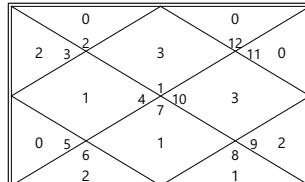
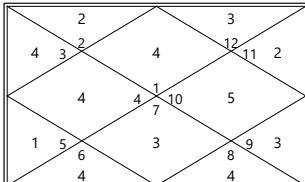
गुरु	
राशि पिण्ड	133
ग्रह पिण्ड	92
शुद्ध पिण्ड	225



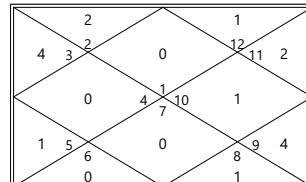
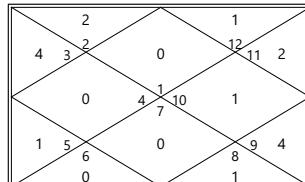
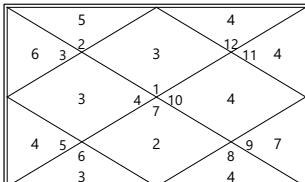
शुक्र	
राशि पिण्ड	100
ग्रह पिण्ड	49
शुद्ध पिण्ड	149



शनि	
राशि पिण्ड	65
ग्रह पिण्ड	56
शुद्ध पिण्ड	121



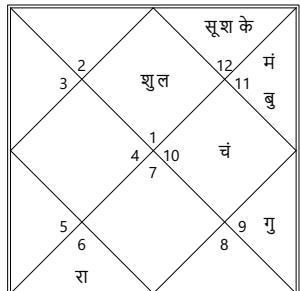
लग्न	
राशि पिण्ड	145
ग्रह पिण्ड	81
शुद्ध पिण्ड	226



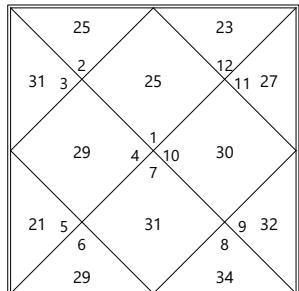


वर्ग कुण्डलिया-अष्टकवर्ग

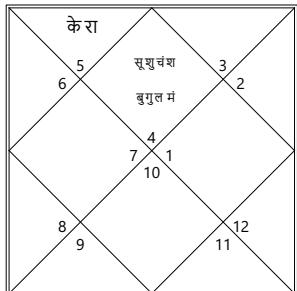
जन्म कुण्डली



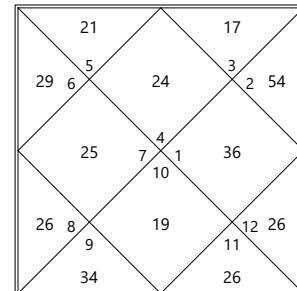
समुदाय अष्टकवर्ग



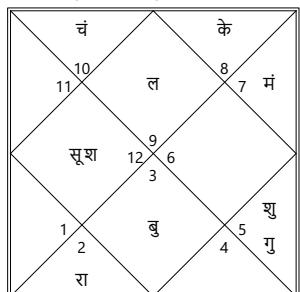
होरा (धन-सम्पत्ति)



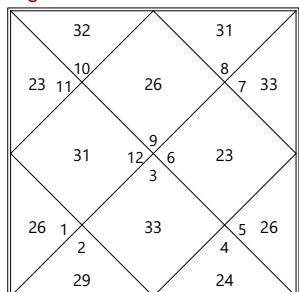
समुदाय अष्टकवर्ग



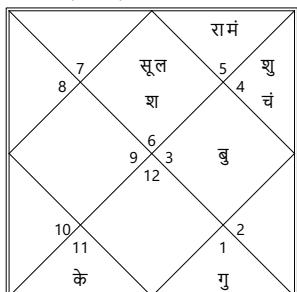
द्रेष्काण (भाई-बहन)



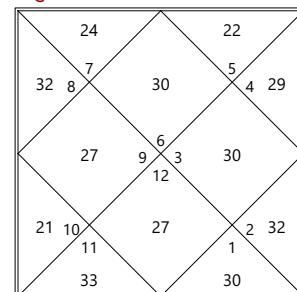
समुदाय अष्टकवर्ग



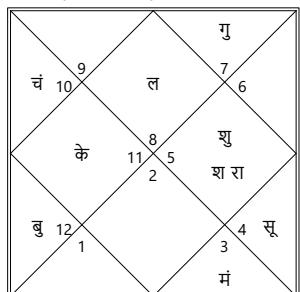
सप्तांश (संतान)



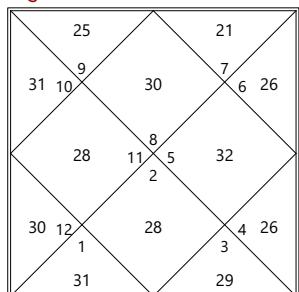
समुदाय अष्टकवर्ग



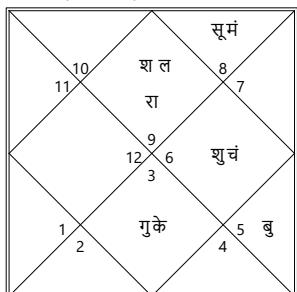
नवांश (जीवनसाथी)



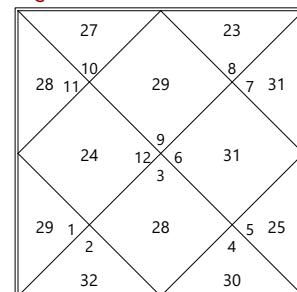
समुदाय अष्टकवर्ग



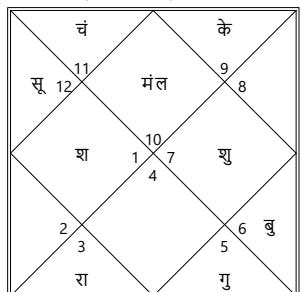
दशांश (कर्मफल)



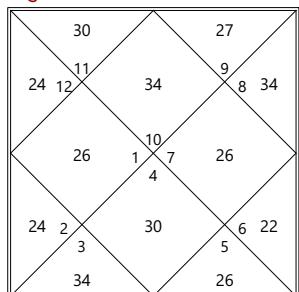
समुदाय अष्टकवर्ग



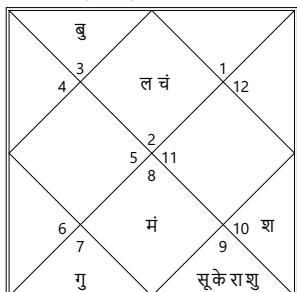
द्वादशांश (माता-पिता)



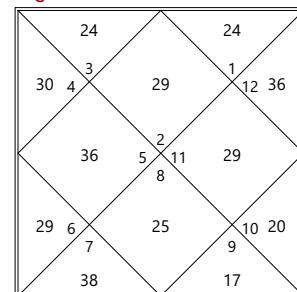
समुदाय अष्टकवर्ग



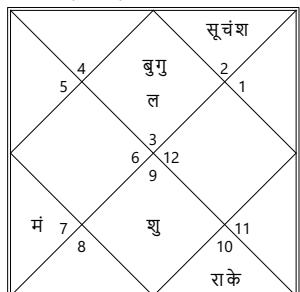
षोडशांश (वाहन)



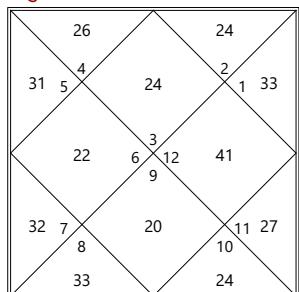
समुदाय अष्टकवर्ग



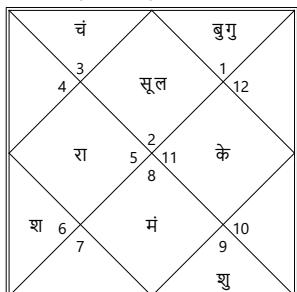
विशेषांश (अरिष्ट)



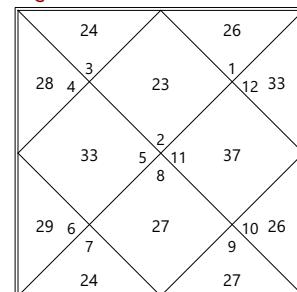
समुदाय अष्टकवर्ग



षष्ठ्यांश (सभी क्षेत्र)



समुदाय अष्टकवर्ग





ग्रहों का शारीरिक संरचना पर प्रभाव

सूक्ष्म पद्धति

ग्रह	शरीर का अंग
सूर्य	बायीं आँख
चन्द्र	बायीं नासिका
मंगल	बायीं अण्डकोश
बुध	बायीं भुजा
गुरु	बायीं ठेहुना
शुक्र	कण्ठ
शनि	बायीं आँख
राहु	दायें घुटने का अधोभाग
केतु	गुदा

स्थूल पद्धति

ग्रह	शरीर का अंग	शरीर का अंग
सूर्य	पैर	पैर
चन्द्र	घुटने	घुटने
मंगल	पिंडलियाँ	पिंडलियाँ
बुध	पिंडलियाँ	पिंडलियाँ
गुरु	जाँघ	जाँघ
शुक्र	मस्तक	मस्तक
शनि	पैर	पैर
राहु	कमर	कमर
केतु	पैर	पैर

नक्षत्र पद्धति

ग्रह	नक्षत्र	प्रथम मत	द्वितीय मत
सूर्य	पूर्वभाद्रपद	बाह्य अंग	बायाँ जांघ
चन्द्र	उत्तराषाढ़ा	दोनों जांघ	कमर
मंगल	पूर्वभाद्रपद	बाह्य अंग	बायाँ जांघ
बुध	शतभिषा	ठोड़ी	दायें जांघ
गुरु	पूर्वाषाढ़ा	दोनों जांघ	पीठ
शुक्र	भरणी	सिर	पैर का निचला हिस्सा
शनि	उत्तराभाद्रपद	बाह्य अंग	टाँगें
राहु	चित्रा	माथा	गर्दन
केतु	रेवती	दोनों बगल	घुटने



विंशोत्तरी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : सूर्य 3वर्ष-2मास-7दिन
जन्मकालीन दशा : सू-ल-ल-ल-ल

सूर्य (6व)

0 वर्ष से 3वर्ष

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य		-
चन्द्र		-
मंगल		-
राहु		-
गुरु	15-03-1996 - 28-03-1996	
शनि	28-03-1996 - 10-03-1997	
बुध	10-03-1997 - 14-01-1998	
केतु	14-01-1998 - 22-05-1998	
शुक्र	22-05-1998 - 22-05-1999	

चन्द्र (10व)

3वर्ष से 13वर्ष

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	22-05-1999 - 21-03-2000	
मंगल	21-03-2000 - 20-10-2000	
राहु	20-10-2000 - 21-04-2002	
गुरु	21-04-2002 - 21-08-2003	
शनि	21-08-2003 - 22-03-2005	
बुध	22-03-2005 - 21-08-2006	
केतु	21-08-2006 - 22-03-2007	
शुक्र	22-03-2007 - 20-11-2008	
सूर्य	20-11-2008 - 21-05-2009	

मंगल (7व)

13वर्ष से 20वर्ष

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	21-05-2009 - 18-10-2009	
राहु	18-10-2009 - 05-11-2010	
गुरु	05-11-2010 - 12-10-2011	
शनि	12-10-2011 - 20-11-2012	
बुध	20-11-2012 - 17-11-2013	
केतु	17-11-2013 - 15-04-2014	
शुक्र	15-04-2014 - 15-06-2015	
सूर्य	15-06-2015 - 21-10-2015	
चन्द्र	21-10-2015 - 21-05-2016	

राहु (18व)

20वर्ष से 38वर्ष

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	21-05-2016	01-02-2019
गुरु	01-02-2019 - 27-06-2021	
शनि	27-06-2021 - 03-05-2024	
बुध	03-05-2024 - 20-11-2026	
केतु	20-11-2026 - 09-12-2027	
शुक्र	09-12-2027 - 08-12-2030	
सूर्य	08-12-2030 - 02-11-2031	
चन्द्र	02-11-2031 - 03-05-2033	
मंगल	03-05-2033 - 22-05-2034	

गुरु (16व)

38वर्ष से 54वर्ष

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	22-05-2034 - 09-07-2036	
शनि	09-07-2036 - 20-01-2039	
बुध	20-01-2039 - 27-04-2041	
केतु	27-04-2041 - 03-04-2042	
शुक्र	03-04-2042 - 02-12-2044	
सूर्य	02-12-2044 - 20-09-2045	
चन्द्र	20-09-2045 - 20-01-2047	
मंगल	20-01-2047 - 27-12-2047	
राहु	27-12-2047 - 21-05-2050	

शनि (19व)

54वर्ष से 73वर्ष

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	21-05-2050 - 24-05-2053	
बुध	24-05-2053 - 01-02-2056	
केतु	01-02-2056 - 12-03-2057	
शुक्र	12-03-2057 - 12-05-2060	
सूर्य	12-05-2060 - 24-04-2061	
चन्द्र	24-04-2061 - 23-11-2062	
मंगल	23-11-2062 - 02-01-2064	
राहु	02-01-2064 - 08-11-2066	
गुरु	08-11-2066 - 21-05-2069	

बुध (17व)

73वर्ष से 90वर्ष

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	21-05-2069 - 18-10-2071	
केतु	18-10-2071 - 14-10-2072	
शुक्र	14-10-2072 - 15-08-2075	
सूर्य	15-08-2075 - 20-06-2076	
चन्द्र	20-06-2076 - 20-11-2077	
मंगल	20-11-2077 - 17-11-2078	
राहु	17-11-2078 - 05-06-2081	
गुरु	05-06-2081 - 11-09-2083	
शनि	11-09-2083 - 21-05-2086	

केतु (7व)

90वर्ष से 97वर्ष

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	21-05-2086 - 17-10-2086	
शुक्र	17-10-2086 - 17-12-2087	
सूर्य	17-12-2087 - 23-04-2088	
चन्द्र	23-04-2088 - 22-11-2088	
मंगल	22-11-2088 - 20-04-2089	
राहु	20-04-2089 - 09-05-2090	
गुरु	09-05-2090 - 15-04-2091	
शनि	15-04-2091 - 24-05-2092	
बुध	24-05-2092 - 21-05-2093	

शुक्र (20व)

97वर्ष से 117वर्ष

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	21-05-2093 - 19-09-2096	
सूर्य	19-09-2096 - 20-09-2097	
चन्द्र	20-09-2097 - 21-05-2099	
मंगल	21-05-2099 - 21-07-2100	
राहु	21-07-2100 - 22-07-2103	
गुरु	22-07-2103 - 22-03-2106	
शनि	22-03-2106 - 22-05-2109	
बुध	22-05-2109 - 22-03-2112	
केतु	22-03-2112 - 22-05-2113	



विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

सूर्य महादशा : 15-03-1996 से 22-05-1999

आयु : ०व ०म से ३व २म

सूर्य-सूर्य

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	-	
चन्द्र	-	
मंगल	-	
राहु	-	
गुरु	-	
शनि	-	
बुध	-	
केतु	-	
शुक्र	-	

सूर्य-चन्द्र

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	-	
मंगल	-	
राहु	-	
गुरु	-	
शनि	-	
बुध	-	
केतु	-	
शुक्र	-	
सूर्य	-	

सूर्य-मंगल

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	-	
राहु	-	
गुरु	-	
शनि	-	
बुध	-	
केतु	-	
शुक्र	-	
सूर्य	-	
चन्द्र	-	

सूर्य-राहु

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	-	
गुरु	-	
शनि	-	
बुध	-	
केतु	-	
शुक्र	-	
सूर्य	-	
चन्द्र	-	
मंगल	-	

सूर्य-गुरु

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	-	
शनि	-	
बुध	-	
केतु	-	
शुक्र	-	
सूर्य	-	
चन्द्र	-	
मंगल	-	
राहु	15-03-1996 - 28-03-1996	

सूर्य-शनि

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	28-03-1996 - 21-05-1996	
बुध	21-05-1996 - 10-07-1996	
केतु	10-07-1996 - 30-07-1996	
शुक्र	30-07-1996 - 26-09-1996	
सूर्य	26-09-1996 - 13-10-1996	
चन्द्र	13-10-1996 - 11-11-1996	
मंगल	11-11-1996 - 01-12-1996	
राहु	01-12-1996 - 22-01-1997	
गुरु	22-01-1997 - 10-03-1997	

सूर्य-बुध

0व11म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	10-03-1997 - 22-04-1997	
केतु	22-04-1997 - 11-05-1997	
शुक्र	11-05-1997 - 01-07-1997	
सूर्य	01-07-1997 - 17-07-1997	
चन्द्र	17-07-1997 - 12-08-1997	
मंगल	12-08-1997 - 30-08-1997	
राहु	30-08-1997 - 15-10-1997	
गुरु	15-10-1997 - 26-11-1997	
शनि	26-11-1997 - 14-01-1998	

सूर्य-केतु

1व9म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	14-01-1998 - 21-01-1998	
शुक्र	21-01-1998 - 12-02-1998	
सूर्य	12-02-1998 - 18-02-1998	
चन्द्र	18-02-1998 - 01-03-1998	
मंगल	01-03-1998 - 08-03-1998	
राहु	08-03-1998 - 27-03-1998	
गुरु	27-03-1998 - 13-04-1998	
शनि	13-04-1998 - 04-05-1998	
बुध	04-05-1998 - 22-05-1998	

सूर्य-शुक्र

2व2म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	22-05-1998 - 22-07-1998	
सूर्य	22-07-1998 - 09-08-1998	
चन्द्र	09-08-1998 - 08-09-1998	
मंगल	08-09-1998 - 30-09-1998	
राहु	30-09-1998 - 23-11-1998	
गुरु	23-11-1998 - 11-01-1999	
शनि	11-01-1999 - 10-03-1999	
बुध	10-03-1999 - 01-05-1999	
केतु	01-05-1999 - 22-05-1999	

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

चन्द्र महादशा : 22-05-1999 से 21-05-2009

आयु : ३व २म से १३व २म

चन्द्र-चन्द्र		३व२म*
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	22-05-1999	- 16-06-1999
मंगल	16-06-1999	- 04-07-1999
राहु	04-07-1999	- 19-08-1999
गुरु	19-08-1999	- 28-09-1999
शनि	28-09-1999	- 16-11-1999
बुध	16-11-1999	- 29-12-1999
केतु	29-12-1999	- 15-01-2000
शुक्र	15-01-2000	- 06-03-2000
सूर्य	06-03-2000	- 21-03-2000

चन्द्र-मंगल		४व०म
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	21-03-2000	- 03-04-2000
राहु	03-04-2000	- 05-05-2000
गुरु	05-05-2000	- 02-06-2000
शनि	02-06-2000	- 06-07-2000
बुध	06-07-2000	- 05-08-2000
केतु	05-08-2000	- 18-08-2000
शुक्र	18-08-2000	- 22-09-2000
सूर्य	22-09-2000	- 03-10-2000
चन्द्र	03-10-2000	- 20-10-2000

चन्द्र-राहु		४व७म
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	20-10-2000	- 11-01-2001
गुरु	11-01-2001	- 25-03-2001
शनि	25-03-2001	- 19-06-2001
बुध	19-06-2001	- 05-09-2001
केतु	05-09-2001	- 07-10-2001
शुक्र	07-10-2001	- 06-01-2002
सूर्य	06-01-2002	- 03-02-2002
चन्द्र	03-02-2002	- 20-03-2002
मंगल	20-03-2002	- 21-04-2002

चन्द्र-गुरु		६व१म
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	21-04-2002	- 25-06-2002
शनि	25-06-2002	- 10-09-2002
बुध	10-09-2002	- 18-11-2002
केतु	18-11-2002	- 17-12-2002
शुक्र	17-12-2002	- 08-03-2003
सूर्य	08-03-2003	- 01-04-2003
चन्द्र	01-04-2003	- 12-05-2003
मंगल	12-05-2003	- 09-06-2003
राहु	09-06-2003	- 21-08-2003

चन्द्र-शनि		७व५म
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	21-08-2003	- 21-11-2003
बुध	21-11-2003	- 11-02-2004
केतु	11-02-2004	- 16-03-2004
शुक्र	16-03-2004	- 20-06-2004
सूर्य	20-06-2004	- 19-07-2004
चन्द्र	19-07-2004	- 05-09-2004
मंगल	05-09-2004	- 09-10-2004
राहु	09-10-2004	- 04-01-2005
गुरु	04-01-2005	- 22-03-2005

चन्द्र-बुध		९व०म
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	22-03-2005	- 03-06-2005
केतु	03-06-2005	- 03-07-2005
शुक्र	03-07-2005	- 27-09-2005
सूर्य	27-09-2005	- 23-10-2005
चन्द्र	23-10-2005	- 05-12-2005
मंगल	05-12-2005	- 05-01-2006
राहु	05-01-2006	- 23-03-2006
गुरु	23-03-2006	- 31-05-2006
शनि	31-05-2006	- 21-08-2006

चन्द्र-केतु		१०व५म
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	21-08-2006	- 02-09-2006
शुक्र	02-09-2006	- 08-10-2006
सूर्य	08-10-2006	- 19-10-2006
चन्द्र	19-10-2006	- 05-11-2006
मंगल	05-11-2006	- 18-11-2006
राहु	18-11-2006	- 20-12-2006
गुरु	20-12-2006	- 17-01-2007
शनि	17-01-2007	- 20-02-2007
बुध	20-02-2007	- 22-03-2007

चन्द्र-शुक्र		११व०म
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	22-03-2007	- 02-07-2007
सूर्य	02-07-2007	- 01-08-2007
चन्द्र	01-08-2007	- 21-09-2007
मंगल	21-09-2007	- 26-10-2007
राहु	26-10-2007	- 26-01-2008
गुरु	26-01-2008	- 16-04-2008
शनि	16-04-2008	- 21-07-2008
बुध	21-07-2008	- 15-10-2008
केतु	15-10-2008	- 20-11-2008

चन्द्र-सूर्य		१२व८म
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	20-11-2008	- 29-11-2008
चन्द्र	29-11-2008	- 14-12-2008
मंगल	14-12-2008	- 25-12-2008
राहु	25-12-2008	- 21-01-2009
गुरु	21-01-2009	- 15-02-2009
शनि	15-02-2009	- 16-03-2009
बुध	16-03-2009	- 10-04-2009
केतु	10-04-2009	- 21-04-2009
शुक्र	21-04-2009	- 21-05-2009

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

मंगल महादशा : 21-05-2009 से 21-05-2016

आयु : 13व 2म से 20व 2म

मंगल-मंगल

13व2म*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	21-05-2009 - 30-05-2009	
राहु	30-05-2009 - 22-06-2009	
गुरु	22-06-2009 - 11-07-2009	
शनि	11-07-2009 - 04-08-2009	
बुध	04-08-2009 - 25-08-2009	
केतु	25-08-2009 - 03-09-2009	
शुक्र	03-09-2009 - 28-09-2009	
सूर्य	28-09-2009 - 05-10-2009	
चन्द्र	05-10-2009 - 18-10-2009	

मंगल-राहु

13व7म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	18-10-2009 - 14-12-2009	
गुरु	14-12-2009 - 03-02-2010	
शनि	03-02-2010 - 05-04-2010	
बुध	05-04-2010 - 29-05-2010	
केतु	29-05-2010 - 21-06-2010	
शुक्र	21-06-2010 - 24-08-2010	
सूर्य	24-08-2010 - 12-09-2010	
चन्द्र	12-09-2010 - 14-10-2010	
मंगल	14-10-2010 - 05-11-2010	

मंगल-गुरु

14व7म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	05-11-2010 - 21-12-2010	
शनि	21-12-2010 - 13-02-2011	
बुध	13-02-2011 - 02-04-2011	
केतु	02-04-2011 - 22-04-2011	
शुक्र	22-04-2011 - 18-06-2011	
सूर्य	18-06-2011 - 05-07-2011	
चन्द्र	05-07-2011 - 02-08-2011	
मंगल	02-08-2011 - 22-08-2011	
राहु	22-08-2011 - 12-10-2011	

मंगल-शनि

15व6म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	12-10-2011 - 15-12-2011	
बुध	15-12-2011 - 10-02-2012	
केतु	10-02-2012 - 05-03-2012	
शुक्र	05-03-2012 - 12-05-2012	
सूर्य	12-05-2012 - 01-06-2012	
चन्द्र	01-06-2012 - 05-07-2012	
मंगल	05-07-2012 - 28-07-2012	
राहु	28-07-2012 - 27-09-2012	
गुरु	27-09-2012 - 20-11-2012	

मंगल-बुध

16व8म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	20-11-2012 - 10-01-2013	
केतु	10-01-2013 - 31-01-2013	
शुक्र	31-01-2013 - 02-04-2013	
सूर्य	02-04-2013 - 20-04-2013	
चन्द्र	20-04-2013 - 20-05-2013	
मंगल	20-05-2013 - 10-06-2013	
राहु	10-06-2013 - 03-08-2013	
गुरु	03-08-2013 - 21-09-2013	
शनि	21-09-2013 - 17-11-2013	

मंगल-केतु

17व8म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	17-11-2013 - 26-11-2013	
शुक्र	26-11-2013 - 21-12-2013	
सूर्य	21-12-2013 - 28-12-2013	
चन्द्र	28-12-2013 - 09-01-2014	
मंगल	09-01-2014 - 18-01-2014	
राहु	18-01-2014 - 10-02-2014	
गुरु	10-02-2014 - 01-03-2014	
शनि	01-03-2014 - 25-03-2014	
बुध	25-03-2014 - 15-04-2014	

मंगल-शुक्र

18व1म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	15-04-2014 - 25-06-2014	
सूर्य	25-06-2014 - 16-07-2014	
चन्द्र	16-07-2014 - 21-08-2014	
मंगल	21-08-2014 - 15-09-2014	
राहु	15-09-2014 - 18-11-2014	
गुरु	18-11-2014 - 14-01-2015	
शनि	14-01-2015 - 22-03-2015	
बुध	22-03-2015 - 21-05-2015	
केतु	21-05-2015 - 15-06-2015	

मंगल-सूर्य

19व3म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	15-06-2015 - 22-06-2015	
चन्द्र	22-06-2015 - 02-07-2015	
मंगल	02-07-2015 - 10-07-2015	
राहु	10-07-2015 - 29-07-2015	
गुरु	29-07-2015 - 15-08-2015	
शनि	15-08-2015 - 04-09-2015	
बुध	04-09-2015 - 22-09-2015	
केतु	22-09-2015 - 30-09-2015	
शुक्र	30-09-2015 - 21-10-2015	

मंगल-चन्द्र

19व7म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	21-10-2015 - 08-11-2015	
मंगल	08-11-2015 - 20-11-2015	
राहु	20-11-2015 - 22-12-2015	
गुरु	22-12-2015 - 20-01-2016	
शनि	20-01-2016 - 22-02-2016	
बुध	22-02-2016 - 24-03-2016	
केतु	24-03-2016 - 05-04-2016	
शुक्र	05-04-2016 - 11-05-2016	
सूर्य	11-05-2016 - 21-05-2016	

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

राहु महादशा : 21-05-2016 से 22-05-2034

आयु : 20व 2म से 38व 2म

राहु-राहु

20व2म*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	21-05-2016 - 16-10-2016	
गुरु	16-10-2016 - 25-02-2017	
शनि	25-02-2017 - 31-07-2017	
बुध	31-07-2017 - 17-12-2017	
केतु	17-12-2017 - 13-02-2018	
शुक्र	13-02-2018 - 27-07-2018	
सूर्य	27-07-2018 - 15-09-2018	
चन्द्र	15-09-2018 - 06-12-2018	
मंगल	06-12-2018 - 01-02-2019	

राहु-गुरु

22व10म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	01-02-2019 - 29-05-2019	
शनि	29-05-2019 - 15-10-2019	
बुध	15-10-2019 - 16-02-2020	
केतु	16-02-2020 - 07-04-2020	
शुक्र	07-04-2020 - 31-08-2020	
सूर्य	31-08-2020 - 14-10-2020	
चन्द्र	14-10-2020 - 26-12-2020	
मंगल	26-12-2020 - 15-02-2021	
राहु	15-02-2021 - 27-06-2021	

राहु-शनि

25व3म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	27-06-2021 - 09-12-2021	
बुध	09-12-2021 - 05-05-2022	
केतु	05-05-2022 - 05-07-2022	
शुक्र	05-07-2022 - 25-12-2022	
सूर्य	25-12-2022 - 15-02-2023	
चन्द्र	15-02-2023 - 13-05-2023	
मंगल	13-05-2023 - 13-07-2023	
राहु	13-07-2023 - 16-12-2023	
गुरु	16-12-2023 - 03-05-2024	

राहु-बुध

28व1म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	03-05-2024 - 12-09-2024	
केतु	12-09-2024 - 05-11-2024	
शुक्र	05-11-2024 - 09-04-2025	
सूर्य	09-04-2025 - 26-05-2025	
चन्द्र	26-05-2025 - 12-08-2025	
मंगल	12-08-2025 - 05-10-2025	
राहु	05-10-2025 - 22-02-2026	
गुरु	22-02-2026 - 26-06-2026	
शनि	26-06-2026 - 20-11-2026	

राहु-केतु

30व8म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	20-11-2026 - 13-12-2026	
शुक्र	13-12-2026 - 14-02-2027	
सूर्य	14-02-2027 - 06-03-2027	
चन्द्र	06-03-2027 - 07-04-2027	
मंगल	07-04-2027 - 29-04-2027	
राहु	29-04-2027 - 26-06-2027	
गुरु	26-06-2027 - 16-08-2027	
शनि	16-08-2027 - 15-10-2027	
बुध	15-10-2027 - 09-12-2027	

राहु-शुक्र

31व8म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	09-12-2027 - 08-06-2028	
सूर्य	08-06-2028 - 02-08-2028	
चन्द्र	02-08-2028 - 01-11-2028	
मंगल	01-11-2028 - 04-01-2029	
राहु	04-01-2029 - 18-06-2029	
गुरु	18-06-2029 - 11-11-2029	
शनि	11-11-2029 - 03-05-2030	
बुध	03-05-2030 - 06-10-2030	
केतु	06-10-2030 - 08-12-2030	

राहु-सूर्य

34व8म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	08-12-2030 - 25-12-2030	
चन्द्र	25-12-2030 - 21-01-2031	
मंगल	21-01-2031 - 09-02-2031	
राहु	09-02-2031 - 31-03-2031	
गुरु	31-03-2031 - 14-05-2031	
शनि	14-05-2031 - 05-07-2031	
बुध	05-07-2031 - 20-08-2031	
केतु	20-08-2031 - 08-09-2031	
शुक्र	08-09-2031 - 02-11-2031	

राहु-चन्द्र

35व7म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	02-11-2031 - 18-12-2031	
मंगल	18-12-2031 - 19-01-2032	
राहु	19-01-2032 - 10-04-2032	
गुरु	10-04-2032 - 22-06-2032	
शनि	22-06-2032 - 17-09-2032	
बुध	17-09-2032 - 03-12-2032	
केतु	03-12-2032 - 04-01-2033	
शुक्र	04-01-2033 - 06-04-2033	
सूर्य	06-04-2033 - 03-05-2033	

राहु-मंगल

37व1म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	03-05-2033 - 25-05-2033	
राहु	25-05-2033 - 22-07-2033	
गुरु	22-07-2033 - 11-09-2033	
शनि	11-09-2033 - 11-11-2033	
बुध	11-11-2033 - 04-01-2034	
केतु	04-01-2034 - 26-01-2034	
शुक्र	26-01-2034 - 31-03-2034	
सूर्य	31-03-2034 - 20-04-2034	
चन्द्र	20-04-2034 - 22-05-2034	

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

गुरु महादशा : 22-05-2034 से 21-05-2050

आयु : 38व 2म से 54व 2म

गुरु-गुरु

38व2म*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	22-05-2034	- 02-09-2034
शनि	02-09-2034	- 04-01-2035
बुध	04-01-2035	- 24-04-2035
केतु	24-04-2035	- 09-06-2035
शुक्र	09-06-2035	- 16-10-2035
सूर्य	16-10-2035	- 24-11-2035
चन्द्र	24-11-2035	- 28-01-2036
मंगल	28-01-2036	- 14-03-2036
राहु	14-03-2036	- 09-07-2036

गुरु-शनि

40व3म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	09-07-2036	- 02-12-2036
बुध	02-12-2036	- 12-04-2037
केतु	12-04-2037	- 05-06-2037
शुक्र	05-06-2037	- 06-11-2037
सूर्य	06-11-2037	- 23-12-2037
चन्द्र	23-12-2037	- 10-03-2038
मंगल	10-03-2038	- 03-05-2038
राहु	03-05-2038	- 19-09-2038
गुरु	19-09-2038	- 20-01-2039

गुरु-बुध

42व10म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	20-01-2039	- 17-05-2039
केतु	17-05-2039	- 05-07-2039
शुक्र	05-07-2039	- 20-11-2039
सूर्य	20-11-2039	- 31-12-2039
चन्द्र	31-12-2039	- 09-03-2040
मंगल	09-03-2040	- 26-04-2040
राहु	26-04-2040	- 28-08-2040
गुरु	28-08-2040	- 17-12-2040
शनि	17-12-2040	- 27-04-2041

गुरु-केतु

45व1म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	27-04-2041	- 17-05-2041
शुक्र	17-05-2041	- 13-07-2041
सूर्य	13-07-2041	- 30-07-2041
चन्द्र	30-07-2041	- 27-08-2041
मंगल	27-08-2041	- 16-09-2041
राहु	16-09-2041	- 06-11-2041
गुरु	06-11-2041	- 21-12-2041
शनि	21-12-2041	- 13-02-2042
बुध	13-02-2042	- 03-04-2042

गुरु-शुक्र

46व0म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	03-04-2042	- 12-09-2042
सूर्य	12-09-2042	- 31-10-2042
चन्द्र	31-10-2042	- 20-01-2043
मंगल	20-01-2043	- 18-03-2043
राहु	18-03-2043	- 11-08-2043
गुरु	11-08-2043	- 19-12-2043
शनि	19-12-2043	- 21-05-2044
बुध	21-05-2044	- 06-10-2044
केतु	06-10-2044	- 02-12-2044

गुरु-सूर्य

48व8म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	02-12-2044	- 16-12-2044
चन्द्र	16-12-2044	- 10-01-2045
मंगल	10-01-2045	- 27-01-2045
राहु	27-01-2045	- 12-03-2045
गुरु	12-03-2045	- 20-04-2045
शनि	20-04-2045	- 05-06-2045
बुध	05-06-2045	- 16-07-2045
केतु	16-07-2045	- 02-08-2045
शुक्र	02-08-2045	- 20-09-2045

गुरु-चन्द्र

49व6म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	20-09-2045	- 31-10-2045
मंगल	31-10-2045	- 28-11-2045
राहु	28-11-2045	- 09-02-2046
गुरु	09-02-2046	- 15-04-2046
शनि	15-04-2046	- 01-07-2046
बुध	01-07-2046	- 08-09-2046
केतु	08-09-2046	- 06-10-2046
शुक्र	06-10-2046	- 27-12-2046
सूर्य	27-12-2046	- 20-01-2047

गुरु-मंगल

50व10म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	20-01-2047	- 09-02-2047
राहु	09-02-2047	- 01-04-2047
गुरु	01-04-2047	- 16-05-2047
शनि	16-05-2047	- 09-07-2047
बुध	09-07-2047	- 27-08-2047
केतु	27-08-2047	- 16-09-2047
शुक्र	16-09-2047	- 11-11-2047
सूर्य	11-11-2047	- 28-11-2047
चन्द्र	28-11-2047	- 27-12-2047

गुरु-राहु

51व9म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	27-12-2047	- 06-05-2048
गुरु	06-05-2048	- 31-08-2048
शनि	31-08-2048	- 17-01-2049
बुध	17-01-2049	- 21-05-2049
केतु	21-05-2049	- 11-07-2049
शुक्र	11-07-2049	- 04-12-2049
सूर्य	04-12-2049	- 17-01-2050
चन्द्र	17-01-2050	- 31-03-2050
मंगल	31-03-2050	- 21-05-2050

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

शनि महादशा : 21-05-2050 से 21-05-2069
आयु : 54व 2म से 73व 2म

शनि-शनि

54व2म*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	21-05-2050 - 11-11-2050	
बुध	11-11-2050 - 16-04-2051	
केतु	16-04-2051 - 19-06-2051	
शुक्र	19-06-2051 - 19-12-2051	
सूर्य	19-12-2051 - 12-02-2052	
चन्द्र	12-02-2052 - 14-05-2052	
मंगल	14-05-2052 - 17-07-2052	
राहु	17-07-2052 - 29-12-2052	
गुरु	29-12-2052 - 24-05-2053	

शनि-बुध

57व2म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	24-05-2053 - 10-10-2053	
केतु	10-10-2053 - 07-12-2053	
शुक्र	07-12-2053 - 20-05-2054	
सूर्य	20-05-2054 - 08-07-2054	
चन्द्र	08-07-2054 - 28-09-2054	
मंगल	28-09-2054 - 24-11-2054	
राहु	24-11-2054 - 21-04-2055	
गुरु	21-04-2055 - 30-08-2055	
शनि	30-08-2055 - 01-02-2056	

शनि-केतु

59व10म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	01-02-2056 - 25-02-2056	
शुक्र	25-02-2056 - 02-05-2056	
सूर्य	02-05-2056 - 23-05-2056	
चन्द्र	23-05-2056 - 25-06-2056	
मंगल	25-06-2056 - 19-07-2056	
राहु	19-07-2056 - 18-09-2056	
गुरु	18-09-2056 - 11-11-2056	
शनि	11-11-2056 - 14-01-2057	
बुध	14-01-2057 - 12-03-2057	

शनि-शुक्र

60व11म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	12-03-2057 - 21-09-2057	
सूर्य	21-09-2057 - 18-11-2057	
चन्द्र	18-11-2057 - 22-02-2058	
मंगल	22-02-2058 - 01-05-2058	
राहु	01-05-2058 - 21-10-2058	
गुरु	21-10-2058 - 24-03-2059	
शनि	24-03-2059 - 23-09-2059	
बुध	23-09-2059 - 05-03-2060	
केतु	05-03-2060 - 12-05-2060	

शनि-सूर्य

64व1म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	12-05-2060 - 29-05-2060	
चन्द्र	29-05-2060 - 27-06-2060	
मंगल	27-06-2060 - 17-07-2060	
राहु	17-07-2060 - 07-09-2060	
गुरु	07-09-2060 - 24-10-2060	
शनि	24-10-2060 - 17-12-2060	
बुध	17-12-2060 - 05-02-2061	
केतु	05-02-2061 - 25-02-2061	
शुक्र	25-02-2061 - 24-04-2061	

शनि-चन्द्र

65व1म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	24-04-2061 - 11-06-2061	
मंगल	11-06-2061 - 15-07-2061	
राहु	15-07-2061 - 09-10-2061	
गुरु	09-10-2061 - 25-12-2061	
शनि	25-12-2061 - 27-03-2062	
बुध	27-03-2062 - 17-06-2062	
केतु	17-06-2062 - 21-07-2062	
शुक्र	21-07-2062 - 25-10-2062	
सूर्य	25-10-2062 - 23-11-2062	

शनि-मंगल

66व8म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	23-11-2062 - 17-12-2062	
राहु	17-12-2062 - 15-02-2063	
गुरु	15-02-2063 - 10-04-2063	
शनि	10-04-2063 - 13-06-2063	
बुध	13-06-2063 - 10-08-2063	
केतु	10-08-2063 - 02-09-2063	
शुक्र	02-09-2063 - 09-11-2063	
सूर्य	09-11-2063 - 29-11-2063	
चन्द्र	29-11-2063 - 02-01-2064	

शनि-राहु

67व9म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	02-01-2064 - 06-06-2064	
गुरु	06-06-2064 - 23-10-2064	
शनि	23-10-2064 - 06-04-2065	
बुध	06-04-2065 - 31-08-2065	
केतु	31-08-2065 - 31-10-2065	
शुक्र	31-10-2065 - 22-04-2066	
सूर्य	22-04-2066 - 13-06-2066	
चन्द्र	13-06-2066 - 08-09-2066	
मंगल	08-09-2066 - 08-11-2066	

शनि-गुरु

70व7म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	08-11-2066 - 11-03-2067	
शनि	11-03-2067 - 05-08-2067	
बुध	05-08-2067 - 14-12-2067	
केतु	14-12-2067 - 06-02-2068	
शुक्र	06-02-2068 - 09-07-2068	
सूर्य	09-07-2068 - 24-08-2068	
चन्द्र	24-08-2068 - 09-11-2068	
मंगल	09-11-2068 - 02-01-2069	
राहु	02-01-2069 - 21-05-2069	

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

बुध महादशा : 21-05-2069 से 21-05-2086

आयु : 73व 2म से 90व 2म

बुध-बुध 73व2म*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	21-05-2069 - 23-09-2069	
केतु	23-09-2069 - 13-11-2069	
शुक्र	13-11-2069 - 09-04-2070	
सूर्य	09-04-2070 - 23-05-2070	
चन्द्र	23-05-2070 - 04-08-2070	
मंगल	04-08-2070 - 24-09-2070	
राहु	24-09-2070 - 03-02-2071	
गुरु	03-02-2071 - 31-05-2071	
शनि	31-05-2071 - 18-10-2071	

बुध-केतु 75व7म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	18-10-2071 - 08-11-2071	
शुक्र	08-11-2071 - 07-01-2072	
सूर्य	07-01-2072 - 25-01-2072	
चन्द्र	25-01-2072 - 24-02-2072	
मंगल	24-02-2072 - 17-03-2072	
राहु	17-03-2072 - 10-05-2072	
गुरु	10-05-2072 - 27-06-2072	
शनि	27-06-2072 - 24-08-2072	
बुध	24-08-2072 - 14-10-2072	

बुध-शुक्र 76व6म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	14-10-2072 - 04-04-2073	
सूर्य	04-04-2073 - 26-05-2073	
चन्द्र	26-05-2073 - 20-08-2073	
मंगल	20-08-2073 - 20-10-2073	
राहु	20-10-2073 - 24-03-2074	
गुरु	24-03-2074 - 09-08-2074	
शनि	09-08-2074 - 20-01-2075	
बुध	20-01-2075 - 15-06-2075	
केतु	15-06-2075 - 15-08-2075	

बुध-सूर्य 79व5म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	15-08-2075 - 30-08-2075	
चन्द्र	30-08-2075 - 25-09-2075	
मंगल	25-09-2075 - 13-10-2075	
राहु	13-10-2075 - 29-11-2075	
गुरु	29-11-2075 - 09-01-2076	
शनि	09-01-2076 - 27-02-2076	
बुध	27-02-2076 - 11-04-2076	
केतु	11-04-2076 - 29-04-2076	
शुक्र	29-04-2076 - 20-06-2076	

बुध-चन्द्र 80व3म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	20-06-2076 - 02-08-2076	
मंगल	02-08-2076 - 01-09-2076	
राहु	01-09-2076 - 18-11-2076	
गुरु	18-11-2076 - 26-01-2077	
शनि	26-01-2077 - 18-04-2077	
बुध	18-04-2077 - 30-06-2077	
केतु	30-06-2077 - 30-07-2077	
शुक्र	30-07-2077 - 25-10-2077	
सूर्य	25-10-2077 - 20-11-2077	

बुध-मंगल 81व8म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	20-11-2077 - 11-12-2077	
राहु	11-12-2077 - 03-02-2078	
गुरु	03-02-2078 - 23-03-2078	
शनि	23-03-2078 - 20-05-2078	
बुध	20-05-2078 - 10-07-2078	
केतु	10-07-2078 - 31-07-2078	
शुक्र	31-07-2078 - 29-09-2078	
सूर्य	29-09-2078 - 18-10-2078	
चन्द्र	18-10-2078 - 17-11-2078	

बुध-राहु 82व8म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	17-11-2078 - 05-04-2079	
गुरु	05-04-2079 - 08-08-2079	
शनि	08-08-2079 - 02-01-2080	
बुध	02-01-2080 - 13-05-2080	
केतु	13-05-2080 - 06-07-2080	
शुक्र	06-07-2080 - 09-12-2080	
सूर्य	09-12-2080 - 24-01-2081	
चन्द्र	24-01-2081 - 12-04-2081	
मंगल	12-04-2081 - 05-06-2081	

बुध-गुरु 85व2म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	05-06-2081 - 24-09-2081	
शनि	24-09-2081 - 02-02-2082	
बुध	02-02-2082 - 30-05-2082	
केतु	30-05-2082 - 17-07-2082	
शुक्र	17-07-2082 - 02-12-2082	
सूर्य	02-12-2082 - 13-01-2083	
चन्द्र	13-01-2083 - 23-03-2083	
मंगल	23-03-2083 - 10-05-2083	
राहु	10-05-2083 - 11-09-2083	

बुध-शनि 87व5म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	11-09-2083 - 14-02-2084	
बुध	14-02-2084 - 02-07-2084	
केतु	02-07-2084 - 28-08-2084	
शुक्र	28-08-2084 - 08-02-2085	
सूर्य	08-02-2085 - 29-03-2085	
चन्द्र	29-03-2085 - 19-06-2085	
मंगल	19-06-2085 - 16-08-2085	
दक्षिण	16-08-2085 - 10-01-2086	
गुरु	10-01-2086 - 21-05-2086	

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

केतु महादशा : 21-05-2086 से 21-05-2093

आयु : 90व 2म से 97व 2म

केतु-केतु

90व2म*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	21-05-2086	- 30-05-2086
शुक्र	30-05-2086	- 24-06-2086
सूर्य	24-06-2086	- 01-07-2086
चन्द्र	01-07-2086	- 14-07-2086
मंगल	14-07-2086	- 22-07-2086
राहु	22-07-2086	- 14-08-2086
गुरु	14-08-2086	- 03-09-2086
शनि	03-09-2086	- 26-09-2086
बुध	26-09-2086	- 17-10-2086

केतु-शुक्र

90व7म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	17-10-2086	- 27-12-2086
सूर्य	27-12-2086	- 18-01-2087
चन्द्र	18-01-2087	- 22-02-2087
मंगल	22-02-2087	- 19-03-2087
राहु	19-03-2087	- 22-05-2087
गुरु	22-05-2087	- 18-07-2087
शनि	18-07-2087	- 23-09-2087
बुध	23-09-2087	- 23-11-2087
केतु	23-11-2087	- 17-12-2087

केतु-सूर्य

91व9म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	17-12-2087	- 24-12-2087
चन्द्र	24-12-2087	- 03-01-2088
मंगल	03-01-2088	- 11-01-2088
राहु	11-01-2088	- 30-01-2088
गुरु	30-01-2088	- 16-02-2088
शनि	16-02-2088	- 07-03-2088
बुध	07-03-2088	- 25-03-2088
केतु	25-03-2088	- 02-04-2088
शुक्र	02-04-2088	- 23-04-2088

केतु-चन्द्र

92व1म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	23-04-2088	- 11-05-2088
मंगल	11-05-2088	- 23-05-2088
राहु	23-05-2088	- 24-06-2088
गुरु	24-06-2088	- 23-07-2088
शनि	23-07-2088	- 25-08-2088
बुध	25-08-2088	- 25-09-2088
केतु	25-09-2088	- 07-10-2088
शुक्र	07-10-2088	- 12-11-2088
सूर्य	12-11-2088	- 22-11-2088

केतु-मंगल

92व8म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	22-11-2088	- 01-12-2088
राहु	01-12-2088	- 23-12-2088
गुरु	23-12-2088	- 12-01-2089
शनि	12-01-2089	- 05-02-2089
बुध	05-02-2089	- 26-02-2089
केतु	26-02-2089	- 07-03-2089
शुक्र	07-03-2089	- 01-04-2089
सूर्य	01-04-2089	- 08-04-2089
चन्द्र	08-04-2089	- 20-04-2089

केतु-राहु

93व1म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	20-04-2089	- 17-06-2089
गुरु	17-06-2089	- 07-08-2089
शनि	07-08-2089	- 07-10-2089
बुध	07-10-2089	- 30-11-2089
केतु	30-11-2089	- 22-12-2089
शुक्र	22-12-2089	- 24-02-2090
सूर्य	24-02-2090	- 16-03-2090
चन्द्र	16-03-2090	- 17-04-2090
मंगल	17-04-2090	- 09-05-2090

केतु-गुरु

94व1म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	09-05-2090	- 23-06-2090
शनि	23-06-2090	- 16-08-2090
बुध	16-08-2090	- 04-10-2090
केतु	04-10-2090	- 24-10-2090
शुक्र	24-10-2090	- 19-12-2090
सूर्य	19-12-2090	- 05-01-2091
चन्द्र	05-01-2091	- 03-02-2091
मंगल	03-02-2091	- 23-02-2091
राहु	23-02-2091	- 15-04-2091

केतु-शनि

95व1म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	15-04-2091	- 18-06-2091
बुध	18-06-2091	- 14-08-2091
केतु	14-08-2091	- 07-09-2091
शुक्र	07-09-2091	- 13-11-2091
सूर्य	13-11-2091	- 04-12-2091
चन्द्र	04-12-2091	- 06-01-2092
मंगल	06-01-2092	- 30-01-2092
राहु	30-01-2092	- 31-03-2092
गुरु	31-03-2092	- 24-05-2092

केतु-बुध

96व2म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	24-05-2092	- 14-07-2092
केतु	14-07-2092	- 04-08-2092
शुक्र	04-08-2092	- 03-10-2092
सूर्य	03-10-2092	- 22-10-2092
चन्द्र	22-10-2092	- 21-11-2092
मंगल	21-11-2092	- 12-12-2092
राहु	12-12-2092	- 04-02-2093
गुरु	04-02-2093	- 24-03-2093
शनि	24-03-2093	- 21-05-2093

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

शुक्र महादशा : 21-05-2093 से 22-05-2113

आयु : 97व 2म से 117व 2म

शुक्र-शुक्र 97व2म*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	21-05-2093 - 10-12-2093	
सूर्य	10-12-2093 - 09-02-2094	
चन्द्र	09-02-2094 - 21-05-2094	
मंगल	21-05-2094 - 31-07-2094	
राहु	31-07-2094 - 30-01-2095	
गुरु	30-01-2095 - 11-07-2095	
शनि	11-07-2095 - 20-01-2096	
बुध	20-01-2096 - 10-07-2096	
केतु	10-07-2096 - 19-09-2096	

शुक्र-सूर्य 100व6म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	19-09-2096 - 08-10-2096	
चन्द्र	08-10-2096 - 07-11-2096	
मंगल	07-11-2096 - 28-11-2096	
राहु	28-11-2096 - 22-01-2097	
गुरु	22-01-2097 - 12-03-2097	
शनि	12-03-2097 - 09-05-2097	
बुध	09-05-2097 - 29-06-2097	
केतु	29-06-2097 - 21-07-2097	
शुक्र	21-07-2097 - 20-09-2097	

शुक्र-चन्द्र 101व6म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	20-09-2097 - 09-11-2097	
मंगल	09-11-2097 - 15-12-2097	
राहु	15-12-2097 - 16-03-2098	
गुरु	16-03-2098 - 05-06-2098	
शनि	05-06-2098 - 10-09-2098	
बुध	10-09-2098 - 05-12-2098	
केतु	05-12-2098 - 09-01-2099	
शुक्र	09-01-2099 - 21-04-2099	
सूर्य	21-04-2099 - 21-05-2099	

शुक्र-मंगल 103व2म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	21-05-2099 - 15-06-2099	
राहु	15-06-2099 - 18-08-2099	
गुरु	18-08-2099 - 14-10-2099	
शनि	14-10-2099 - 20-12-2099	
बुध	20-12-2099 - 19-02-2100	
केतु	19-02-2100 - 16-03-2100	
शुक्र	16-03-2100 - 26-05-2100	
सूर्य	26-05-2100 - 16-06-2100	
चन्द्र	16-06-2100 - 21-07-2100	

शुक्र-राहु 104व4म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	21-07-2100 - 02-01-2101	
गुरु	02-01-2101 - 28-05-2101	
शनि	28-05-2101 - 17-11-2101	
बुध	17-11-2101 - 22-04-2102	
केतु	22-04-2102 - 24-06-2102	
शुक्र	24-06-2102 - 24-12-2102	
सूर्य	24-12-2102 - 17-02-2103	
चन्द्र	17-02-2103 - 19-05-2103	
मंगल	19-05-2103 - 22-07-2103	

शुक्र-गुरु 107व4म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	22-07-2103 - 29-11-2103	
शनि	29-11-2103 - 01-05-2104	
बुध	01-05-2104 - 16-09-2104	
केतु	16-09-2104 - 12-11-2104	
शुक्र	12-11-2104 - 23-04-2105	
सूर्य	23-04-2105 - 11-06-2105	
चन्द्र	11-06-2105 - 31-08-2105	
मंगल	31-08-2105 - 27-10-2105	
राहु	27-10-2105 - 22-03-2106	

शुक्र-शनि 110व0म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	22-03-2106 - 21-09-2106	
बुध	21-09-2106 - 04-03-2107	
केतु	04-03-2107 - 11-05-2107	
शुक्र	11-05-2107 - 19-11-2107	
सूर्य	19-11-2107 - 16-01-2108	
चन्द्र	16-01-2108 - 22-04-2108	
मंगल	22-04-2108 - 28-06-2108	
राहु	28-06-2108 - 18-12-2108	
गुरु	18-12-2108 - 22-05-2109	

शुक्र-बुध 113व2म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	22-05-2109 - 15-10-2109	
केतु	15-10-2109 - 15-12-2109	
शुक्र	15-12-2109 - 05-06-2110	
सूर्य	05-06-2110 - 27-07-2110	
चन्द्र	27-07-2110 - 21-10-2110	
मंगल	21-10-2110 - 20-12-2110	
राहु	20-12-2110 - 25-05-2111	
गुरु	25-05-2111 - 10-10-2111	
शनि	10-10-2111 - 22-03-2112	

शुक्र-केतु 116व0म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	22-03-2112 - 15-04-2112	
शुक्र	15-04-2112 - 25-06-2112	
सूर्य	25-06-2112 - 17-07-2112	
चन्द्र	17-07-2112 - 21-08-2112	
मंगल	21-08-2112 - 15-09-2112	
राहु	15-09-2112 - 18-11-2112	
गुरु	18-11-2112 - 14-01-2113	
शनि	14-01-2113 - 22-03-2113	
बुध	22-03-2113 - 22-05-2113	

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



विंशोत्तरी प्रत्यंतर व सूक्ष्म दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

राह-बुध-शुक्र

आरम्भ	05-11-2024
अन्त	09-04-2025
शुक्र	01-12-2024 11:31
सूर्य	09-12-2024 05:47
चंद्र	22-12-2024 04:15
मंगल	31-12-2024 05:34
राहु	23-01-2025 12:23
गुरु	13-02-2025 05:07
शनि	09-03-2025 18:59
बुध	31-03-2025 18:45
केतु	09-04-2025 20:04

राह-बुध-सूर्य

आरम्भ	09-04-2025
अन्त	26-05-2025
सूर्य	12-04-2025 03:57
चंद्र	16-04-2025 01:06
मंगल	18-04-2025 18:17
राहु	25-04-2025 17:56
गुरु	01-05-2025 22:57
शनि	09-05-2025 07:55
बुध	15-05-2025 22:15
केतु	18-05-2025 15:27
शुक्र	26-05-2025 09:43

राह-बुध-चंद्र

आरम्भ	26-05-2025
अन्त	12-08-2025
चंद्र	01-06-2025 20:57
मंगल	06-06-2025 09:36
राहु	18-06-2025 01:01
गुरु	28-06-2025 09:23
शनि	10-07-2025 16:19
बुध	21-07-2025 16:12
केतु	26-07-2025 04:51
शुक्र	08-08-2025 03:19
सूर्य	12-08-2025 00:27

राह-बुध-मंगल

आरम्भ	12-08-2025
अन्त	05-10-2025
मंगल	15-08-2025 04:31
राहु	23-08-2025 08:06
गुरु	30-08-2025 13:57
शनि	08-09-2025 04:24
बुध	15-09-2025 21:08
केतु	19-09-2025 01:11
शुक्र	28-09-2025 02:31
सूर्य	30-09-2025 19:42
चंद्र	05-10-2025 08:22

राह-बुध-राहु

आरम्भ	05-10-2025
अन्त	22-02-2026
राहु	26-10-2025 07:18
गुरु	13-11-2025 22:22
शनि	06-12-2025 01:14
बुध	25-12-2025 20:14
केतु	02-01-2026 23:49
शुक्र	26-01-2026 06:39
सूर्य	02-02-2026 06:17
चंद्र	13-02-2026 21:42
मंगल	22-02-2026 01:17

राह-बुध-गुरु

आरम्भ	22-02-2026
अन्त	26-06-2026
गुरु	10-03-2026 14:40
शनि	30-03-2026 06:34
बुध	16-04-2026 20:47
केतु	24-04-2026 02:38
शुक्र	14-05-2026 19:22
सूर्य	21-05-2026 00:23
चंद्र	31-05-2026 08:45
मंगल	07-06-2026 14:36
राहु	26-06-2026 05:40

राह-बुध-शनि

आरम्भ	26-06-2026
अन्त	20-11-2026
शनि	19-07-2026 14:02
बुध	09-08-2026 11:25
केतु	18-08-2026 01:53
शुक्र	11-09-2026 15:45
सूर्य	19-09-2026 00:42
चंद्र	01-10-2026 07:38
मंगल	09-10-2026 22:05
राहु	01-11-2026 00:58
गुरु	20-11-2026 16:52

राह-केतु-केतु

आरम्भ	20-11-2026
अन्त	13-12-2026
केतु	22-11-2026 00:11
शुक्र	25-11-2026 17:40
सूर्य	26-11-2026 20:31
चंद्र	28-11-2026 17:15
मंगल	30-11-2026 00:34
राहु	03-12-2026 09:06
गुरु	06-12-2026 08:42
शनि	09-12-2026 21:42
बुध	13-12-2026 01:46

राह-केतु-शुक्र

आरम्भ	13-12-2026
अन्त	14-02-2027
शुक्र	23-12-2026 17:26
सूर्य	26-12-2026 22:08
चंद्र	01-01-2027 05:58
मंगल	04-01-2027 23:27
राहु	14-01-2027 13:34
गुरु	23-01-2027 02:06
शनि	02-02-2027 04:59
बुध	11-02-2027 06:18
केतु	14-02-2027 23:47

राह-केतु-सूर्य

आरम्भ	14-02-2027
अन्त	06-03-2027
सूर्य	15-02-2027 22:48
चंद्र	17-02-2027 13:09
मंगल	18-02-2027 15:59
राहु	21-02-2027 13:01
गुरु	24-02-2027 02:23
शनि	27-02-2027 03:15
बुध	01-03-2027 20:27
केतु	02-03-2027 23:17
शुक्र	06-03-2027 03:59

राह-केतु-चंद्र

आरम्भ	06-03-2027
अन्त	07-04-2027
चंद्र	08-03-2027 19:54
मंगल	10-03-2027 16:39
राहु	15-03-2027 11:42
गुरु	19-03-2027 17:58
शनि	24-03-2027 19:25
बुध	29-03-2027 08:04
केतु	31-03-2027 04:49
शुक्र	05-04-2027 12:39
सूर्य	07-04-2027 03:00

राह-केतु-मंगल

आरम्भ	07-04-2027
अन्त	29-04-2027
मंगल	08-04-2027 10:19
राहु	11-04-2027 18:51
गुरु	14-04-2027 18:26
शनि	18-04-2027 07:27
बुध	21-04-2027 11:31
केतु	22-04-2027 18:50
शुक्र	26-04-2027 12:19
सूर्य	27-04-2027 15:10
चंद्र	29-04-2027 11:54



विंशोत्तरी प्रत्यंतर व सूक्ष्म दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

राहु-केतु-राहु		राहु-केतु-गुरु		राहु-केतु-शनि		राहु-केतु-बुध	
आरम्भ	अन्त	आरम्भ	अन्त	आरम्भ	अन्त	आरम्भ	अन्त
राहु	08-05-2027 03:00	गुरु	02-07-2027 20:09	शनि	25-08-2027 18:29	बुध	23-10-2027 13:46
गुरु	15-05-2027 19:05	शनि	10-07-2027 22:27	बुध	03-09-2027 08:56	केतु	26-10-2027 17:50
शनि	24-05-2027 21:41	बुध	18-07-2027 04:19	केतु	06-09-2027 21:56	शुक्र	04-11-2027 19:09
बुध	02-06-2027 01:16	केतु	21-07-2027 03:54	शुक्र	17-09-2027 00:49	सूर्य	07-11-2027 12:21
केतु	05-06-2027 09:48	शुक्र	29-07-2027 16:26	सूर्य	20-09-2027 01:41	चंद्र	12-11-2027 01:00
शुक्र	14-06-2027 23:54	सूर्य	01-08-2027 05:48	चंद्र	25-09-2027 03:08	मंगल	15-11-2027 05:04
सूर्य	17-06-2027 20:56	चंद्र	05-08-2027 12:04	मंगल	28-09-2027 16:09	राहु	23-11-2027 08:39
चंद्र	22-06-2027 15:59	मंगल	08-08-2027 11:39	राहु	07-10-2027 18:44	गुरु	30-11-2027 14:31
मंगल	26-06-2027 00:31	राहु	16-08-2027 03:44	गुरु	15-10-2027 21:03	शनि	09-12-2027 04:58

राहु-शुक्र-शुक्र		राहु-शुक्र-सूर्य		राहु-शुक्र-चंद्र		राहु-शुक्र-मंगल	
आरम्भ	अन्त	आरम्भ	अन्त	आरम्भ	अन्त	आरम्भ	अन्त
शुक्र	08-01-2028 15:27	सूर्य	11-06-2028 13:37	चंद्र	10-08-2028 05:22	मंगल	05-11-2028 15:41
सूर्य	17-01-2028 18:36	चंद्र	16-06-2028 03:11	मंगल	15-08-2028 13:12	राहु	15-11-2028 05:47
चंद्र	01-02-2028 23:50	मंगल	19-06-2028 07:53	राहु	29-08-2028 05:55	गुरु	23-11-2028 18:19
मंगल	12-02-2028 15:30	राहु	27-06-2028 13:07	गुरु	10-09-2028 10:07	शनि	03-12-2028 21:12
राहु	11-03-2028 00:57	गुरु	04-07-2028 20:26	शनि	24-09-2028 21:05	बुध	12-12-2028 22:31
गुरु	04-04-2028 09:20	शनि	13-07-2028 12:37	बुध	07-10-2028 19:33	केतु	16-12-2028 16:00
शनि	03-05-2028 07:17	बुध	21-07-2028 06:54	केतु	13-10-2028 03:23	शुक्र	27-12-2028 07:41
बुध	29-05-2028 04:12	केतु	24-07-2028 11:36	शुक्र	28-10-2028 08:37	सूर्य	30-12-2028 12:23
केतु	08-06-2028 19:52	शुक्र	02-08-2028 14:45	सूर्य	01-11-2028 22:12	चंद्र	04-01-2029 20:13

राहु-शुक्र-राहु		राहु-शुक्र-गुरु		राहु-शुक्र-शनि		राहु-शुक्र-बुध	
आरम्भ	अन्त	आरम्भ	अन्त	आरम्भ	अन्त	आरम्भ	अन्त
राहु	29-01-2029 11:54	गुरु	07-07-2029 16:20	शनि	08-12-2029 18:25	बुध	25-05-2030 18:41
गुरु	20-02-2029 09:51	शनि	30-07-2029 19:30	बुध	02-01-2030 08:17	केतु	03-06-2030 20:01
शनि	18-03-2029 10:25	बुध	20-08-2029 12:14	केतु	12-01-2030 11:10	शुक्र	29-06-2030 16:55
बुध	10-04-2029 17:14	केतु	29-08-2029 00:46	शुक्र	10-02-2030 09:08	सूर्य	07-07-2030 11:12
केतु	20-04-2029 07:20	शुक्र	22-09-2029 09:10	सूर्य	19-02-2030 01:19	चंद्र	20-07-2030 09:39
शुक्र	17-05-2029 16:47	सूर्य	29-09-2029 16:29	चंद्र	05-03-2030 12:18	मंगल	29-07-2030 10:58
सूर्य	25-05-2029 22:00	चंद्र	11-10-2029 20:40	मंगल	15-03-2030 15:11	राहु	21-08-2030 17:47
चंद्र	08-06-2029 14:44	मंगल	20-10-2029 09:12	राहु	10-04-2030 15:45	गुरु	11-09-2030 10:31
मंगल	18-06-2029 04:50	राहु	11-11-2029 07:09	गुरु	03-05-2030 18:55	शनि	06-10-2030 00:23



विंशोत्तरी प्रत्यंतर व सूक्ष्म दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

राहु-शुक्र-केतु

आरम्भ	06-10-2030
अन्त	08-12-2030
केतु	09-10-2030 17:52
शुक्र	20-10-2030 09:32
सूर्य	23-10-2030 14:14
चंद्र	28-10-2030 22:04
मंगल	01-11-2030 15:34
राहु	11-11-2030 05:40
गुरु	19-11-2030 18:12
शनि	29-11-2030 21:05
बुध	08-12-2030 22:24

राहु-सूर्य-सूर्य

आरम्भ	08-12-2030
अन्त	25-12-2030
सूर्य	09-12-2030 18:08
चंद्र	11-12-2030 03:00
मंगल	12-12-2030 02:00
राहु	14-12-2030 13:11
गुरु	16-12-2030 17:46
शनि	19-12-2030 08:14
बुध	21-12-2030 16:07
केतु	22-12-2030 15:07
शुक्र	25-12-2030 08:52

राहु-सूर्य-चंद्र

आरम्भ	25-12-2030
अन्त	21-01-2031
चंद्र	27-12-2030 15:39
मंगल	29-12-2030 06:00
राहु	02-01-2031 08:37
गुरु	06-01-2031 00:16
शनि	10-01-2031 08:22
बुध	14-01-2031 05:30
केतु	15-01-2031 19:51
शुक्र	20-01-2031 09:26
सूर्य	21-01-2031 18:18

राहु-सूर्य-मंगल

आरम्भ	21-01-2031
अन्त	09-02-2031
मंगल	22-01-2031 21:09
राहु	25-01-2031 18:11
गुरु	28-01-2031 07:32
शनि	31-01-2031 08:24
बुध	03-02-2031 01:36
केतु	04-02-2031 04:27
शुक्र	07-02-2031 09:09
सूर्य	08-02-2031 08:09
चंद्र	09-02-2031 22:30

राहु-सूर्य-राहु

आरम्भ	09-02-2031
अन्त	31-03-2031
राहु	17-02-2031 08:01
गुरु	23-02-2031 21:48
शनि	03-03-2031 17:10
बुध	10-03-2031 16:49
केतु	13-03-2031 13:51
शुक्र	21-03-2031 19:04
सूर्य	24-03-2031 06:15
चंद्र	28-03-2031 08:52
मंगल	31-03-2031 05:53

राहु-सूर्य-गुरु

आरम्भ	31-03-2031
अन्त	14-05-2031
गुरु	06-04-2031 02:09
शनि	13-04-2031 00:42
बुध	19-04-2031 05:43
केतु	21-04-2031 19:04
शुक्र	29-04-2031 02:23
सूर्य	01-05-2031 06:59
चंद्र	04-05-2031 22:38
मंगल	07-05-2031 12:00
राहु	14-05-2031 01:47

राहु-सूर्य-शनि

आरम्भ	14-05-2031
अन्त	05-07-2031
शनि	22-05-2031 07:34
बुध	29-05-2031 16:32
केतु	01-06-2031 17:23
शुक्र	10-06-2031 09:35
सूर्य	13-06-2031 00:02
चंद्र	17-06-2031 08:08
मंगल	20-06-2031 09:00
राहु	28-06-2031 04:22
गुरु	05-07-2031 02:55

राहु-सूर्य-बुध

आरम्भ	05-07-2031
अन्त	20-08-2031
बुध	11-07-2031 17:15
केतु	14-07-2031 10:27
शुक्र	22-07-2031 04:43
सूर्य	24-07-2031 12:36
चंद्र	28-07-2031 09:44
मंगल	31-07-2031 02:56
राहु	07-08-2031 02:35
गुरु	13-08-2031 07:36
शनि	20-08-2031 16:33

राहु-सूर्य-केतु

आरम्भ	20-08-2031
अन्त	08-09-2031
केतु	21-08-2031 19:24
शुक्र	25-08-2031 00:06
सूर्य	25-08-2031 23:07
चंद्र	27-08-2031 13:28
मंगल	28-08-2031 16:18
राहु	31-08-2031 13:20
गुरु	03-09-2031 02:42
शनि	06-09-2031 03:34
बुध	08-09-2031 20:46

राहु-सूर्य-शुक्र

आरम्भ	08-09-2031
अन्त	02-11-2031
शुक्र	17-09-2031 23:54
सूर्य	20-09-2031 17:39
चंद्र	25-09-2031 07:13
मंगल	28-09-2031 11:55
राहु	06-10-2031 17:09
गुरु	14-10-2031 00:28
शनि	22-10-2031 16:40
बुध	30-10-2031 10:56
केतु	02-11-2031 15:38

राहु-चंद्र-चंद्र

आरम्भ	02-11-2031
अन्त	18-12-2031
चंद्र	06-11-2031 10:57
मंगल	09-11-2031 02:52
राहु	15-11-2031 23:13
गुरु	22-11-2031 01:19
शनि	29-11-2031 06:48
बुध	02-12-2031 19:31
केतु	08-12-2031 09:57
शुक्र	16-12-2031 00:34
सूर्य	18-12-2031 07:22

राहु-चंद्र-मंगल

आरम्भ	18-12-2031
अन्त	19-01-2032
मंगल	20-12-2031 04:06
राहु	24-12-2031 23:09
गुरु	29-12-2031 05:25
शनि	03-01-2032 06:52
बुध	07-01-2032 19:31
केतु	09-01-2032 16:16
शुक्र	15-01-2032 00:06
सूर्य	16-01-2032 14:27
चंद्र	19-01-2032 06:22



अष्टोत्तरी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : शनि ५वर्ष ११मास ५दिन

जन्मकालीन दशा : शा-ल-ल-ल-ल

शनि (१०व)

० वर्ष ५वर्ष ११म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	-	
गुरु	-	
राहु	-	
शुक्र	15-03-1996 - 17-11-1997	
सूर्य	17-11-1997 - 08-06-1998	
चन्द्र	08-06-1998 - 28-10-1999	
मंगल	28-10-1999 - 25-07-2000	
बुध	25-07-2000 - 20-02-2002	

गुरु (१९व)

५वर्ष ११म - २४वर्ष ११म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	20-02-2002 - 25-06-2005	
राहु	25-06-2005 - 05-08-2007	
शुक्र	05-08-2007 - 15-04-2011	
सूर्य	15-04-2011 - 05-05-2012	
चन्द्र	05-05-2012 - 25-12-2014	
मंगल	25-12-2014 - 22-05-2016	
बुध	22-05-2016 - 19-05-2019	
शनि	19-05-2019 - 20-02-2021	

राहु (१२व)

२४वर्ष ११म - ३६वर्ष ११म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	20-02-2021 - 22-06-2022	
शुक्र	22-06-2022 - 21-10-2024	
सूर्य	21-10-2024 - 21-06-2025	
चन्द्र	21-06-2025 - 20-02-2027	
मंगल	20-02-2027 - 11-01-2028	
बुध	11-01-2028 - 01-12-2029	
शनि	01-12-2029 - 10-01-2031	
गुरु	10-01-2031 - 19-02-2033	

शुक्र (२१व)

३६वर्ष ११म - ५७वर्ष ११म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	19-02-2033 - 22-03-2037	
सूर्य	22-03-2037 - 22-05-2038	
चन्द्र	22-05-2038 - 21-04-2041	
मंगल	21-04-2041 - 10-11-2042	
बुध	10-11-2042 - 02-03-2046	
शनि	02-03-2046 - 10-02-2048	
गुरु	10-02-2048 - 21-10-2051	
राहु	21-10-2051 - 20-02-2054	

सूर्य (६व)

५७वर्ष ११म - ६३वर्ष ११म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	20-02-2054 - 21-06-2054	
चन्द्र	21-06-2054 - 22-04-2055	
मंगल	22-04-2055 - 01-10-2055	
बुध	01-10-2055 - 10-09-2056	
शनि	10-09-2056 - 01-04-2057	
गुरु	01-04-2057 - 21-04-2058	
राहु	21-04-2058 - 21-12-2058	
शुक्र	21-12-2058 - 20-02-2060	

चन्द्र (१५व)

६३वर्ष ११म - ७८वर्ष ११म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	20-02-2060 - 22-03-2062	
मंगल	22-03-2062 - 02-05-2063	
बुध	02-05-2063 - 10-09-2065	
शनि	10-09-2065 - 30-01-2067	
गुरु	30-01-2067 - 20-09-2069	
राहु	20-09-2069 - 22-05-2071	
शुक्र	22-05-2071 - 21-04-2074	
सूर्य	21-04-2074 - 20-02-2075	

मंगल (८व)

७८वर्ष ११म - ८६वर्ष ११म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	20-02-2075 - 24-09-2075	
बुध	24-09-2075 - 27-12-2076	
शनि	27-12-2076 - 24-09-2077	
गुरु	24-09-2077 - 20-02-2079	
राहु	20-02-2079 - 10-01-2080	
शुक्र	10-01-2080 - 31-07-2081	
सूर्य	31-07-2081 - 10-01-2082	
चन्द्र	10-01-2082 - 20-02-2083	

बुध (१७व)

८६वर्ष ११म - १०३वर्ष ११म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	20-02-2083 - 24-10-2085	
शनि	24-10-2085 - 22-05-2087	
गुरु	22-05-2087 - 18-05-2090	
राहु	18-05-2090 - 07-04-2092	
शुक्र	07-04-2092 - 28-07-2095	
सूर्य	28-07-2095 - 07-07-2096	
चन्द्र	07-07-2096 - 17-11-2098	
मंगल	17-11-2098 - 20-02-2100	

अष्टोत्तरी दशा लागू करने का नियम :

लग्न के अतिरिक्त राहु लग्नेश से केन्द्र या त्रिकोण में हो या कृष्णपक्ष में दिन में या शुक्लपक्ष में रात्रि में जन्म हो।



अष्टोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

शनि-शुक्र	शनि-सूर्य	शनि-चंद्र	शनि-मंगल	शनि-बुध
आरम्भ 15-03-1996	आरम्भ 17-11-1997	आरम्भ 08-06-1998	आरम्भ 28-10-1999	आरम्भ 25-07-2000
अन्त 17-11-1997	अन्त 08-06-1998	अन्त 28-10-1999	अन्त 25-07-2000	अन्त 20-02-2002
शुक्र 24-04-1996	सूर्य 29-11-1997	चंद्र 18-08-1998	मंगल 17-11-1999	बुध 23-10-2000
सूर्य 03-06-1996	चंद्र 27-12-1997	मंगल 24-09-1998	बुध 30-12-1999	शनि 16-12-2000
चंद्र 09-09-1996	मंगल 11-01-1998	बुध 13-12-1998	शनि 24-01-2000	गुरु 27-03-2001
मंगल 01-11-1996	बुध 12-02-1998	शनि 29-01-1999	गुरु 12-03-2000	राहु 30-05-2001
बुध 21-02-1997	शनि 02-03-1998	गुरु 28-04-1999	राहु 11-04-2000	शुक्र 19-09-2001
शनि 27-04-1997	गुरु 07-04-1998	राहु 24-06-1999	शुक्र 02-06-2000	सूर्य 20-10-2001
गुरु 30-08-1997	राहु 30-04-1998	शुक्र 30-09-1999	सूर्य 17-06-2000	चंद्र 08-01-2002
राहु 17-11-1997	शुक्र 08-06-1998	सूर्य 28-10-1999	चंद्र 25-07-2000	मंगल 20-02-2002

गुरु-गुरु	गुरु-राहु	गुरु-शुक्र	गुरु-सूर्य	गुरु-चंद्र
आरम्भ 20-02-2002	आरम्भ 25-06-2005	आरम्भ 05-08-2007	आरम्भ 15-04-2011	आरम्भ 05-05-2012
अन्त 25-06-2005	अन्त 05-08-2007	अन्त 15-04-2011	अन्त 05-05-2012	अन्त 25-12-2014
गुरु 23-09-2002	राहु 18-09-2005	शुक्र 23-04-2008	सूर्य 07-05-2011	चंद्र 16-09-2012
राहु 05-02-2003	शुक्र 15-02-2006	सूर्य 07-07-2008	चंद्र 29-06-2011	मंगल 26-11-2012
शुक्र 01-10-2003	सूर्य 30-03-2006	चंद्र 11-01-2009	मंगल 28-07-2011	बुध 27-04-2013
सूर्य 08-12-2003	चंद्र 15-07-2006	मंगल 21-04-2009	बुध 26-09-2011	शनि 25-07-2013
चंद्र 25-05-2004	मंगल 10-09-2006	बुध 19-11-2009	शनि 01-11-2011	गुरु 11-01-2014
मंगल 24-08-2004	बुध 10-01-2007	शनि 24-03-2010	गुरु 08-01-2012	राहु 28-04-2014
बुध 04-03-2005	शनि 22-03-2007	गुरु 16-11-2010	राहु 20-02-2012	शुक्र 01-11-2014
शनि 25-06-2005	गुरु 05-08-2007	राहु 15-04-2011	शुक्र 05-05-2012	सूर्य 25-12-2014

गुरु-मंगल	गुरु-बुध	गुरु-शनि	राहु-राहु	राहु-शुक्र
आरम्भ 25-12-2014	आरम्भ 22-05-2016	आरम्भ 19-05-2019	आरम्भ 20-02-2021	आरम्भ 22-06-2022
अन्त 22-05-2016	अन्त 19-05-2019	अन्त 20-02-2021	अन्त 22-06-2022	अन्त 21-10-2024
मंगल 01-02-2015	बुध 10-11-2016	शनि 17-07-2019	राहु 15-04-2021	शुक्र 04-12-2022
बुध 23-04-2015	शनि 19-02-2017	गुरु 07-11-2019	शुक्र 18-07-2021	सूर्य 21-01-2023
शनि 09-06-2015	गुरु 30-08-2017	राहु 18-01-2020	सूर्य 14-08-2021	चंद्र 19-05-2023
गुरु 08-09-2015	राहु 29-12-2017	शुक्र 22-05-2020	चंद्र 21-10-2021	मंगल 21-07-2023
राहु 04-11-2015	शुक्र 30-07-2018	सूर्य 27-06-2020	मंगल 26-11-2021	बुध 02-12-2023
शुक्र 12-02-2016	सूर्य 28-09-2018	चंद्र 24-09-2020	बुध 11-02-2022	शनि 19-02-2024
सूर्य 11-03-2016	चंद्र 27-02-2019	मंगल 10-11-2020	शनि 28-03-2022	गुरु 18-07-2024
चंद्र 22-05-2016	मंगल 19-05-2019	बुध 20-02-2021	गुरु 22-06-2022	राहु 21-10-2024



अष्टोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

राहु-सूर्य

आरम्भ	21-10-2024
अन्त	21-06-2025
सूर्य	03-11-2024
चंद्र	07-12-2024
मंगल	25-12-2024
बुध	01-02-2025
शनि	24-02-2025
गुरु	08-04-2025
राहु	05-05-2025
शुक्र	21-06-2025

राहु-चंद्र

आरम्भ	21-06-2025
अन्त	20-02-2027
चंद्र	14-09-2025
मंगल	29-10-2025
बुध	02-02-2026
शनि	30-03-2026
गुरु	15-07-2026
राहु	21-09-2026
शुक्र	17-01-2027
सूर्य	20-02-2027

राहु-मंगल

आरम्भ	20-02-2027
अन्त	11-01-2028
मंगल	16-03-2027
बुध	06-05-2027
शनि	05-06-2027
गुरु	01-08-2027
राहु	06-09-2027
शुक्र	08-11-2027
सूर्य	27-11-2027
चंद्र	11-01-2028

राहु-बुध

आरम्भ	11-01-2028
अन्त	01-12-2029
बुध	28-04-2028
शनि	01-07-2028
गुरु	30-10-2028
राहु	15-01-2029
शुक्र	29-05-2029
सूर्य	07-07-2029
चंद्र	10-10-2029
मंगल	01-12-2029

राहु-शनि

आरम्भ	01-12-2029
अन्त	10-01-2031
शनि	07-01-2030
गुरु	19-03-2030
राहु	04-05-2030
शुक्र	21-07-2030
सूर्य	13-08-2030
चंद्र	08-10-2030
मंगल	07-11-2030
बुध	10-01-2031

राहु-गुरु

आरम्भ	10-01-2031
अन्त	19-02-2033
गुरु	26-05-2031
राहु	20-08-2031
शुक्र	17-01-2032
सूर्य	28-02-2032
चंद्र	15-06-2032
मंगल	11-08-2032
बुध	10-12-2032
शनि	19-02-2033

शुक्र-शुक्र

आरम्भ	19-02-2033
अन्त	22-03-2037
शुक्र	06-12-2033
सूर्य	27-02-2034
चंद्र	22-09-2034
मंगल	11-01-2035
बुध	03-09-2035
शनि	19-01-2036
गुरु	07-10-2036
राहु	22-03-2037

शुक्र-सूर्य

आरम्भ	22-03-2037
अन्त	22-05-2038
सूर्य	14-04-2037
चंद्र	13-06-2037
मंगल	14-07-2037
बुध	19-09-2037
शनि	29-10-2037
गुरु	12-01-2038
राहु	28-02-2038
शुक्र	22-05-2038

शुक्र-चंद्र

आरम्भ	22-05-2038
अन्त	21-04-2041
चंद्र	17-10-2038
मंगल	04-01-2039
बुध	20-06-2039
शनि	27-09-2039
गुरु	02-04-2040
राहु	29-07-2040
शुक्र	21-02-2041
सूर्य	21-04-2041

शुक्र-मंगल

आरम्भ	21-04-2041
अन्त	10-11-2042
मंगल	02-06-2041
बुध	31-08-2041
शनि	22-10-2041
गुरु	30-01-2042
राहु	03-04-2042
शुक्र	23-07-2042
सूर्य	23-08-2042
चंद्र	10-11-2042

शुक्र-बुध

आरम्भ	10-11-2042
अन्त	02-03-2046
बुध	19-05-2043
शनि	08-09-2043
गुरु	08-04-2044
राहु	20-08-2044
शुक्र	12-04-2045
सूर्य	18-06-2045
चंद्र	02-12-2045
मंगल	02-03-2046

शुक्र-शनि

आरम्भ	02-03-2046
अन्त	10-02-2048
शनि	06-05-2046
गुरु	08-09-2046
राहु	26-11-2046
शुक्र	13-04-2047
सूर्य	23-05-2047
चंद्र	30-08-2047
मंगल	21-10-2047
बुध	10-02-2048

शुक्र-गुरु

आरम्भ	10-02-2048
अन्त	21-10-2051
गुरु	04-10-2048
राहु	03-03-2049
शुक्र	21-11-2049
सूर्य	04-02-2050
चंद्र	10-08-2050
मंगल	18-11-2050
बुध	18-06-2051
शनि	21-10-2051

शुक्र-राहु

आरम्भ	21-10-2051
अन्त	20-02-2054
राहु	24-01-2052
शुक्र	08-07-2052
सूर्य	24-08-2052
चंद्र	20-12-2052
मंगल	22-02-2053
बुध	06-07-2053
शनि	23-09-2053
गुरु	20-02-2054

सूर्य-सूर्य

आरम्भ	20-02-2054
अन्त	21-06-2054
सूर्य	26-02-2054
चंद्र	15-03-2054
मंगल	24-03-2054
बुध	12-04-2054
शनि	24-04-2054
गुरु	15-05-2054
राहु	29-05-2054
शुक्र	21-06-2054



अष्टोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

सूर्य-चंद्र	सूर्य-मंगल	सूर्य-बुध	सूर्य-शनि	सूर्य-गुरु
आरम्भ 21-06-2054	आरम्भ 22-04-2055	आरम्भ 01-10-2055	आरम्भ 10-09-2056	आरम्भ 01-04-2057
अन्त 22-04-2055	अन्त 01-10-2055	अन्त 10-09-2056	अन्त 01-04-2057	अन्त 21-04-2058
चंद्र 03-08-2054	मंगल 04-05-2055	बुध 24-11-2055	शनि 29-09-2056	गुरु 08-06-2057
मंगल 25-08-2054	बुध 29-05-2055	शनि 26-12-2055	गुरु 03-11-2056	राहु 20-07-2057
बुध 12-10-2054	शनि 13-06-2055	गुरु 25-02-2056	राहु 26-11-2056	शुक्र 03-10-2057
शनि 09-11-2054	गुरु 12-07-2055	राहु 03-04-2056	शुक्र 04-01-2057	सूर्य 25-10-2057
गुरु 02-01-2055	राहु 30-07-2055	शुक्र 09-06-2056	सूर्य 16-01-2057	चंद्र 17-12-2057
राहु 05-02-2055	शुक्र 30-08-2055	सूर्य 28-06-2056	चंद्र 13-02-2057	मंगल 15-01-2058
शुक्र 05-04-2055	सूर्य 08-09-2055	चंद्र 15-08-2056	मंगल 28-02-2057	बुध 17-03-2058
सूर्य 22-04-2055	चंद्र 01-10-2055	मंगल 10-09-2056	बुध 01-04-2057	शनि 21-04-2058

सूर्य-राहु	सूर्य-शुक्र	चंद्र-चंद्र	चंद्र-मंगल	चंद्र-बुध
आरम्भ 21-04-2058	आरम्भ 21-12-2058	आरम्भ 20-02-2060	आरम्भ 22-03-2062	आरम्भ 02-05-2063
अन्त 21-12-2058	अन्त 20-02-2060	अन्त 22-03-2062	अन्त 02-05-2063	अन्त 10-09-2065
राहु 18-05-2058	शुक्र 14-03-2059	चंद्र 05-06-2060	मंगल 21-04-2062	बुध 14-09-2063
शुक्र 05-07-2058	सूर्य 06-04-2059	मंगल 31-07-2060	बुध 24-06-2062	शनि 03-12-2063
सूर्य 18-07-2058	चंद्र 05-06-2059	बुध 28-11-2060	शनि 31-07-2062	गुरु 03-05-2064
चंद्र 21-08-2058	मंगल 06-07-2059	शनि 06-02-2061	गुरु 11-10-2062	राहु 07-08-2064
मंगल 08-09-2058	बुध 11-09-2059	गुरु 20-06-2061	राहु 25-11-2062	शुक्र 22-01-2065
बुध 16-10-2058	शनि 21-10-2059	राहु 13-09-2061	शुक्र 12-02-2063	सूर्य 10-03-2065
शनि 08-11-2058	गुरु 04-01-2060	शुक्र 08-02-2062	सूर्य 06-03-2063	चंद्र 08-07-2065
गुरु 21-12-2058	राहु 20-02-2060	सूर्य 22-03-2062	चंद्र 02-05-2063	मंगल 10-09-2065

चंद्र-शनि	चंद्र-गुरु	चंद्र-राहु	चंद्र-शुक्र	चंद्र-सूर्य
आरम्भ 10-09-2065	आरम्भ 30-01-2067	आरम्भ 20-09-2069	आरम्भ 22-05-2071	आरम्भ 21-04-2074
अन्त 30-01-2067	अन्त 20-09-2069	अन्त 22-05-2071	अन्त 21-04-2074	अन्त 20-02-2075
शनि 27-10-2065	गुरु 19-07-2067	राहु 27-11-2069	शुक्र 15-12-2071	सूर्य 08-05-2074
गुरु 24-01-2066	राहु 03-11-2067	शुक्र 25-03-2070	सूर्य 12-02-2072	चंद्र 19-06-2074
राहु 22-03-2066	शुक्र 08-05-2068	सूर्य 28-04-2070	चंद्र 09-07-2072	मंगल 12-07-2074
शुक्र 28-06-2066	सूर्य 01-07-2068	चंद्र 22-07-2070	मंगल 26-09-2072	बुध 29-08-2074
सूर्य 26-07-2066	चंद्र 12-11-2068	मंगल 05-09-2070	बुध 13-03-2073	शनि 26-09-2074
चंद्र 05-10-2066	मंगल 22-01-2069	बुध 09-12-2070	शनि 19-06-2073	गुरु 19-11-2074
मंगल 12-11-2066	बुध 23-06-2069	शनि 04-02-2071	गुरु 24-12-2073	राहु 22-12-2074
बुध 30-01-2067	शनि 20-09-2069	गुरु 22-05-2071	राहु 21-04-2074	शुक्र 20-02-2075



अष्टोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

मंगल-मंगल	मंगल-बुध	मंगल-शनि	मंगल-गुरु	मंगल-राहु
आरम्भ 20-02-2075	आरम्भ 24-09-2075	आरम्भ 27-12-2076	आरम्भ 24-09-2077	आरम्भ 20-02-2079
अन्त 24-09-2075	अन्त 27-12-2076	अन्त 24-09-2077	अन्त 20-02-2079	अन्त 10-01-2080
मंगल 08-03-2075	बुध 05-12-2075	शनि 21-01-2077	गुरु 23-12-2077	राहु 28-03-2079
बुध 11-04-2075	शनि 17-01-2076	गुरु 10-03-2077	राहु 18-02-2078	शुक्र 30-05-2079
शनि 01-05-2075	गुरु 07-04-2076	राहु 09-04-2077	शुक्र 29-05-2078	सूर्य 17-06-2079
गुरु 08-06-2075	राहु 28-05-2076	शुक्र 31-05-2077	सूर्य 27-06-2078	चंद्र 01-08-2079
राहु 02-07-2075	शुक्र 25-08-2076	सूर्य 15-06-2077	चंद्र 06-09-2078	मंगल 25-08-2079
शुक्र 13-08-2075	सूर्य 20-09-2076	चंद्र 23-07-2077	मंगल 14-10-2078	बुध 15-10-2079
सूर्य 25-08-2075	चंद्र 23-11-2076	मंगल 12-08-2077	बुध 03-01-2079	शनि 14-11-2079
चंद्र 24-09-2075	मंगल 27-12-2076	बुध 24-09-2077	शनि 20-02-2079	गुरु 10-01-2080

मंगल-शुक्र	मंगल-सूर्य	मंगल-चंद्र	बुध-बुध	बुध-शनि
आरम्भ 10-01-2080	आरम्भ 31-07-2081	आरम्भ 10-01-2082	आरम्भ 20-02-2083	आरम्भ 24-10-2085
अन्त 31-07-2081	अन्त 10-01-2082	अन्त 20-02-2083	अन्त 24-10-2085	अन्त 22-05-2087
शुक्र 30-04-2080	सूर्य 09-08-2081	चंद्र 07-03-2082	बुध 23-07-2083	शनि 16-12-2085
सूर्य 31-05-2080	चंद्र 01-09-2081	मंगल 06-04-2082	शनि 22-10-2083	गुरु 27-03-2086
चंद्र 18-08-2080	मंगल 13-09-2081	बुध 09-06-2082	गुरु 11-04-2084	राहु 30-05-2086
मंगल 29-09-2080	बुध 09-10-2081	शनि 17-07-2082	राहु 28-07-2084	शुक्र 19-09-2086
बुध 28-12-2080	शनि 24-10-2081	गुरु 26-09-2082	शुक्र 03-02-2085	सूर्य 21-10-2086
शनि 18-02-2081	गुरु 21-11-2081	राहु 10-11-2082	सूर्य 30-03-2085	चंद्र 09-01-2087
गुरु 29-05-2081	राहु 09-12-2081	शुक्र 28-01-2083	चंद्र 12-08-2085	मंगल 20-02-2087
राहु 31-07-2081	शुक्र 10-01-2082	सूर्य 20-02-2083	मंगल 24-10-2085	बुध 22-05-2087

बुध-गुरु	बुध-राहु	बुध-शुक्र	बुध-सूर्य	बुध-चंद्र
आरम्भ 22-05-2087	आरम्भ 18-05-2090	आरम्भ 07-04-2092	आरम्भ 28-07-2095	आरम्भ 07-07-2096
अन्त 18-05-2090	अन्त 07-04-2092	अन्त 28-07-2095	अन्त 07-07-2096	अन्त 17-11-2098
गुरु 30-11-2087	राहु 03-08-2090	शुक्र 28-11-2092	सूर्य 17-08-2095	चंद्र 04-11-2096
राहु 30-03-2088	शुक्र 15-12-2090	सूर्य 03-02-2093	चंद्र 03-10-2095	मंगल 07-01-2097
शुक्र 29-10-2088	सूर्य 22-01-2091	चंद्र 21-07-2093	मंगल 29-10-2095	बुध 23-05-2097
सूर्य 28-12-2088	चंद्र 28-04-2091	मंगल 18-10-2093	बुध 22-12-2095	शनि 11-08-2097
चंद्र 29-05-2089	मंगल 18-06-2091	बुध 26-04-2094	शनि 23-01-2096	गुरु 09-01-2098
मंगल 18-08-2089	बुध 05-10-2091	शनि 16-08-2094	गुरु 24-03-2096	राहु 15-04-2098
बुध 06-02-2090	शनि 08-12-2091	गुरु 16-03-2095	राहु 01-05-2096	शुक्र 30-09-2098
शनि 18-05-2090	गुरु 07-04-2092	राहु 28-07-2095	शुक्र 07-07-2096	सूर्य 17-11-2098



योगिनी महा व अन्तर दशाएं

(प्रथम चक्र)

भोग्य दशा : संकटा 4वर्ष 2मास 28दिन

संकटा (8व)	० वर्ष -	४व2म	मंगला (1व)	४व2म -	५व2म	पिंगला (2व)	५व2म -	७व2म
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
संकटा रा			मंगला चं	13-06-2000	23-06-2000	पिंगला सू	13-06-2001	24-07-2001
मंगला चं			पिंगला सू	23-06-2000	13-07-2000	धान्या गु	24-07-2001	22-09-2001
पिंगला सू			धान्या गु	13-07-2000	13-08-2000	भ्रामरी मं	22-09-2001	13-12-2001
धान्या गु			भ्रामरी मं	13-08-2000	22-09-2000	भद्रिका बु	13-12-2001	24-03-2002
भ्रामरी मं	15-03-1996	13-06-1996	भद्रिका बु	22-09-2000	12-11-2000	उल्का श	24-03-2002	24-07-2002
भद्रिका बु	13-06-1996	24-07-1997	उल्का श	12-11-2000	12-01-2001	सिद्धा शु	24-07-2002	13-12-2002
उल्का श	24-07-1997	23-11-1998	सिद्धा शु	12-01-2001	24-03-2001	संकटा रा	13-12-2002	24-05-2003
सिद्धा शु	23-11-1998	13-06-2000	संकटा रा	24-03-2001	13-06-2001	मंगला चं	24-05-2003	

धान्या (3व)	७व2म -	१०व2म	भ्रामरी (4व)	१०व2म -	१४व2म	भद्रिका (5व)	१४व2म -	१९व2म
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
धान्या गु	14-06-2003	13-09-2003	भ्रामरी मं	13-06-2006	23-11-2006	भद्रिका बु	13-06-2010	22-02-2011
भ्रामरी मं	13-09-2003	13-01-2004	भद्रिका बु	23-11-2006	13-06-2007	उल्का श	22-02-2011	23-12-2011
भद्रिका बु	13-01-2004	13-06-2004	उल्का श	13-06-2007	12-02-2008	सिद्धा शु	23-12-2011	12-12-2012
उल्का श	13-06-2004	12-12-2004	सिद्धा शु	12-02-2008	22-11-2008	संकटा रा	12-12-2012	22-01-2014
सिद्धा शु	12-12-2004	13-07-2005	संकटा रा	22-11-2008	13-10-2009	मंगला चं	22-01-2014	14-03-2014
संकटा रा	13-07-2005	14-03-2006	मंगला चं	13-10-2009	22-11-2009	पिंगला सू	14-03-2014	23-06-2014
मंगला चं	14-03-2006	13-04-2006	पिंगला सू	22-11-2009	11-02-2010	धान्या गु	23-06-2014	22-11-2014
पिंगला सू	13-04-2006	13-06-2006	धान्या गु	11-02-2010	13-06-2010	भ्रामरी मं	22-11-2014	13-06-2015

उल्का (6व)	१९व2म -	२५व2म	सिद्धा (7व)	२५व2म -	३२व2म
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
उल्का श	13-06-2015	13-06-2016	सिद्धा शु	13-06-2021	23-10-2022
सिद्धा शु	13-06-2016	13-08-2017	संकटा रा	23-10-2022	13-05-2024
संकटा रा	13-08-2017	13-12-2018	मंगला चं	13-05-2024	23-07-2024
मंगला चं	13-12-2018	12-02-2019	पिंगला सू	23-07-2024	12-12-2024
पिंगला सू	12-02-2019	13-06-2019	धान्या गु	12-12-2024	13-07-2025
धान्या गु	13-06-2019	13-12-2019	भ्रामरी मं	13-07-2025	23-04-2026
भ्रामरी मं	13-12-2019	12-08-2020	भद्रिका बु	23-04-2026	13-04-2027
भद्रिका बु	12-08-2020	13-06-2021	उल्का श	13-04-2027	13-06-2028



योगिनी महा व अन्तर दशाएं

(द्वितीय चक्र)

संकटा (8व)			मंगला (1व)			पिंगला (2व)		
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
संकटारा	13-06-2028	24-03-2030	मंगला चं	12-06-2036	23-06-2036	पिंगला सू	13-06-2037	23-07-2037
मंगला चं	24-03-2030	13-06-2030	पिंगला सू	23-06-2036	13-07-2036	धान्या गु	23-07-2037	22-09-2037
पिंगला सू	13-06-2030	22-11-2030	धान्या गु	13-07-2036	12-08-2036	भ्रामरी मं	22-09-2037	12-12-2037
धान्या गु	22-11-2030	24-07-2031	भ्रामरी मं	12-08-2036	22-09-2036	भद्रिकाबु	12-12-2037	24-03-2038
भ्रामरी मं	24-07-2031	13-06-2032	भद्रिकाबु	22-09-2036	12-11-2036	उल्का श	24-03-2038	24-07-2038
भद्रिकाबु	13-06-2032	23-07-2033	उल्का श	12-11-2036	12-01-2037	सिद्धा शु	24-07-2038	13-12-2038
उल्का श	23-07-2033	22-11-2034	सिद्धा शु	12-01-2037	24-03-2037	संकटा रा	13-12-2038	24-05-2039
सिद्धा शु	22-11-2034	12-06-2036	संकटा रा	24-03-2037	13-06-2037	मंगला चं	24-05-2039	13-06-2039

धान्या (3व)			भ्रामरी (4व)			भद्रिका (5व)		
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
धान्या गु	13-06-2039	13-09-2039	भ्रामरी मं	13-06-2042	22-11-2042	भद्रिकाबु	13-06-2046	22-02-2047
भ्रामरी मं	13-09-2039	12-01-2040	भद्रिकाबु	22-11-2042	13-06-2043	उल्का श	22-02-2047	23-12-2047
भद्रिकाबु	12-01-2040	12-06-2040	उल्का श	13-06-2043	12-02-2044	सिद्धा शु	23-12-2047	12-12-2048
उल्का श	12-06-2040	12-12-2040	सिद्धा शु	12-02-2044	22-11-2044	संकटा रा	12-12-2048	22-01-2050
सिद्धा शु	12-12-2040	13-07-2041	संकटा रा	22-11-2044	12-10-2045	मंगला चं	22-01-2050	14-03-2050
संकटा रा	13-07-2041	14-03-2042	मंगला चं	12-10-2045	22-11-2045	पिंगला सू	14-03-2050	23-06-2050
मंगला चं	14-03-2042	13-04-2042	पिंगला सू	22-11-2045	11-02-2046	धान्या गु	23-06-2050	22-11-2050
पिंगला सू	13-04-2042	13-06-2042	धान्या गु	11-02-2046	13-06-2046	भ्रामरी मं	22-11-2050	13-06-2051

उल्का (6व)			सिद्धा (7व)		
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
उल्का श	13-06-2051	12-06-2052	सिद्धा शु	13-06-2057	23-10-2058
सिद्धा शु	12-06-2052	12-08-2053	संकटा रा	23-10-2058	13-05-2060
संकटा रा	12-08-2053	12-12-2054	मंगला चं	13-05-2060	23-07-2060
मंगला चं	12-12-2054	11-02-2055	पिंगला सू	23-07-2060	12-12-2060
पिंगला सू	11-02-2055	13-06-2055	धान्या गु	12-12-2060	13-07-2061
धान्या गु	13-06-2055	13-12-2055	भ्रामरी मं	13-07-2061	23-04-2062
भ्रामरी मं	13-12-2055	12-08-2056	भद्रिकाबु	23-04-2062	13-04-2063
भद्रिकाबु	12-08-2056	13-06-2057	उल्का श	13-04-2063	12-06-2064



योगिनी महा व अन्तर दशाएं

(तृतीय चक्र)

संकटा (8व)		68व2म -	76व2म	मंगला (1व)		76व2म -	77व2म	पिंगला (2व)		77व2म -	79व2म
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
संकटारा	12-06-2064	24-03-2066	मंगला चं	12-06-2072	22-06-2072	पिंगला सू	12-06-2073	23-07-2073	धान्या गु	23-07-2073	22-09-2073
मंगला चं	24-03-2066	13-06-2066	पिंगला सू	22-06-2072	13-07-2072	धान्या गु	13-07-2072	12-08-2072	भ्रामरी मं	22-09-2073	12-12-2073
पिंगला सू	13-06-2066	22-11-2066	धान्या गु	13-07-2072	12-08-2072	भ्रामरी मं	12-08-2072	22-09-2072	भद्रिकाबु	12-12-2073	24-03-2074
धान्या गु	22-11-2066	24-07-2067	भ्रामरी मं	22-09-2072	11-11-2072	उल्का श	11-11-2072	11-01-2073	उल्का श	24-03-2074	23-07-2074
भ्रामरी मं	24-07-2067	12-06-2068	भद्रिकाबु	22-09-2072	11-11-2072	सिद्धा शु	11-01-2073	23-03-2073	सिद्धा शु	23-07-2074	12-12-2074
भद्रिकाबु	12-06-2068	23-07-2069	उल्का श	11-11-2072	11-01-2073	संकटा रा	12-03-2073	12-06-2073	संकटा रा	12-12-2074	24-05-2075
उल्का श	23-07-2069	22-11-2070	सिद्धा शु	11-01-2073	23-03-2073	मंगला चं	23-03-2073	12-06-2073	मंगला चं	24-05-2075	13-06-2075
सिद्धा शु	22-11-2070	12-06-2072	संकटा रा	23-03-2073	12-06-2073						

धान्या (3व)		79व2म -	82व2म	भ्रामरी (4व)		82व2म -	86व2म	भद्रिका (5व)		86व2म -	91व2म
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
धान्या गु	13-06-2075	12-09-2075	भ्रामरी मं	13-06-2078	22-11-2078	भद्रिकाबु	22-11-2078	13-06-2079	उल्का श	21-02-2083	23-12-2083
भ्रामरी मं	12-09-2075	12-01-2076	भद्रिकाबु	22-11-2078	13-06-2079	उल्का श	13-06-2079	11-02-2080	सिद्धा शु	23-12-2083	12-12-2084
भद्रिकाबु	12-01-2076	12-06-2076	उल्का श	13-06-2079	11-02-2080	सिद्धा शु	11-02-2080	21-11-2080	संकटा रा	12-12-2084	22-01-2086
उल्का श	12-06-2076	12-12-2076	सिद्धा शु	11-02-2080	21-11-2080	संकटा रा	21-11-2080	12-10-2081	मंगला चं	22-01-2086	13-03-2086
सिद्धा शु	12-12-2076	13-07-2077	संकटा रा	21-11-2080	12-10-2081	मंगला चं	12-10-2081	22-11-2081	पिंगला सू	13-03-2086	23-06-2086
संकटा रा	13-07-2077	13-03-2078	मंगला चं	12-10-2081	22-11-2081	पिंगला सू	22-11-2081	11-02-2082	धान्या गु	23-06-2086	22-11-2086
मंगला चं	13-03-2078	13-04-2078	पिंगला सू	22-11-2081	11-02-2082	धान्या गु	11-02-2082	13-06-2082	भ्रामरी मं	22-11-2086	13-06-2087
पिंगला सू	13-04-2078	13-06-2078									

उल्का (6व)		91व2म -	97व2म	सिद्धा (7व)		97व2म -	104व2म	
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
उल्का श	13-06-2087	12-06-2088	सिद्धा शु	12-06-2093	22-10-2094	संकटा रा	22-10-2094	13-05-2096
सिद्धा शु	12-06-2088	12-08-2089	संकटा रा	12-08-2089	12-12-2090	मंगला चं	13-05-2096	23-07-2096
संकटा रा	12-08-2089	12-12-2090	मंगला चं	12-12-2090	11-02-2091	पिंगला सू	23-07-2096	12-12-2096
मंगला चं	12-12-2090	11-02-2091	पिंगला सू	11-02-2091	13-06-2091	धान्या गु	12-12-2096	13-07-2097
पिंगला सू	11-02-2091	13-06-2091	धान्या गु	13-06-2091	12-12-2091	भ्रामरी मं	13-07-2097	23-04-2098
धान्या गु	13-06-2091	12-12-2091	भ्रामरी मं	12-12-2091	12-08-2092	भद्रिकाबु	23-04-2098	13-04-2099
भ्रामरी मं	12-12-2091	12-08-2092	भद्रिकाबु	12-08-2092	12-06-2093	उल्का श	13-04-2099	13-06-2100
भद्रिकाबु	12-08-2092	12-06-2093						



कालचक्र महा व अन्तर दशाएं

* भोग्य दशा : सिंह १व ५मा १७दि * जीव राशि : मिथुन * देह राशि : मकर

सिंह (५व)	०व ०मा	मिथुन (९व)	२६व ५म	वृष (१६व)	३३व ५म	मेष (७व)	४३व ५म
आरम्भ		आरम्भ	०२-०९-१९९७	आरम्भ	०२-०९-२००६	आरम्भ	०२-०९-२०२२
अन्त		अन्त	०३-०६-१९९८	अन्त	०२-०१-२००८	अन्त	०३-०४-२०२३
११	कुंभ	९	धनु	०२-०९-१९९७	८	वृश्चिक	०२-०९-२००६
१२	मीन	१०	मकर दे	०३-०६-१९९८	७	तुला	०२-०१-२००८
१	मेष	११	कुंभ	०४-०३-१९९९	६	कन्या	०३-०५-२००९
२	वृष	१२	मीन	०३-१२-१९९९	५	सिंह	०२-०९-२०१०
३	मिथुन जी	१	मेष	०२-०९-२०००	४	कर्क	०२-०१-२०१२
४	कर्क	२	वृष	०३-०६-२००१	३	मिथुन जी	०३-०५-२०१३
५	सिंह	३	मिथुन जी	०३-०३-२००२	२	वृष	०२-०९-२०१४
६	कन्या	४	कर्क	०२-१२-२००२	१	मेष	०२-०१-२०१६
७	तुला	५	सिंह	०२-०९-२००३	१२	मीन	०३-०५-२०१७
८	वृश्चिक	६	कन्या	०२-०६-२००४	११	कुंभ	०२-०९-२०१८
९	धनु	७	तुला	०३-०३-२००५	१०	मकर दे	०२-०१-२०२०
१०	मकर दे	८	वृश्चिक	०२-१२-२००५	९	धनु	०३-०५-२०२१
मीन (१०व)	४७व ५म	कुंभ (४व)	५१व ५म	मकर (४व)	६१व ५म	धनु (१०व)	६८व ५म
आरम्भ	०२-०९-२०२९	आरम्भ	०२-०९-२०३९	आरम्भ	०२-०९-२०४३	आरम्भ	०२-०९-२०४७
अन्त	०३-०७-२०३०	अन्त	०२-०१-२०४०	अन्त	०२-०१-२०४४	अन्त	०२-०७-२०४८
१२	मीन	११	कुंभ	०२-०९-२०३९	१०	मकर दे	०२-०९-२०४३
११	कुंभ	१२	मीन	०२-०१-२०४०	९	धनु	०२-०१-२०४४
१०	मकर दे	१	मेष	०३-०५-२०४०	८	वृश्चिक	०३-०५-२०४४
९	धनु	२	वृष	०१-०९-२०४०	७	तुला	०१-०९-२०४४
८	वृश्चिक	३	मिथुन जी	०१-०१-२०४१	६	कन्या	०१-०१-२०४५
७	तुला	४	कर्क	०३-०५-२०४१	५	सिंह	०३-०५-२०४५
६	कन्या	५	सिंह	०२-०९-२०४१	४	कर्क	०२-०९-२०४५
५	सिंह	६	कन्या	०१-०१-२०४२	३	मिथुन जी	०१-०१-२०४६
४	कर्क	७	तुला	०३-०५-२०४२	२	वृष	०३-०५-२०४६
३	मिथुन जी	८	वृश्चिक	०२-०९-२०४२	१	मेष	०२-०९-२०४६
२	वृष	९	धनु	०२-०१-२०४३	१२	मीन	०२-०१-२०४७
१	मेष	१०	मकर दे	०३-०५-२०४३	११	कुंभ	०३-०५-२०४७
मेष (७व)	८४व ५म	वृष (१६व)	९३व ५म	मिथुन (९व)	११४व ५म	कर्क (२१व)	११९व ५म
आरम्भ	०१-०९-२०५७	आरम्भ	०१-०९-२०६४	आरम्भ	०१-०९-२०८०	आरम्भ	०१-०९-२०८९
अन्त	०२-०४-२०५८	अन्त	०१-०१-२०६६	अन्त	०२-०६-२०८१	अन्त	०२-०६-२०९१
१	मेष	८	वृश्चिक	०१-०९-२०६४	९	धनु	०१-०९-२०८०
२	वृष	७	तुला	०१-०१-२०६६	१०	मकर दे	०२-०६-२०८१
३	मिथुन जी	६	कन्या	०३-०५-२०६७	११	कुंभ	०३-०३-२०८२
४	कर्क	५	सिंह	०१-०९-२०६८	१२	मीन	०२-१२-२०८२
५	सिंह	४	कर्क	०१-०१-२०७०	१	मेष	०२-०९-२०८३
६	कन्या	३	मिथुन जी	०३-०५-२०७१	२	वृष	०२-०६-२०८४
७	तुला	२	वृष	०१-०९-२०७२	३	मिथुन जी	०३-०३-२०८५
८	वृश्चिक	१	मेष	०१-०१-२०७४	४	कर्क	०२-१२-२०८५
९	धनु	१२	मीन	०३-०५-२०७५	५	सिंह	०१-०९-२०८६
१०	मकर दे	११	कुंभ	०१-०९-२०७६	६	कन्या	०२-०६-२०८७
११	कुंभ	१०	मकर दे	०१-०१-२०७८	७	तुला	०२-०३-२०८८
१२	मीन	९	धनु	०३-०५-२०७९	८	वृश्चिक	०१-१२-२०८८

* तिथियाँ दशा आरम्भ काल की दी गई हैं। *



कालचक्र अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

*नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं।
* जीव राशि : मिथुन * देह राशि : मकर

सिंह-तुला

आरम्भ	15-03-1996
अन्त	02-06-1996
मेष	
वृष	
मिथुन	
कंब	
सिंह	
कन्या	15-03-1996
तुला	18-03-1996
वृश्चिक	31-03-1996
धनु	13-04-1996
मकर	25-04-1996
कुंभ	08-05-1996
मीन	21-05-1996

सिंह-वृश्चिक

आरम्भ	02-06-1996
अन्त	02-11-1996
वृश्चिक	02-06-1996
तुला	15-06-1996
कन्या	28-06-1996
सिंह	10-07-1996
कर्क	23-07-1996
मिथुन	05-08-1996
वृष	17-08-1996
मेष	30-08-1996
मीन	12-09-1996
कुंभ	24-09-1996
मकर	07-10-1996
धनु	20-10-1996

सिंह-धनु

आरम्भ	02-11-1996
अन्त	03-04-1997
धनु	02-11-1996
मकर	14-11-1996
कुंभ	27-11-1996
मीन	10-12-1996
मेष	22-12-1996
वृष	04-01-1997
मिथुन	17-01-1997
कर्क	29-01-1997
सिंह	11-02-1997
कन्या	24-02-1997
तुला	08-03-1997
वृश्चिक	21-03-1997

सिंह-मकर दे

आरम्भ	03-04-1997
अन्त	02-09-1997
मकर	03-04-1997
धनु	15-04-1997
वृश्चिक	28-04-1997
तुला	11-05-1997
कन्या	23-05-1997
सिंह	05-06-1997
कर्क	18-06-1997
मिथुन	30-06-1997
वृष	13-07-1997
मेष	26-07-1997
मीन	08-08-1997
कुंभ	20-08-1997

मिथुन-धनु

आरम्भ	02-09-1997
अन्त	03-06-1998
धनु	02-09-1997
मकर	25-09-1997
कुंभ	18-10-1997
मीन	09-11-1997
मेष	02-12-1997
वृष	25-12-1997
मिथुन	17-01-1998
कर्क	09-02-1998
सिंह	04-03-1998
कन्या	26-03-1998
तुला	18-04-1998
वृश्चिक	11-05-1998

मिथुन-मकर दे

आरम्भ	03-06-1998
अन्त	04-03-1999
मकर	03-06-1998
धनु	26-06-1998
वृश्चिक	18-07-1998
तुला	10-08-1998
कन्या	02-09-1998
सिंह	25-09-1998
कर्क	18-10-1998
मिथुन	10-11-1998
वृष	02-12-1998
मेष	25-12-1998
मीन	17-01-1999
कुंभ	09-02-1999

मिथुन-कुंभ

आरम्भ	04-03-1999
अन्त	03-12-1999
कुंभ	04-03-1999
मीन	27-03-1999
मेष	18-04-1999
मकर	17-01-2000
धनु	09-02-2000
वृश्चिक	03-03-2000
तुला	26-03-2000
कन्या	18-04-2000
सिंह	19-07-1999
कर्क	19-07-1999
कन्या	11-08-1999
तुला	02-09-1999
वृश्चिक	25-09-1999
धनु	18-10-1999
मकर	10-11-1999

मिथुन-मीन

आरम्भ	03-12-1999
अन्त	02-09-2000
मीन	03-12-1999
कुंभ	26-12-1999
मकर	17-01-2000
धनु	09-02-2000
वृश्चिक	03-03-2000
तुला	26-03-2000
कन्या	18-04-2000
सिंह	10-05-2000
कर्क	02-06-2000
मिथुन	25-06-2000
वृष	08-02-2001
धनु	03-03-2001
मकर	26-03-2001
कुंभ	25-12-2001
मीन	17-01-2002

मिथुन-मेष

आरम्भ	02-09-2000
अन्त	03-06-2001
मेष	02-09-2000
वृष	24-09-2000
मिथुन	17-10-2000
कर्क	09-11-2000
सिंह	02-12-2000
कन्या	25-12-2000
तुला	17-01-2001
वृष	18-10-2001
मेष	09-11-2001
मीन	02-12-2001
कुंभ	25-12-2001
मकर	17-01-2002
धनु	09-02-2002

मिथुन-वृष

आरम्भ	03-06-2001
अन्त	03-03-2002
वृश्चिक	03-06-2001
तुला	25-06-2001
कन्या	18-07-2001
सिंह	10-08-2001
कर्क	02-09-2001
मिथुन	25-09-2001
वृष	18-10-2001
मेष	09-11-2001
मीन	02-12-2001
कुंभ	25-12-2001
मकर	17-01-2002
धनु	09-02-2002

मिथुन-मिथुन जी

आरम्भ	03-03-2002
अन्त	02-12-2002
धनु	03-03-2002
मकर	26-03-2002
कुंभ	18-04-2002
मीन	11-05-2002
मेष	03-06-2002
वृष	26-06-2002
मिथुन	18-07-2002
कर्क	10-08-2002
सिंह	02-09-2002
कन्या	25-09-2002
तुला	18-10-2002
वृश्चिक	10-11-2002

मिथुन-कर्क

आरम्भ	02-12-2002
अन्त	02-09-2003
कर्क	17-01-2003
तुला	09-02-2003
कन्या	04-03-2003
सिंह	27-03-2003
कर्क	18-04-2003
मिथुन	11-05-2003
वृष	03-06-2003
मेष	26-06-2003
मीन	19-07-2003
कुंभ	11-08-2003

मिथुन-सिंह

आरम्भ	02-09-2003
अन्त	02-06-2004
सिंह	02-09-2003
कर्क	25-12-2003
सिंह	17-01-2004
कन्या	09-02-2004
तुला	03-03-2004
वृश्चिक	26-03-2004
धनु	18-04-2004
मकर	10-05-2004
वृश्चिक	02-09-2004
तुला	24-09-2004
कन्या	17-10-2004
सिंह	09-11-2004
कर्क	02-12-2004
मिथुन	25-12-2004
वृष	17-01-2005
मेष	08-02-2005

मिथुन-कन्या

आरम्भ	02-06-2004
अन्त	03-03-2005
मीन	02-06-2004
कुंभ	25-06-2004
मकर	18-07-2004
धनु	10-08-2004
कर्क	11-05-2005
सिंह	03-06-2005
कन्या	25-06-2005
तुला	18-07-2005
वृश्चिक	10-08-2005
धनु	02-09-2005
मकर	25-09-2005
कुंभ	18-10-2005
मीन	09-11-2005

मिथुन-तुला

आरम्भ	03-03-2005
अन्त	02-12-2005
मेष	03-03-2005
वृष	26-03-2005
मिथुन	18-04-2005
कर्क	11-05-2005
सिंह	03-06-2005
कन्या	25-06-2005
तुला	18-07-2005
वृश्चिक	10-08-2005
धनु	02-09-2005
मकर	25-09-2005
कुंभ	18-10-2005
मीन	09-11-2005



कालचक्र अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

*नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं।
* जीव राशि : मिथुन * देह राशि : मकर

मिथुन-वृश्चिक

आरम्भ 02-12-2005

अन्त 02-09-2006

वृश्चिक 02-12-2005

तुला 25-12-2005

कन्या 17-01-2006

सिंह 09-02-2006

कर्क 03-03-2006

मिथुन 26-03-2006

वृष 18-04-2006

मेष 11-05-2006

मीन 03-06-2006

कुंभ 26-06-2006

मकर 18-07-2006

धनु 10-08-2006

वृष-वृश्चिक

आरम्भ 02-09-2006

अन्त 02-01-2008

वृश्चिक 02-09-2006

तुला 13-10-2006

कन्या 22-11-2006

सिंह 02-01-2007

कर्क 11-02-2007

मिथुन 24-03-2007

वृष 04-05-2007

मेष 13-06-2007

मीन 24-07-2007

कुंभ 02-09-2007

मकर 13-10-2007

धनु 22-11-2007

वृष-तुला

आरम्भ 02-01-2008

अन्त 03-05-2009

मेष 02-01-2008

वृष 12-02-2008

मिथुन 23-03-2008

कर्क 03-05-2008

सिंह 12-06-2008

कन्या 23-07-2008

तुला 02-09-2008

वृश्चिक 12-10-2008

धनु 22-11-2008

मकर 01-01-2009

कुंभ 11-02-2009

मीन 23-03-2009

वृष-कन्या

आरम्भ 03-05-2009

अन्त 02-09-2010

मीन 03-05-2009

कुंभ 13-06-2009

मकर 23-07-2009

धनु 02-09-2009

वृश्चिक 12-10-2009

तुला 22-11-2009

कन्या 02-01-2010

सिंह 11-02-2010

कर्क 24-03-2010

मिथुन 03-05-2010

वृष 13-06-2010

धनु 23-07-2010

वृष-सिंह

आरम्भ 02-09-2010

अन्त 02-01-2012

कुंभ 02-09-2010

मीन 13-10-2010

मेष 22-11-2010

वृष 02-01-2011

मिथुन 11-02-2011

कर्क 24-03-2011

सिंह 04-05-2011

कन्या 13-06-2011

तुला 24-07-2011

वृश्चिक 02-09-2011

धनु 13-10-2011

मकर 22-11-2011

वृष-कर्क

आरम्भ 02-01-2012

अन्त 03-05-2013

मकर 02-01-2012

धनु 12-02-2012

वृश्चिक 23-03-2012

तुला 03-05-2012

कन्या 12-06-2012

सिंह 23-07-2012

कर्क 02-09-2012

मिथुन 12-10-2012

वृष 22-11-2012

मेष 01-01-2013

मीन 11-02-2013

कुंभ 23-03-2013

वृष-मिथुन जी

आरम्भ 03-05-2013

अन्त 02-09-2014

धनु 03-05-2013

मकर 13-06-2013

कुंभ 23-07-2013

मीन 02-09-2013

मेष 12-10-2013

वृष 22-11-2013

मिथुन 02-01-2014

कर्क 11-02-2014

मिथुन 12-10-2012

वृष 22-11-2012

मेष 01-01-2013

मीन 11-02-2013

कुंभ 23-03-2014

वृष-वृष

आरम्भ 02-09-2014

अन्त 02-01-2016

वृश्चिक 02-09-2014

तुला 13-10-2014

कन्या 22-11-2014

सिंह 02-01-2015

कर्क 11-02-2015

मिथुन 24-03-2015

वृष 04-05-2015

मेष 13-06-2015

सिंह 24-03-2014

मीन 24-07-2015

कुंभ 02-09-2015

मकर 13-10-2015

धनु 22-11-2015

वृष-मेष

आरम्भ 02-01-2016

अन्त 03-05-2017

मेष 02-01-2016

वृष 12-02-2016

मिथुन 23-03-2016

कर्क 03-05-2016

सिंह 12-06-2016

कन्या 23-07-2016

तुला 02-09-2016

वृश्चिक 12-10-2016

धनु 22-11-2016

मकर 01-01-2017

कुंभ 11-02-2017

मीन 23-03-2017

वृष-मीन

आरम्भ 03-05-2017

अन्त 02-09-2018

मीन 03-05-2017

कुंभ 13-06-2017

मकर 23-07-2017

धनु 02-09-2017

वृश्चिक 12-10-2017

तुला 22-11-2017

कन्या 01-01-2018

सिंह 11-02-2018

कर्क 24-03-2018

मिथुन 03-05-2018

वृष 13-06-2018

मेष 23-07-2018

वृष-कुंभ

आरम्भ 02-09-2018

अन्त 02-01-2020

कुंभ 02-09-2018

मीन 13-10-2018

मेष 22-11-2018

वृष 02-01-2019

मिथुन 11-02-2019

कर्क 24-03-2019

सिंह 03-05-2019

कन्या 13-06-2019

तुला 24-07-2019

वृश्चिक 02-09-2019

धनु 13-10-2019

मकर 22-11-2019

वृष-मकर दे

आरम्भ 02-01-2020

अन्त 03-05-2021

मकर 02-01-2020

धनु 12-02-2020

वृश्चिक 23-03-2020

तुला 03-05-2020

कन्या 12-06-2020

सिंह 23-07-2020

कर्क 01-09-2020

मिथुन 12-10-2020

वृष 22-11-2020

मेष 01-01-2021

मीन 11-02-2021

कुंभ 23-03-2021

वृष-धनु

आरम्भ 03-05-2021

अन्त 02-09-2022

धनु 03-05-2021

मकर 13-06-2021

कुंभ 23-07-2021

मीन 02-09-2021

मेष 12-10-2021

वृष 22-11-2021

धनु 01-01-2022

तुला 17-12-2022

वृश्चिक 04-01-2023

धनु 22-01-2023

मकर 09-02-2023

कुंभ 27-02-2023

मेष-मेष

आरम्भ 02-09-2022

अन्त 03-04-2023

मेष 02-09-2022

वृश्चिक 03-04-2023

तुला 21-04-2023

कन्या 09-05-2023

सिंह 26-05-2023

कर्क 13-06-2023

मिथुन 01-07-2023

वृष 19-07-2023

मेष 05-08-2023

मीन 23-08-2023

कुंभ 10-09-2023

मकर 28-09-2023

मेष-वृष

आरम्भ 03-04-2023

अन्त 02-11-2023

वृष 03-04-2023

तुला 21-04-2023

कन्या 09-05-2023

सिंह 26-05-2023

कर्क 13-06-2023

मिथुन 01-07-2023

वृष 19-07-2023

मेष 05-08-2023

मीन 23-08-2023

कुंभ 10-09-2023

मकर 28-09-2023

धनु 15-10-2023



कालचक्र अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

*नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं।
* जीव राशि : मिथुन * देह राशि : मकर

मेष-मिथुन जी

आरम्भ 02-11-2023

अन्त 02-06-2024

धनु 02-11-2023

मकर 20-11-2023

कुंभ 08-12-2023

मीन 25-12-2023

मेष 12-01-2024

वृष 30-01-2024

मिथुन 17-02-2024

कर्क 05-03-2024

सिंह 23-03-2024

कन्या 10-04-2024

तुला 28-04-2024

वृश्चिक 15-05-2024

मेष-कर्क

आरम्भ 02-06-2024

अन्त 01-01-2025

धनु 02-06-2024

मीन 20-06-2024

वृश्चिक 08-07-2024

तुला 25-07-2024

कन्या 12-08-2024

सिंह 30-08-2024

कर्क 17-09-2024

मिथुन 04-10-2024

वृष 22-10-2024

मेष 09-11-2024

धनु 27-11-2024

मीन 14-12-2024

मेष-सिंह

आरम्भ 01-01-2025

अन्त 02-08-2025

कुंभ 01-01-2025

मीन 19-01-2025

मेष 06-02-2025

वृष 23-02-2025

मिथुन 13-03-2025

कर्क 31-03-2025

सिंह 18-04-2025

कन्या 05-05-2025

तुला 23-05-2025

वृश्चिक 10-06-2025

धनु 28-06-2025

मीन 15-07-2025

मेष-कन्या

आरम्भ 02-08-2025

अन्त 03-03-2026

मीन 02-08-2025

कुंभ 20-08-2025

मकर 07-09-2025

धनु 25-09-2025

वृश्चिक 12-10-2025

तुला 30-10-2025

कन्या 17-11-2025

सिंह 05-12-2025

कर्क 22-12-2025

मिथुन 09-01-2026

वृष 27-01-2026

मेष 14-02-2026

मेष-तुला

आरम्भ 03-03-2026

अन्त 02-10-2026

मेष 03-03-2026

वृष 21-03-2026

मिथुन 08-04-2026

कर्क 26-04-2026

सिंह 13-05-2026

कन्या 31-05-2026

तुला 18-06-2026

वृश्चिक 06-07-2026

धनु 23-07-2026

मकर 10-08-2026

कुंभ 28-08-2026

मीन 15-09-2026

मेष-वृश्चिक

आरम्भ 02-10-2026

अन्त 03-05-2027

वृश्चिक 02-10-2026

तुला 20-10-2026

कन्या 07-11-2026

सिंह 25-11-2026

कर्क 12-12-2026

मिथुन 30-12-2026

वृष 17-01-2027

मेष 04-02-2027

मीन 21-02-2027

कुंभ 11-03-2027

मकर 29-03-2027

धनु 16-04-2027

मेष-धनु

आरम्भ 03-05-2027

अन्त 02-12-2027

धनु 03-05-2027

मकर 21-05-2027

कुंभ 08-06-2027

मीन 26-06-2027

मेष 13-07-2027

वृष 31-07-2027

मिथुन 18-08-2027

कर्क 05-09-2027

सिंह 22-09-2027

कन्या 10-10-2027

तुला 28-10-2027

वृश्चिक 15-11-2027

मेष-मकर दे

आरम्भ 02-12-2027

अन्त 03-07-2028

मकर 02-12-2027

धनु 20-12-2027

वृश्चिक 07-01-2028

तुला 25-01-2028

कन्या 12-02-2028

सिंह 29-02-2028

कर्क 18-03-2028

मिथुन 05-04-2028

वृष 23-04-2028

मेष 10-05-2028

मीन 28-05-2028

कुंभ 15-06-2028

मेष-कुंभ

आरम्भ 03-07-2028

अन्त 01-02-2029

कुंभ 03-07-2028

मीन 20-07-2028

मेष 07-08-2028

वृष 25-08-2028

मिथुन 12-09-2028

कर्क 29-09-2028

सिंह 17-10-2028

कन्या 04-11-2028

तुला 22-11-2028

वृश्चिक 09-12-2028

धनु 27-12-2028

मकर 14-01-2029

मेष-मीन

आरम्भ 01-02-2029

अन्त 02-09-2029

मीन 01-02-2029

कुंभ 18-02-2029

मकर 08-03-2029

धनु 26-03-2029

वृश्चिक 13-04-2029

तुला 30-04-2029

कन्या 18-05-2029

सिंह 05-06-2029

कर्क 23-06-2029

मिथुन 10-07-2029

वृष 28-07-2029

मेष 15-08-2029

मीन-मीन

आरम्भ 02-09-2029

अन्त 03-07-2030

मीन 02-09-2029

कुंभ 27-09-2029

मकर 22-10-2029

धनु 17-11-2029

वृश्चिक 12-12-2029

तुला 06-01-2030

कन्या 01-02-2030

सिंह 26-02-2030

कर्क 24-03-2030

मिथुन 18-04-2030

वृष 13-05-2030

मेष 08-06-2030

मीन-कुंभ

आरम्भ 03-07-2030

अन्त 03-05-2031

कुंभ 03-07-2030

मीन 28-07-2030

मेष 23-08-2030

वृष 17-09-2030

मिथुन 12-10-2030

कर्क 07-11-2030

सिंह 02-12-2030

कन्या 28-12-2030

तुला 22-01-2031

वृष 16-02-2031

मेष 14-03-2031

मीन 08-04-2031

मीन-मकर दे

आरम्भ 03-05-2031

अन्त 03-03-2032

मकर 03-05-2031

धनु 29-05-2031

वृश्चिक 23-06-2031

तुला 18-07-2031

कन्या 13-08-2031

सिंह 07-09-2031

कर्क 03-10-2031

मिथुन 28-10-2031

वृष 22-11-2031

मेष 18-12-2031

मीन 12-01-2032

कुंभ 06-02-2032

मीन-धनु

आरम्भ 03-03-2032

अन्त 01-01-2033

धनु 03-03-2032

मकर 28-03-2032

कुंभ 22-04-2032

मीन 18-05-2032

मेष 12-06-2032

वृष 08-07-2032

मिथुन 02-08-2032

वृष 02-06-2033

मेष 28-06-2033

मीन 23-07-2033

कुंभ 17-08-2033

मकर 12-09-2033

मीन-वृश्चिक

आरम्भ 01-01-2033

अन्त 02-11-2033

वृश्चिक 01-01-2033

तुला 26-01-2033

कन्या 21-02-2033

सिंह 18-03-2033

कर्क 13-04-2033

मिथुन 08-05-2033

वृष 02-06-2033

मेष 28-06-2033

मीन 23-07-2033

कुंभ 17-08-2033

मकर 12-09-2033

धनु 07-10-2033





कालचक्र अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

*नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं।
* जीव राशि : मिथुन * देह राशि : मकर

मीन-तुला

आरम्भ	02-11-2033
अन्त	02-09-2034
मेष	02-11-2033
वृष	27-11-2033
मिथुन	22-12-2033
कर्क	17-01-2034
सिंह	11-02-2034
कन्या	08-03-2034
तुला	03-04-2034
वृश्चिक	28-04-2034
धनु	23-05-2034
मकर	18-06-2034
कुंभ	13-07-2034
मीन	08-08-2034

मीन-कन्या

आरम्भ	02-09-2034
अन्त	03-07-2035
मीन	02-09-2034
कुंभ	27-09-2034
मकर	23-10-2034
धनु	17-11-2034
वृश्चिक	12-12-2034
तुला	07-01-2035
कन्या	01-02-2035
सिंह	26-02-2035
कर्क	24-03-2035
मिथुन	18-04-2035
वृष	14-05-2035
मेष	08-06-2035

मीन-सिंह

आरम्भ	03-07-2035
अन्त	03-05-2036
कुंभ	03-07-2035
मीन	29-07-2035
मेष	23-08-2035
वृष	17-09-2035
मिथुन	13-10-2035
कर्क	07-11-2035
सिंह	02-12-2035
कन्या	28-12-2035
सिंह	26-02-2035
कर्क	24-03-2035
मिथुन	18-04-2035
वृश्चिक	14-05-2035
धनु	13-06-2035
मेष	08-06-2035

मीन-कर्क

आरम्भ	03-05-2036
अन्त	03-03-2037
मकर	03-05-2036
धनु	28-05-2036
वृश्चिक	22-06-2036
तुला	18-07-2036
कन्या	12-08-2036
सिंह	06-09-2036
कर्क	02-10-2036
मिथुन	27-10-2036
वृष	22-11-2036
मेष	17-12-2036
मीन	11-01-2037
कुंभ	06-02-2037

मीन-मिथुन जी

आरम्भ	03-03-2037
अन्त	01-01-2038
धनु	03-03-2037
मकर	28-03-2037
कुंभ	23-04-2037
मीन	18-05-2037
मेष	12-06-2037
वृष	08-07-2037
मिथुन	02-08-2037
कर्क	28-08-2037
सिंह	22-09-2037
कन्या	17-10-2037
तुला	12-11-2037
वृश्चिक	07-12-2037

मीन-वृष

आरम्भ	01-01-2038
अन्त	02-11-2038
वृश्चिक	01-01-2038
तुला	27-01-2038
कन्या	21-02-2038
सिंह	18-03-2038
कर्क	13-04-2038
मिथुन	08-05-2038
वृष	03-06-2038
मेष	28-06-2038
मीन	23-07-2038
कुंभ	18-08-2038
मकर	12-09-2038
धनु	07-10-2038

मीन-मेष

आरम्भ	02-11-2038
अन्त	02-09-2039
मेष	02-11-2038
वृष	27-11-2038
मिथुन	22-12-2038
कर्क	17-01-2039
सिंह	11-02-2039
कर्क	13-04-2038
मिथुन	08-05-2038
वृष	03-06-2038
मेष	28-06-2038
मीन	23-07-2038
कुंभ	18-08-2038
मकर	12-09-2038
धनु	07-10-2038

कुंभ-कुंभ

आरम्भ	02-09-2039
अन्त	02-01-2040
कुंभ	02-09-2039
मीन	12-09-2039
मेष	22-09-2039
वृष	03-10-2039
मिथुन	13-10-2039
कर्क	23-10-2039
सिंह	02-11-2039
कन्या	12-11-2039
तुला	22-11-2039
वृश्चिक	02-12-2039
धनु	13-12-2039
मकर	23-12-2039

कुंभ-मीन

आरम्भ	02-01-2040
अन्त	03-05-2040
कुंभ	12-01-2040
मकर	22-01-2040
धनु	01-02-2040
वृश्चिक	11-02-2040
तुला	22-02-2040
कन्या	03-03-2040
सिंह	13-03-2040
कर्क	23-03-2040
मिथुन	02-04-2040
वृष	12-04-2040
मेष	22-04-2040

कुंभ-मेष

आरम्भ	03-05-2040
अन्त	01-09-2040
मेष	03-05-2040
वृष	13-05-2040
मिथुन	23-05-2040
कर्क	02-06-2040
सिंह	12-06-2040
कन्या	22-06-2040
तुला	02-07-2040
वृश्चिक	13-07-2040
धनु	23-07-2040
मकर	02-08-2040
कुंभ	12-08-2040
मीन	22-08-2040

कुंभ-वृष

आरम्भ	01-09-2040
अन्त	01-01-2041
वृश्चिक	01-09-2040
तुला	11-09-2040
कन्या	22-09-2040
सिंह	02-10-2040
कर्क	12-10-2040
मिथुन	22-10-2040
वृष	01-11-2040
मेष	11-11-2040
मीन	21-11-2040
कुंभ	02-12-2040
मकर	12-12-2040
धनु	22-12-2040

कुंभ-मिथुन जी

आरम्भ	01-01-2041
अन्त	03-05-2041
धनु	01-01-2041
मकर	11-01-2041
कुंभ	21-01-2041
मीन	01-02-2041
मेष	11-02-2041
वृष	21-02-2041
मिथुन	03-03-2041
कर्क	13-03-2041
सिंह	02-04-2041
कन्या	13-04-2041
तुला	23-04-2041
वृश्चिक	02-05-2041

कुंभ-कर्क

आरम्भ	03-05-2041
अन्त	02-09-2041
कुंभ	02-09-2041
मीन	12-09-2041
मेष	22-09-2041
वृष	02-10-2041
मिथुन	12-10-2041
कर्क	22-10-2041
सिंह	01-11-2041
कन्या	12-11-2041
तुला	22-11-2041
वृश्चिक	02-12-2041
धनु	12-12-2041
मकर	22-12-2041

कुंभ-सिंह

आरम्भ	02-09-2041
अन्त	01-01-2042
कुंभ	02-09-2041
मीन	12-09-2041
मेष	22-09-2041
वृष	02-10-2041
मिथुन	12-10-2041
कर्क	22-10-2041
सिंह	01-11-2041
कन्या	12-11-2041
तुला	22-11-2041
वृश्चिक	02-12-2041
धनु	12-12-2041
मकर	22-12-2041

कुंभ-कन्या

आरम्भ	01-01-2042
अन्त	03-05-2042
मीन	01-01-2042
कुंभ	11-01-2042
मकर	22-01-2042
धनु	01-02-2042
वृश्चिक	11-02-2042
तुला	21-02-2042
कन्या	03-03-2042
सिंह	13-03-2042
कर्क	23-03-2042
मिथुन	03-04-2042
वृष	13-04-2042
मेष	23-04-2042





कालचक्र अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

*नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं।
* जीव राशि : मिथुन * देह राशि : मकर

कुंभ-तुला

आरम्भ	03-05-2042
अन्त	02-09-2042
मेष	03-05-2042
वृष	13-05-2042
मिथुन	23-05-2042
कर्क	02-06-2042
सिंह	13-06-2042
कन्या	23-06-2042
तुला	03-07-2042
वृश्चिक	13-07-2042
धनु	23-07-2042
मकर	02-08-2042
कुंभ	13-08-2042
मीन	23-08-2042

कुंभ-वृश्चिक

आरम्भ	02-09-2042
अन्त	02-01-2043
वृश्चिक	02-09-2042
तुला	12-09-2042
कन्या	22-09-2042
सिंह	02-10-2042
कर्क	12-10-2042
सिंह	23-10-2042
वृश्चिक	02-11-2042
मेष	12-11-2042
धनु	22-11-2042
कुंभ	02-12-2042
मकर	12-12-2042
धनु	22-12-2042

कुंभ-धनु

आरम्भ	02-01-2043
अन्त	03-05-2043
धनु	02-01-2043
मकर	12-01-2043
कुंभ	22-01-2043
मीन	01-02-2043
मेष	11-02-2043
वृष	21-02-2043
मिथुन	03-03-2043
कर्क	14-03-2043
सिंह	24-03-2043
कन्या	03-04-2043
तुला	13-04-2043
वृश्चिक	23-04-2043

कुंभ-मकर दे

आरम्भ	03-05-2043
अन्त	02-09-2043
मकर	03-05-2043
धनु	13-05-2043
वृश्चिक	24-05-2043
तुला	03-06-2043
कन्या	13-06-2043
सिंह	23-06-2043
कर्क	03-07-2043
मिथुन	13-07-2043
वृष	23-07-2043
मेष	03-08-2043
मीन	13-08-2043
कुंभ	23-08-2043

मकर-मकर दे

आरम्भ	02-09-2043
अन्त	02-01-2044
मकर	02-09-2043
धनु	12-09-2043
वृश्चिक	22-09-2043
तुला	02-10-2043
कन्या	13-10-2043
सिंह	23-10-2043
कर्क	02-11-2043
मिथुन	12-11-2043
वृष	22-11-2043
मेष	02-12-2043
मीन	13-12-2043
कुंभ	23-12-2043

मकर-धनु

आरम्भ	02-01-2044
अन्त	03-05-2044
धनु	02-01-2044
मकर	12-01-2044
कुंभ	22-01-2044
मीन	01-02-2044
मेष	11-02-2044
वृष	22-02-2044
मिथुन	03-03-2044
कर्क	13-03-2044
सिंह	23-03-2044
कन्या	02-04-2044
तुला	12-04-2044
वृश्चिक	22-04-2044

मकर-वृश्चिक

आरम्भ	03-05-2044
अन्त	01-09-2044
वृश्चिक	03-05-2044
तुला	13-05-2044
कन्या	23-05-2044
सिंह	02-06-2044
कर्क	12-06-2044
मिथुन	22-06-2044
वृष	02-07-2044
मेष	13-07-2044
धनु	23-07-2044
कुंभ	02-08-2044
मकर	12-08-2044
धनु	22-08-2044

मकर-तुला

आरम्भ	01-09-2044
अन्त	01-01-2045
मेष	01-09-2044
वृष	11-09-2044
मिथुन	22-09-2044
कर्क	02-10-2044
सिंह	12-10-2044
कन्या	22-10-2044
तुला	01-11-2044
वृश्चिक	11-11-2044
धनु	21-11-2044
कुंभ	12-12-2044
मीन	22-12-2044

मकर-कन्या

आरम्भ	01-01-2045
अन्त	03-05-2045
मीन	01-01-2045
कुंभ	11-01-2045
मकर	21-01-2045
धनु	31-01-2045
वृश्चिक	11-02-2045
तुला	21-02-2045
कन्या	03-03-2045
सिंह	13-03-2045
कर्क	23-03-2045
मिथुन	02-04-2045
वृष	12-04-2045
मेष	23-04-2045

मकर-सिंह

आरम्भ	03-05-2045
अन्त	02-09-2045
कुंभ	03-05-2045
मीन	13-05-2045
मेष	23-05-2045
वृष	02-06-2045
मिथुन	12-06-2045
कर्क	23-06-2045
सिंह	03-07-2045
कन्या	13-07-2045
तुला	23-07-2045
वृश्चिक	02-08-2045
धनु	12-08-2045
मकर	22-08-2045

मकर-कर्क

आरम्भ	02-09-2045
अन्त	01-01-2046
मकर	02-09-2045
धनु	12-09-2045
वृश्चिक	22-09-2045
तुला	02-10-2045
कन्या	12-10-2045
सिंह	22-10-2045
कर्क	01-11-2045
मिथुन	12-11-2045
वृष	22-11-2045
मेष	02-12-2045
मीन	12-12-2045
कुंभ	22-12-2045

मकर-मिथुन जी

आरम्भ	01-01-2046
अन्त	03-05-2046
धनु	01-01-2046
मकर	11-01-2046
कुंभ	22-01-2046
मीन	01-02-2046
मेष	11-02-2046
वृष	21-02-2046
मिथुन	03-03-2046
कर्क	13-03-2046
सिंह	23-03-2046
कन्या	03-04-2046
तुला	13-04-2046
वृश्चिक	23-04-2046

मकर-वृष

आरम्भ	03-05-2046
अन्त	02-09-2046
वृश्चिक	03-05-2046
तुला	13-05-2046
कन्या	23-05-2046
सिंह	02-06-2046
कर्क	13-06-2046
मिथुन	23-06-2046
वृष	03-07-2046
मेष	13-07-2046
धनु	23-07-2046
कुंभ	02-08-2046
मकर	12-08-2046
धनु	23-08-2046

मकर-मेष

आरम्भ	02-09-2046
अन्त	02-01-2047
मेष	02-09-2046
वृष	12-09-2046
मिथुन	22-09-2046
कर्क	02-10-2046
सिंह	12-10-2046
कन्या	23-10-2046
तुला	02-11-2046
वृश्चिक	12-11-2046
धनु	22-11-2046
कुंभ	12-12-2046
मीन	22-12-2046

मकर-मीन

आरम्भ	02-01-2047
अन्त	03-05-2047
मीन	02-01-2047
कुंभ	12-01-2047
मकर	22-01-2047
धनु	01-02-2047
वृश्चिक	11-02-2047
तुला	21-02-2047
कन्या	03-03-2047
सिंह	14-03-2047
कर्क	24-03-2047
मिथुन	03-04-2047
वृष	13-04-2047
मेष	23-04-2047





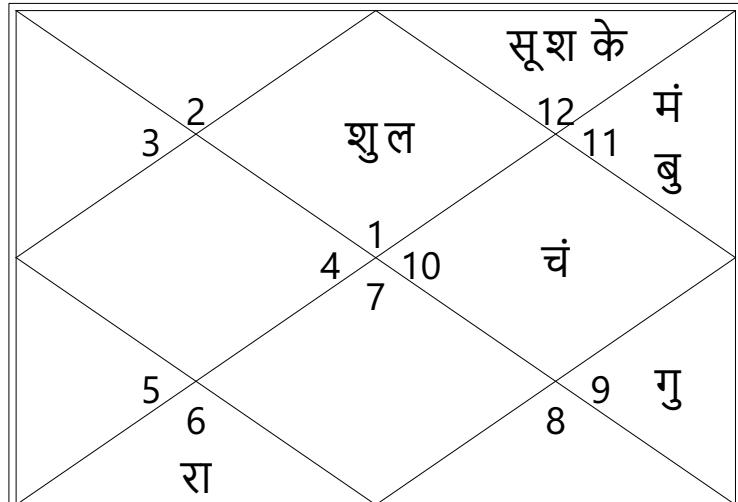
जैमिनी पद्धति

चर कारक

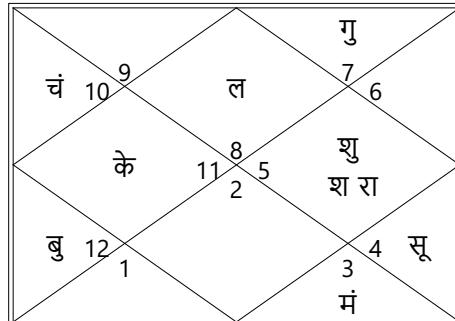
आत्म	अमात्य	भ्रातृ	मातृ	पितृ	ज्ञाति	स्त्री
मंगल	गुरु	बुध	शुक्र	शनि	चंद्र	सूर्य
28:45	20:06	19:04	16:07	03:20	02:55	01:00

जन्म कुण्डली 15 मार्च 1996 08:20:00 घंटे

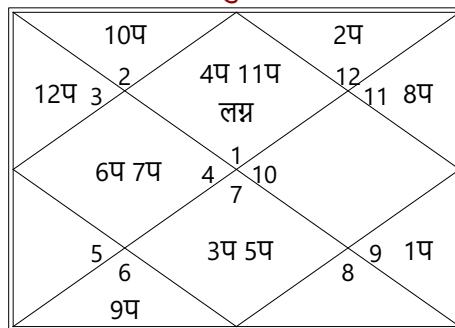
Guwahati, Assam, India



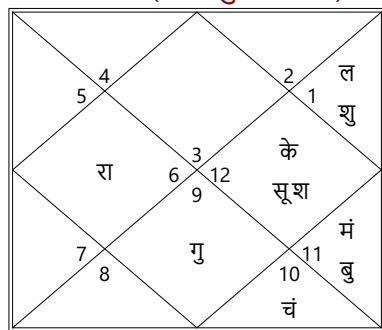
नवांश



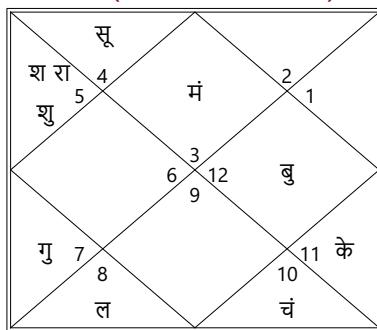
पद कुण्डली



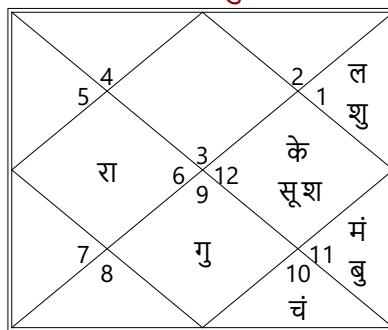
कारकांश (जन्म कुण्डली में)



स्वांश (कारकांश नवांश में)



उपपद लग्न कुण्डली



जैमिनी दृष्टियाँ

द्विस्वभाव राशियों में स्थित ग्रहों में दृष्टियाँ

सू-गु-श-रा-के

चर व स्थिर राशियों में स्थित ग्रहों में दृष्टियाँ शु-मं,
शु-भु

विशेष गणनाएं

जैमिनी होरा लग्न

वर्णद लग्न : वृष 22:46:58

प्राणपद लग्न : कुंभ

आरुढ़ लग्न : तुला 09:56:31

उपपद : धनु

दध राशि : मिथुन

ब्रह्मा : धनुमीन

महेश्वर : मंगल

रुद्र : बुध

: मंगल



जैमिनी चरदशा

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

मेष (10व)	०१०म	वृष (11व)	१०१०म	मिथुन (८व)	२११०म	कर्क (६व)	२११०म
आरम्भ	15-03-1996	आरम्भ	15-03-2006	आरम्भ	15-03-2017 <th>आरम्भ</th> <td>15-03-2025</td>	आरम्भ	15-03-2025
अन्त	15-03-2006	अन्त	15-03-2017 <th>अन्त</th> <td>15-03-2025<th>अन्त</th><td>15-03-2031</td></td>	अन्त	15-03-2025 <th>अन्त</th> <td>15-03-2031</td>	अन्त	15-03-2031
२ वृष	13-01-1997	१ मेष	13-02-2007	२ वृष	13-11-2017	३ मिथुन	13-09-2025
३ मिथुन	14-11-1997	१२ मीन	14-01-2008	१ मेष	15-07-2018	२ वृष	15-03-2026
४ कर्क	14-09-1998	११ कुंभ	14-12-2008	१२ मीन	15-03-2019	१ मैष	14-09-2026
५ सिंह	15-07-1999	१० मकर	13-11-2009	११ कुंभ	14-11-2019	१२ मीन	15-03-2027
६ कन्या	15-05-2000	९ धनु	14-10-2010	१० मकर	14-07-2020	११ कुंभ	14-09-2027
७ तुला	15-03-2001	८ वृश्चिक	14-09-2011	९ धनु	15-03-2021	१० मकर	15-03-2028
८ वृश्चिक	13-01-2002	७ तुला	14-08-2012	८ वृश्चिक	13-11-2021	९ धनु	13-09-2028
९ धनु	14-11-2002	६ कन्या	15-07-2013	७ तुला	15-07-2022	८ वृश्चिक	15-03-2029
१० मकर	14-09-2003	५ सिंह	15-06-2014	६ कन्या	15-03-2023	७ तुला	13-09-2029
११ कुंभ	15-07-2004	४ कर्क	15-05-2015	५ सिंह	14-11-2023	६ कन्या	15-03-2030
१२ मीन	15-05-2005	३ मिथुन	14-04-2016	४ कर्क	14-07-2024	५ सिंह	14-09-2030
१ मेष	15-03-2006	२ वृष	15-03-2017	३ मिथुन	15-03-2025	४ कर्क	15-03-2031

सिंह (५व)	३५१०म	कन्या (७व)	४०१०म	तुला (६व)	४७१०म	वृश्चिक (४व)	५३१०म
आरम्भ	15-03-2031	आरम्भ	15-03-2036	आरम्भ	15-03-2043	आरम्भ	15-03-2049
अन्त	15-03-2036	अन्त	15-03-2043	अन्त	15-03-2049 <th>अन्त</th> <td>15-03-2053</td>	अन्त	15-03-2053
६ कन्या	15-08-2031	७ तुला	14-10-2036	८ वृश्चिक	14-09-2043	७ तुला	14-07-2049
७ तुला	14-01-2032	८ वृश्चिक	15-05-2037	९ धनु	14-03-2044	६ कन्या	13-11-2049
८ वृश्चिक	14-06-2032	९ धनु	14-12-2037	१० मकर	13-09-2044	५ सिंह	15-03-2050
९ धनु	13-11-2032	१० मकर	15-07-2038	११ कुंभ	15-03-2045	४ कर्क	15-07-2050
१० मकर	14-04-2033	११ कुंभ	13-02-2039	१२ मीन	13-09-2045	३ मिथुन	13-11-2050
११ कुंभ	13-09-2033	१२ मीन	14-09-2039	१ मेष	15-03-2046	२ वृष	15-03-2051
१२ मीन	13-02-2034	१ मेष	14-04-2040	२ वृष	14-09-2046	१ मेष	15-07-2051
१ मेष	15-07-2034	२ वृष	13-11-2040	३ मिथुन	15-03-2047	१२ मीन	14-11-2051
२ वृष	14-12-2034	३ मिथुन	14-06-2041	४ कर्क	14-09-2047	११ कुंभ	14-03-2052
३ मिथुन	15-05-2035	४ कर्क	13-01-2042	५ सिंह	14-03-2048	१० मकर	14-07-2052
४ कर्क	14-10-2035	५ सिंह	14-08-2042	६ कन्या	13-09-2048	९ धनु	13-11-2052
५ सिंह	15-03-2036	६ कन्या	15-03-2043	७ तुला	15-03-2049	८ वृश्चिक	15-03-2053

धनु (१२व)	५७१०म	मकर (१०व)	६९१०म	कुंभ (११व)	७९१०म	मीन (३व)	९०१०म
आरम्भ	15-03-2053	आरम्भ	15-03-2065	आरम्भ	15-03-2075	आरम्भ	15-03-2086
अन्त	15-03-2065	अन्त	15-03-2075	अन्त	15-03-2086 <th>अन्त</th> <td>14-03-2089</td>	अन्त	14-03-2089
८ वृश्चिक	15-03-2054	९ धनु	13-01-2066	१२ मीन	13-02-2076	१ मेष	14-06-2086
७ तुला	15-03-2055	८ वृश्चिक	13-11-2066	१ मेष	13-01-2077	२ वृष	13-09-2086
६ कन्या	14-03-2056	७ तुला	14-09-2067	२ वृष	13-12-2077	३ मिथुन	14-12-2086
५ सिंह	15-03-2057	६ कन्या	14-07-2068	३ मिथुन	13-11-2078	४ कर्क	15-03-2087
४ कर्क	15-03-2058	५ सिंह	14-05-2069	४ कर्क	14-10-2079	५ सिंह	14-06-2087
३ मिथुन	15-03-2059	४ कर्क	15-03-2070	५ सिंह	13-09-2080	६ कन्या	14-09-2087
२ वृष	14-03-2060	३ मिथुन	13-01-2071	६ कन्या	14-08-2081	७ तुला	14-12-2087
१ मेष	15-03-2061	२ वृष	14-11-2071	७ तुला	14-07-2082	८ वृश्चिक	14-03-2088
१२ मीन	15-03-2062	१ मेष	13-09-2072	८ वृश्चिक	14-06-2083	९ धनु	13-06-2088
११ कुंभ	15-03-2063	१२ मीन	14-07-2073	९ धनु	14-05-2084	१० मकर	13-09-2088
१० मकर	14-03-2064	११ कुंभ	15-05-2074	१० मकर	14-04-2085	११ कुंभ	13-12-2088
९ धनु	15-03-2065	१० मकर	15-03-2075	११ कुंभ	15-03-2086	१२ मीन	14-03-2089



जैमिनी चरदशा

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

मेष (10व)	92व11म	वृष (11व)	103व0म	मिथुन (8व)	114व0म	कर्क (6व)	122व0म
आरम्भ	14-03-2089	आरम्भ	15-03-2099	आरम्भ	15-03-2110	आरम्भ	15-03-2118
अन्त	15-03-2099	अन्त	15-03-2110	अन्त	15-03-2118	अन्त	15-03-2124
2 वृष	13-01-2090	1 मेष	13-02-2100	2 वृष	14-11-2110	3 मिथुन	14-09-2118
3 मिथुन	13-11-2090	12 मीन	13-01-2101	1 मेष	15-07-2111	2 वृष	16-03-2119
4 कर्क	13-09-2091	11 कुंभ	14-12-2101	12 मीन	15-03-2112	1 मेष	14-09-2119
5 सिंह	14-07-2092	10 मकर	14-11-2102	11 कुंभ	13-11-2112	12 मीन	15-03-2120
6 कन्या	14-05-2093	9 धनु	15-10-2103	10 मकर	15-07-2113	11 कुंभ	13-09-2120
7 तुला	15-03-2094	8 वृश्चिक	14-09-2104	9 धनु	15-03-2114	10 मकर	15-03-2121
8 वृश्चिक	13-01-2095	7 तुला	14-08-2105	8 वृश्चिक	14-11-2114	9 धनु	14-09-2121
9 धनु	13-11-2095	6 कन्या	15-07-2106	7 तुला	15-07-2115	8 वृश्चिक	15-03-2122
10 मकर	13-09-2096	5 सिंह	15-06-2107	6 कन्या	15-03-2116	7 तुला	14-09-2122
11 कुंभ	14-07-2097	4 कर्क	15-05-2108	5 सिंह	13-11-2116	6 कन्या	16-03-2123
12 मीन	14-05-2098	3 मिथुन	15-04-2109	4 कर्क	15-07-2117	5 सिंह	14-09-2123
1 मेष	15-03-2099	2 वृष	15-03-2110	3 मिथुन	15-03-2118	4 कर्क	15-03-2124

सिंह (5व)	128व0म	कन्या (7व)	133व0म	तुला (6व)	140व0म	वृश्चिक (4व)	146व0म
आरम्भ	15-03-2124	आरम्भ	15-03-2129	आरम्भ	15-03-2136	आरम्भ	15-03-2142
अन्त	15-03-2129	अन्त	15-03-2136	अन्त	15-03-2142	अन्त	15-03-2146
6 कन्या	14-08-2124	7 तुला	14-10-2129	8 वृश्चिक	13-09-2136	7 तुला	15-07-2142
7 तुला	13-01-2125	8 वृश्चिक	15-05-2130	9 धनु	15-03-2137	6 कन्या	14-11-2142
8 वृश्चिक	14-06-2125	9 धनु	14-12-2130	10 मकर	14-09-2137	5 सिंह	15-03-2143
9 धनु	14-11-2125	10 मकर	15-07-2131	11 कुंभ	15-03-2138	4 कर्क	15-07-2143
10 मकर	15-04-2126	11 कुंभ	13-02-2132	12 मीन	14-09-2138	3 मिथुन	14-11-2143
11 कुंभ	14-09-2126	12 मीन	13-09-2132	1 मेष	15-03-2139	2 वृष	15-03-2144
12 मीन	13-02-2127	1 मेष	14-04-2133	2 वृष	14-09-2139	1 मेष	14-07-2144
1 मेष	15-07-2127	2 वृष	14-11-2133	3 मिथुन	15-03-2140	12 मीन	13-11-2144
2 वृष	15-12-2127	3 मिथुन	15-06-2134	4 कर्क	13-09-2140	11 कुंभ	15-03-2145
3 मिथुन	15-05-2128	4 कर्क	14-01-2135	5 सिंह	15-03-2141	10 मकर	15-07-2145
4 कर्क	14-10-2128	5 सिंह	15-08-2135	6 कन्या	14-09-2141	9 धनु	13-11-2145
5 सिंह	15-03-2129	6 कन्या	15-03-2136	7 तुला	15-03-2142	8 वृश्चिक	15-03-2146

धनु (12व)	150व0म	मकर (10व)	162व0म	कुंभ (11व)	172व0म	मीन (3व)	183व0म
आरम्भ	15-03-2146	आरम्भ	15-03-2158	आरम्भ	15-03-2168	आरम्भ	15-03-2179
अन्त	15-03-2158	अन्त	15-03-2168	अन्त	15-03-2179	अन्त	15-03-2182
8 वृश्चिक	15-03-2147	9 धनु	13-01-2159	12 मीन	12-02-2169	1 मेष	14-06-2179
7 तुला	15-03-2148	8 वृश्चिक	14-11-2159	1 मेष	13-01-2170	2 वृष	14-09-2179
6 कन्या	15-03-2149	7 तुला	13-09-2160	2 वृष	14-12-2170	3 मिथुन	14-12-2179
5 सिंह	15-03-2150	6 कन्या	15-07-2161	3 मिथुन	14-11-2171	4 कर्क	14-03-2180
4 कर्क	15-03-2151	5 सिंह	15-05-2162	4 कर्क	14-10-2172	5 सिंह	14-06-2180
3 मिथुन	15-03-2152	4 कर्क	15-03-2163	5 सिंह	13-09-2173	6 कन्या	13-09-2180
2 वृष	15-03-2153	3 मिथुन	14-01-2164	6 कन्या	14-08-2174	7 तुला	13-12-2180
1 मेष	15-03-2154	2 वृष	13-11-2164	7 तुला	15-07-2175	8 वृश्चिक	15-03-2181
12 मीन	15-03-2155	1 मेष	13-09-2165	8 वृश्चिक	14-06-2176	9 धनु	14-06-2181
11 कुंभ	15-03-2156	12 मीन	15-07-2166	9 धनु	15-05-2177	10 मकर	13-09-2181
10 मकर	15-03-2157	11 कुंभ	15-05-2167	10 मकर	14-04-2178	11 कुंभ	14-12-2181
9 धनु	15-03-2158	10 मकर	15-03-2168	11 कुंभ	15-03-2179	12 मीन	15-03-2182



जैमिनी स्थिर दशा

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

कुंभ (8व)	0वर्ष	मीन (9व)	8वर्वर्ष	मेष (7व)	17वर्वर्ष	वृष (8व)	24वर्वर्ष
आरम्भ	15-03-1996	आरम्भ	15-03-2004	आरम्भ	15-03-2013 <th>आरम्भ</th> <td>15-03-2020</td>	आरम्भ	15-03-2020
अन्त	15-03-2004	अन्त	15-03-2013	अन्त	15-03-2020 <th>अन्त</th> <td>15-03-2028</td>	अन्त	15-03-2028
11 कुंभ	13-11-1996	12 मीन	14-12-2004	1 मेष	14-10-2013	8 वृश्चिक	13-11-2020
12 मीन	15-07-1997	11 कुंभ	14-09-2005	2 वृष	15-05-2014	7 तुला	15-07-2021
1 मेष	15-03-1998	10 मकर	15-06-2006	3 मिथुन	14-12-2014	6 कन्या	15-03-2022
2 वृष	14-11-1998	9 धनु	16-03-2007	4 कर्क	15-07-2015	5 सिंह	14-11-2022
3 मिथुन	15-07-1999	8 वृश्चिक	14-12-2007	5 सिंह	13-02-2016	4 कर्क	15-07-2023
4 कर्क	15-03-2000	7 तुला	13-09-2008	6 कन्या	13-09-2016	3 मिथुन	15-03-2024
5 सिंह	13-11-2000	6 कन्या	14-06-2009	7 तुला	14-04-2017	2 वृष	13-11-2024
6 कन्या	15-07-2001	5 सिंह	15-03-2010	8 वृश्चिक	13-11-2017	1 मेष	15-07-2025
7 तुला	15-03-2002	4 कर्क	14-12-2010	9 धनु	14-06-2018	12 मीन	15-03-2026
8 वृश्चिक	14-11-2002	3 मिथुन	14-09-2011	10 मकर	14-01-2019	11 कुंभ	14-11-2026
9 धनु	15-07-2003	2 वृष	14-06-2012	11 कुंभ	15-08-2019	10 मकर	15-07-2027
10 मकर	15-03-2004	1 मेष	15-03-2013	12 मीन	15-03-2020	9 धनु	15-03-2028

मिथुन (9व)	32वर्ष	कर्क (7व)	41वर्ष	सिंह (8व)	47वर्ष	कन्या (9व)	55वर्ष
आरम्भ	15-03-2028	आरम्भ	15-03-2037	आरम्भ	14-03-2044	आरम्भ	14-03-2052
अन्त	15-03-2037	अन्त	14-03-2044	अन्त	14-03-2052 <th>अन्त</th> <td>15-03-2061</td>	अन्त	15-03-2061
9 धनु	14-12-2028	10 मकर	14-10-2037	11 कुंभ	13-11-2044	12 मीन	13-12-2052
10 मकर	13-09-2029	9 धनु	15-05-2038	12 मीन	14-07-2045	11 कुंभ	13-09-2053
11 कुंभ	14-06-2030	8 वृश्चिक	14-12-2038	1 मेष	15-03-2046	10 मकर	14-06-2054
12 मीन	15-03-2031	7 तुला	15-07-2039	2 वृष	13-11-2046	9 धनु	15-03-2055
1 मेष	14-12-2031	6 कन्या	13-02-2040	3 मिथुन	15-07-2047	8 वृश्चिक	14-12-2055
2 वृष	13-09-2032	5 सिंह	13-09-2040	4 कर्क	14-03-2048	7 तुला	13-09-2056
3 मिथुन	14-06-2033	4 कर्क	14-04-2041	5 सिंह	13-11-2048	6 कन्या	14-06-2057
4 कर्क	15-03-2034	3 मिथुन	13-11-2041	6 कन्या	14-07-2049	5 सिंह	15-03-2058
5 सिंह	14-12-2034	2 वृष	14-06-2042	7 तुला	15-03-2050	4 कर्क	14-12-2058
6 कन्या	14-09-2035	1 मेष	13-01-2043	8 वृश्चिक	13-11-2050	3 मिथुन	14-09-2059
7 तुला	14-06-2036	12 मीन	14-08-2043	9 धनु	15-07-2051	2 वृष	14-06-2060
8 वृश्चिक	15-03-2037	11 कुंभ	14-03-2044	10 मकर	14-03-2052	1 मेष	15-03-2061

तुला (7व)	65वर्ष	वृश्चिक (8व)	71वर्ष	धनु (9व)	79वर्ष	मकर (7व)	88वर्ष
आरम्भ	15-03-2061	आरम्भ	14-03-2068	आरम्भ	14-03-2076	आरम्भ	14-03-2085
अन्त	14-03-2068	अन्त	14-03-2076	अन्त	14-03-2085 <th>अन्त</th> <td>14-03-2092</td>	अन्त	14-03-2092
1 मेष	14-10-2061	8 वृश्चिक	13-11-2068	9 धनु	13-12-2076	10 मकर	13-10-2085
2 वृष	15-05-2062	7 तुला	14-07-2069	10 मकर	13-09-2077	9 धनु	15-05-2086
3 मिथुन	14-12-2062	6 कन्या	15-03-2070	11 कुंभ	14-06-2078	8 वृश्चिक	14-12-2086
4 कर्क	15-07-2063	5 सिंह	13-11-2070	12 मीन	15-03-2079	7 तुला	15-07-2087
5 सिंह	13-02-2064	4 कर्क	15-07-2071	1 मेष	14-12-2079	6 कन्या	13-02-2088
6 कन्या	13-09-2064	3 मिथुन	14-03-2072	2 वृष	13-09-2080	5 सिंह	13-09-2088
7 तुला	14-04-2065	2 वृष	13-11-2072	3 मिथुन	14-06-2081	4 कर्क	14-04-2089
8 वृश्चिक	13-11-2065	1 मेष	14-07-2073	4 कर्क	15-03-2082	3 मिथुन	13-11-2089
9 धनु	14-06-2066	12 मीन	15-03-2074	5 सिंह	14-12-2082	2 वृष	14-06-2090
10 मकर	13-01-2067	11 कुंभ	13-11-2074	6 कन्या	14-09-2083	1 मेष	13-01-2091
11 कुंभ	14-08-2067	10 मकर	15-07-2075	7 तुला	13-06-2084	12 मीन	14-08-2091
12 मीन	14-03-2068	9 धनु	14-03-2076	8 वृश्चिक	14-03-2085	11 कुंभ	14-03-2092



निरयान शूल दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

धनु (12व)	०व ०म	मीन (3व)	१२व ०म	मिथुन (8व)	१५व ०म	कन्या (7व)	२३व ०म
आरम्भ	15-03-1996	आरम्भ	15-03-2008	आरम्भ	15-03-2011	आरम्भ	15-03-2019
अन्त	15-03-2008	अन्त	15-03-2011	अन्त	15-03-2019	अन्त	15-03-2026
9 धनु	15-03-1996	12 मीन	15-03-2008	9 धनु	15-03-2011	12 मीन	15-03-2019
10 मकर	15-03-1997	11 कुंभ	14-06-2008	10 मकर	14-11-2011	11 कुंभ	14-10-2019
11 कुंभ	15-03-1998	10 मकर	13-09-2008	11 कुंभ	14-07-2012	10 मकर	15-05-2020
12 मीन	16-03-1999	9 धनु	14-12-2008	12 मीन	15-03-2013	9 धनु	14-12-2020
1 मेष	15-03-2000	8 वृश्चिक	15-03-2009	1 मेष	13-11-2013	8 वृश्चिक	15-07-2021
2 वृष	15-03-2001	7 तुला	14-06-2009	2 वृष	15-07-2014	7 तुला	13-02-2022
3 मिथुन	15-03-2002	6 कन्या	14-09-2009	3 मिथुन	15-03-2015	6 कन्या	14-09-2022
4 कर्क	16-03-2003	5 सिंह	14-12-2009	4 कर्क	14-11-2015	5 सिंह	15-04-2023
5 सिंह	15-03-2004	4 कर्क	15-03-2010	5 सिंह	14-07-2016	4 कर्क	14-11-2023
6 कन्या	15-03-2005	3 मिथुन	15-06-2010	6 कन्या	15-03-2017	3 मिथुन	14-06-2024
7 तुला	15-03-2006	2 वृष	14-09-2010	7 तुला	13-11-2017	2 वृष	13-01-2025
8 वृश्चिक	16-03-2007	1 मेष	14-12-2010	8 वृश्चिक	15-07-2018	1 मेष	14-08-2025
मकर (10व)	३०व ०म	वृश्चिक (4व)	४०व ०म	सिंह (5व)	४४व ०म	वृष (11व)	४९व ०म
आरम्भ	15-03-2026	आरम्भ	15-03-2036	आरम्भ	15-03-2040	आरम्भ	15-03-2045
अन्त	15-03-2036	अन्त	15-03-2040	अन्त	15-03-2045	अन्त	14-03-2056
10 मकर	15-03-2026	8 वृश्चिक	15-03-2036	11 कुंभ	15-03-2040	8 वृश्चिक	15-03-2045
9 धनु	13-01-2027	7 तुला	14-07-2036	12 मीन	14-08-2040	7 तुला	13-02-2046
8 वृश्चिक	14-11-2027	6 कन्या	13-11-2036	1 मेष	13-01-2041	6 कन्या	13-01-2047
7 तुला	13-09-2028	5 सिंह	15-03-2037	2 वृष	14-06-2041	5 सिंह	14-12-2047
6 कन्या	15-07-2029	4 कर्क	15-07-2037	3 मिथुन	13-11-2041	4 कर्क	13-11-2048
5 सिंह	15-05-2030	3 मिथुन	13-11-2037	4 कर्क	14-04-2042	3 मिथुन	14-10-2049
4 कर्क	15-03-2031	2 वृष	15-03-2038	5 सिंह	14-09-2042	2 वृष	14-09-2050
3 मिथुन	14-01-2032	1 मेष	15-07-2038	6 कन्या	13-02-2043	1 मेष	14-08-2051
2 वृष	13-11-2032	12 मीन	14-11-2038	7 तुला	15-07-2043	12 मीन	14-07-2052
1 मेष	13-09-2033	11 कुंभ	15-03-2039	8 वृश्चिक	14-12-2043	11 कुंभ	14-06-2053
12 मीन	15-07-2034	10 मकर	15-07-2039	9 धनु	14-05-2044	10 मकर	15-05-2054
11 कुंभ	15-05-2035	9 धनु	14-11-2039	10 मकर	14-10-2044	9 धनु	15-04-2055
कुंभ (11व)	५९व ११म	तुला (6व)	७१व ०म	कर्क (6व)	७६व ११म	मेष (10व)	८३व ०म
आरम्भ	14-03-2056	आरम्भ	15-03-2067	आरम्भ	14-03-2073	आरम्भ	15-03-2079
अन्त	15-03-2067	अन्त	14-03-2073	अन्त	15-03-2079	अन्त	14-03-2089
11 कुंभ	14-03-2056	1 मेष	15-03-2067	10 मकर	14-03-2073	1 मेष	15-03-2079
12 मीन	12-02-2057	2 वृष	14-09-2067	9 धनु	13-09-2073	2 वृष	13-01-2080
1 मेष	13-01-2058	3 मिथुन	14-03-2068	8 वृश्चिक	15-03-2074	3 मिथुन	13-11-2080
2 वृष	14-12-2058	4 कर्क	13-09-2068	7 तुला	13-09-2074	4 कर्क	13-09-2081
3 मिथुन	14-11-2059	5 सिंह	15-03-2069	6 कन्या	15-03-2075	5 सिंह	14-07-2082
4 कर्क	13-10-2060	6 कन्या	13-09-2069	5 सिंह	14-09-2075	6 कन्या	15-05-2083
5 सिंह	13-09-2061	7 तुला	15-03-2070	4 कर्क	14-03-2076	7 तुला	14-03-2084
6 कन्या	14-08-2062	8 वृश्चिक	13-09-2070	3 मिथुन	13-09-2076	8 वृश्चिक	13-01-2085
7 तुला	15-07-2063	9 धनु	15-03-2071	2 वृष	14-03-2077	9 धनु	13-11-2085
8 वृश्चिक	14-06-2064	10 मकर	14-09-2071	1 मेष	13-09-2077	10 मकर	13-09-2086
9 धनु	14-05-2065	11 कुंभ	14-03-2072	12 मीन	15-03-2078	11 कुंभ	15-07-2087
10 मकर	14-04-2066	12 मीन	13-09-2072	11 कुंभ	13-09-2078	12 मीन	14-05-2088



निरयान शूल दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

मीन (3व)	92व 11म	मीन (3व)	102व 0म	कन्या (7व)	107व 0म	मीन (3व)	111व 0म
आरम्भ	14-03-2089	आरम्भ	14-03-2092	आरम्भ	15-07-2100	आरम्भ	15-06-2107
अन्त	14-03-2092	अन्त	15-07-2100	अन्त	15-06-2107	अन्त	14-12-2110
12 मीन	14-03-2089	12 मीन	14-03-2092	8 वृश्चिक	15-07-2100	11 कुंभ	15-06-2107
11 कुंभ	14-06-2089	11 कुंभ	13-12-2092	7 तुला	13-02-2101	10 मकर	14-09-2107
10 मकर	13-09-2089	10 मकर	13-09-2093	6 कन्या	14-09-2101	9 धनु	15-12-2107
9 धनु	13-12-2089	9 धनु	14-06-2094	5 सिंह	15-04-2102	8 वृश्चिक	15-03-2108
8 वृश्चिक	15-03-2090	8 वृश्चिक	15-03-2095	4 कर्क	14-11-2102	7 तुला	14-06-2108
7 तुला	14-06-2090	7 तुला	14-12-2095	9 धनु	16-03-2103	6 कन्या	14-09-2108
6 कन्या	13-09-2090	6 कन्या	13-09-2096	10 मकर	14-11-2103	5 सिंह	14-12-2108
5 सिंह	14-12-2090	5 सिंह	14-06-2097	11 कुंभ	15-07-2104	4 कर्क	15-03-2109
4 कर्क	15-03-2091	12 मीन	15-03-2098	12 मीन	15-03-2105	3 मिथुन	15-06-2109
3 मिथुन	14-06-2091	11 कुंभ	14-10-2098	1 मेष	14-11-2105	2 वृष	14-09-2109
2 वृष	13-09-2091	10 मकर	15-05-2099	2 वृष	15-07-2106	1 मेष	14-12-2109
1 मेष	14-12-2091	9 धनु	14-12-2099	12 मीन	16-03-2107	12 मीन	15-03-2110

मीन (3व)	120व 0म	वृश्चिक (4व)	122व 0म	वृश्चिक (4व)	130व 0म	सिंह (5व)	137व 0म
आरम्भ	14-12-2110	आरम्भ	16-03-2119	आरम्भ	15-03-2124	आरम्भ	14-12-2129
अन्त	16-03-2119	अन्त	15-03-2124	अन्त	14-12-2129	अन्त	15-03-2136
11 कुंभ	14-12-2110	5 सिंह	16-03-2119	5 सिंह	15-03-2124	8 वृश्चिक	14-12-2129
10 मकर	14-09-2111	4 कर्क	15-07-2119	4 कर्क	13-11-2124	9 धनु	15-05-2130
9 धनु	14-06-2112	3 मिथुन	14-11-2119	3 मिथुन	15-07-2125	10 मकर	14-10-2130
8 वृश्चिक	15-03-2113	2 वृष	15-03-2120	11 कुंभ	15-03-2126	11 कुंभ	16-03-2131
7 तुला	14-12-2113	1 मेष	15-07-2120	12 मीन	15-08-2126	12 मीन	15-10-2131
6 कन्या	14-09-2114	12 मीन	13-11-2120	1 मेष	14-01-2127	1 मेष	15-05-2132
5 सिंह	15-06-2115	11 कुंभ	15-03-2121	2 वृष	15-06-2127	2 वृष	14-12-2132
10 मकर	15-03-2116	10 मकर	15-07-2121	3 मिथुन	14-11-2127	8 वृश्चिक	15-03-2133
9 धनु	13-01-2117	9 धनु	14-11-2121	4 कर्क	14-04-2128	7 तुला	13-02-2134
8 वृश्चिक	14-11-2117	8 वृश्चिक	15-03-2122	5 सिंह	13-09-2128	11 कुंभ	15-03-2134
7 तुला	15-07-2118	7 तुला	14-11-2122	6 कन्या	13-02-2129	12 मीन	13-02-2135
6 कन्या	14-11-2118	6 कन्या	15-07-2123	7 तुला	15-07-2129	2 वृष	14-09-2135

तुला (6व)	138व 0म	कर्क (6व)	139व 0म	मेष (10व)	145व 0म	कन्या (7व)	151व 0म
आरम्भ	15-03-2136	आरम्भ	15-03-2142	आरम्भ	13-11-2148	आरम्भ	14-10-2152
अन्त	15-03-2142	अन्त	13-11-2148	अन्त	14-10-2152	अन्त	14-11-2159
3 मिथुन	15-03-2136	8 वृश्चिक	15-03-2142	3 मिथुन	13-11-2148	11 कुंभ	14-10-2152
4 कर्क	13-09-2136	7 तुला	14-09-2142	10 मकर	14-09-2149	10 मकर	15-05-2153
5 सिंह	15-03-2137	6 कन्या	15-03-2143	9 धनु	14-12-2149	9 धनु	14-12-2153
6 कन्या	14-09-2137	5 सिंह	14-09-2143	8 वृश्चिक	15-03-2150	8 वृश्चिक	15-07-2154
7 तुला	15-03-2138	4 कर्क	15-03-2144	7 तुला	14-06-2150	7 तुला	13-02-2155
8 वृश्चिक	14-09-2138	3 मिथुन	13-09-2144	6 कन्या	14-09-2150	6 कन्या	14-09-2155
9 धनु	15-03-2139	2 वृष	15-03-2145	5 सिंह	14-12-2150	5 सिंह	14-04-2156
10 मकर	14-09-2139	1 मेष	14-09-2145	4 कर्क	15-03-2151	4 कर्क	13-11-2156
11 कुंभ	15-03-2140	12 मीन	15-03-2146	3 मिथुन	15-06-2151	3 मिथुन	14-06-2157
12 मीन	13-09-2140	11 कुंभ	14-09-2146	2 वृष	14-09-2151	2 वृष	13-01-2158
10 मकर	15-03-2141	1 मेष	15-03-2147	1 मेष	14-12-2151	1 मेष	14-08-2158
9 धनु	14-09-2141	2 वृष	14-01-2148	12 मीन	15-03-2152	9 धनु	15-03-2159



द्वगदशा

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

धनु (12व)	0व 0म*	मीन (3व)	12व 0म	मिथुन (8व)	15व 0म	कन्या (7व)	23व 0म
आरम्भ	15-03-1996	आरम्भ	15-03-2008	आरम्भ	15-03-2011	आरम्भ	15-03-2019
अन्त	15-03-2008	अन्त	15-03-2011	अन्त	15-03-2019	अन्त	15-03-2026
9 धनु	15-03-1996	12 मीन	15-03-2008	9 धनु	15-03-2011	12 मीन	15-03-2019
10 मकर	15-03-1997	11 कुंभ	14-06-2008	10 मकर	14-11-2011	11 कुंभ	14-10-2019
11 कुंभ	15-03-1998	10 मकर	13-09-2008	11 कुंभ	14-07-2012	10 मकर	15-05-2020
12 मीन	16-03-1999	9 धनु	14-12-2008	12 मीन	15-03-2013	9 धनु	14-12-2020
1 मेष	15-03-2000	8 वृश्चिक	15-03-2009	1 मेष	13-11-2013	8 वृश्चिक	15-07-2021
2 वृष	15-03-2001	7 तुला	14-06-2009	2 वृष	15-07-2014	7 तुला	13-02-2022
3 मिथुन	15-03-2002	6 कन्या	14-09-2009	3 मिथुन	15-03-2015	6 कन्या	14-09-2022
4 कर्क	16-03-2003	5 सिंह	14-12-2009	4 कर्क	14-11-2015	5 सिंह	15-04-2023
5 सिंह	15-03-2004	4 कर्क	15-03-2010	5 सिंह	14-07-2016	4 कर्क	14-11-2023
6 कन्या	15-03-2005	3 मिथुन	15-06-2010	6 कन्या	15-03-2017	3 मिथुन	14-06-2024
7 तुला	15-03-2006	2 वृष	14-09-2010	7 तुला	13-11-2017	2 वृष	13-01-2025
8 वृश्चिक	16-03-2007	1 मेष	14-12-2010	8 वृश्चिक	15-07-2018	1 मेष	14-08-2025
मकर (10व)	30व 0म	वृश्चिक (4व)	40व 0म	सिंह (5व)	44व 0म	वृष (11व)	49व 0म
आरम्भ	15-03-2026	आरम्भ	15-03-2036	आरम्भ	15-03-2040	आरम्भ	15-03-2045
अन्त	15-03-2036	अन्त	15-03-2040	अन्त	15-03-2045	अन्त	14-03-2056
10 मकर	15-03-2026	8 वृश्चिक	15-03-2036	11 कुंभ	15-03-2040	8 वृश्चिक	15-03-2045
9 धनु	13-01-2027	7 तुला	14-07-2036	12 मीन	14-08-2040	7 तुला	13-02-2046
8 वृश्चिक	14-11-2027	6 कन्या	13-11-2036	1 मेष	13-01-2041	6 कन्या	13-01-2047
7 तुला	13-09-2028	5 सिंह	15-03-2037	2 वृष	14-06-2041	5 सिंह	14-12-2047
6 कन्या	15-07-2029	4 कर्क	15-07-2037	3 मिथुन	13-11-2041	4 कर्क	13-11-2048
5 सिंह	15-05-2030	3 मिथुन	13-11-2037	4 कर्क	14-04-2042	3 मिथुन	14-10-2049
4 कर्क	15-03-2031	2 वृष	15-03-2038	5 सिंह	14-09-2042	2 वृष	14-09-2050
3 मिथुन	14-01-2032	1 मेष	15-07-2038	6 कन्या	13-02-2043	1 मेष	14-08-2051
2 वृष	13-11-2032	12 मीन	14-11-2038	7 तुला	15-07-2043	12 मीन	14-07-2052
1 मेष	13-09-2033	11 कुंभ	15-03-2039	8 वृश्चिक	14-12-2043	11 कुंभ	14-06-2053
12 मीन	15-07-2034	10 मकर	15-07-2039	9 धनु	14-05-2044	10 मकर	15-05-2054
11 कुंभ	15-05-2035	9 धनु	14-11-2039	10 मकर	14-10-2044	9 धनु	15-04-2055
कुंभ (11व)	59व 11म	तुला (6व)	71व 0म	कर्क (6व)	76व 11म	मेष (10व)	83व 0म
आरम्भ	14-03-2056	आरम्भ	15-03-2067	आरम्भ	14-03-2073	आरम्भ	15-03-2079
अन्त	15-03-2067	अन्त	14-03-2073	अन्त	15-03-2079	अन्त	14-03-2089
11 कुंभ	14-03-2056	1 मेष	15-03-2067	10 मकर	14-03-2073	1 मेष	15-03-2079
12 मीन	12-02-2057	2 वृष	14-09-2067	9 धनु	13-09-2073	2 वृष	13-01-2080
1 मेष	13-01-2058	3 मिथुन	14-03-2068	8 वृश्चिक	15-03-2074	3 मिथुन	13-11-2080
2 वृष	14-12-2058	4 कर्क	13-09-2068	7 तुला	13-09-2074	4 कर्क	13-09-2081
3 मिथुन	14-11-2059	5 सिंह	15-03-2069	6 कन्या	15-03-2075	5 सिंह	14-07-2082
4 कर्क	13-10-2060	6 कन्या	13-09-2069	5 सिंह	14-09-2075	6 कन्या	15-05-2083
5 सिंह	13-09-2061	7 तुला	15-03-2070	4 कर्क	14-03-2076	7 तुला	14-03-2084
6 कन्या	14-08-2062	8 वृश्चिक	13-09-2070	3 मिथुन	13-09-2076	8 वृश्चिक	13-01-2085
7 तुला	15-07-2063	9 धनु	15-03-2071	2 वृष	14-03-2077	9 धनु	13-11-2085
8 वृश्चिक	14-06-2064	10 मकर	14-09-2071	1 मेष	13-09-2077	10 मकर	13-09-2086
9 धनु	14-05-2065	11 कुंभ	14-03-2072	12 मीन	15-03-2078	11 कुंभ	15-07-2087
10 मकर	14-04-2066	12 मीन	13-09-2072	11 कुंभ	13-09-2078	12 मीन	14-05-2088



द्वगदशा

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

मीन (3व)	92व 11म	मीन (3व)	102व 0म	कन्या (7व)	107व 0म	मीन (3व)	111व 0म
आरम्भ	14-03-2089	आरम्भ	14-03-2092	आरम्भ	15-07-2100	आरम्भ	15-06-2107
अन्त	14-03-2092	अन्त	15-07-2100	अन्त	15-06-2107	अन्त	14-12-2110
12 मीन	14-03-2089	12 मीन	14-03-2092	8 वृश्चिक	15-07-2100	11 कुंभ	15-06-2107
11 कुंभ	14-06-2089	11 कुंभ	13-12-2092	7 तुला	13-02-2101	10 मकर	14-09-2107
10 मकर	13-09-2089	10 मकर	13-09-2093	6 कन्या	14-09-2101	9 धनु	15-12-2107
9 धनु	13-12-2089	9 धनु	14-06-2094	5 सिंह	15-04-2102	8 वृश्चिक	15-03-2108
8 वृश्चिक	15-03-2090	8 वृश्चिक	15-03-2095	4 कर्क	14-11-2102	7 तुला	14-06-2108
7 तुला	14-06-2090	7 तुला	14-12-2095	9 धनु	16-03-2103	6 कन्या	14-09-2108
6 कन्या	13-09-2090	6 कन्या	13-09-2096	10 मकर	14-11-2103	5 सिंह	14-12-2108
5 सिंह	14-12-2090	5 सिंह	14-06-2097	11 कुंभ	15-07-2104	4 कर्क	15-03-2109
4 कर्क	15-03-2091	12 मीन	15-03-2098	12 मीन	15-03-2105	3 मिथुन	15-06-2109
3 मिथुन	14-06-2091	11 कुंभ	14-10-2098	1 मेष	14-11-2105	2 वृष	14-09-2109
2 वृष	13-09-2091	10 मकर	15-05-2099	2 वृष	15-07-2106	1 मेष	14-12-2109
1 मेष	14-12-2091	9 धनु	14-12-2099	12 मीन	16-03-2107	12 मीन	15-03-2110

मीन (3व)	120व 0म	वृश्चिक (4व)	122व 0म	वृश्चिक (4व)	130व 0म	सिंह (5व)	137व 0म
आरम्भ	14-12-2110	आरम्भ	16-03-2119	आरम्भ	15-03-2124	आरम्भ	14-12-2129
अन्त	16-03-2119	अन्त	15-03-2124	अन्त	14-12-2129	अन्त	15-03-2136
11 कुंभ	14-12-2110	5 सिंह	16-03-2119	5 सिंह	15-03-2124	8 वृश्चिक	14-12-2129
10 मकर	14-09-2111	4 कर्क	15-07-2119	4 कर्क	13-11-2124	9 धनु	15-05-2130
9 धनु	14-06-2112	3 मिथुन	14-11-2119	3 मिथुन	15-07-2125	10 मकर	14-10-2130
8 वृश्चिक	15-03-2113	2 वृष	15-03-2120	11 कुंभ	15-03-2126	11 कुंभ	16-03-2131
7 तुला	14-12-2113	1 मेष	15-07-2120	12 मीन	15-08-2126	12 मीन	15-10-2131
6 कन्या	14-09-2114	12 मीन	13-11-2120	1 मेष	14-01-2127	1 मेष	15-05-2132
5 सिंह	15-06-2115	11 कुंभ	15-03-2121	2 वृष	15-06-2127	2 वृष	14-12-2132
10 मकर	15-03-2116	10 मकर	15-07-2121	3 मिथुन	14-11-2127	8 वृश्चिक	15-03-2133
9 धनु	13-01-2117	9 धनु	14-11-2121	4 कर्क	14-04-2128	7 तुला	13-02-2134
8 वृश्चिक	14-11-2117	8 वृश्चिक	15-03-2122	5 सिंह	13-09-2128	11 कुंभ	15-03-2134
7 तुला	15-07-2118	7 तुला	14-11-2122	6 कन्या	13-02-2129	12 मीन	13-02-2135
6 कन्या	14-11-2118	6 कन्या	15-07-2123	7 तुला	15-07-2129	2 वृष	14-09-2135

तुला (6व)	138व 0म	कर्क (6व)	139व 0म	मेष (10व)	145व 0म	कन्या (7व)	151व 0म
आरम्भ	15-03-2136	आरम्भ	15-03-2142	आरम्भ	13-11-2148	आरम्भ	14-10-2152
अन्त	15-03-2142	अन्त	13-11-2148	अन्त	14-10-2152	अन्त	14-11-2159
3 मिथुन	15-03-2136	8 वृश्चिक	15-03-2142	3 मिथुन	13-11-2148	11 कुंभ	14-10-2152
4 कर्क	13-09-2136	7 तुला	14-09-2142	10 मकर	14-09-2149	10 मकर	15-05-2153
5 सिंह	15-03-2137	6 कन्या	15-03-2143	9 धनु	14-12-2149	9 धनु	14-12-2153
6 कन्या	14-09-2137	5 सिंह	14-09-2143	8 वृश्चिक	15-03-2150	8 वृश्चिक	15-07-2154
7 तुला	15-03-2138	4 कर्क	15-03-2144	7 तुला	14-06-2150	7 तुला	13-02-2155
8 वृश्चिक	14-09-2138	3 मिथुन	13-09-2144	6 कन्या	14-09-2150	6 कन्या	14-09-2155
9 धनु	15-03-2139	2 वृष	15-03-2145	5 सिंह	14-12-2150	5 सिंह	14-04-2156
10 मकर	14-09-2139	1 मेष	14-09-2145	4 कर्क	15-03-2151	4 कर्क	13-11-2156
11 कुंभ	15-03-2140	12 मीन	15-03-2146	3 मिथुन	15-06-2151	3 मिथुन	14-06-2157
12 मीन	13-09-2140	11 कुंभ	14-09-2146	2 वृष	14-09-2151	2 वृष	13-01-2158
10 मकर	15-03-2141	1 मेष	15-03-2147	1 मेष	14-12-2151	1 मेष	14-08-2158
9 धनु	14-09-2141	2 वृष	14-01-2148	12 मीन	15-03-2152	9 धनु	15-03-2159



नवांश दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

मेष (10व)	०व ०म	वृष (11व)	१०व ०म	मिथुन (8व)	२१व ०म	कर्क (6व)	२९व ०म
आरम्भ	15-03-1996	आरम्भ	15-03-2006	आरम्भ	15-03-2017	आरम्भ	15-03-2025
अन्त	15-03-2006	अन्त	15-03-2017	अन्त	15-03-2025	अन्त	15-03-2031
1 मेष	15-03-1996	8 वृश्चिक	15-03-2006	9 धनु	15-03-2017	10 मकर	15-03-2025
2 वृष	13-01-1997	7 तुला	13-02-2007	10 मकर	13-11-2017	9 धनु	13-09-2025
3 मिथुन	14-11-1997	6 कन्या	14-01-2008	11 कुंभ	15-07-2018	8 वृश्चिक	15-03-2026
4 कर्क	14-09-1998	5 सिंह	14-12-2008	12 मीन	15-03-2019	7 तुला	14-09-2026
5 सिंह	15-07-1999	4 कर्क	13-11-2009	1 मेष	14-11-2019	6 कन्या	15-03-2027
6 कन्या	15-05-2000	3 मिथुन	14-10-2010	2 वृष	14-07-2020	5 सिंह	14-09-2027
7 तुला	15-03-2001	2 वृष	14-09-2011	3 मिथुन	15-03-2021	4 कर्क	15-03-2028
8 वृश्चिक	13-01-2002	1 मेष	14-08-2012	4 कर्क	13-11-2021	3 मिथुन	13-09-2028
9 धनु	14-11-2002	12 मीन	15-07-2013	5 सिंह	15-07-2022	2 वृष	15-03-2029
10 मकर	14-09-2003	11 कुंभ	15-06-2014	6 कन्या	15-03-2023	1 मेष	13-09-2029
11 कुंभ	15-07-2004	10 मकर	15-05-2015	7 तुला	14-11-2023	12 मीन	15-03-2030
12 मीन	15-05-2005	9 धनु	14-04-2016	8 वृश्चिक	14-07-2024	11 कुंभ	14-09-2030
सिंह (7व)	३५व ०म	कन्या (5व)	४२व ०म	तुला (6व)	४७व ०म	वृश्चिक (3व)	५३व ०म
आरम्भ	15-03-2031	आरम्भ	15-03-2038	आरम्भ	15-03-2043	आरम्भ	15-03-2049
अन्त	15-03-2038	अन्त	15-03-2043	अन्त	15-03-2049	अन्त	14-03-2052
11 कुंभ	15-03-2031	12 मीन	15-03-2038	1 मेष	15-03-2043	8 वृश्चिक	15-03-2049
12 मीन	14-10-2031	11 कुंभ	14-08-2038	2 वृष	14-09-2043	7 तुला	14-06-2049
1 मेष	14-05-2032	10 मकर	13-01-2039	3 मिथुन	14-03-2044	6 कन्या	13-09-2049
2 वृष	13-12-2032	9 धनु	15-06-2039	4 कर्क	13-09-2044	5 सिंह	14-12-2049
3 मिथुन	15-07-2033	8 वृश्चिक	14-11-2039	5 सिंह	15-03-2045	4 कर्क	15-03-2050
4 कर्क	13-02-2034	7 तुला	14-04-2040	6 कन्या	13-09-2045	3 मिथुन	14-06-2050
5 सिंह	14-09-2034	6 कन्या	13-09-2040	7 तुला	15-03-2046	2 वृष	14-09-2050
6 कन्या	15-04-2035	5 सिंह	12-02-2041	8 वृश्चिक	14-09-2046	1 मेष	14-12-2050
7 तुला	14-11-2035	4 कर्क	14-07-2041	9 धनु	15-03-2047	12 मीन	15-03-2051
8 वृश्चिक	14-06-2036	3 मिथुन	14-12-2041	10 मकर	14-09-2047	11 कुंभ	14-06-2051
9 धनु	13-01-2037	2 वृष	15-05-2042	11 कुंभ	14-03-2048	10 मकर	14-09-2051
10 मकर	14-08-2037	1 मेष	14-10-2042	12 मीन	13-09-2048	9 धनु	14-12-2051
धनु (12व)	५५व ११म	मकर (2व)	६७व ११म	कुंभ (1व)	७०व ०म	मीन (9व)	७१व ०म
आरम्भ	14-03-2052	आरम्भ	14-03-2064	आरम्भ	15-03-2066	आरम्भ	15-03-2067
अन्त	14-03-2064	अन्त	15-03-2066	अन्त	15-03-2067	अन्त	14-03-2076
9 धनु	14-03-2052	10 मकर	14-03-2064	11 कुंभ	15-03-2066	12 मीन	15-03-2067
10 मकर	15-03-2053	9 धनु	14-05-2064	12 मीन	14-04-2066	11 कुंभ	14-12-2067
11 कुंभ	15-03-2054	8 वृश्चिक	14-07-2064	1 मेष	15-05-2066	10 मकर	13-09-2068
12 मीन	15-03-2055	7 तुला	13-09-2064	2 वृष	14-06-2066	9 धनु	14-06-2069
1 मेष	14-03-2056	6 कन्या	13-11-2064	3 मिथुन	15-07-2066	8 वृश्चिक	15-03-2070
2 वृष	15-03-2057	5 सिंह	13-01-2065	4 कर्क	14-08-2066	7 तुला	14-12-2070
3 मिथुन	15-03-2058	4 कर्क	15-03-2065	5 सिंह	13-09-2066	6 कन्या	14-09-2071
4 कर्क	15-03-2059	3 मिथुन	14-05-2065	6 कन्या	14-10-2066	5 सिंह	14-06-2072
5 सिंह	14-03-2060	2 वृष	14-07-2065	7 तुला	13-11-2066	4 कर्क	14-03-2073
6 कन्या	15-03-2061	1 मेष	13-09-2065	8 वृश्चिक	14-12-2066	3 मिथुन	13-12-2073
7 तुला	15-03-2062	12 मीन	13-11-2065	9 धनु	13-01-2067	2 वृष	13-09-2074
8 वृश्चिक	15-03-2063	11 कुंभ	13-01-2066	10 मकर	13-02-2067	1 मेष	14-06-2075



नवांश दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

मेष (10व)	79व 11म	वृष (11व)	90व 0म	मिथुन (8व)	100व 11म	कर्क (6व)	109व 0म
आरम्भ	14-03-2076	आरम्भ	15-03-2086	आरम्भ	14-03-2097	आरम्भ	15-03-2105
अन्त	15-03-2086	अन्त	14-03-2097	अन्त	15-03-2105	अन्त	16-03-2111
1 मेष	14-03-2076	8 वृश्चिक	15-03-2086	9 धनु	14-03-2097	10 मकर	15-03-2105
2 वृष	13-01-2077	7 तुला	12-02-2087	10 मकर	13-11-2097	9 धनु	14-09-2105
3 मिथुन	13-11-2077	6 कन्या	13-01-2088	11 कुंभ	14-07-2098	8 वृश्चिक	15-03-2106
4 कर्क	13-09-2078	5 सिंह	13-12-2088	12 मीन	15-03-2099	7 तुला	14-09-2106
5 सिंह	15-07-2079	4 कर्क	13-11-2089	1 मेष	13-11-2099	6 कन्या	16-03-2107
6 कन्या	14-05-2080	3 मिथुन	14-10-2090	2 वृष	15-07-2100	5 सिंह	14-09-2107
7 तुला	14-03-2081	2 वृष	13-09-2091	3 मिथुन	15-03-2101	4 कर्क	15-03-2108
8 वृश्चिक	13-01-2082	1 मेष	13-08-2092	4 कर्क	14-11-2101	3 मिथुन	14-09-2108
9 धनु	13-11-2082	12 मीन	14-07-2093	5 सिंह	15-07-2102	2 वृष	15-03-2109
10 मकर	14-09-2083	11 कुंभ	14-06-2094	6 कन्या	16-03-2103	1 मेष	14-09-2109
11 कुंभ	14-07-2084	10 मकर	15-05-2095	7 तुला	14-11-2103	12 मीन	15-03-2110
12 मीन	14-05-2085	9 धनु	14-04-2096	8 वृश्चिक	15-07-2104	11 कुंभ	14-09-2110
सिंह (7व)	115व 0म	कन्या (5व)	122व 0म	तुला (6व)	127व 0म	वृश्चिक (3व)	133व 0म
आरम्भ	16-03-2111	आरम्भ	15-03-2118	आरम्भ	16-03-2123	आरम्भ	15-03-2129
अन्त	15-03-2118	अन्त	16-03-2123	अन्त	15-03-2129	अन्त	15-03-2132
11 कुंभ	16-03-2111	12 मीन	15-03-2118	1 मेष	16-03-2123	8 वृश्चिक	15-03-2129
12 मीन	15-10-2111	11 कुंभ	15-08-2118	2 वृष	14-09-2123	7 तुला	14-06-2129
1 मेष	15-05-2112	10 मकर	14-01-2119	3 मिथुन	15-03-2124	6 कन्या	14-09-2129
2 वृष	14-12-2112	9 धनु	15-06-2119	4 कर्क	13-09-2124	5 सिंह	14-12-2129
3 मिथुन	15-07-2113	8 वृश्चिक	14-11-2119	5 सिंह	15-03-2125	4 कर्क	15-03-2130
4 कर्क	13-02-2114	7 तुला	14-04-2120	6 कन्या	14-09-2125	3 मिथुन	15-06-2130
5 सिंह	14-09-2114	6 कन्या	13-09-2120	7 तुला	15-03-2126	2 वृष	14-09-2130
6 कन्या	15-04-2115	5 सिंह	13-02-2121	8 वृश्चिक	14-09-2126	1 मेष	14-12-2130
7 तुला	14-11-2115	4 कर्क	15-07-2121	9 धनु	16-03-2127	12 मीन	16-03-2131
8 वृश्चिक	14-06-2116	3 मिथुन	14-12-2121	10 मकर	14-09-2127	11 कुंभ	15-06-2131
9 धनु	13-01-2117	2 वृष	15-05-2122	11 कुंभ	15-03-2128	10 मकर	14-09-2131
10 मकर	14-08-2117	1 मेष	14-10-2122	12 मीन	13-09-2128	9 धनु	14-12-2131
धनु (12व)	136व 0म	मकर (2व)	148व 0म	कुंभ (1व)	150व 0म	मीन (9व)	151व 0म
आरम्भ	15-03-2132	आरम्भ	15-03-2144	आरम्भ	15-03-2146	आरम्भ	15-03-2147
अन्त	15-03-2144	अन्त	15-03-2146	अन्त	15-03-2147	अन्त	15-03-2156
9 धनु	15-03-2132	10 मकर	15-03-2144	11 कुंभ	15-03-2146	12 मीन	15-03-2147
10 मकर	15-03-2133	9 धनु	15-05-2144	12 मीन	15-04-2146	11 कुंभ	14-12-2147
11 कुंभ	15-03-2134	8 वृश्चिक	14-07-2144	1 मेष	15-05-2146	10 मकर	13-09-2148
12 मीन	16-03-2135	7 तुला	13-09-2144	2 वृष	14-06-2146	9 धनु	14-06-2149
1 मेष	15-03-2136	6 कन्या	13-11-2144	3 मिथुन	15-07-2146	8 वृश्चिक	15-03-2150
2 वृष	15-03-2137	5 सिंह	13-01-2145	4 कर्क	14-08-2146	7 तुला	14-12-2150
3 मिथुन	15-03-2138	4 कर्क	15-03-2145	5 सिंह	14-09-2146	6 कन्या	14-09-2151
4 कर्क	15-03-2139	3 मिथुन	15-05-2145	6 कन्या	14-10-2146	5 सिंह	14-06-2152
5 सिंह	15-03-2140	2 वृष	15-07-2145	7 तुला	14-11-2146	4 कर्क	15-03-2153
6 कन्या	15-03-2141	1 मेष	14-09-2145	8 वृश्चिक	14-12-2146	3 मिथुन	14-12-2153
7 तुला	15-03-2142	12 मीन	13-11-2145	9 धनु	14-01-2147	2 वृष	14-09-2154
8 वृश्चिक	15-03-2143	11 कुंभ	13-01-2146	10 मकर	13-02-2147	1 मेष	15-06-2155



नारायण दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

मेष (10व)	०व ०म	वृष (11व)	१०व ०म	मिथुन (8व)	२१व ०म	कर्क (6व)	२९व ०म
आरम्भ	15-03-1996	आरम्भ	15-03-2006	आरम्भ	15-03-2017	आरम्भ	15-03-2025
अन्त	15-03-2006	अन्त	15-03-2017	अन्त	15-03-2025	अन्त	15-03-2031
1 मेष	15-03-1996	8 वृश्चिक	15-03-2006	9 धनु	15-03-2017	10 मकर	15-03-2025
2 वृष	13-01-1997	7 तुला	13-02-2007	10 मकर	13-11-2017	9 धनु	13-09-2025
3 मिथुन	14-11-1997	6 कन्या	14-01-2008	11 कुंभ	15-07-2018	8 वृश्चिक	15-03-2026
4 कर्क	14-09-1998	5 सिंह	14-12-2008	12 मीन	15-03-2019	7 तुला	14-09-2026
5 सिंह	15-07-1999	4 कर्क	13-11-2009	1 मेष	14-11-2019	6 कन्या	15-03-2027
6 कन्या	15-05-2000	3 मिथुन	14-10-2010	2 वृष	14-07-2020	5 सिंह	14-09-2027
7 तुला	15-03-2001	2 वृष	14-09-2011	3 मिथुन	15-03-2021	4 कर्क	15-03-2028
8 वृश्चिक	13-01-2002	1 मेष	14-08-2012	4 कर्क	13-11-2021	3 मिथुन	13-09-2028
9 धनु	14-11-2002	12 मीन	15-07-2013	5 सिंह	15-07-2022	2 वृष	15-03-2029
10 मकर	14-09-2003	11 कुंभ	15-06-2014	6 कन्या	15-03-2023	1 मेष	13-09-2029
11 कुंभ	15-07-2004	10 मकर	15-05-2015	7 तुला	14-11-2023	12 मीन	15-03-2030
12 मीन	15-05-2005	9 धनु	14-04-2016	8 वृश्चिक	14-07-2024	11 कुंभ	14-09-2030
सिंह (5व)	३५व ०म	कन्या (7व)	४०व ०म	तुला (6व)	४७व ०म	वृश्चिक (4व)	५३व ०म
आरम्भ	15-03-2031	आरम्भ	15-03-2036	आरम्भ	15-03-2043	आरम्भ	15-03-2049
अन्त	15-03-2036	अन्त	15-03-2043	अन्त	15-03-2049	अन्त	15-03-2053
11 कुंभ	15-03-2031	12 मीन	15-03-2036	1 मेष	15-03-2043	8 वृश्चिक	15-03-2049
12 मीन	15-08-2031	11 कुंभ	14-10-2036	2 वृष	14-09-2043	7 तुला	14-07-2049
1 मेष	14-01-2032	10 मकर	15-05-2037	3 मिथुन	14-03-2044	6 कन्या	13-11-2049
2 वृष	14-06-2032	9 धनु	14-12-2037	4 कर्क	13-09-2044	5 सिंह	15-03-2050
3 मिथुन	13-11-2032	8 वृश्चिक	15-07-2038	5 सिंह	15-03-2045	4 कर्क	15-07-2050
4 कर्क	14-04-2033	7 तुला	13-02-2039	6 कन्या	13-09-2045	3 मिथुन	13-11-2050
5 सिंह	13-09-2033	6 कन्या	14-09-2039	7 तुला	15-03-2046	2 वृष	15-03-2051
6 कन्या	13-02-2034	5 सिंह	14-04-2040	8 वृश्चिक	14-09-2046	1 मेष	15-07-2051
7 तुला	15-07-2034	4 कर्क	13-11-2040	9 धनु	15-03-2047	12 मीन	14-11-2051
8 वृश्चिक	14-12-2034	3 मिथुन	14-06-2041	10 मकर	14-09-2047	11 कुंभ	14-03-2052
9 धनु	15-05-2035	2 वृष	13-01-2042	11 कुंभ	14-03-2048	10 मकर	14-07-2052
10 मकर	14-10-2035	1 मेष	14-08-2042	12 मीन	13-09-2048	9 धनु	13-11-2052
धनु (12व)	५७व ०म	मकर (10व)	६९व ०म	कुंभ (11व)	७९व ०म	मीन (3व)	९०व ०म
आरम्भ	15-03-2053	आरम्भ	15-03-2065	आरम्भ	15-03-2075	आरम्भ	15-03-2086
अन्त	15-03-2065	अन्त	15-03-2075	अन्त	15-03-2086	अन्त	14-03-2089
9 धनु	15-03-2053	10 मकर	15-03-2065	11 कुंभ	15-03-2075	12 मीन	15-03-2086
10 मकर	15-03-2054	9 धनु	13-01-2066	12 मीन	13-02-2076	11 कुंभ	14-06-2086
11 कुंभ	15-03-2055	8 वृश्चिक	13-11-2066	1 मेष	13-01-2077	10 मकर	13-09-2086
12 मीन	14-03-2056	7 तुला	14-09-2067	2 वृष	13-12-2077	9 धनु	14-12-2086
1 मेष	15-03-2057	6 कन्या	14-07-2068	3 मिथुन	13-11-2078	8 वृश्चिक	15-03-2087
2 वृष	15-03-2058	5 सिंह	14-05-2069	4 कर्क	14-10-2079	7 तुला	14-06-2087
3 मिथुन	15-03-2059	4 कर्क	15-03-2070	5 सिंह	13-09-2080	6 कन्या	14-09-2087
4 कर्क	14-03-2060	3 मिथुन	13-01-2071	6 कन्या	14-08-2081	5 सिंह	14-12-2087
5 सिंह	15-03-2061	2 वृष	14-11-2071	7 तुला	14-07-2082	4 कर्क	14-03-2088
6 कन्या	15-03-2062	1 मेष	13-09-2072	8 वृश्चिक	14-06-2083	3 मिथुन	13-06-2088
7 तुला	15-03-2063	12 मीन	14-07-2073	9 धनु	14-05-2084	2 वृष	13-09-2088
8 वृश्चिक	14-03-2064	11 कुंभ	15-05-2074	10 मकर	14-04-2085	1 मेष	13-12-2088



नारायण दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

मेष (10व)	92व 11म	कर्क (6व)	95व 0म	सिंह (5व)	95व 11म	सिंह (5व)	99व 11म
आरम्भ	14-03-2089	आरम्भ	14-03-2097	आरम्भ	14-01-2103	आरम्भ	15-05-2108
अन्त	14-03-2097	अन्त	14-01-2103	अन्त	15-05-2108	अन्त	14-09-2114
1 मेष	14-03-2089	8 वृश्चिक	14-03-2097	1 मेष	14-01-2103	1 मेष	15-05-2108
2 वृष	13-01-2090	7 तुला	13-09-2097	2 वृष	15-06-2103	2 वृष	14-12-2108
3 मिथुन	13-11-2090	6 कन्या	15-03-2098	3 मिथुन	14-11-2103	12 मीन	15-03-2109
8 वृश्चिक	15-03-2091	5 सिंह	13-09-2098	4 कर्क	14-04-2104	11 कुंभ	14-10-2109
7 तुला	13-02-2092	4 कर्क	15-03-2099	5 सिंह	14-09-2104	10 मकर	15-05-2110
10 मकर	13-11-2092	3 मिथुन	13-09-2099	6 कन्या	13-02-2105	9 धनु	14-12-2110
11 कुंभ	14-07-2093	2 वृष	15-03-2100	7 तुला	15-07-2105	8 वृश्चिक	15-07-2111
12 मीन	15-03-2094	1 मेष	14-09-2100	8 वृश्चिक	14-12-2105	7 तुला	14-02-2112
1 मेष	13-11-2094	12 मीन	15-03-2101	9 धनु	15-05-2106	6 कन्या	14-09-2112
2 वृष	15-07-2095	11 कुंभ	14-09-2101	10 मकर	15-10-2106	5 सिंह	15-04-2113
10 मकर	14-03-2096	11 कुंभ	16-03-2102	11 कुंभ	16-03-2107	4 कर्क	14-11-2113
9 धनु	13-09-2096	12 मीन	15-08-2102	12 मीन	15-10-2107	1 मेष	15-03-2114
तुला (6व)	106व 0म	वृश्चिक (4व)	113व 0म	वृश्चिक (4व)	118व 0म	मीन (3व)	124व 0म
आरम्भ	14-09-2114	आरम्भ	15-07-2120	आरम्भ	13-11-2124	आरम्भ	14-06-2132
अन्त	15-07-2120	अन्त	13-11-2124	अन्त	14-06-2132	अन्त	14-12-2137
2 वृष	14-09-2114	7 तुला	15-07-2120	7 तुला	13-11-2124	7 तुला	14-06-2132
3 मिथुन	16-03-2115	6 कन्या	13-11-2120	6 कन्या	15-07-2125	6 कन्या	13-09-2132
4 कर्क	14-09-2115	5 सिंह	15-03-2121	5 सिंह	15-03-2126	5 सिंह	14-12-2132
5 सिंह	15-03-2116	4 कर्क	15-07-2121	4 कर्क	14-11-2126	4 कर्क	15-03-2133
6 कन्या	14-09-2116	3 मिथुन	14-11-2121	3 मिथुन	15-07-2127	3 मिथुन	14-06-2133
7 तुला	15-03-2117	2 वृष	15-03-2122	10 मकर	15-03-2128	2 वृष	14-09-2133
8 वृश्चिक	14-09-2117	1 मेष	15-07-2122	9 धनु	13-01-2129	1 मेष	14-12-2133
9 धनु	15-03-2118	12 मीन	14-11-2122	8 वृश्चिक	14-11-2129	12 मीन	15-03-2134
10 मकर	14-09-2118	11 कुंभ	16-03-2123	11 कुंभ	15-03-2130	11 कुंभ	14-12-2134
11 कुंभ	16-03-2119	10 मकर	15-07-2123	12 मीन	13-02-2131	10 मकर	14-09-2135
12 मीन	14-09-2119	9 धनु	14-11-2123	9 धनु	14-12-2131	9 धनु	14-06-2136
8 वृश्चिक	15-03-2120	8 वृश्चिक	15-03-2124	8 वृश्चिक	15-03-2132	8 वृश्चिक	15-03-2137
मीन (3व)	132व 0म	मेष (10व)	134व 0म	वृष (11व)	135व 0म	मिथुन (8व)	144व 0म
आरम्भ	14-12-2137	आरम्भ	14-09-2147	आरम्भ	14-06-2158	आरम्भ	15-03-2167
अन्त	14-09-2147	अन्त	14-06-2158	अन्त	15-03-2167	अन्त	13-09-2173
7 तुला	14-12-2137	10 मकर	14-09-2147	11 कुंभ	14-06-2158	6 कन्या	15-03-2167
6 कन्या	14-09-2138	11 कुंभ	14-07-2148	10 मकर	15-05-2159	7 तुला	14-11-2167
5 सिंह	15-06-2139	12 मीन	15-05-2149	9 धनु	14-04-2160	8 वृश्चिक	14-07-2168
1 मेष	15-03-2140	8 वृश्चिक	15-03-2150	9 धनु	15-03-2161	10 मकर	15-03-2169
2 वृष	13-01-2141	7 तुला	13-02-2151	10 मकर	13-11-2161	9 धनु	13-09-2169
3 मिथुन	13-11-2141	6 कन्या	14-01-2152	11 कुंभ	15-07-2162	8 वृश्चिक	15-03-2170
4 कर्क	14-09-2142	5 सिंह	14-12-2152	12 मीन	15-03-2163	7 तुला	14-09-2170
5 सिंह	15-07-2143	4 कर्क	13-11-2153	1 मेष	14-11-2163	6 कन्या	15-03-2171
6 कन्या	15-05-2144	3 मिथुन	14-10-2154	2 वृष	14-07-2164	5 सिंह	14-09-2171
7 तुला	15-03-2145	2 वृष	14-09-2155	3 मिथुन	15-03-2165	4 कर्क	14-03-2172
8 वृश्चिक	13-01-2146	1 मेष	14-08-2156	4 कर्क	13-11-2165	3 मिथुन	13-09-2172
9 धनु	14-11-2146	12 मीन	15-07-2157	5 सिंह	15-07-2166	2 वृष	15-03-2173



लग्न केन्द्रादि राशी दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

मेष (10व)	०व ०म	कर्क (6व)	१०व ०म	तुला (6व)	१६व ०म	मकर (10व)	२२व ०म
आरम्भ	15-03-1996	आरम्भ	15-03-2006	आरम्भ	15-03-2012	आरम्भ	15-03-2018
अन्त	15-03-2006	अन्त	15-03-2012	अन्त	15-03-2018	अन्त	15-03-2028
1 मेष	15-03-1996	10 मकर	15-03-2006	1 मेष	15-03-2012	10 मकर	15-03-2018
2 वृष	13-01-1997	9 धनु	14-09-2006	2 वृष	13-09-2012	9 धनु	14-01-2019
3 मिथुन	14-11-1997	8 वृश्चिक	16-03-2007	3 मिथुन	15-03-2013	8 वृश्चिक	14-11-2019
4 कर्क	14-09-1998	7 तुला	14-09-2007	4 कर्क	14-09-2013	7 तुला	13-09-2020
5 सिंह	15-07-1999	6 कन्या	15-03-2008	5 सिंह	15-03-2014	6 कन्या	15-07-2021
6 कन्या	15-05-2000	5 सिंह	13-09-2008	6 कन्या	14-09-2014	5 सिंह	15-05-2022
7 तुला	15-03-2001	4 कर्क	15-03-2009	7 तुला	15-03-2015	4 कर्क	15-03-2023
8 वृश्चिक	13-01-2002	3 मिथुन	14-09-2009	8 वृश्चिक	14-09-2015	3 मिथुन	14-01-2024
9 धनु	14-11-2002	2 वृष	15-03-2010	9 धनु	15-03-2016	2 वृष	13-11-2024
10 मकर	14-09-2003	1 मेष	14-09-2010	10 मकर	13-09-2016	1 मेष	13-09-2025
11 कुंभ	15-07-2004	12 मीन	15-03-2011	11 कुंभ	15-03-2017	12 मीन	15-07-2026
12 मीन	15-05-2005	11 कुंभ	14-09-2011	12 मीन	14-09-2017	11 कुंभ	15-05-2027
वृष (11व)	३२व ०म	सिंह (5व)	४३व ०म	वृश्चिक (4व)	४७व ११म	कुंभ (11व)	५१व ११म
आरम्भ	15-03-2028	आरम्भ	15-03-2039	आरम्भ	14-03-2044	आरम्भ	14-03-2048
अन्त	15-03-2039	अन्त	14-03-2044	अन्त	14-03-2048	अन्त	15-03-2059
8 वृश्चिक	15-03-2028	11 कुंभ	15-03-2039	8 वृश्चिक	14-03-2044	11 कुंभ	14-03-2048
7 तुला	12-02-2029	12 मीन	14-08-2039	7 तुला	14-07-2044	12 मीन	12-02-2049
6 कन्या	13-01-2030	1 मेष	14-01-2040	6 कन्या	13-11-2044	1 मेष	13-01-2050
5 सिंह	14-12-2030	2 वृष	14-06-2040	5 सिंह	15-03-2045	2 वृष	14-12-2050
4 कर्क	14-11-2031	3 मिथुन	13-11-2040	4 कर्क	14-07-2045	3 मिथुन	14-11-2051
3 मिथुन	14-10-2032	4 कर्क	14-04-2041	3 मिथुन	13-11-2045	4 कर्क	13-10-2052
2 वृष	13-09-2033	5 सिंह	13-09-2041	2 वृष	15-03-2046	5 सिंह	13-09-2053
1 मेष	14-08-2034	6 कन्या	13-02-2042	1 मेष	15-07-2046	6 कन्या	14-08-2054
12 मीन	15-07-2035	7 तुला	15-07-2042	12 मीन	13-11-2046	7 तुला	15-07-2055
11 कुंभ	14-06-2036	8 वृश्चिक	14-12-2042	11 कुंभ	15-03-2047	8 वृश्चिक	14-06-2056
10 मकर	15-05-2037	9 धनु	15-05-2043	10 मकर	15-07-2047	9 धनु	14-05-2057
9 धनु	14-04-2038	10 मकर	14-10-2043	9 धनु	14-11-2047	10 मकर	14-04-2058
मिथुन (8व)	६३व ०म	कन्या (7व)	७१व ०म	धनु (12व)	७८व ०म	मीन (3व)	९०व ०म
आरम्भ	15-03-2059	आरम्भ	15-03-2067	आरम्भ	15-03-2074	आरम्भ	15-03-2086
अन्त	15-03-2067	अन्त	15-03-2074	अन्त	15-03-2086	अन्त	14-03-2089
9 धनु	15-03-2059	12 मीन	15-03-2067	9 धनु	15-03-2074	12 मीन	15-03-2086
10 मकर	14-11-2059	11 कुंभ	14-10-2067	10 मकर	15-03-2075	11 कुंभ	14-06-2086
11 कुंभ	14-07-2060	10 मकर	14-05-2068	11 कुंभ	14-03-2076	10 मकर	13-09-2086
12 मीन	15-03-2061	9 धनु	13-12-2068	12 मीन	14-03-2077	9 धनु	14-12-2086
1 मेष	13-11-2061	8 वृश्चिक	14-07-2069	1 मेष	15-03-2078	8 वृश्चिक	15-03-2087
2 वृष	15-07-2062	7 तुला	12-02-2070	2 वृष	15-03-2079	7 तुला	14-06-2087
3 मिथुन	15-03-2063	6 कन्या	13-09-2070	3 मिथुन	14-03-2080	6 कन्या	14-09-2087
4 कर्क	14-11-2063	5 सिंह	14-04-2071	4 कर्क	14-03-2081	5 सिंह	14-12-2087
5 सिंह	14-07-2064	4 कर्क	14-11-2071	5 सिंह	15-03-2082	4 कर्क	14-03-2088
6 कन्या	15-03-2065	3 मिथुन	14-06-2072	6 कन्या	15-03-2083	3 मिथुन	13-06-2088
7 तुला	13-11-2065	2 वृष	13-01-2073	7 तुला	14-03-2084	2 वृष	13-09-2088
8 वृश्चिक	15-07-2066	1 मेष	14-08-2073	8 वृश्चिक	14-03-2085	1 मेष	13-12-2088



लग्न केन्द्रादि राशी दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

कर्क (6व)	92व 11म	तुला (6व)	99व 0म	मकर (10व)	105व 0म	सिंह (5व)	107व 0म
आरम्भ	14-03-2089	आरम्भ	15-03-2095	आरम्भ	15-03-2101	आरम्भ	14-02-2108
अन्त	15-03-2095	अन्त	15-03-2101	अन्त	14-02-2108	अन्त	15-07-2113
10 मकर	14-03-2089	1 मेष	15-03-2095	10 मकर	15-03-2101	6 कन्या	14-02-2108
9 धनु	13-09-2089	2 वृष्ट	13-09-2095	9 धनु	14-01-2102	7 तुला	15-07-2108
8 वृश्चिक	15-03-2090	3 मिथुन	14-03-2096	8 वृश्चिक	14-11-2102	8 वृश्चिक	14-12-2108
7 तुला	13-09-2090	4 कक	13-09-2096	1 मेष	16-03-2103	9 धनु	15-05-2109
6 कन्या	15-03-2091	5 सिंह	14-03-2097	2 वृष्ट	14-01-2104	10 मकर	14-10-2109
5 सिंह	13-09-2091	6 कन्या	13-09-2097	3 मिथुन	13-11-2104	11 कुंभ	15-03-2110
4 कर्क	14-03-2092	7 तुला	15-03-2098	12 मीन	14-08-2105	12 मीन	15-10-2110
3 मिथुन	13-09-2092	8 वृश्चिक	13-09-2098	1 मेष	14-01-2106	1 मेष	16-05-2111
2 वृष्ट	14-03-2093	9 धनु	15-03-2099	2 वृष्ट	15-06-2106	2 वृष्ट	15-12-2111
1 मेष	13-09-2093	10 मकर	13-09-2099	3 मिथुन	14-11-2106	7 तुला	15-07-2112
12 मीन	15-03-2094	11 कुंभ	15-03-2100	4 कर्क	15-04-2107	6 कन्या	13-11-2112
11 कुंभ	13-09-2094	12 मीन	14-09-2100	5 सिंह	14-09-2107	5 सिंह	15-03-2113
वृश्चिक (4व)	109व 0म	वृश्चिक (4व)	116व 0म	कन्या (7व)	124व 0म	मीन (3व)	125व 0म
आरम्भ	15-07-2113	आरम्भ	14-11-2118	आरम्भ	15-04-2126	आरम्भ	14-12-2129
अन्त	14-11-2118	अन्त	15-04-2126	अन्त	14-12-2129	अन्त	15-03-2138
4 कर्क	15-07-2113	4 कर्क	14-11-2118	5 सिंह	15-04-2126	1 मेष	14-12-2129
3 मिथुन	14-11-2113	3 मिथुन	15-07-2119	4 कर्क	14-11-2126	12 मीन	15-03-2130
2 वृष्ट	15-03-2114	11 कुंभ	15-03-2120	11 कुंभ	15-06-2127	11 कुंभ	14-12-2130
1 मेष	15-07-2114	12 मीन	13-02-2121	10 मकर	14-09-2127	10 मकर	14-09-2131
12 मीन	14-11-2114	8 वृश्चिक	15-03-2121	9 धनु	15-12-2127	9 धनु	14-06-2132
11 कुंभ	16-03-2115	7 तुला	13-02-2122	8 वृश्चिक	15-03-2128	8 वृश्चिक	15-03-2133
10 मकर	15-07-2115	11 कुंभ	14-10-2122	7 तुला	14-06-2128	7 तुला	14-12-2133
9 धनु	14-11-2115	10 मकर	15-05-2123	6 कन्या	13-09-2128	6 कन्या	14-09-2134
8 वृश्चिक	15-03-2116	9 धनु	15-12-2123	5 सिंह	14-12-2128	5 सिंह	15-06-2135
7 तुला	13-11-2116	8 वृश्चिक	15-07-2124	4 कर्क	15-03-2129	9 धनु	15-03-2136
6 कन्या	15-07-2117	7 तुला	13-02-2125	3 मिथुन	14-06-2129	10 मकर	13-11-2136
5 सिंह	15-03-2118	6 कन्या	14-09-2125	2 वृष्ट	14-09-2129	11 कुंभ	15-07-2137
मिथुन (8व)	126व 0म	तुला (6व)	131व 0म	मकर (10व)	140व 0म	मेष (10व)	144व 0म
आरम्भ	15-03-2138	आरम्भ	13-09-2144	आरम्भ	13-09-2153	आरम्भ	14-09-2163
अन्त	13-09-2144	अन्त	13-09-2153	अन्त	14-09-2163	अन्त	14-09-2170
12 मीन	15-03-2138	10 मकर	13-09-2144	1 मेष	13-09-2153	10 मकर	14-09-2163
1 मेष	14-11-2138	11 कुंभ	15-03-2145	12 मीन	15-07-2154	11 कुंभ	14-07-2164
2 वृष्ट	15-07-2139	12 मीन	14-09-2145	11 कुंभ	15-05-2155	12 मीन	15-05-2165
1 मेष	15-03-2140	10 मकर	15-03-2146	1 मेष	15-03-2156	10 मकर	15-03-2166
2 वृष्ट	13-09-2140	9 धनु	14-01-2147	2 वृष्ट	13-01-2157	9 धनु	14-09-2166
3 मिथुन	15-03-2141	8 वृश्चिक	14-11-2147	3 मिथुन	13-11-2157	8 वृश्चिक	15-03-2167
4 कर्क	14-09-2141	7 तुला	13-09-2148	4 कर्क	14-09-2158	7 तुला	14-09-2167
5 सिंह	15-03-2142	6 कन्या	15-07-2149	5 सिंह	15-07-2159	6 कन्या	15-03-2168
6 कन्या	14-09-2142	5 सिंह	15-05-2150	6 कन्या	14-05-2160	5 सिंह	13-09-2168
7 तुला	15-03-2143	4 कर्क	15-03-2151	7 तुला	15-03-2161	4 कर्क	15-03-2169
8 वृश्चिक	14-09-2143	3 मिथुन	14-01-2152	8 वृश्चिक	13-01-2162	3 मिथुन	13-09-2169
9 धनु	15-03-2144	2 वृष्ट	13-11-2152	9 धनु	14-11-2162	2 वृष्ट	15-03-2170



शूल दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

मेष (9व)	०व ०म	वृष (9व)	९व ०म	मिथुन (9व)	१८व ०म	कर्क (9व)	२७व ०म
आरम्भ	15-03-1996	आरम्भ	15-03-2005	आरम्भ	15-03-2014	आरम्भ	15-03-2023
अन्त	15-03-2005	अन्त	15-03-2014	अन्त	15-03-2023	अन्त	15-03-2032
1 मेष	15-03-1996	2 वृष	15-03-2005	3 मिथुन	15-03-2014	4 कर्क	15-03-2023
2 वृष	14-12-1996	1 मेष	14-12-2005	4 कर्क	14-12-2014	3 मिथुन	14-12-2023
3 मिथुन	14-09-1997	12 मीन	14-09-2006	5 सिंह	14-09-2015	2 वृष	13-09-2024
4 कर्क	15-06-1998	11 कुंभ	15-06-2007	6 कन्या	14-06-2016	1 मेष	14-06-2025
5 सिंह	16-03-1999	10 मकर	15-03-2008	7 तुला	15-03-2017	12 मीन	15-03-2026
6 कन्या	15-12-1999	9 धनु	14-12-2008	8 वृश्चिक	14-12-2017	11 कुंभ	14-12-2026
7 तुला	13-09-2000	8 वृश्चिक	14-09-2009	9 धनु	14-09-2018	10 मकर	14-09-2027
8 वृश्चिक	14-06-2001	7 तुला	15-06-2010	10 मकर	15-06-2019	9 धनु	14-06-2028
9 धनु	15-03-2002	6 कन्या	15-03-2011	11 कुंभ	15-03-2020	8 वृश्चिक	15-03-2029
10 मकर	14-12-2002	5 सिंह	14-12-2011	12 मीन	14-12-2020	7 तुला	14-12-2029
11 कुंभ	14-09-2003	4 कर्क	13-09-2012	1 मेष	14-09-2021	6 कन्या	14-09-2030
12 मीन	14-06-2004	3 मिथुन	14-06-2013	2 वृष	14-06-2022	5 सिंह	15-06-2031
सिंह (9व)	३६व ०म	कन्या (9व)	४५व ०म	तुला (9व)	५४व ०म	वृश्चिक (9व)	६३व ०म
आरम्भ	15-03-2032	आरम्भ	15-03-2041	आरम्भ	15-03-2050	आरम्भ	15-03-2059
अन्त	15-03-2041	अन्त	15-03-2050	अन्त	15-03-2059	अन्त	14-03-2068
5 सिंह	15-03-2032	6 कन्या	15-03-2041	7 तुला	15-03-2050	8 वृश्चिक	15-03-2059
6 कन्या	13-12-2032	5 सिंह	14-12-2041	8 वृश्चिक	14-12-2050	7 तुला	14-12-2059
7 तुला	13-09-2033	4 कर्क	14-09-2042	9 धनु	14-09-2051	6 कन्या	13-09-2060
8 वृश्चिक	14-06-2034	3 मिथुन	15-06-2043	10 मकर	14-06-2052	5 सिंह	14-06-2061
9 धनु	15-03-2035	2 वृष	14-03-2044	11 कुंभ	15-03-2053	4 कर्क	15-03-2062
10 मकर	14-12-2035	1 मेष	13-12-2044	12 मीन	14-12-2053	3 मिथुन	14-12-2062
11 कुंभ	13-09-2036	12 मीन	13-09-2045	1 मेष	14-09-2054	2 वृष	14-09-2063
12 मीन	14-06-2037	11 कुंभ	14-06-2046	2 वृष	14-06-2055	1 मेष	14-06-2064
1 मेष	15-03-2038	10 मकर	15-03-2047	3 मिथुन	14-03-2056	12 मीन	15-03-2065
2 वृष	14-12-2038	9 धनु	14-12-2047	4 कर्क	13-12-2056	11 कुंभ	13-12-2065
3 मिथुन	14-09-2039	8 वृश्चिक	13-09-2048	5 सिंह	13-09-2057	10 मकर	13-09-2066
4 कर्क	14-06-2040	7 तुला	14-06-2049	6 कन्या	14-06-2058	9 धनु	14-06-2067
धनु (9व)	७१व ११म	मकर (9व)	८०व ११म	कुंभ (9व)	९०व ०म	मीन (9व)	९९व ०म
आरम्भ	14-03-2068	आरम्भ	14-03-2077	आरम्भ	15-03-2086	आरम्भ	15-03-2095
अन्त	14-03-2077	अन्त	15-03-2086	अन्त	15-03-2095	अन्त	15-03-2104
9 धनु	14-03-2068	10 मकर	14-03-2077	11 कुंभ	15-03-2086	12 मीन	15-03-2095
10 मकर	13-12-2068	9 धनु	13-12-2077	12 मीन	14-12-2086	11 कुंभ	14-12-2095
11 कुंभ	13-09-2069	8 वृश्चिक	13-09-2078	1 मेष	14-09-2087	10 मकर	13-09-2096
12 मीन	14-06-2070	7 तुला	14-06-2079	2 वृष	13-06-2088	9 धनु	14-06-2097
1 मेष	15-03-2071	6 कन्या	14-03-2080	3 मिथुन	14-03-2089	8 वृश्चिक	15-03-2098
2 वृष	14-12-2071	5 सिंह	13-12-2080	4 कर्क	13-12-2089	7 तुला	13-12-2098
3 मिथुन	13-09-2072	4 कर्क	13-09-2081	5 सिंह	13-09-2090	6 कन्या	13-09-2099
4 कर्क	14-06-2073	3 मिथुन	14-06-2082	6 कन्या	14-06-2091	5 सिंह	14-06-2100
5 सिंह	15-03-2074	2 वृष	15-03-2083	7 तुला	14-03-2092	4 कर्क	15-03-2101
6 कन्या	14-12-2074	1 मेष	14-12-2083	8 वृश्चिक	13-12-2092	3 मिथुन	14-12-2101
7 तुला	14-09-2075	12 मीन	13-09-2084	9 धनु	13-09-2093	2 वृष	14-09-2102
8 वृश्चिक	14-06-2076	11 कुंभ	14-06-2085	10 मकर	14-06-2094	1 मेष	15-06-2103



त्रिभागी महा व अन्तर दशाएं

भोग दशा : सूर्य २व १म १४दि
 जन्मकालीन दशा : सू-ल-ल-ल-ल

सूर्य (४व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य		
चन्द्र		
मंगल		
राहु		
गुरु	15-03-1996	23-03-1996
शनि	23-03-1996	10-11-1996
बुध	10-11-1996	05-06-1997
केतु	05-06-1997	29-08-1997
शुक्र	29-08-1997	29-04-1998

चन्द्र (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	29-04-1998	18-11-1998
मंगल	18-11-1998	09-04-1999
राहु	09-04-1999	09-04-2000
गुरु	09-04-2000	27-02-2001
शनि	27-02-2001	20-03-2002
बुध	20-03-2002	28-02-2003
केतु	28-02-2003	20-07-2003
शुक्र	20-07-2003	29-08-2004
सूर्य	29-08-2004	28-12-2004

मंगल (४व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	28-12-2004	07-04-2005
राहु	07-04-2005	18-12-2005
गुरु	18-12-2005	03-08-2006
शनि	03-08-2006	29-04-2007
बुध	29-04-2007	27-12-2007
केतु	27-12-2007	04-04-2008
शुक्र	04-04-2008	13-01-2009
सूर्य	13-01-2009	09-04-2009
चन्द्र	09-04-2009	29-08-2009

राहु (१२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	29-08-2009	17-06-2011
गुरु	17-06-2011	22-01-2013
शनि	22-01-2013	17-12-2014
बुध	17-12-2014	28-08-2016
केतु	28-08-2016	11-05-2017
शुक्र	11-05-2017	12-05-2019
सूर्य	12-05-2019	17-12-2019
चन्द्र	17-12-2019	16-12-2020
मंगल	16-12-2020	29-08-2021

गुरु (१०व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	29-08-2021	30-01-2023
शनि	30-01-2023	08-10-2024
बुध	08-10-2024	13-04-2026
केतु	13-04-2026	26-11-2026
शुक्र	26-11-2026	05-09-2028
सूर्य	05-09-2028	19-03-2029
चन्द्र	19-03-2029	07-02-2030
मंगल	07-02-2030	22-09-2030
राहु	22-09-2030	29-04-2032

शनि (१२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	29-04-2032	01-05-2034
बुध	01-05-2034	15-02-2036
केतु	15-02-2036	11-11-2036
शुक्र	11-11-2036	22-12-2038
सूर्य	22-12-2038	11-08-2039
चन्द्र	11-08-2039	30-08-2040
मंगल	30-08-2040	27-05-2041
राहु	27-05-2041	21-04-2043
गुरु	21-04-2043	28-12-2044

बुध (११व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	28-12-2044	06-08-2046
केतु	06-08-2046	05-04-2047
शुक्र	05-04-2047	23-02-2049
सूर्य	23-02-2049	18-09-2049
चन्द्र	18-09-2049	29-08-2050
मंगल	29-08-2050	27-04-2051
राहु	27-04-2051	07-01-2053
गुरु	07-01-2053	13-07-2054
शनि	13-07-2054	28-04-2056

केतु (४व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	28-04-2056	06-08-2056
शुक्र	06-08-2056	17-05-2057
सूर्य	17-05-2057	10-08-2057
चन्द्र	10-08-2057	30-12-2057
मंगल	30-12-2057	09-04-2058
राहु	09-04-2058	20-12-2058
गुरु	20-12-2058	04-08-2059
शनि	04-08-2059	30-04-2060
बुध	30-04-2060	28-12-2060

शुक्र (१३व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	28-12-2060	19-03-2063
सूर्य	19-03-2063	18-11-2063
चन्द्र	18-11-2063	28-12-2064
मंगल	28-12-2064	08-10-2065
राहु	08-10-2065	08-10-2067
गुरु	08-10-2067	19-07-2069
शनि	19-07-2069	29-08-2071
बुध	29-08-2071	19-07-2073
केतु	19-07-2073	29-04-2074



त्रिभागी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : सूर्य 2व 1म 14दि

जन्मकालीन दशा : सू-ल-ल-ल-ल

सूर्य (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	29-04-2074	11-07-2074
चन्द्र	11-07-2074	10-11-2074
मंगल	10-11-2074	03-02-2075
राहु	03-02-2075	10-09-2075
गुरु	10-09-2075	23-03-2076
शनि	23-03-2076	09-11-2076
बुध	09-11-2076	04-06-2077
केतु	04-06-2077	28-08-2077
शुक्र	28-08-2077	29-04-2078

चन्द्र (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	29-04-2078	18-11-2078
मंगल	18-11-2078	09-04-2079
राहु	09-04-2079	08-04-2080
गुरु	08-04-2080	27-02-2081
शनि	27-02-2081	19-03-2082
बुध	19-03-2082	27-02-2083
केतु	27-02-2083	19-07-2083
शुक्र	19-07-2083	28-08-2084
सूर्य	28-08-2084	28-12-2084

मंगल (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	28-12-2084	06-04-2085
राहु	06-04-2085	18-12-2085
गुरु	18-12-2085	02-08-2086
शनि	02-08-2086	29-04-2087
बुध	29-04-2087	26-12-2087
केतु	26-12-2087	04-04-2088
शुक्र	04-04-2088	13-01-2089
सूर्य	13-01-2089	08-04-2089
चन्द्र	08-04-2089	28-08-2089

राहु (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	28-08-2089	17-06-2091
गुरु	17-06-2091	21-01-2093
शनि	21-01-2093	16-12-2094
बुध	16-12-2094	28-08-2096
केतु	28-08-2096	10-05-2097
शुक्र	10-05-2097	11-05-2099
सूर्य	11-05-2099	16-12-2099
चन्द्र	16-12-2099	16-12-2100
मंगल	16-12-2100	29-08-2101

गुरु (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	29-08-2101	30-01-2103
शनि	30-01-2103	08-10-2104
बुध	08-10-2104	13-04-2106
केतु	13-04-2106	26-11-2106
शुक्र	26-11-2106	06-09-2108
सूर्य	06-09-2108	20-03-2109
चन्द्र	20-03-2109	07-02-2110
मंगल	07-02-2110	23-09-2110
राहु	23-09-2110	29-04-2112

शनि (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	29-04-2112	01-05-2114
बुध	01-05-2114	16-02-2116
केतु	16-02-2116	12-11-2116
शुक्र	12-11-2116	23-12-2118
सूर्य	23-12-2118	11-08-2119
चन्द्र	11-08-2119	31-08-2120
मंगल	31-08-2120	28-05-2121
राहु	28-05-2121	21-04-2123
गुरु	21-04-2123	28-12-2124

बुध (11व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	28-12-2124	07-08-2126
केतु	07-08-2126	05-04-2127
शुक्र	05-04-2127	23-02-2129
सूर्य	23-02-2129	18-09-2129
चन्द्र	18-09-2129	29-08-2130
मंगल	29-08-2130	27-04-2131
राहु	27-04-2131	07-01-2133
गुरु	07-01-2133	13-07-2134
शनि	13-07-2134	29-04-2136

केतु (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	29-04-2136	06-08-2136
शुक्र	06-08-2136	17-05-2137
सूर्य	17-05-2137	10-08-2137
चन्द्र	10-08-2137	30-12-2137
मंगल	30-12-2137	09-04-2138
राहु	09-04-2138	21-12-2138
गुरु	21-12-2138	05-08-2139
शनि	05-08-2139	01-05-2140
बुध	01-05-2140	28-12-2140

शुक्र (13व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	28-12-2140	20-03-2143
सूर्य	20-03-2143	18-11-2143
चन्द्र	18-11-2143	28-12-2144
मंगल	28-12-2144	08-10-2145
राहु	08-10-2145	09-10-2147
गुरु	09-10-2147	19-07-2149
शनि	19-07-2149	29-08-2151
बुध	29-08-2151	19-07-2153
केतु	19-07-2153	29-04-2154



त्रिभागी 40 महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : सूर्य १व ०म २२दि

जन्मकालीन दशा : सू-ल-ल-ल-ल

सूर्य (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य		
चन्द्र		
मंगल		
राहु		
गुरु	15-03-1996	19-03-1996
शनि	19-03-1996	13-07-1996
बुध	13-07-1996	24-10-1996
केतु	24-10-1996	06-12-1996
शुक्र	06-12-1996	07-04-1997

चन्द्र (३व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	07-04-1997	17-07-1997
मंगल	17-07-1997	26-09-1997
राहु	26-09-1997	28-03-1998
गुरु	28-03-1998	06-09-1998
शनि	06-09-1998	18-03-1999
बुध	18-03-1999	06-09-1999
केतु	06-09-1999	16-11-1999
शुक्र	16-11-1999	06-06-2000
सूर्य	06-06-2000	06-08-2000

मंगल (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	06-08-2000	25-09-2000
राहु	25-09-2000	31-01-2001
गुरु	31-01-2001	24-05-2001
शनि	24-05-2001	06-10-2001
बुध	06-10-2001	04-02-2002
केतु	04-02-2002	26-03-2002
शुक्र	26-03-2002	15-08-2002
सूर्य	15-08-2002	26-09-2002
चन्द्र	26-09-2002	06-12-2002

राहु (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	06-12-2002	31-10-2003
गुरु	31-10-2003	18-08-2004
शनि	18-08-2004	31-07-2005
बुध	31-07-2005	07-06-2006
केतु	07-06-2006	12-10-2006
शुक्र	12-10-2006	13-10-2007
सूर्य	13-10-2007	30-01-2008
चन्द्र	30-01-2008	31-07-2008
मंगल	31-07-2008	06-12-2008

गुरु (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	06-12-2008	22-08-2009
शनि	22-08-2009	27-06-2010
बुध	27-06-2010	30-03-2011
केतु	30-03-2011	21-07-2011
शुक्र	21-07-2011	10-06-2012
सूर्य	10-06-2012	16-09-2012
चन्द्र	16-09-2012	25-02-2013
मंगल	25-02-2013	19-06-2013
राहु	19-06-2013	07-04-2014

शनि (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	07-04-2014	08-04-2015
बुध	08-04-2015	01-03-2016
केतु	01-03-2016	14-07-2016
शुक्र	14-07-2016	03-08-2017
सूर्य	03-08-2017	27-11-2017
चन्द्र	27-11-2017	08-06-2018
मंगल	08-06-2018	20-10-2018
राहु	20-10-2018	02-10-2019
गुरु	02-10-2019	06-08-2020

बुध (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	06-08-2020	26-05-2021
केतु	26-05-2021	24-09-2021
शुक्र	24-09-2021	04-09-2022
सूर्य	04-09-2022	16-12-2022
चन्द्र	16-12-2022	07-06-2023
मंगल	07-06-2023	05-10-2023
राहु	05-10-2023	11-08-2024
गुरु	11-08-2024	14-05-2025
शनि	14-05-2025	07-04-2026

केतु (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	07-04-2026	26-05-2026
शुक्र	26-05-2026	15-10-2026
सूर्य	15-10-2026	27-11-2026
चन्द्र	27-11-2026	06-02-2027
मंगल	06-02-2027	28-03-2027
राहु	28-03-2027	03-08-2027
गुरु	03-08-2027	24-11-2027
शनि	24-11-2027	07-04-2028
बुध	07-04-2028	06-08-2028

शुक्र (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	06-08-2028	16-09-2029
सूर्य	16-09-2029	15-01-2030
चन्द्र	15-01-2030	06-08-2030
मंगल	06-08-2030	26-12-2030
राहु	26-12-2030	27-12-2031
गुरु	27-12-2031	15-11-2032
शनि	15-11-2032	06-12-2033
बुध	06-12-2033	16-11-2034
केतु	16-11-2034	07-04-2035



त्रिभागी 40 महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : सूर्य 1व 0म 22दि
 जन्मकालीन दशा : सू-ल-ल-ल-ल

सूर्य (2व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	07-04-2035	13-05-2035
चन्द्र	13-05-2035	13-07-2035
मंगल	13-07-2035	25-08-2035
राहु	25-08-2035	12-12-2035
गुरु	12-12-2035	19-03-2036
शनि	19-03-2036	12-07-2036
बुध	12-07-2036	24-10-2036
केतु	24-10-2036	06-12-2036
शुक्र	06-12-2036	06-04-2037

चन्द्र (3व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	06-04-2037	17-07-2037
मंगल	17-07-2037	26-09-2037
राहु	26-09-2037	27-03-2038
गुरु	27-03-2038	06-09-2038
शनि	06-09-2038	17-03-2039
बुध	17-03-2039	06-09-2039
केतु	06-09-2039	16-11-2039
शुक्र	16-11-2039	06-06-2040
सूर्य	06-06-2040	06-08-2040

मंगल (2व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	06-08-2040	24-09-2040
राहु	24-09-2040	30-01-2041
गुरु	30-01-2041	24-05-2041
शनि	24-05-2041	06-10-2041
बुध	06-10-2041	04-02-2042
केतु	04-02-2042	25-03-2042
शुक्र	25-03-2042	14-08-2042
सूर्य	14-08-2042	26-09-2042
चन्द्र	26-09-2042	06-12-2042

राहु (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	06-12-2042	31-10-2043
गुरु	31-10-2043	18-08-2044
शनि	18-08-2044	31-07-2045
बुध	31-07-2045	06-06-2046
केतु	06-06-2046	12-10-2046
शुक्र	12-10-2046	12-10-2047
सूर्य	12-10-2047	30-01-2048
चन्द्र	30-01-2048	31-07-2048
मंगल	31-07-2048	05-12-2048

गुरु (5व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	05-12-2048	22-08-2049
शनि	22-08-2049	27-06-2050
बुध	27-06-2050	30-03-2051
केतु	30-03-2051	21-07-2051
शुक्र	21-07-2051	10-06-2052
सूर्य	10-06-2052	15-09-2052
चन्द्र	15-09-2052	25-02-2053
मंगल	25-02-2053	18-06-2053
राहु	18-06-2053	06-04-2054

शनि (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	06-04-2054	08-04-2055
बुध	08-04-2055	29-02-2056
केतु	29-02-2056	13-07-2056
शुक्र	13-07-2056	03-08-2057
सूर्य	03-08-2057	26-11-2057
चन्द्र	26-11-2057	07-06-2058
मंगल	07-06-2058	20-10-2058
राहु	20-10-2058	02-10-2059
गुरु	02-10-2059	06-08-2060

बुध (5व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	06-08-2060	26-05-2061
केतु	26-05-2061	24-09-2061
शुक्र	24-09-2061	03-09-2062
सूर्य	03-09-2062	16-12-2062
चन्द्र	16-12-2062	06-06-2063
मंगल	06-06-2063	05-10-2063
राहु	05-10-2063	11-08-2064
गुरु	11-08-2064	14-05-2065
शनि	14-05-2065	06-04-2066

केतु (2व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	06-04-2066	26-05-2066
शुक्र	26-05-2066	15-10-2066
सूर्य	15-10-2066	27-11-2066
चन्द्र	27-11-2066	06-02-2067
मंगल	06-02-2067	27-03-2067
राहु	27-03-2067	02-08-2067
गुरु	02-08-2067	24-11-2067
शनि	24-11-2067	07-04-2068
बुध	07-04-2068	06-08-2068

शुक्र (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	06-08-2068	15-09-2069
सूर्य	15-09-2069	15-01-2070
चन्द्र	15-01-2070	06-08-2070
मंगल	06-08-2070	26-12-2070
राहु	26-12-2070	26-12-2071
गुरु	26-12-2071	15-11-2072
शनि	15-11-2072	05-12-2073
बुध	05-12-2073	15-11-2074
केतु	15-11-2074	06-04-2075



त्रिभागी 40 महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : सूर्य 1व 0म 22दि
 जन्मकालीन दशा : सू-ल-ल-ल-ल

सूर्य (2व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	06-04-2075	13-05-2075
चन्द्र	13-05-2075	13-07-2075
मंगल	13-07-2075	24-08-2075
राहु	24-08-2075	12-12-2075
गुरु	12-12-2075	18-03-2076
शनि	18-03-2076	12-07-2076
बुध	12-07-2076	24-10-2076
केतु	24-10-2076	05-12-2076
शुक्र	05-12-2076	06-04-2077

चन्द्र (3व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	06-04-2077	16-07-2077
मंगल	16-07-2077	25-09-2077
राहु	25-09-2077	27-03-2078
गुरु	27-03-2078	05-09-2078
शनि	05-09-2078	17-03-2079
बुध	17-03-2079	06-09-2079
केतु	06-09-2079	16-11-2079
शुक्र	16-11-2079	06-06-2080
सूर्य	06-06-2080	05-08-2080

मंगल (2व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	05-08-2080	24-09-2080
राहु	24-09-2080	30-01-2081
गुरु	30-01-2081	24-05-2081
शनि	24-05-2081	06-10-2081
बुध	06-10-2081	03-02-2082
केतु	03-02-2082	25-03-2082
शुक्र	25-03-2082	14-08-2082
सूर्य	14-08-2082	26-09-2082
चन्द्र	26-09-2082	06-12-2082

राहु (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	06-12-2082	30-10-2083
गुरु	30-10-2083	18-08-2084
शनि	18-08-2084	31-07-2085
बुध	31-07-2085	06-06-2086
केतु	06-06-2086	12-10-2086
शुक्र	12-10-2086	12-10-2087
सूर्य	12-10-2087	30-01-2088
चन्द्र	30-01-2088	30-07-2088
मंगल	30-07-2088	05-12-2088

गुरु (5व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	05-12-2088	22-08-2089
शनि	22-08-2089	26-06-2090
बुध	26-06-2090	29-03-2091
केतु	29-03-2091	21-07-2091
शुक्र	21-07-2091	10-06-2092
सूर्य	10-06-2092	15-09-2092
चन्द्र	15-09-2092	24-02-2093
मंगल	24-02-2093	18-06-2093
राहु	18-06-2093	06-04-2094

शनि (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	06-04-2094	07-04-2095
बुध	07-04-2095	29-02-2096
केतु	29-02-2096	13-07-2096
शुक्र	13-07-2096	03-08-2097
सूर्य	03-08-2097	26-11-2097
चन्द्र	26-11-2097	07-06-2098
मंगल	07-06-2098	20-10-2098
राहु	20-10-2098	02-10-2099
गुरु	02-10-2099	06-08-2100

बुध (5व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	06-08-2100	26-05-2101
केतु	26-05-2101	24-09-2101
शुक्र	24-09-2101	04-09-2102
सूर्य	04-09-2102	17-12-2102
चन्द्र	17-12-2102	07-06-2103
मंगल	07-06-2103	06-10-2103
राहु	06-10-2103	11-08-2104
गुरु	11-08-2104	14-05-2105
शनि	14-05-2105	07-04-2106

केतु (2व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	07-04-2106	27-05-2106
शुक्र	27-05-2106	16-10-2106
सूर्य	16-10-2106	27-11-2106
चन्द्र	27-11-2106	06-02-2107
मंगल	06-02-2107	28-03-2107
राहु	28-03-2107	03-08-2107
गुरु	03-08-2107	25-11-2107
शनि	25-11-2107	07-04-2108
बुध	07-04-2108	06-08-2108

शुक्र (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	06-08-2108	16-09-2109
सूर्य	16-09-2109	16-01-2110
चन्द्र	16-01-2110	07-08-2110
मंगल	07-08-2110	27-12-2110
राहु	27-12-2110	27-12-2111
गुरु	27-12-2111	16-11-2112
शनि	16-11-2112	06-12-2113
बुध	06-12-2113	16-11-2114
केतु	16-11-2114	07-04-2115



षोडशोत्तरी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : चन्द्र ८व ५म २६दि
 जन्मकालीन दशा : चं-ल-ल-ल-ल

चन्द्र (16व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र		
बुध		
शुक्र		
सूर्य 15-03-1996	31-03-1997	
मंगल 31-03-1997	26-11-1998	
गुरु 26-11-1998	11-09-2000	
शनि 11-09-2000	17-08-2002	
केतु 17-08-2002	11-09-2004	

बुध (17व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध 11-09-2004	10-03-2007	
शुक्र 10-03-2007	28-10-2009	
सूर्य 28-10-2009	09-06-2011	
मंगल 09-06-2011	12-03-2013	
गुरु 12-03-2013	06-02-2015	
शनि 06-02-2015	24-02-2017	
केतु 24-02-2017	08-05-2019	
चन्द्र 08-05-2019	11-09-2021	

शुक्र (18व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र 11-09-2021	27-06-2024	
सूर्य 27-06-2024	12-03-2026	
मंगल 12-03-2026	22-01-2028	
गुरु 22-01-2028	27-01-2030	
शनि 27-01-2030	31-03-2032	
केतु 31-03-2032	29-07-2034	
चन्द्र 29-07-2034	21-01-2037	
बुध 21-01-2037	11-09-2039	

सूर्य (11व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य 11-09-2039	26-09-2040	
मंगल 26-09-2040	16-11-2041	
गुरु 16-11-2041	09-02-2043	
शनि 09-02-2043	08-06-2044	
केतु 08-06-2044	09-11-2045	
चन्द्र 09-11-2045	18-05-2047	
बुध 18-05-2047	26-12-2048	
शुक्र 26-12-2048	11-09-2050	

मंगल (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल 11-09-2050	08-12-2051	
गुरु 08-12-2051	12-04-2053	
शनि 12-04-2053	23-09-2054	
केतु 23-09-2054	12-04-2056	
चन्द्र 12-04-2056	08-12-2057	
बुध 08-12-2057	11-09-2059	
शुक्र 11-09-2059	22-07-2061	
सूर्य 22-07-2061	11-09-2062	

गुरु (13व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु 11-09-2062	25-02-2064	
शनि 25-02-2064	20-09-2065	
केतु 20-09-2065	27-05-2067	
चन्द्र 27-05-2067	12-03-2069	
बुध 12-03-2069	06-02-2071	
शुक्र 06-02-2071	11-02-2073	
सूर्य 11-02-2073	08-05-2074	
मंगल 08-05-2074	11-09-2075	

शनि (14व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि 11-09-2075	20-05-2077	
केतु 20-05-2077	12-03-2079	
चन्द्र 12-03-2079	15-02-2081	
बुध 15-02-2081	06-03-2083	
शुक्र 06-03-2083	07-05-2085	
सूर्य 07-05-2085	04-09-2086	
मंगल 04-09-2086	15-02-2088	
गुरु 15-02-2088	10-09-2089	

केतु (15व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु 10-09-2089	20-08-2091	
चन्द्र 20-08-2091	13-09-2093	
बुध 13-09-2093	25-11-2095	
शुक्र 25-11-2095	24-03-2098	
सूर्य 24-03-2098	26-08-2099	
मंगल 26-08-2099	16-03-2101	
गुरु 16-03-2101	20-11-2102	
शनि 20-11-2102	11-09-2104	

चन्द्र (16व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र 11-09-2104	26-11-2106	
बुध 26-11-2106	31-03-2109	
शुक्र 31-03-2109	24-09-2111	
सूर्य 24-09-2111	31-03-2113	
मंगल 31-03-2113	26-11-2114	
गुरु 26-11-2114	11-09-2116	
शनि 11-09-2116	17-08-2118	
केतु 17-08-2118	11-09-2120	



द्वादशोत्तरी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : शनि 10व 1म 0दि
 जन्मकालीन दशा : श-ल-ल-ल-ल

शनि (19व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि		
चन्द्र		
सूर्य		
गुरु	15-03-1996	14-10-1996
केतु	14-10-1996	27-08-1998
बुध	27-08-1998	10-11-2000
राहु	10-11-2000	28-05-2003
मंगल	28-05-2003	15-04-2006

चन्द्र (21व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	15-04-2006	23-03-2010
सूर्य	23-03-2010	16-07-2011
गुरु	16-07-2011	23-03-2013
केतु	23-03-2013	15-04-2015
बुध	15-04-2015	22-09-2017
राहु	22-09-2017	15-07-2020
मंगल	15-07-2020	22-09-2023
शनि	22-09-2023	15-04-2027

सूर्य (7व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	15-04-2027	22-09-2027
गुरु	22-09-2027	15-04-2028
केतु	15-04-2028	22-12-2028
बुध	22-12-2028	14-10-2029
राहु	14-10-2029	22-09-2030
मंगल	22-09-2030	15-10-2031
शनि	15-10-2031	22-12-2032
चन्द्र	22-12-2032	15-04-2034

गुरु (9व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	15-04-2034	04-01-2035
केतु	04-01-2035	23-11-2035
बुध	23-11-2035	09-12-2036
राहु	09-12-2036	22-02-2038
मंगल	22-02-2038	06-07-2039
शनि	06-07-2039	13-01-2041
चन्द्र	13-01-2041	22-09-2042
सूर्य	22-09-2042	15-04-2043

केतु (11व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	15-04-2043	14-05-2044
बुध	14-05-2044	23-08-2045
राहु	23-08-2045	12-02-2047
मंगल	12-02-2047	14-10-2048
शनि	14-10-2048	27-08-2050
चन्द्र	27-08-2050	18-09-2052
सूर्य	18-09-2052	27-05-2053
गुरु	27-05-2053	15-04-2054

बुध (13व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	15-04-2054	18-10-2055
राहु	18-10-2055	15-07-2057
मंगल	15-07-2057	06-07-2059
शनि	06-07-2059	18-09-2061
चन्द्र	18-09-2061	25-02-2064
सूर्य	25-02-2064	18-12-2064
गुरु	18-12-2064	04-01-2066
केतु	04-01-2066	15-04-2067

राहु (15व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	15-04-2067	18-04-2069
मंगल	18-04-2069	28-07-2071
शनि	28-07-2071	12-02-2074
चन्द्र	12-02-2074	05-12-2076
सूर्य	05-12-2076	12-11-2077
गुरु	12-11-2077	27-01-2079
केतु	27-01-2079	18-07-2080
बुध	18-07-2080	15-04-2082

मंगल (17व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	15-04-2082	12-11-2084
शनि	12-11-2084	01-10-2087
चन्द्र	01-10-2087	09-12-2090
सूर्य	09-12-2090	01-01-2092
गुरु	01-01-2092	14-05-2093
केतु	14-05-2093	14-01-2095
बुध	14-01-2095	03-01-2097
राहु	03-01-2097	15-04-2099

शनि (19व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	15-04-2099	06-07-2102
चन्द्र	06-07-2102	27-01-2106
सूर्य	27-01-2106	06-04-2107
गुरु	06-04-2107	15-10-2108
केतु	15-10-2108	27-08-2110
बुध	27-08-2110	10-11-2112
राहु	10-11-2112	28-05-2115
मंगल	28-05-2115	15-04-2118



द्विसप्ततिसमा महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : मंगल ४व म ७दि
 जन्मकालीन दशा : मं-ल-ल-ल-ल

मंगल (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल		
बुध		
गुरु		
शुक्र	15-03-1996	24-06-1996
शनि	24-06-1996	09-08-1997
राहु	09-08-1997	24-09-1998
सूर्य	24-09-1998	09-11-1999
चन्द्र	09-11-1999	24-12-2000

बुध (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	24-12-2000	08-02-2002
गुरु	08-02-2002	25-03-2003
शुक्र	25-03-2003	09-05-2004
शनि	09-05-2004	24-06-2005
राहु	24-06-2005	09-08-2006
सूर्य	09-08-2006	24-09-2007
चन्द्र	24-09-2007	08-11-2008
मंगल	08-11-2008	24-12-2009

गुरु (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	24-12-2009	08-02-2011
शुक्र	08-02-2011	25-03-2012
शनि	25-03-2012	10-05-2013
राहु	10-05-2013	24-06-2014
सूर्य	24-06-2014	09-08-2015
चन्द्र	09-08-2015	23-09-2016
मंगल	23-09-2016	08-11-2017
बुध	08-11-2017	24-12-2018

शुक्र (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	24-12-2018	08-02-2020
शनि	08-02-2020	25-03-2021
राहु	25-03-2021	10-05-2022
सूर्य	10-05-2022	25-06-2023
चन्द्र	25-06-2023	08-08-2024
मंगल	08-08-2024	23-09-2025
बुध	23-09-2025	08-11-2026
गुरु	08-11-2026	24-12-2027

शनि (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	24-12-2027	07-02-2029
राहु	07-02-2029	25-03-2030
सूर्य	25-03-2030	10-05-2031
चन्द्र	10-05-2031	24-06-2032
मंगल	24-06-2032	09-08-2033
बुध	09-08-2033	24-09-2034
गुरु	24-09-2034	08-11-2035
शुक्र	08-11-2035	23-12-2036

राहु (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	23-12-2036	07-02-2038
सूर्य	07-02-2038	25-03-2039
चन्द्र	25-03-2039	09-05-2040
मंगल	09-05-2040	24-06-2041
बुध	24-06-2041	09-08-2042
गुरु	09-08-2042	24-09-2043
शुक्र	24-09-2043	08-11-2044
शनि	08-11-2044	24-12-2045

सूर्य (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	24-12-2045	07-02-2047
चन्द्र	07-02-2047	24-03-2048
मंगल	24-03-2048	09-05-2049
बुध	09-05-2049	24-06-2050
गुरु	24-06-2050	09-08-2051
शुक्र	09-08-2051	23-09-2052
शनि	23-09-2052	08-11-2053
राहु	08-11-2053	24-12-2054

चन्द्र (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	24-12-2054	08-02-2056
मंगल	08-02-2056	25-03-2057
बुध	25-03-2057	09-05-2058
गुरु	09-05-2058	24-06-2059
शुक्र	24-06-2059	08-08-2060
शनि	08-08-2060	23-09-2061
राहु	23-09-2061	08-11-2062
सूर्य	08-11-2062	24-12-2063

मंगल (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	24-12-2063	07-02-2065
बुध	07-02-2065	25-03-2066
गुरु	25-03-2066	10-05-2067
शुक्र	10-05-2067	23-06-2068
शनि	23-06-2068	08-08-2069
राहु	08-08-2069	23-09-2070
सूर्य	23-09-2070	08-11-2071
चन्द्र	08-11-2071	23-12-2072



द्विसप्तति समा महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : मंगल 4व 9म 9दि
 जन्मकालीन दशा : मं-ल-ल-ल-ल

बुध (9व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	23-12-2072	07-02-2074
गुरु	07-02-2074	25-03-2075
शुक्र	25-03-2075	09-05-2076
शनि	09-05-2076	24-06-2077
राहु	24-06-2077	09-08-2078
सूर्य	09-08-2078	23-09-2079
चन्द्र	23-09-2079	07-11-2080
मंगल	07-11-2080	23-12-2081

गुरु (9व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	23-12-2081	07-02-2083
शुक्र	07-02-2083	24-03-2084
शनि	24-03-2084	09-05-2085
राहु	09-05-2085	24-06-2086
सूर्य	24-06-2086	09-08-2087
चन्द्र	09-08-2087	23-09-2088
मंगल	23-09-2088	08-11-2089
बुध	08-11-2089	23-12-2090

शुक्र (9व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	23-12-2090	07-02-2092
शनि	07-02-2092	24-03-2093
राहु	24-03-2093	09-05-2094
सूर्य	09-05-2094	24-06-2095
चन्द्र	24-06-2095	08-08-2096
मंगल	08-08-2096	23-09-2097
बुध	23-09-2097	08-11-2098
गुरु	08-11-2098	24-12-2099

शनि (9व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	24-12-2099	08-02-2101
राहु	08-02-2101	25-03-2102
सूर्य	25-03-2102	10-05-2103
चन्द्र	10-05-2103	24-06-2104
मंगल	24-06-2104	09-08-2105
बुध	09-08-2105	24-09-2106
गुरु	24-09-2106	09-11-2107
शुक्र	09-11-2107	24-12-2108

राहु (9व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	24-12-2108	08-02-2110
सूर्य	08-02-2110	26-03-2111
चन्द्र	26-03-2111	09-05-2112
मंगल	09-05-2112	24-06-2113
बुध	24-06-2113	09-08-2114
गुरु	09-08-2114	24-09-2115
शुक्र	24-09-2115	08-11-2116
शनि	08-11-2116	24-12-2117

सूर्य (9व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	24-12-2117	08-02-2119
चन्द्र	08-02-2119	25-03-2120
मंगल	25-03-2120	10-05-2121
बुध	10-05-2121	25-06-2122
गुरु	25-06-2122	09-08-2123
शुक्र	09-08-2123	23-09-2124
शनि	23-09-2124	08-11-2125
राहु	08-11-2125	24-12-2126

चन्द्र (9व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	24-12-2126	08-02-2128
मंगल	08-02-2128	25-03-2129
बुध	25-03-2129	10-05-2130
गुरु	10-05-2130	25-06-2131
शुक्र	25-06-2131	09-08-2132
शनि	09-08-2132	24-09-2133
राहु	24-09-2133	08-11-2134
सूर्य	08-11-2134	24-12-2135

मंगल (9व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	24-12-2135	07-02-2137
बुध	07-02-2137	25-03-2138
गुरु	25-03-2138	10-05-2139
शुक्र	10-05-2139	24-06-2140
शनि	24-06-2140	09-08-2141
राहु	09-08-2141	24-09-2142
सूर्य	24-09-2142	09-11-2143
चन्द्र	09-11-2143	24-12-2144

बुध (9व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	24-12-2144	07-02-2146
गुरु	07-02-2146	25-03-2147
शुक्र	25-03-2147	09-05-2148
शनि	09-05-2148	24-06-2149
राहु	24-06-2149	09-08-2150
सूर्य	09-08-2150	24-09-2151
चन्द्र	24-09-2151	08-11-2152
मंगल	08-11-2152	24-12-2153



षष्ठिहायनी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : शुक्र ०व ६म २१दि
 जन्मकालीन दशा : शु-ल-ल-ल-ल

शुक्र (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र		
शनि		
राहु		
गुरु		
सूर्य		
मंगल		
चन्द्र		
बुध	15-03-1996	06-10-1996

शनि (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	06-10-1996	13-05-1997
राहु	13-05-1997	18-12-1997
गुरु	18-12-1997	18-12-1998
सूर्य	18-12-1998	19-12-1999
मंगल	19-12-1999	18-12-2000
चन्द्र	18-12-2000	25-07-2001
बुध	25-07-2001	01-03-2002
शुक्र	01-03-2002	06-10-2002

राहु (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	06-10-2002	14-05-2003
गुरु	14-05-2003	13-05-2004
सूर्य	13-05-2004	13-05-2005
मंगल	13-05-2005	13-05-2006
चन्द्र	13-05-2006	18-12-2006
बुध	18-12-2006	26-07-2007
शुक्र	26-07-2007	01-03-2008
शनि	01-03-2008	06-10-2008

गुरु (१०व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	06-10-2008	07-06-2010
सूर्य	07-06-2010	05-02-2012
मंगल	05-02-2012	06-10-2013
चन्द्र	06-10-2013	06-10-2014
बुध	06-10-2014	07-10-2015
शुक्र	07-10-2015	06-10-2016
शनि	06-10-2016	06-10-2017
राहु	06-10-2017	06-10-2018

सूर्य (१०व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	06-10-2018	06-06-2020
मंगल	06-06-2020	05-02-2022
चन्द्र	05-02-2022	05-02-2023
बुध	05-02-2023	05-02-2024
शुक्र	05-02-2024	04-02-2025
शनि	04-02-2025	05-02-2026
राहु	05-02-2026	05-02-2027
गुरु	05-02-2027	06-10-2028

मंगल (१०व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	06-10-2028	06-06-2030
चन्द्र	06-06-2030	07-06-2031
बुध	07-06-2031	06-06-2032
शुक्र	06-06-2032	06-06-2033
शनि	06-06-2033	06-06-2034
राहु	06-06-2034	07-06-2035
गुरु	07-06-2035	04-02-2037
सूर्य	04-02-2037	06-10-2038

चन्द्र (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	06-10-2038	13-05-2039
बुध	13-05-2039	18-12-2039
शुक्र	18-12-2039	25-07-2040
शनि	25-07-2040	01-03-2041
राहु	01-03-2041	06-10-2041
गुरु	06-10-2041	06-10-2042
सूर्य	06-10-2042	06-10-2043
मंगल	06-10-2043	06-10-2044

बुध (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	06-10-2044	13-05-2045
शुक्र	13-05-2045	18-12-2045
शनि	18-12-2045	25-07-2046
राहु	25-07-2046	01-03-2047
गुरु	01-03-2047	29-02-2048
सूर्य	29-02-2048	01-03-2049
मंगल	01-03-2049	01-03-2050
चन्द्र	01-03-2050	06-10-2050

शुक्र (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	06-10-2050	13-05-2051
शनि	13-05-2051	18-12-2051
राहु	18-12-2051	24-07-2052
गुरु	24-07-2052	25-07-2053
सूर्य	25-07-2053	25-07-2054
मंगल	25-07-2054	25-07-2055
चन्द्र	25-07-2055	29-02-2056
बुध	29-02-2056	05-10-2056



षष्ठिहायनी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : शुक्र ०१ ६म २१दि
 जन्मकालीन दशा : शु-ल-ल-ल-ल

शनि (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	०५-१०-२०५६	१३-०५-२०५७
राहु	१३-०५-२०५७	१८-१२-२०५७
गुरु	१८-१२-२०५७	१८-१२-२०५८
सूर्य	१८-१२-२०५८	१८-१२-२०५९
मंगल	१८-१२-२०५९	१८-१२-२०६०
चन्द्र	१८-१२-२०६०	२५-०७-२०६१
बुध	२५-०७-२०६१	०१-०३-२०६२
शुक्र	०१-०३-२०६२	०६-१०-२०६२

राहु (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	०६-१०-२०६२	१३-०५-२०६३
गुरु	१३-०५-२०६३	१२-०५-२०६४
सूर्य	१२-०५-२०६४	१३-०५-२०६५
मंगल	१३-०५-२०६५	१३-०५-२०६६
चन्द्र	१३-०५-२०६६	१८-१२-२०६६
बुध	१८-१२-२०६६	२५-०७-२०६७
शुक्र	२५-०७-२०६७	२९-०२-२०६८
शनि	२९-०२-२०६८	०५-१०-२०६८

गुरु (१०व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	०५-१०-२०६८	०६-०६-२०७०
सूर्य	०६-०६-२०७०	०५-०२-२०७२
मंगल	०५-०२-२०७२	०६-१०-२०७३
चन्द्र	०६-१०-२०७३	०६-१०-२०७४
बुध	०६-१०-२०७४	०६-१०-२०७५
शुक्र	०६-१०-२०७५	०५-१०-२०७६
शनि	०५-१०-२०७६	०६-१०-२०७७
राहु	०६-१०-२०७७	०६-१०-२०७८

सूर्य (१०व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	०६-१०-२०७८	०६-०६-२०८०
मंगल	०६-०६-२०८०	०४-०२-२०८२
चन्द्र	०४-०२-२०८२	०५-०२-२०८३
बुध	०५-०२-२०८३	०५-०२-२०८४
शुक्र	०५-०२-२०८४	०४-०२-२०८५
शनि	०४-०२-२०८५	०४-०२-२०८६
राहु	०४-०२-२०८६	०५-०२-२०८७
गुरु	०५-०२-२०८७	०५-१०-२०८८

मंगल (१०व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	०५-१०-२०८८	०६-०६-२०९०
चन्द्र	०६-०६-२०९०	०६-०६-२०९१
बुध	०६-०६-२०९१	०५-०६-२०९२
शुक्र	०५-०६-२०९२	०६-०६-२०९३
शनि	०६-०६-२०९३	०६-०६-२०९४
राहु	०६-०६-२०९४	०६-०६-२०९५
गुरु	०६-०६-२०९५	०४-०२-२०९७
सूर्य	०४-०२-२०९७	०६-१०-२०९८

चन्द्र (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	०६-१०-२०९८	१३-०५-२०९९
बुध	१३-०५-२०९९	१८-१२-२०९९
शुक्र	१८-१२-२०९९	२५-०७-२१००
शनि	२५-०७-२१००	०१-०३-२१०१
राहु	०१-०३-२१०१	०६-१०-२१०१
गुरु	०६-१०-२१०१	०७-१०-२१०२
सूर्य	०७-१०-२१०२	०७-१०-२१०३
मंगल	०७-१०-२१०३	०६-१०-२१०४

बुध (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	०६-१०-२१०४	१३-०५-२१०५
शुक्र	१३-०५-२१०५	१८-१२-२१०५
शनि	१८-१२-२१०५	२६-०७-२१०६
राहु	२६-०७-२१०६	०२-०३-२१०७
गुरु	०२-०३-२१०७	०१-०३-२१०८
सूर्य	०१-०३-२१०८	०१-०३-२१०९
मंगल	०१-०३-२१०९	०१-०३-२११०
चन्द्र	०१-०३-२११०	०७-१०-२११०

शुक्र (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	०७-१०-२११०	१४-०५-२१११
शनि	१४-०५-२१११	१९-१२-२१११
राहु	१९-१२-२१११	२५-०७-२११२
गुरु	२५-०७-२११२	२५-०७-२११३
सूर्य	२५-०७-२११३	२५-०७-२११४
मंगल	२५-०७-२११४	२६-०७-२११५
चन्द्र	२६-०७-२११५	०१-०३-२११६
बुध	०१-०३-२११६	०६-१०-२११६

शनि (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	०६-१०-२११६	१३-०५-२११७
राहु	१३-०५-२११७	१८-१२-२११७
गुरु	१८-१२-२११७	१९-१२-२११८
सूर्य	१९-१२-२११८	१९-१२-२११९
मंगल	१९-१२-२११९	१८-१२-२१२०
चन्द्र	१८-१२-२१२०	२५-०७-२१२१
बुध	२५-०७-२१२१	०१-०३-२१२२
शुक्र	०१-०३-२१२२	०६-१०-२१२२



षट्त्रिंशत्समा महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : गुरु १व ७म २दि
 जन्मकालीन दशा : गु-ल-ल-ल-ल

गुरु (३व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु		
मंगल		
बुध		
शनि 15-03-1996	18-04-1996	
शुक्र 18-04-1996	17-11-1996	
राहु 17-11-1996	18-07-1997	
चन्द्र 18-07-1997	18-08-1997	
सूर्य 18-08-1997	17-10-1997	

मंगल (४व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल 17-10-1997	29-03-1998	
बुध 29-03-1998	18-10-1998	
शनि 18-10-1998	18-06-1999	
शुक्र 18-06-1999	28-03-2000	
राहु 28-03-2000	16-02-2001	
चन्द्र 16-02-2001	29-03-2001	
सूर्य 29-03-2001	18-06-2001	
गुरु 18-06-2001	17-10-2001	

बुध (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध 17-10-2001	28-06-2002	
शनि 28-06-2002	28-04-2003	
शुक्र 28-04-2003	18-04-2004	
राहु 18-04-2004	28-05-2005	
चन्द्र 28-05-2005	18-07-2005	
सूर्य 18-07-2005	28-10-2005	
गुरु 28-10-2005	29-03-2006	
मंगल 29-03-2006	18-10-2006	

शनि (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि 18-10-2006	18-10-2007	
शुक्र 18-10-2007	17-12-2008	
राहु 17-12-2008	18-04-2010	
चन्द्र 18-04-2010	18-06-2010	
सूर्य 18-06-2010	18-10-2010	
गुरु 18-10-2010	18-04-2011	
मंगल 18-04-2011	18-12-2011	
बुध 18-12-2011	17-10-2012	

शुक्र (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र 17-10-2012	26-02-2014	
राहु 26-02-2014	17-09-2015	
चन्द्र 17-09-2015	27-11-2015	
सूर्य 27-11-2015	17-04-2016	
गुरु 17-04-2016	16-11-2016	
मंगल 16-11-2016	28-08-2017	
बुध 28-08-2017	18-08-2018	
शनि 18-08-2018	18-10-2019	

राहु (८व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु 18-10-2019	28-07-2021	
चन्द्र 28-07-2021	17-10-2021	
सूर्य 17-10-2021	29-03-2022	
गुरु 29-03-2022	27-11-2022	
मंगल 27-11-2022	18-10-2023	
बुध 18-10-2023	27-11-2024	
शनि 27-11-2024	29-03-2026	
शुक्र 29-03-2026	18-10-2027	

चन्द्र (१व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र 18-10-2027	28-10-2027	
सूर्य 28-10-2027	17-11-2027	
गुरु 17-11-2027	18-12-2027	
मंगल 18-12-2027	27-01-2028	
बुध 27-01-2028	18-03-2028	
शनि 18-03-2028	18-05-2028	
शुक्र 18-05-2028	28-07-2028	
राहु 28-07-2028	17-10-2028	

सूर्य (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य 17-10-2028	27-11-2028	
गुरु 27-11-2028	26-01-2029	
मंगल 26-01-2029	18-04-2029	
बुध 18-04-2029	28-07-2029	
शनि 28-07-2029	27-11-2029	
शुक्र 27-11-2029	18-04-2030	
राहु 18-04-2030	27-09-2030	
चन्द्र 27-09-2030	17-10-2030	

गुरु (३व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु 17-10-2030	17-01-2031	
मंगल 17-01-2031	18-05-2031	
बुध 18-05-2031	18-10-2031	
शनि 18-10-2031	17-04-2032	
शुक्र 17-04-2032	16-11-2032	
राहु 16-11-2032	18-07-2033	
चन्द्र 18-07-2033	17-08-2033	
सूर्य 17-08-2033	17-10-2033	



षट्त्रिंशत्समा महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : गुरु १व ७म २दि
 भोग्य दशा : गु-ल-ल-ल-ल

मंगल (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	17-10-2033	28-03-2034
बुध	28-03-2034	17-10-2034
शनि	17-10-2034	18-06-2035
शुक्र	18-06-2035	28-03-2036
राहु	28-03-2036	16-02-2037
चन्द्र	16-02-2037	28-03-2037
सूर्य	28-03-2037	17-06-2037
गुरु	17-06-2037	17-10-2037

बुध (5व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	17-10-2037	28-06-2038
शनि	28-06-2038	28-04-2039
शुक्र	28-04-2039	17-04-2040
राहु	17-04-2040	28-05-2041
चन्द्र	28-05-2041	18-07-2041
सूर्य	18-07-2041	27-10-2041
गुरु	27-10-2041	28-03-2042
मंगल	28-03-2042	17-10-2042

शनि (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	17-10-2042	18-10-2043
शुक्र	18-10-2043	17-12-2044
राहु	17-12-2044	18-04-2046
चन्द्र	18-04-2046	18-06-2046
सूर्य	18-06-2046	17-10-2046
गुरु	17-10-2046	18-04-2047
मंगल	18-04-2047	17-12-2047
बुध	17-12-2047	17-10-2048

शुक्र (7व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	17-10-2048	26-02-2050
राहु	26-02-2050	17-09-2051
चन्द्र	17-09-2051	27-11-2051
सूर्य	27-11-2051	17-04-2052
गुरु	17-04-2052	16-11-2052
मंगल	16-11-2052	27-08-2053
बुध	27-08-2053	17-08-2054
शनि	17-08-2054	17-10-2055

राहु (8व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	17-10-2055	28-07-2057
चन्द्र	28-07-2057	17-10-2057
सूर्य	17-10-2057	28-03-2058
गुरु	28-03-2058	27-11-2058
मंगल	27-11-2058	17-10-2059
बुध	17-10-2059	26-11-2060
शनि	26-11-2060	28-03-2062
शुक्र	28-03-2062	17-10-2063

चन्द्र (1व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	17-10-2063	28-10-2063
सूर्य	28-10-2063	17-11-2063
गुरु	17-11-2063	17-12-2063
मंगल	17-12-2063	27-01-2064
बुध	27-01-2064	18-03-2064
शनि	18-03-2064	17-05-2064
शुक्र	17-05-2064	28-07-2064
राहु	28-07-2064	17-10-2064

सूर्य (2व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	17-10-2064	26-11-2064
गुरु	26-11-2064	26-01-2065
मंगल	26-01-2065	17-04-2065
बुध	17-04-2065	28-07-2065
शनि	28-07-2065	26-11-2065
शुक्र	26-11-2065	18-04-2066
राहु	18-04-2066	27-09-2066
चन्द्र	27-09-2066	17-10-2066

गुरु (3व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	17-10-2066	16-01-2067
मंगल	16-01-2067	18-05-2067
बुध	18-05-2067	17-10-2067
शनि	17-10-2067	17-04-2068
शुक्र	17-04-2068	16-11-2068
राहु	16-11-2068	18-07-2069
चन्द्र	18-07-2069	17-08-2069
सूर्य	17-08-2069	17-10-2069

मंगल (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	17-10-2069	28-03-2070
बुध	28-03-2070	17-10-2070
शनि	17-10-2070	18-06-2071
शुक्र	18-06-2071	28-03-2072
राहु	28-03-2072	15-02-2073
चन्द्र	15-02-2073	28-03-2073
सूर्य	28-03-2073	17-06-2073
गुरु	17-06-2073	17-10-2073



षट्त्रिंशत्समा महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : गुरु १व ७८ २क
 जन्मकालीन दशा : गु-ल-ल-ल-ल

बुध (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	17-10-2073	27-06-2074
शनि	27-06-2074	28-04-2075
शुक्र	28-04-2075	17-04-2076
राहु	17-04-2076	28-05-2077
चन्द्र	28-05-2077	18-07-2077
सूर्य	18-07-2077	27-10-2077
गुरु	27-10-2077	28-03-2078
मंगल	28-03-2078	17-10-2078

शनि (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	17-10-2078	17-10-2079
शुक्र	17-10-2079	16-12-2080
राहु	16-12-2080	17-04-2082
चन्द्र	17-04-2082	17-06-2082
सूर्य	17-06-2082	17-10-2082
गुरु	17-10-2082	18-04-2083
मंगल	18-04-2083	17-12-2083
बुध	17-12-2083	17-10-2084

शुक्र (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	17-10-2084	26-02-2086
राहु	26-02-2086	17-09-2087
चन्द्र	17-09-2087	27-11-2087
सूर्य	27-11-2087	17-04-2088
गुरु	17-04-2088	16-11-2088
मंगल	16-11-2088	27-08-2089
बुध	27-08-2089	17-08-2090
शनि	17-08-2090	17-10-2091

राहु (८व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	17-10-2091	28-07-2093
चन्द्र	28-07-2093	17-10-2093
सूर्य	17-10-2093	28-03-2094
गुरु	28-03-2094	27-11-2094
मंगल	27-11-2094	17-10-2095
बुध	17-10-2095	26-11-2096
शनि	26-11-2096	28-03-2098
शुक्र	28-03-2098	17-10-2099

चन्द्र (१व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	17-10-2099	27-10-2099
सूर्य	27-10-2099	17-11-2099
गुरु	17-11-2099	17-12-2099
मंगल	17-12-2099	27-01-2100
बुध	27-01-2100	18-03-2100
शनि	18-03-2100	18-05-2100
शुक्र	18-05-2100	28-07-2100
राहु	28-07-2100	17-10-2100

सूर्य (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	17-10-2100	27-11-2100
गुरु	27-11-2100	27-01-2101
मंगल	27-01-2101	18-04-2101
बुध	18-04-2101	28-07-2101
शनि	28-07-2101	27-11-2101
शुक्र	27-11-2101	18-04-2102
राहु	18-04-2102	28-09-2102
चन्द्र	28-09-2102	18-10-2102

गुरु (३व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	18-10-2102	17-01-2103
मंगल	17-01-2103	19-05-2103
बुध	19-05-2103	18-10-2103
शनि	18-10-2103	18-04-2104
शुक्र	18-04-2104	17-11-2104
राहु	17-11-2104	18-07-2105
चन्द्र	18-07-2105	18-08-2105
सूर्य	18-08-2105	18-10-2105

मंगल (४व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	18-10-2105	29-03-2106
बुध	29-03-2106	18-10-2106
शनि	18-10-2106	18-06-2107
शुक्र	18-06-2107	28-03-2108
राहु	28-03-2108	16-02-2109
चन्द्र	16-02-2109	29-03-2109
सूर्य	29-03-2109	18-06-2109
गुरु	18-06-2109	18-10-2109

बुध (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	18-10-2109	28-06-2110
शनि	28-06-2110	29-04-2111
शुक्र	29-04-2111	18-04-2112
राहु	18-04-2112	29-05-2113
चन्द्र	29-05-2113	18-07-2113
सूर्य	18-07-2113	28-10-2113
गुरु	28-10-2113	29-03-2114
मंगल	29-03-2114	18-10-2114



पंचोत्तरी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : शुक्र ८व ५म २६दि
जन्मकालीन दशा : शु-ल-ल-ल-ल

शुक्र (16व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र		
चन्द्र		
गुरु	15-03-1996	19-06-1996
सूर्य	19-06-1996	18-04-1998
बुध	18-04-1998	11-04-2000
शनि	11-04-2000	30-05-2002
मंगल	30-05-2002	11-09-2004

चन्द्र (17व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	11-09-2004	13-06-2007
गुरु	13-06-2007	12-05-2010
सूर्य	12-05-2010	21-04-2012
बुध	21-04-2012	30-05-2014
शनि	30-05-2014	04-09-2016
मंगल	04-09-2016	08-02-2019
शुक्र	08-02-2019	11-09-2021

गुरु (18व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	11-09-2021	12-10-2024
सूर्य	12-10-2024	02-11-2026
बुध	02-11-2026	24-01-2029
शनि	24-01-2029	20-06-2031
मंगल	20-06-2031	14-01-2034
शुक्र	14-01-2034	12-10-2036
चन्द्र	12-10-2036	11-09-2039

सूर्य (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	11-09-2039	24-01-2041
बुध	24-01-2041	21-07-2042
शनि	21-07-2042	25-02-2044
मंगल	25-02-2044	12-11-2045
शुक्र	12-11-2045	11-09-2047
चन्द्र	11-09-2047	21-08-2049
गुरु	21-08-2049	11-09-2051

बुध (13व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	11-09-2051	21-04-2053
शनि	21-04-2053	14-01-2055
मंगल	14-01-2055	22-11-2056
शुक्र	22-11-2056	16-11-2058
चन्द्र	16-11-2058	24-12-2060
गुरु	24-12-2060	18-03-2063
सूर्य	18-03-2063	10-09-2064

शनि (14व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	10-09-2064	24-07-2066
मंगल	24-07-2066	24-07-2068
शुक्र	24-07-2068	11-09-2070
चन्द्र	11-09-2070	17-12-2072
गुरु	17-12-2072	12-05-2075
सूर्य	12-05-2075	17-12-2076
बुध	17-12-2076	11-09-2078

मंगल (15व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	11-09-2078	01-11-2080
शुक्र	01-11-2080	14-02-2083
चन्द्र	14-02-2083	20-07-2085
गुरु	20-07-2085	14-02-2088
सूर्य	14-02-2088	01-11-2089
बुध	01-11-2089	11-09-2091
शनि	11-09-2091	10-09-2093

शुक्र (16व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	10-09-2093	18-02-2096
चन्द्र	18-02-2096	21-09-2098
गुरु	21-09-2098	20-06-2101
सूर्य	20-06-2101	19-04-2103
बुध	19-04-2103	11-04-2105
शनि	11-04-2105	30-05-2107
मंगल	30-05-2107	11-09-2109

चन्द्र (17व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	11-09-2109	12-06-2112
गुरु	12-06-2112	13-05-2115
सूर्य	13-05-2115	21-04-2117
बुध	21-04-2117	30-05-2119
शनि	30-05-2119	04-09-2121
मंगल	04-09-2121	08-02-2124
शुक्र	08-02-2124	11-09-2126



शताब्दीका महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : सूर्य २व ७म २४दि
 जन्मकालीन दशा : सू-ल-ल-ल-ल

सूर्य (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य		
चन्द्र		
शुक्र		
बुध		
गुरु	15-03-1996	10-05-1996
मंगल	10-05-1996	10-05-1997
शनि	10-05-1997	09-11-1998

चन्द्र (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	09-11-1998	08-02-1999
शुक्र	08-02-1999	10-08-1999
बुध	10-08-1999	09-02-2000
गुरु	09-02-2000	08-02-2001
मंगल	08-02-2001	08-02-2002
शनि	08-02-2002	10-08-2003
सूर्य	10-08-2003	09-11-2003

शुक्र (१०व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	09-11-2003	09-11-2004
बुध	09-11-2004	09-11-2005
गुरु	09-11-2005	09-11-2007
मंगल	09-11-2007	09-11-2009
शनि	09-11-2009	09-11-2012
सूर्य	09-11-2012	10-05-2013
चन्द्र	10-05-2013	09-11-2013

बुध (१०व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	09-11-2013	09-11-2014
गुरु	09-11-2014	09-11-2016
मंगल	09-11-2016	09-11-2018
शनि	09-11-2018	09-11-2021
सूर्य	09-11-2021	10-05-2022
चन्द्र	10-05-2022	09-11-2022
शुक्र	09-11-2022	09-11-2023

गुरु (२०व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	09-11-2023	09-11-2027
मंगल	09-11-2027	09-11-2031
शनि	09-11-2031	09-11-2037
सूर्य	09-11-2037	09-11-2038
चन्द्र	09-11-2038	09-11-2039
शुक्र	09-11-2039	09-11-2041
बुध	09-11-2041	09-11-2043

मंगल (२०व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	09-11-2043	09-11-2047
शनि	09-11-2047	08-11-2053
सूर्य	08-11-2053	09-11-2054
चन्द्र	09-11-2054	09-11-2055
शुक्र	09-11-2055	08-11-2057
बुध	08-11-2057	09-11-2059
गुरु	09-11-2059	09-11-2063

शनि (३०व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	09-11-2063	08-11-2072
सूर्य	08-11-2072	10-05-2074
चन्द्र	10-05-2074	09-11-2075
शुक्र	09-11-2075	09-11-2078
बुध	09-11-2078	08-11-2081
गुरु	08-11-2081	09-11-2087
मंगल	09-11-2087	08-11-2093

सूर्य (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	08-11-2093	07-02-2094
चन्द्र	07-02-2094	10-05-2094
शुक्र	10-05-2094	08-11-2094
बुध	08-11-2094	10-05-2095
गुरु	10-05-2095	09-05-2096
मंगल	09-05-2096	10-05-2097
शनि	10-05-2097	08-11-2098

चन्द्र (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	08-11-2098	08-02-2099
शुक्र	08-02-2099	09-08-2099
बुध	09-08-2099	08-02-2100
गुरु	08-02-2100	08-02-2101
मंगल	08-02-2101	08-02-2102
शनि	08-02-2102	10-08-2103
सूर्य	10-08-2103	10-11-2103



चतुर्शीतिसमा महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : शनि ६व ४म १३दि
 जन्मकालीन दशा : श-ल-ल-ल-ल

शनि (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि		
सूर्य		
चन्द्र		
मंगल	15-03-1996	06-06-1997
बुध	06-06-1997	22-02-1999
गुरु	22-02-1999	09-11-2000
शुक्र	09-11-2000	28-07-2002

सूर्य (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	28-07-2002	14-04-2004
चन्द्र	14-04-2004	31-12-2005
मंगल	31-12-2005	19-09-2007
बुध	19-09-2007	06-06-2009
गुरु	06-06-2009	22-02-2011
शुक्र	22-02-2011	09-11-2012
शनि	09-11-2012	28-07-2014

चन्द्र (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	28-07-2014	14-04-2016
मंगल	14-04-2016	31-12-2017
बुध	31-12-2017	19-09-2019
गुरु	19-09-2019	06-06-2021
शुक्र	06-06-2021	22-02-2023
शनि	22-02-2023	09-11-2024
सूर्य	09-11-2024	28-07-2026

मंगल (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	28-07-2026	14-04-2028
बुध	14-04-2028	31-12-2029
गुरु	31-12-2029	18-09-2031
शुक्र	18-09-2031	06-06-2033
शनि	06-06-2033	22-02-2035
सूर्य	22-02-2035	09-11-2036
चन्द्र	09-11-2036	28-07-2038

बुध (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	28-07-2038	14-04-2040
गुरु	14-04-2040	31-12-2041
शुक्र	31-12-2041	18-09-2043
शनि	18-09-2043	05-06-2045
सूर्य	05-06-2045	22-02-2047
चन्द्र	22-02-2047	09-11-2048
मंगल	09-11-2048	28-07-2050

गुरु (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	28-07-2050	14-04-2052
शुक्र	14-04-2052	31-12-2053
शनि	31-12-2053	18-09-2055
सूर्य	18-09-2055	05-06-2057
चन्द्र	05-06-2057	22-02-2059
मंगल	22-02-2059	09-11-2060
बुध	09-11-2060	28-07-2062

शुक्र (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	28-07-2062	14-04-2064
शनि	14-04-2064	31-12-2065
सूर्य	31-12-2065	18-09-2067
चन्द्र	18-09-2067	05-06-2069
मंगल	05-06-2069	21-02-2071
बुध	21-02-2071	09-11-2072
गुरु	09-11-2072	28-07-2074

शनि (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	28-07-2074	14-04-2076
सूर्य	14-04-2076	31-12-2077
चन्द्र	31-12-2077	18-09-2079
मंगल	18-09-2079	05-06-2081
बुध	05-06-2081	21-02-2083
गुरु	21-02-2083	08-11-2084
शुक्र	08-11-2084	28-07-2086

सूर्य (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	28-07-2086	14-04-2088
चन्द्र	14-04-2088	31-12-2089
मंगल	31-12-2089	18-09-2091
बुध	18-09-2091	05-06-2093
गुरु	05-06-2093	21-02-2095
शुक्र	21-02-2095	08-11-2096
शनि	08-11-2096	27-07-2098



शनि की साढ़ेसाती का विचार

ज्योतिष तत्व प्रकाश के अनुसार -

**द्वादशे जन्मगे राशौ द्वितीये च शनैश्चरः।
सार्धानि सप्त वर्षाणि तथा दुःखैर्युतो भवेत्॥**

जन्म राशि (चन्द्र राशि) से गोचर में जब शनि द्वादश, प्रथम एवं द्वितीय स्थानों में भ्रमण करता है, तो साढ़े-सात वर्ष के समय को शनि की साढ़ेसाती कहते हैं।

आपकी जन्म राशि मकर है, अतः शनि जब धनु मकर व कुंभ राशि में भ्रमण करेगा तो शनि की साढ़ेसाती कहलायेगी।

एक साढ़ेसाती तीन दैया से मिलकर बनती है। क्योंकि शनि एक राशि में लगभग ढाई वर्षों तक चलता है।

प्रायः जीवन में तीन बार साढ़ेसाती आती है।

निम्नलिखित सारणी में प्रत्येक साढ़ेसाती के प्रारम्भ और समाप्ति का समय दर्शाया जा रहा है।

साढ़ेसाती चक्र	शनि का गोचर	प्रारम्भ तिथि	समाप्ति तिथि	अंतराल वर्ष-मास-दिन	अष्टकवर्ग शनि	सर्व
प्रथम चक्र की साढ़े साती						
प्रथम दैया (जन्म राशि से द्वादश)	धनु	26-01-2017	20-06-2017	0-4-24	3	32
	धनु (व)	26-10-2017	24-01-2020	2-2-28		
द्वितीय दैया (जन्म राशि पर)						
द्वितीय दैया (जन्म राशि पर)	मकर	24-01-2020	29-04-2022	2-3-5	5	30
	मकर (व)	12-07-2022	17-01-2023	0-6-5		
तृतीय दैया (जन्म राशि से द्वितीय)						
तृतीय दैया (जन्म राशि से द्वितीय)	कुंभ	29-04-2022	12-07-2022	0-2-13	2	27
	कुंभ (व)	17-01-2023	29-03-2025	2-2-12		
द्वितीय चक्र की साढ़ेसाती						
प्रथम दैया (जन्म राशि से द्वादश)	धनु	07-12-2046	06-03-2049	2-2-29	3	32
	धनु (व)	09-07-2049	04-12-2049	0-4-25		
द्वितीय दैया (जन्म राशि पर)						
द्वितीय दैया (जन्म राशि पर)	मकर	06-03-2049	09-07-2049	0-4-3	5	30
	मकर (व)	04-12-2049	24-02-2052	2-2-20		
तृतीय दैया (जन्म राशि से द्वितीय)						
तृतीय दैया (जन्म राशि से द्वितीय)	कुंभ	24-02-2052	14-05-2054	2-2-20	2	27
	कुंभ (व)	01-09-2054	05-02-2055	0-5-4		
तृतीय चक्र की साढ़ेसाती						
प्रथम दैया (जन्म राशि से द्वादश)	धनु	16-01-2076	10-07-2076	0-5-24	3	32
	धनु (व)	11-10-2076	14-01-2079	2-3-3		
द्वितीय दैया (जन्म राशि पर)						
द्वितीय दैया (जन्म राशि पर)	मकर	14-01-2079	11-04-2081	2-2-27	5	30
	मकर (व)	03-08-2081	06-01-2082	0-5-3		
तृतीय दैया (जन्म राशि से द्वितीय)						
तृतीय दैया (जन्म राशि से द्वितीय)	कुंभ	11-04-2081	03-08-2081	0-3-22	2	27
	कुंभ (व)	06-01-2082	19-03-2084	2-2-13		

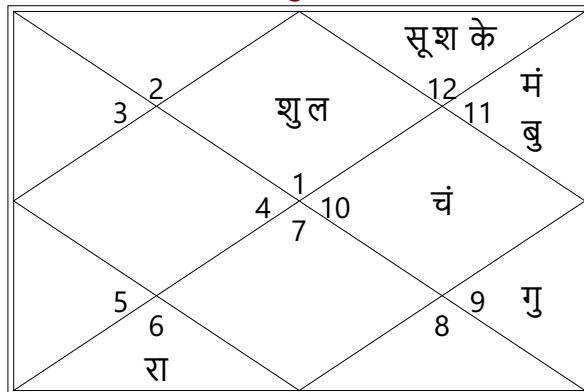


कृष्णमूर्ति पद्धति

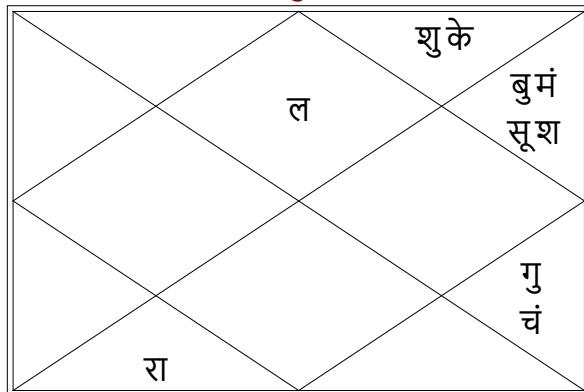
15 मार्च 1996 • 08:20 घंटे • Guwahati, Assam, India

ग्रह	व/अ	राशि	अंश	नक्षत्र	चरण	रा.स्वा.	न.स्वा.	न.उप.	उप.उप.
लग्न		मेष	24:48:19	भरणी	4	मं	शु	ब्र	चं
सूर्य		मीन	00:07:07	पूर्वभाद्रपद	4	गु	गु	चं	बु
चन्द्र		मकर	03:01:10	उत्तराषाढ़ा	2	श	सू	श	शं
मंगल	(अ)	कुंभ	28:51:09	पूर्वभाद्रपद	3	श	गु	सू	चं
बुध	(अ)	कुंभ	19:10:08	शतभिषा	4	श	रा	चं	सू
गुरु		धनु	20:12:09	पूर्वाषाढ़ा	3	गु	शु	गु	गुं
शुक्र		मेष	16:13:28	भरणी	1	मं	शु	चं	चं
शनि	(अ)	मीन	03:25:54	उत्तराभाद्रपद	1	गु	श	श	श
राहु		कन्या	23:36:22	चित्रा	1	ब्र	मं	मं	श
केतु		मीन	23:36:22	रेवती	3	गु	ब्र	मं	श
यूरेनस		मकर	09:40:34	उत्तराषाढ़ा	4	श	सू	शु	ब्र
नैपच्यून		मकर	03:29:23	उत्तराषाढ़ा	3	श	सू	श	बु
प्लूटो	(व)	वृश्चिक	09:22:55	अनुराधा	2	मं	श	शु	गु

जन्म कुण्डली



कस्प कुण्डली



भाव विवरण

भाव कस्प	राशि	अंश	नक्षत्र	चरण	रा.स्वा.	न.स्वा.	न.उप.	उप.उप.
1. प्रथम	मेष	24:48:19	भरणी	4	मं	शु	ब्र	चं
2. द्वितीय	वृष	22:37:20	रोहिणी	4	शु	चं	शु	के
3. तृतीय	मिथुन	16:37:57	आर्द्रा	3	ब्र	रा	शु	गु
4. चतुर्थ	कर्क	11:10:11	पुष्य	3	चं	श	चं	रा
5. पंचम	सिंह	09:55:00	मघा	3	सू	के	श	बु
6. षष्ठ	कन्या	15:27:15	हस्त	2	ब्र	चं	गु	रा
7. सप्तम	तुला	24:48:19	विशाखा	2	शु	गु	ब्र	चं
8. अष्टम	वृश्चिक	22:37:20	ज्येष्ठा	2	मं	ब्र	चं	गु
9. नवम	धनु	16:37:57	पूर्वाषाढ़ा	1	गु	शु	चं	गु
10. दशम	मकर	11:10:11	श्रवण	1	श	चं	मं	रा
11. एकादश	कुंभ	09:55:00	शतभिषा	1	श	रा	गु	सू
12. द्वादश	मीन	15:27:15	उत्तराभाद्रपद	4	गु	श	गु	बु



कृष्णमूर्ति पद्धति

भावों के कारक ग्रह

भाव	भाव स्थित ग्रहों के नक्षत्र में ग्रह	भाव स्थित ग्रह	भाव कस्प स्वामी के नक्षत्र में ग्रह	भाव कस्प स्वामी
1. प्रथम		रा	मं	
2. द्वितीय		गुशु	शु	
3. तृतीय		के	बुं	
4. चतुर्थ			च	
5. पंचम		चं	सू	
6. षष्ठि	बु	के	बु	
7. सप्तम		गुशु	शु	
8. अष्टम		रा	मं	
9. नवम	सूमं	चं, गु	सूमं	गु
10. दशम			श	श
11. एकादश	चं, रा, के, श	सूमं, बु, श	श	श
12. द्वादश	गुशु	शुके	सूमं	गु

ग्रहों द्वारा अभिसूचित भाव

ग्रह	ग्रहों से अभिप्राय भाव			
	अत्यधिक बली कारक	बली कारक	सामान्य कारक	निर्बल कारक
सूर्य		9	11	5 12
चन्द्र			9 11	4 5
मंगल		9	11	1 8 12
बुध		6	11	3
गुरु		9 12		2 7
शुक्र	12		2 7	
शनि	11		10	
राहु			6 11	1 8
केतु			11 12	3 6

स्वामी ग्रह

वारेश	:	शुक्र	फॉरच्यूना	:	कुंभ 26:43:34
लग्नेश	:	मंगल	भोग्य दशा	:	सूर्य 3व.-1म.-21दि.
लग्न नक्षत्र स्वामी	:	शुक्र	के.पी. आयनांश	:	-23:42:33
लग्न नक्षत्र उपस्वामी	:	बुध			
चन्द्र राशि स्वामी	:	शनि			
चन्द्र नक्षत्र स्वामी	:	सूर्य			
चन्द्र नक्षत्र उपस्वामी	:	शनि			

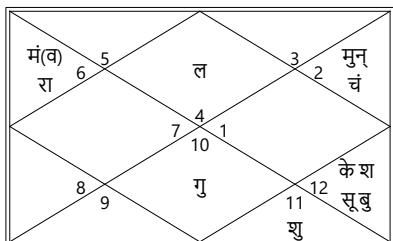
Priyanko Singha



वर्षफल कुण्डलियां - 1

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:1

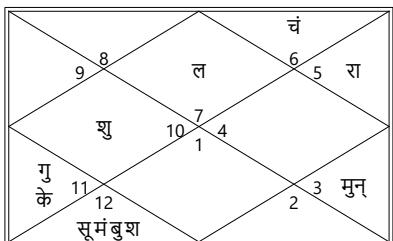
15 मार्च 1997 14:25 घंटे



लग्र 20:47 मंगल 03:42 शुक्र 26:24
सूर्य 01:00 बुध 04:35 शनि 14:29
चन्द्र 23:37 गुरु 18:00 राहु 04:55
वर्षश गुरु मुन्धा वेष 24:42:31

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:2

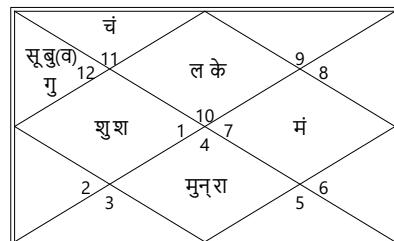
15 मार्च 1998 20:43 घंटे



लग्र 14:32 मंगल 14:37 शुक्र 15:09
सूर्य 01:00 बुध 18:23 शनि 25:56
चन्द्र 27:28 गुरु 15:33 राहु 16:41
वर्षश शुक्र मुन्धा मिथुन 24:42:32

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:3

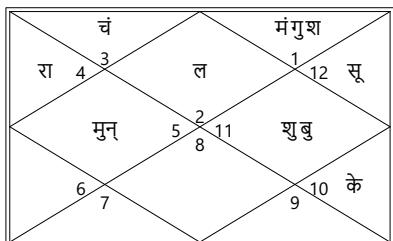
16 मार्च 1999 02:57 घंटे



लग्र 10:39 मंगल 18:19 शुक्र 03:06
सूर्य 01:00 बुध 08:08 शनि 07:42
चन्द्र 06:07 गुरु 13:16 राहु 28:01
वर्षश मंगल मुन्धा कर्क 24:42:33

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:4

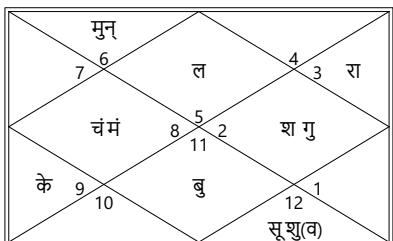
15 मार्च 2000 09:00 घंटे



लग्र 06:02 मंगल 00:18 शुक्र 08:11
सूर्य 01:00 बुध 08:55 शनि 19:50
चन्द्र 25:23 गुरु 11:38 राहु 08:35
वर्षश शुक्र मुन्धा सिंह 24:42:32

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:5

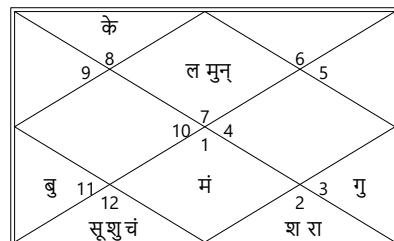
15 मार्च 2001 15:17 घंटे



लग्र 02:00 मंगल 20:03 शुक्र 23:01
सूर्य 01:00 बुध 03:55 शनि 02:21
चन्द्र 14:23 गुरु 11:05 राहु 18:36
वर्षश मंगल मुन्धा कन्या 24:42:34

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:6

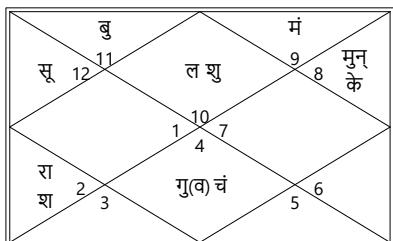
15 मार्च 2002 21:24 घंटे



लग्र 23:20 मंगल 16:00 शुक्र 15:33
सूर्य 01:00 बुध 11:50 शनि 15:18
चन्द्र 18:09 गुरु 12:03 राहु 28:07
वर्षश गुरु मुन्धा तुला 24:42:33

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:7

16 मार्च 2003 03:24 घंटे



लग्र 18:28 मंगल 13:06 शुक्र 21:57
सूर्य 01:00 बुध 25:18 शनि 28:40
चन्द्र 26:37 गुरु 14:44 राहु 08:06
वर्षश शनि मुन्धा वृद्धिक 24:42:31

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:8

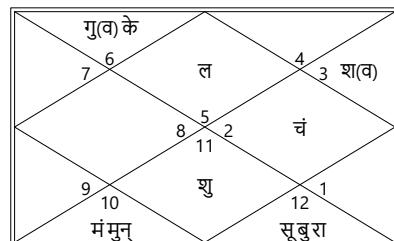
15 मार्च 2004 09:40 घंटे



लग्र 16:36 मंगल 02:08 शुक्र 16:21
सूर्य 01:00 बुध 11:29 शनि 12:25
चन्द्र 18:00 गुरु 18:38 राहु 18:28
वर्षश गुरु मध्य 24:42:33

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:9

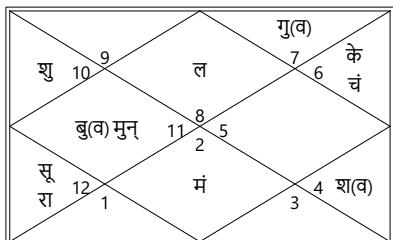
15 मार्च 2005 15:44 घंटे



लग्र 08:01 मंगल 02:13 शुक्र 27:02
सूर्य 01:00 बुध 18:43 शनि 26:30
चन्द्र 04:14 गुरु 22:24 राहु 29:06
वर्षश शनि मुन्धा मकर 24:42:32

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:10

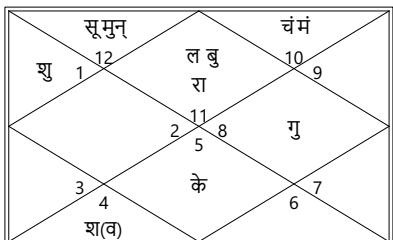
15 मार्च 2006 21:57 घंटे



लग्र 00:30 मंगल 19:31 शुक्र 14:53
सूर्य 01:00 बुध 24:01 शनि 10:49
चन्द्र 08:39 गुरु 24:43 राहु 10:21
वर्षश शुक्र मुन्धा कुम्भ 24:42:32

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:11

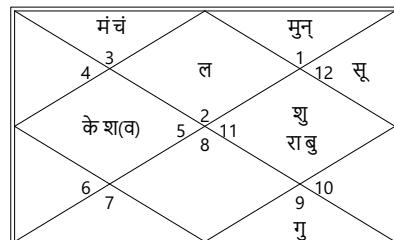
16 मार्च 2007 04:06 घंटे



लग्र 01:18 मंगल 19:38 शुक्र 03:39
सूर्य 01:00 बुध 04:13 शनि 25:15
चन्द्र 17:30 गुरु 25:08 राहु 22:11
वर्षश गुरु मुन्धा मीन 24:42:32

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:12

15 मार्च 2008 10:05 घंटे



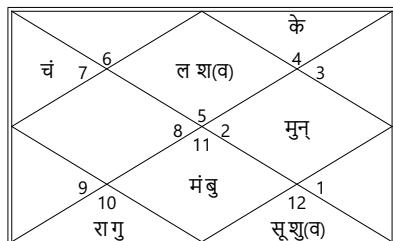
लग्र 22:52 मंगल 09:46 शुक्र 08:47
सूर्य 01:00 बुध 06:21 शनि 09:38
चन्द्र 10:39 गुरु 23:56 राहु 03:29
वर्षश शुक्र मुन्धा मेष 24:42:30

Priyanko Singha



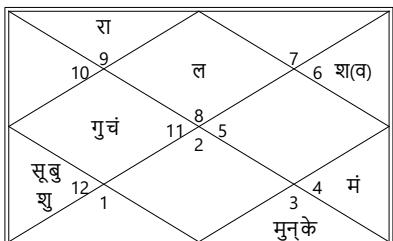
वर्षफल कुण्डलियां - 2

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:13
15 मार्च 2009 16:24 घंटे



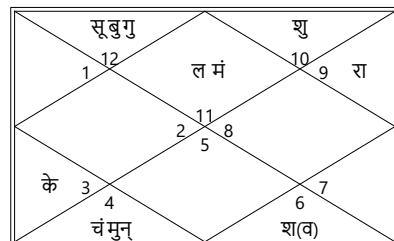
लग्र	16:43	मंगल	06:15	शुक्र	19:52
सूर्य	01:00	बुध	17:02	शनि	23:51
चन्द्र	24:24	गुरु	21:49	राहु	14:09
वर्षश	मंगल	मुन्धा	वृष 24:42:32		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:14
15 मार्च 2010 22:36 घंटे



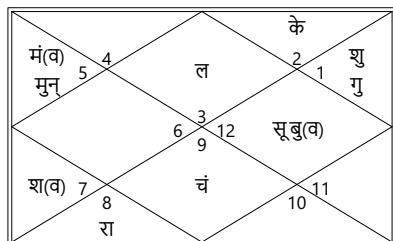
लग्र	08:58	मंगल	06:26	शुक्र	16:10
सूर्य	01:00	बुध	02:06	शनि	07:46
चन्द्र	29:11	गुरु	19:24	राहु	24:50
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	मिथुन 24:42:33		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:15
16 मार्च 2011 04:41 घंटे



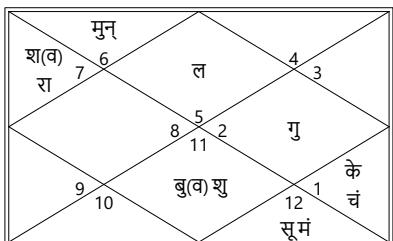
लग्र	12:30	मंगल	22:28	शुक्र	22:25
सूर्य	01:00	बुध	17:06	शनि	21:17
चन्द्र	08:07	गुरु	17:13	राहु	04:30
वर्षश	मंगल	मुन्धा	कर्क 24:42:32		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:16
15 मार्च 2012 10:58 घंटे



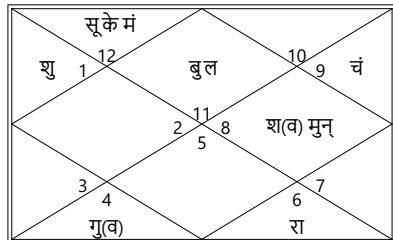
लग्र	05:28	मंगल	15:16	शुक्र	16:34
सूर्य	01:00	बुध	12:11	शनि	04:21
चन्द्र	03:09	गुरु	15:43	राहु	14:07
वर्षश	शनि	मुन्धा	सिंह 24:42:34		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:17
15 मार्च 2013 17:04 घंटे



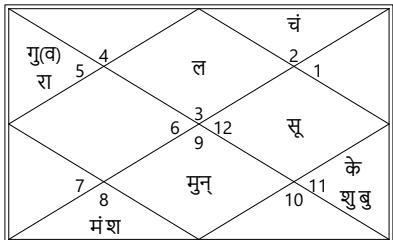
लग्र	25:38	मंगल	08:27	शुक्र	27:40
सूर्य	01:00	बुध	11:52	शनि	16:57
चन्द्र	14:27	गुरु	15:20	राहु	23:58
वर्षश	बुध	मुन्धा	कन्या 24:42:33		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:19
16 मार्च 2015 05:26 घंटे



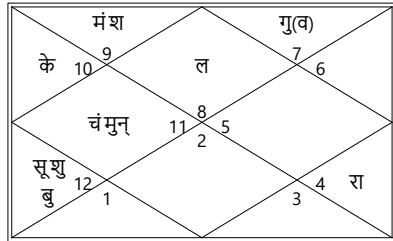
लग्र	27:41	मंगल	24:12	शुक्र	04:12
सूर्य	01:00	बुध	10:13	शनि	10:51
चन्द्र	29:47	गुरु	19:23	राहु	15:59
वर्षश	शनि	मुन्धा	वृश्चिक 24:42:34		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:20
15 मार्च 2016 11:25 घंटे



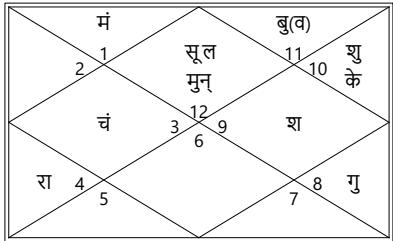
लग्र	11:32	मंगल	09:02	शुक्र	09:23
सूर्य	01:00	बुध	23:01	शनि	22:14
चन्द्र	25:07	गुरु	23:20	राहु	27:41
वर्षश	गुरु	मुन्धा	धनु 24:42:32		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:22
15 मार्च 2018 23:50 घंटे



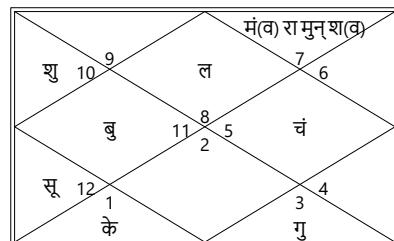
लग्र	24:55	मंगल	04:46	शुक्र	16:47
सूर्य	01:00	बुध	19:16	शनि	14:08
चन्द्र	10:06	गुरु	29:02	राहु	20:21
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	कुम 24:42:33		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:23
16 मार्च 2019 05:47 घंटे



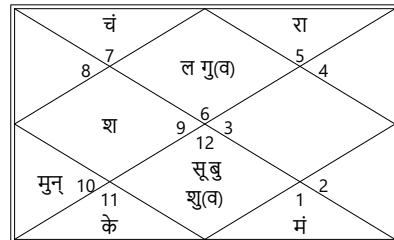
लग्र	05:13	मंगल	25:44	शुक्र	22:55
सूर्य	01:00	बुध	29:10	शनि	24:47
चन्द्र	21:12	गुरु	29:12	राहु	00:43
वर्षश	गुरु	मुन्धा	मीन 24:42:31		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:21
15 मार्च 2017 17:41 घंटे



लग्र	03:59	मंगल	09:51	शुक्र	14:41
सूर्य	01:00	बुध	03:30	शनि	29:07
चन्द्र	19:54	गुरु	16:31	राहु	04:38
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	तुला 24:42:33		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:24
15 मार्च 2020 12:01 घंटे



लग्र	19:34	मंगल	25:03	शुक्र	16:45
सूर्य	01:00	बुध	05:19	शनि	05:19
चन्द्र	17:01	गुरु	27:52	राहु	10:30
वर्षश	मंगल	मुन्धा	मेष 24:42:32		

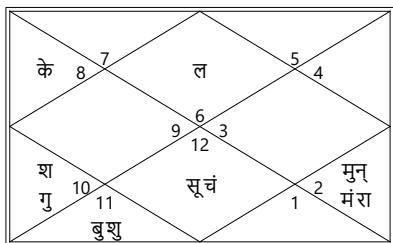
Priyanko Singha



वर्षफल कुण्डलियां - 2

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:25

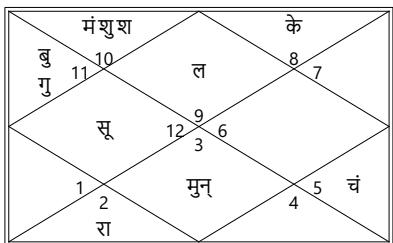
15 मार्च 2021 18:10 घंटे



लग्र	10:36	मंगल	12:30	शुक्र	28:17
सूर्य	01:00	बुध	05:18	शनि	15:47
चन्द्र	24:42	गुरु	25:41	राहु	19:51
वर्षश	मंगल	मुन्हा	वृष 24:42:32		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:26

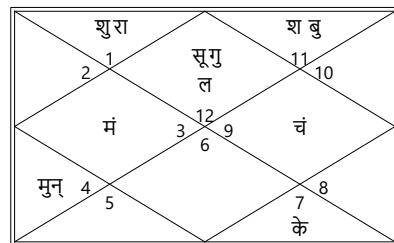
16 मार्च 2022 00:24 घंटे



लग्र	02:34	मंगल	12:57	शुक्र	14:32
सूर्य	01:00	बुध	15:06	शनि	26:16
चन्द्र	00:27	गुरु	23:16	राहु	00:13
वर्षश	सूर्य	मुन्हा	मिथुन 24:42:32		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:27

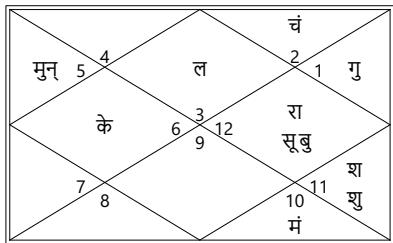
16 मार्च 2023 06:42 घंटे



लग्र	23:50	मंगल	01:22	शुक्र	04:44
सूर्य	01:00	बुध	29:40	शनि	06:48
चन्द्र	13:30	गुरु	21:08	राहु	10:33
वर्षश	गुरु	मुन्हा	कर्क 24:42:34		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:28

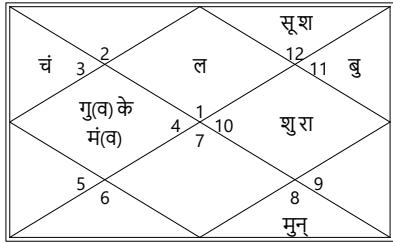
15 मार्च 2024 12:43 घंटे



लग्र	28:41	मंगल	29:49	शुक्र	10:00
सूर्य	01:00	बुध	15:22	शनि	17:27
चन्द्र	08:04	गुरु	19:44	राहु	21:34
वर्षश	शनि	मुन्हा	सिंह 24:42:33		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:31

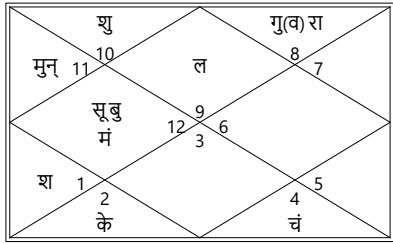
16 मार्च 2027 07:07 घंटे



लग्र	02:22	मंगल	28:25	शुक्र	23:24
सूर्य	01:00	बुध	03:24	शनि	20:36
चन्द्र	06:01	गुरु	23:58	राहु	25:46
वर्षश	गुरु	मुन्हा	वृश्चिक 24:42:32		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:34

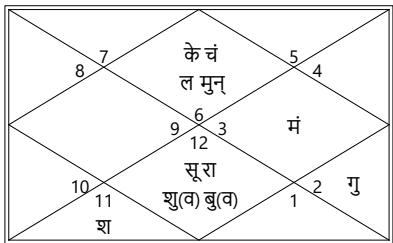
16 मार्च 2030 01:36 घंटे



लग्र	19:35	मंगल	18:03	शुक्र	14:27
सूर्य	01:00	बुध	06:39	शनि	26:31
चन्द्र	10:39	गुरु	03:20	राहु	26:22
वर्षश	मंगल	मुन्हा	कुम 24:42:32		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:29

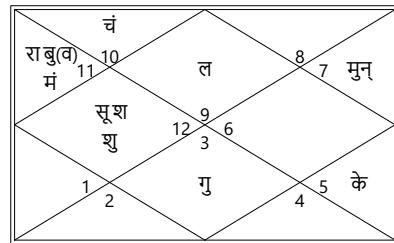
15 मार्च 2025 18:58 घंटे



लग्र	21:22	मंगल	24:56	शुक्र	12:53
सूर्य	01:00	बुध	15:22	शनि	28:16
चन्द्र	15:01	गुरु	19:30	राहु	03:10
वर्षश	शुक्र	मुन्हा	कन्या 24:42:34		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:30

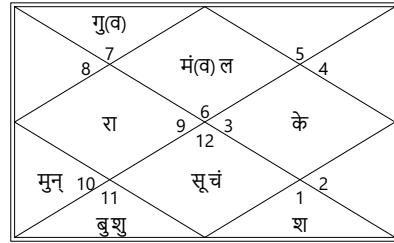
16 मार्च 2026 01:10 घंटे



लग्र	13:11	मंगल	16:11	शुक्र	17:25
सूर्य	01:00	बुध	15:33	शनि	09:18
चन्द्र	20:46	गुरु	20:53	राहु	14:44
वर्षश	गुरु	मुन्हा	तुला 24:42:34		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:33

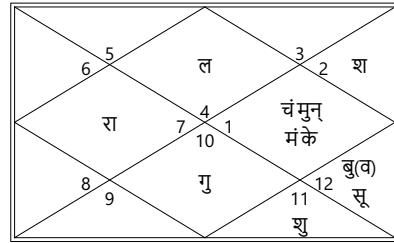
15 मार्च 2029 19:30 घंटे



लग्र	28:24	मंगल	14:18	शुक्र	28:55
सूर्य	01:00	बुध	20:50	शनि	14:10
चन्द्र	05:24	गुरु	01:29	राहु	16:37
वर्षश	मंगल	मुन्हा	मकर 24:42:33		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:36

15 मार्च 2032 13:48 घंटे



लग्र	12:36	मंगल	03:43	शुक्र	10:36
सूर्य	01:00	बुध	04:14	शनि	22:28
चन्द्र	19:32	गुरु	01:46	राहु	16:09
वर्षश	मंगल	मुन्हा	मेष 24:42:31		

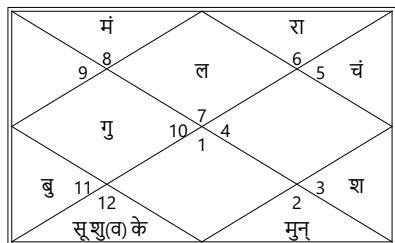
Priyanko Singha



वर्षफल कुण्डलियां - 4

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:37

15 मार्च 2033 20:04 घंटे



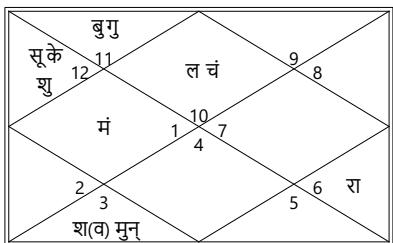
लग्र	05:53	मंगल	25:38	शुक्र	09:09
सूर्य	01:00	बुध	07:01	शनि	06:04
चन्द्र	26:01	गुरु	29:30	राहु	27:00
वर्षश	शनि	मुन्धा	वृष 24:42:32		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:38

16 मार्च 2034 02:22 घंटे

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:38

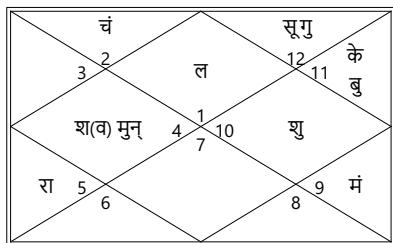
16 मार्च 2034 02:22 घंटे



लग्र	01:05	मंगल	19:29	शुक्र	18:02
सूर्य	01:00	बुध	04:27	शनि	20:01
चन्द्र	01:15	गुरु	27:04	राहु	08:44
वर्षश	मंगल	मुन्धा	मिथुन 24:42:34		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:39

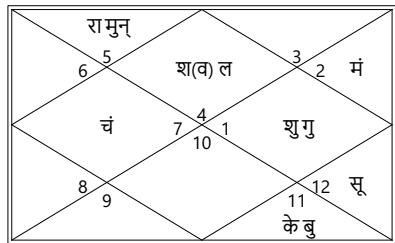
16 मार्च 2035 08:22 घंटे



लग्र	25:27	मंगल	17:32	शुक्र	23:54
सूर्य	01:00	बुध	13:17	शनि	04:16
चन्द्र	21:25	गुरु	25:00	राहु	20:13
वर्षश	मंगल	मुन्धा	कर्क 24:42:32		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:40

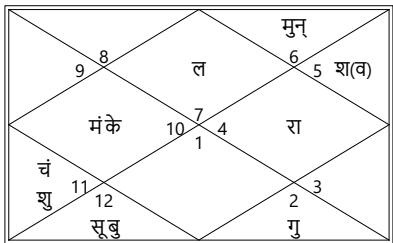
15 मार्च 2036 14:39 घंटे



लग्र	23:43	मंगल	05:48	शुक्र	17:02
सूर्य	01:00	बुध	27:15	शनि	18:41
चन्द्र	09:56	गुरु	23:43	राहु	01:31
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	सिंह 24:42:34		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:41

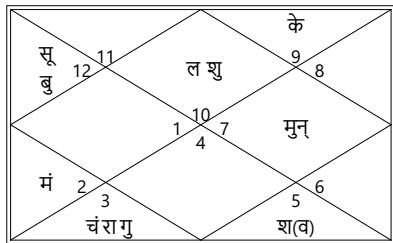
16 मार्च 2037 20:48 घंटे



लग्र	15:31	मंगल	06:09	शुक्र	29:33
सूर्य	01:00	बुध	13:20	शनि	03:08
चन्द्र	16:22	गुरु	23:41	राहु	12:47
वर्षश	मंगल	मुन्धा	कन्या 24:42:34		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:42

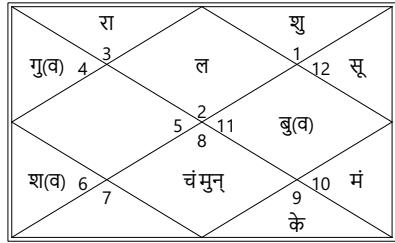
16 मार्च 2038 02:54 घंटे



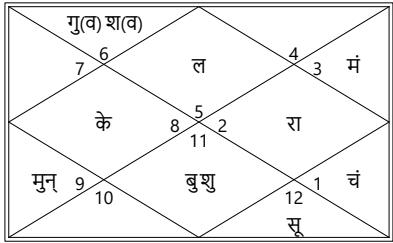
लग्र	09:50	मंगल	23:39	शुक्र	14:24
सूर्य	01:00	बुध	17:35	शनि	17:28
चन्द्र	21:32	गुरु	25:20	राहु	22:40
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	तुला 24:42:33		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:43

16 मार्च 2039 09:08 घंटे



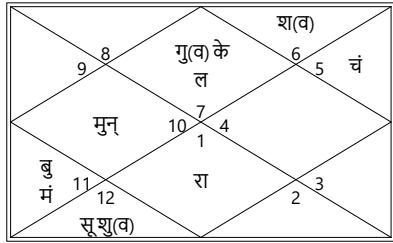
लग्र	08:21	मंगल	23:18	शुक्र	05:49
सूर्य	01:00	बुध	19:56	शनि	01:33
चन्द्र	14:22	गुरु	28:38	राहु	02:15
वर्षश	मंगल	मुन्धा	वृष्णि 24:42:34		



लग्र	00:12	मंगल	14:56	शुक्र	11:12
सूर्य	01:00	बुध	03:40	शनि	15:17
चन्द्र	00:22	गुरु	02:42	राहु	11:53
वर्षश	मंगल	मुन्धा	धनु 24:42:33		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:45

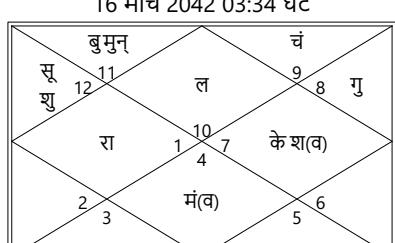
15 मार्च 2041 21:22 घंटे



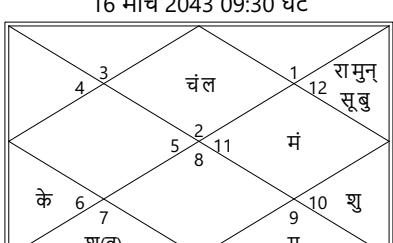
लग्र	22:47	मंगल	09:48	शुक्र	05:15
सूर्य	01:00	बुध	07:22	शनि	28:34
चन्द्र	06:53	गुरु	06:03	राहु	22:08
वर्षश	मंगल	मुन्धा	मकर 24:42:33		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:46

16 मार्च 2042 03:34 घंटे



लग्र	21:36	मंगल	13:47	शुक्र	18:38
सूर्य	01:00	बुध	18:44	शनि	11:24
चन्द्र	12:28	गुरु	07:37	राहु	02:52
वर्षश	शनि	मुन्धा	कुम्भ 24:42:34		



लग्र	14:01	मंगल	25:59	शुक्र	24:25
सूर्य	01:00	बुध	04:10	शनि	23:46
चन्द्र	06:21	गुरु	07:16	राहु	14:15
वर्षश	मंगल	मुन्धा	मीन 24:42:31		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:48

15 मार्च 2044 15:43 घंटे

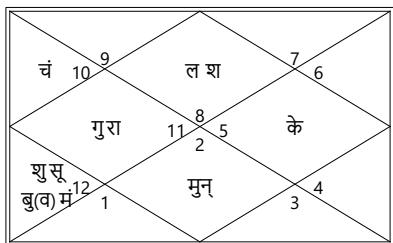


लग्र	07:43	मंगल	25:35	शुक्र	17:07
सूर्य	01:00	बुध	18:12	शनि	05:42
चन्द्र	20:31	गुरु	05:34	राहु	25:44
वर्षश	मंगल	मुन्धा	मेष 24:42:32		



वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:49

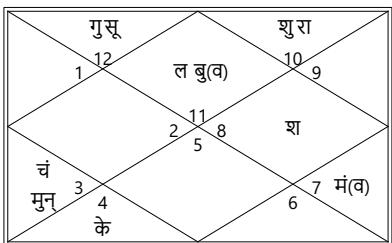
15 मार्च 2045 21:57 घंटे



लग्र	00:20	मंगल	11:54	शुक्र	00:11
सूर्य	01:00	बुध	08:52	शनि	17:16
चन्द्र	27:05	गुरु	03:11	राहु	07:15
वर्षश	शनि	मुन्धा	वृष 24:42:33		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:50

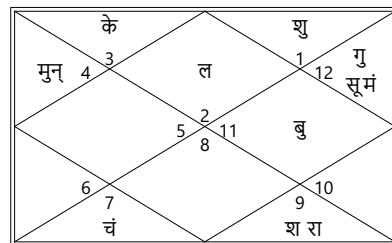
16 मार्च 2046 04:06 घंटे



लग्र	01:19	मंगल	11:34	शुक्र	14:24
सूर्य	01:00	बुध	09:21	शनि	28:29
चन्द्र	03:46	गुरु	00:44	राहु	18:10
वर्षश	शनि	मुन्धा	मिथुन 24:42:33		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:51

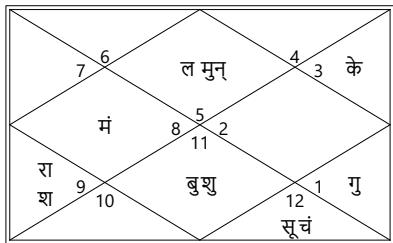
16 मार्च 2047 10:23 घंटे



लग्र	27:16	मंगल	27:37	शुक्र	06:20
सूर्य	01:00	बुध	03:50	शनि	09:26
चन्द्र	28:52	गुरु	28:44	राहु	28:30
वर्षश	गुरु	मुन्धा	कर्क 24:42:35		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:52

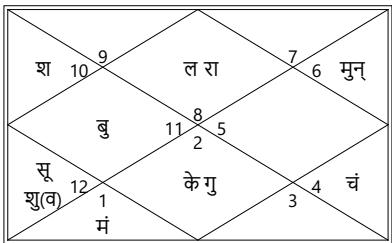
15 मार्च 2048 16:27 घंटे



लग्र	17:21	मंगल	15:25	शुक्र	11:49
सूर्य	01:00	बुध	11:34	शनि	20:10
चन्द्र	11:06	गुरु	27:36	राहु	08:19
वर्षश	मंगल	मुन्धा	सिंह 24:42:33		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:53

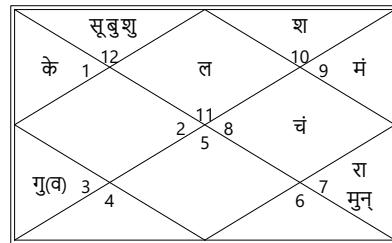
15 मार्च 2049 22:37 घंटे



लग्र	09:04	मंगल	13:18	शुक्र	01:17
सूर्य	01:00	बुध	24:55	शनि	00:45
चन्द्र	17:06	गुरु	27:49	राहु	18:24
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	कन्या 24:42:34		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:54

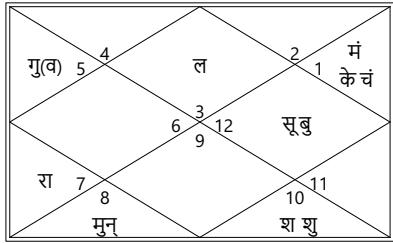
16 मार्च 2050 04:51 घंटे



लग्र	16:05	मंगल	09:31	शुक्र	19:15
सूर्य	01:00	बुध	11:06	शनि	11:15
चन्द्र	25:24	गुरु	29:46	राहु	27:57
वर्षश	गुरु	मुन्धा	तुला 24:42:35		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:55

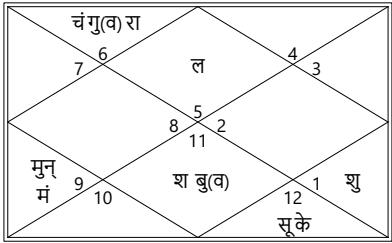
16 मार्च 2051 10:49 घंटे



लग्र	03:19	मंगल	29:20	शुक्र	24:56
सूर्य	01:00	बुध	18:52	शनि	21:44
चन्द्र	20:14	गुरु	03:18	राहु	08:25
वर्षश	गुरु	मुन्धा	वृश्चिक 24:42:32		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:56

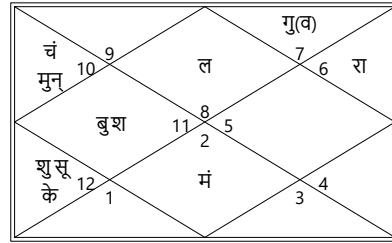
15 मार्च 2052 17:01 घंटे



लग्र	25:02	मंगल	29:06	शुक्र	17:10
सूर्य	01:00	बुध	24:51	शनि	02:15
चन्द्र	01:46	गुरु	07:23	राहु	19:41
वर्षश	मंगल	मुन्धा	धनु 24:42:33		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:57

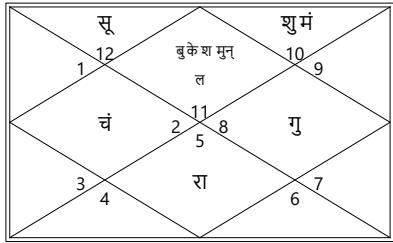
15 मार्च 2053 23:14 घंटे



लग्र	17:03	मंगल	16:25	शुक्र	00:49
सूर्य	01:00	बुध	04:22	शनि	12:51
चन्द्र	07:17	गुरु	10:31	राहु	01:16
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	मकर 24:42:34		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:58

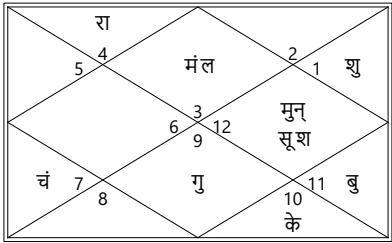
16 मार्च 2054 05:17 घंटे



लग्र	24:51	मंगल	16:42	शुक्र	14:26
सूर्य	01:00	बुध	06:10	शनि	23:36
चन्द्र	17:25	गुरु	11:47	राहु	12:41
वर्षश	शनि	मुन्धा	कुम 24:42:32		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:59

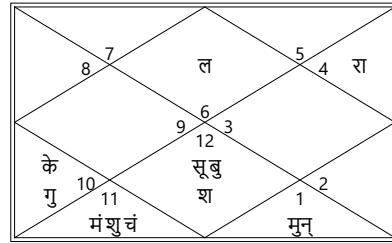
16 मार्च 2055 11:29 घंटे



लग्र	12:22	मंगल	06:02	शुक्र	06:52
सूर्य	01:00	बुध	16:43	शनि	04:33
चन्द्र	11:29	गुरु	11:12	राहु	24:04
वर्षश	गुरु	मुन्धा	मीन 24:42:33		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:60

15 मार्च 2056 17:33 घंटे



लग्र	02:13	मंगल	03:25	शुक्र	12:25
सूर्य	01:00	बुध	01:41	शनि	15:45
चन्द्र	22:15	गुरु	09:21	राहु	04:51
वर्षश	शनि	मुन्धा	मेष 24:42:32		

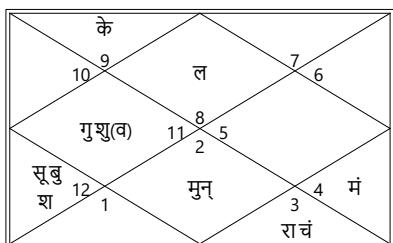
Priyanko Singha



वर्षफल कुण्डलियां - 6

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:61

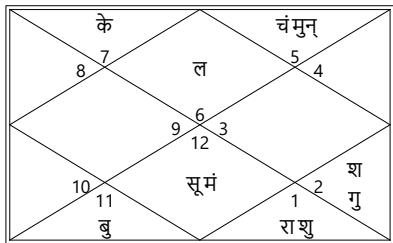
15 मार्च 2057 23:46 घंटे



लग्र	23:59	मंगल	01:14	शुक्र	27:20
सूर्य	01:00	बुध	16:50	शनि	27:15
चन्द्र	26:57	गुरु	06:56	राहु	14:39
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	वृष 24:42:33		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:64

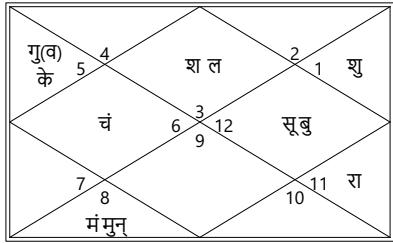
15 मार्च 2060 18:19 घंटे



लग्र	12:30	मंगल	05:43	शुक्र	17:11
सूर्य	01:00	बुध	03:28	शनि	03:51
चन्द्र	13:13	गुरु	01:42	राहु	14:13
वर्षश	सूर्य	मुन्धा	सिंह 24:42:34		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:67

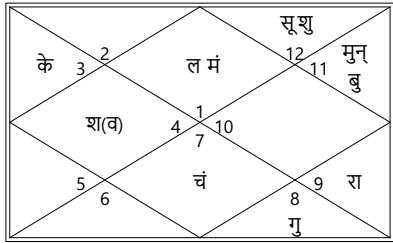
16 मार्च 2063 12:48 घंटे



लग्र	29:37	मंगल	03:43	शुक्र	07:23
सूर्य	01:00	बुध	08:42	शनि	14:03
चन्द्र	23:11	गुरु	07:57	राहु	18:18
वर्षश	गुरु	मुन्धा	वृश्चिक 24:42:34		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:70

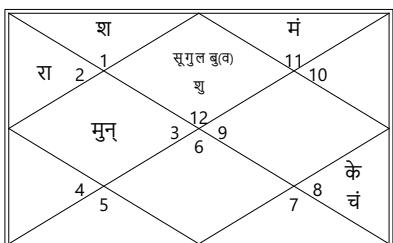
16 मार्च 2066 07:15 घंटे



लग्र	05:03	मंगल	22:59	शुक्र	20:29
सूर्य	01:00	बुध	05:33	शनि	26:57
चन्द्र	24:54	गुरु	15:48	राहु	20:20
वर्षश	मंगल	मुन्धा	कुम 24:42:34		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:62

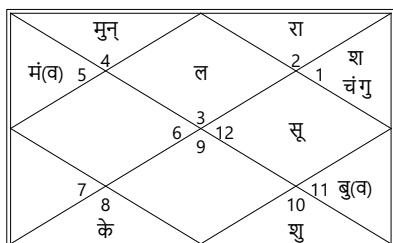
16 मार्च 2058 06:06 घंटे



लग्र	11:49	मंगल	19:42	शुक्र	19:52
सूर्य	01:00	बुध	12:47	शनि	09:04
चन्द्र	09:57	गुरु	04:33	राहु	24:05
वर्षश	गुरु	मुन्धा	मिथुन 24:42:35		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:63

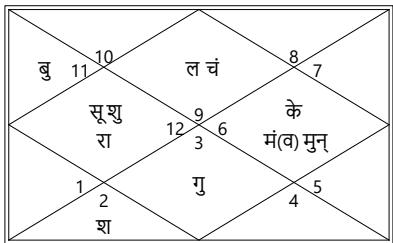
16 मार्च 2059 12:07 घंटे



लग्र	20:46	मंगल	07:42	शुक्र	25:27
सूर्य	01:00	बुध	12:25	शनि	21:15
चन्द्र	02:38	गुरु	02:39	राहु	03:49
वर्षश	गुरु	मुन्धा	कर्क 24:42:33		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:65

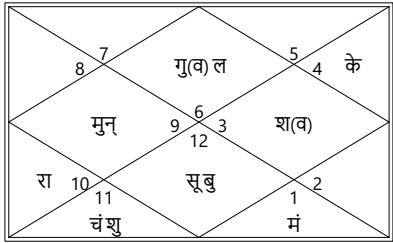
16 मार्च 2061 00:33 घंटे



लग्र	04:28	मंगल	24:36	शुक्र	01:27
सूर्य	01:00	बुध	09:58	शनि	16:50
चन्द्र	17:06	गुरु	02:09	राहु	25:29
वर्षश	गुरु	मुन्धा	कन्या 24:42:35		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:68

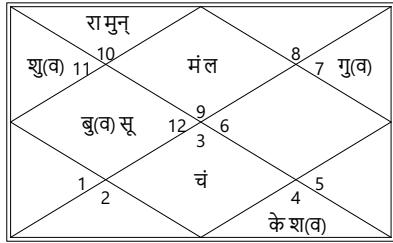
15 मार्च 2064 18:53 घंटे



लग्र	20:05	मंगल	07:10	शुक्र	13:02
सूर्य	01:00	बुध	19:17	शनि	28:10
चन्द्र	03:48	गुरु	11:56	राहु	29:57
वर्षश	गुरु	मुन्धा	धनु 24:42:33		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:69

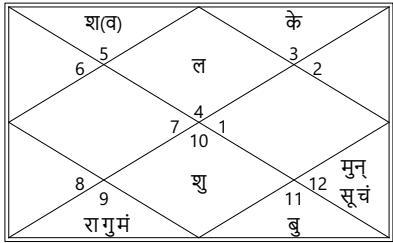
16 मार्च 2065 01:01 घंटे



लग्र	11:02	मंगल	00:52	शुक्र	23:26
सूर्य	01:00	बुध	00:00	शनि	12:31
चन्द्र	07:10	गुरु	14:48	राहु	10:20
वर्षश	मंगल	मुन्धा	मकर 24:42:33		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:71

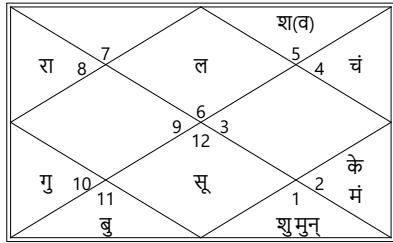
16 मार्च 2067 13:12 घंटे



लग्र	04:43	मंगल	21:47	शुक्र	25:58
सूर्य	01:00	बुध	05:09	शनि	11:20
चन्द्र	13:56	गुरु	15:02	राहु	00:14
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	मीन 24:42:32		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:72

15 मार्च 2068 19:23 घंटे



लग्र	26:42	मंगल	09:32	शुक्र	17:09
सूर्य	01:00	बुध	14:48	शनि	25:31
चन्द्र	24:13	गुरु	13:08	राहु	10:11
वर्षश	मंगल	मुन्धा	मेष 24:42:32		



जन्मकालिक पंचांगादि विवरण

वेद सर्वग्रन्थों में आद्य ग्रन्थ हैं। जगत के सब शास्त्रों की उत्पत्ति का आधार वेद ही हैं। वेद शब्द की उत्पत्ति विद् धातु से हुई है जिसका अर्थ है, ज्ञान। ज्योतिष शास्त्र द्वारा जीवात्मा के ज्ञान के साथ-साथ परमात्मा का ज्ञान भी सहज प्राप्त हो सकता है। इसीलिये ज्योतिष को वेद के चक्षु कहते हैं। त्रिकालज्ञ महषिर्यों ने हजारों वर्ष पूर्व अपने तपोबल व योगबल द्वारा ग्रहों के गुण, धर्म, रंग, रूप, स्वभाव आदि का चराचर जगत पर पढ़ने वाले शुभाशुभ परिणामों का वर्णन ज्योतिष फलित शास्त्रों में विस्तार पूर्वक किया है। प्रत्येक व्यक्ति के जन्म के स्थान, दिन व समय के अनुसार उस क्षण ब्रह्माण्ड में ग्रह-राशि-नक्षत्रों की स्थिति के चित्रण को 'जन्म कुण्डली' कहा जाता है। जन्म के समय पूर्व क्षितिज में जो राशि उदित होती है उसे 'लग्न' कहते हैं। चन्द्र जिस राशि में होता है उसे 'जन्म राशि' और जिस नक्षत्र में होता है उसे 'जन्म नक्षत्र' कहा जाता है। आपके जन्म के समय पंचांग के विभिन्न अंगों का विवरण नीचे दिया गया है।

अवकहडा चक्र

लग्न	:	मेष
चन्द्र राशि	:	मकर
चन्द्र राशि स्वामी	:	शनि
जन्मकालीन नक्षत्र	:	उत्तराषाढ़ा
नक्षत्र चरण	:	2
नामाक्षर	:	भो
राशि पाया	:	ताँबा
नक्षत्र पाया	:	ताँबा
वर्ण	:	वैश्य
वश्य	:	चतुष्पाद
नाड़ी	:	अन्त्य
योनि	:	नकुल
गण	:	मनुष्य

जन्मकालीन पंचांगादि

विक्रम संवत्	:	2052
मास	:	चैत्र
जन्मकालीन तिथि	:	कृष्ण एकादशी
जन्मकालीन योग	:	परिघ
जन्मकालीन करण	:	बव
आधुनिक जन्म वार	:	शुक्रवार
ज्योतिषिय जन्म वार	:	शुक्रवार

घात चक्र

घात मास	:	वैशाख
घात तिथि	:	4/9/14
घात वार	:	मंगलवार
घात नक्षत्र	:	रोहिणी
घात योग	:	वैधृति
घात करण	:	शकुनि
घात प्रहर	:	4
घात चन्द्र	:	सिंह



कुण्डली फल

ज्योतिष शास्त्र के ज्ञान से मनुष्य को श्रेष्ठ लाभ यह है कि उसे पूर्वजन्म के शुभाशुभ कर्मों का ज्ञान, वर्तमान जन्म में शुभकर्म करने की आवश्यकता, मानवीय जन्म का उद्देश्य, ईश्वरीय व मानवीय शक्ति में अन्तर, कर्म और भोग की मर्यादा, प्रारब्ध और प्रयत्न की सीमा व दोनों का परस्पर सम्बन्ध, अनुकूल व प्रतिकूल समय का ज्ञान व संकट समय मन में धैर्य रख उस पर विजय प्राप्त करने की शक्ति प्राप्त होती है। इस शक्ति से मन में सन्तोष, सन्तोष से चिन्ता का नाश, चिन्ता-नाश से धर्म की प्राप्ति, धर्म से धैर्य व शक्ति की प्राप्ति और शक्ति से ईश्वर के प्रति भक्ति व विश्वास क्रमशः प्राप्त करते हुए व संसारिक आपत्तियों को सहर्ष स्वीकार करने की क्षमता प्राप्त होती है।

प्रकृति एवं स्वभाव

- 1 - आप किसी की अधीनता पसंद नहीं करेगें तथा विचारों एवं कार्यों में अग्रणी रहना चाहेंगें।
- 2 - दूसरों की सलाह आपको पसंद नहीं होगी, अपना मार्ग स्वयं के निर्णय के अनुसार चुनेंगें।
- 3 - आप स्वभाव से निश्चयी और नेतृत्व के गुण से संपन्न होंगे।
- 4 - आप उद्यमशील एवं महत्वाकांक्षी होंगे। पूरी शक्ति से अपने सपने साकार करने में जुटे रहेंगे।
- 5 - आप के स्वभाव में तेजी, फूर्ती एवं जल्दबाजी होगी तथा धैर्य का अभाव होगा।
- 6 - आप हर एक बात में फैसले के तौर पर अपनी राय देने में झटक तैयार हो जायेंगे।
- 7 - आप में सदा यह इच्छा रहेगी कि आपके संसर्ग में आने वाला व्यक्ति आपको उँचा समझे और आपके व्यक्तित्व का प्रभाव माने।
- 8 - आप चुस्त, चतुर तथा चंचल स्वभाव के होंगे लेकिन अपने आस्था-विश्वास पर अडिग रहेंगे।
- 9 - आप में योजनायें बनाने तथा संगठनों के संचालन की योग्यता होगी।
- 10 - आप स्पष्टवादी होंगे तथा सच्चे व्यक्ति का मन से आदर करने वाले होंगे।
- 11 - आप का दृष्टिकोण वैज्ञानिक होगा। तर्क तथा वाद-विवाद में रुचि होगी।
- 12 - आप बातचीत में कुछ आक्रामक तथा उत्साह से भरे हुए होंगे।
- 13 - आप अहंवादी होंगे, आपके कार्य-कलाप में 'मैं' की प्रधानता होगी।
- 14 - आप में प्रतिस्पर्धा की भावना और चुनौती स्वीकार करने की प्रबल भावना होगी।
- 15 - आप को यात्रायें बहुत प्रिय होंगी, बहुत भ्रमणशील होंगे। पर्वतारोहण में रुचि होगी।
- 16 - आप किसी अन्य की अपेक्षा अपने बारे में सर्वाधिक सोचेंगे तथा सुविधाओं का दूसरों के लिये कभी त्याग नहीं करेंगे।
- 17 - आप लगभग हर मामले में असमझौतावादी प्रवृत्ति के होंगे।
- 18 - आप साहसी होंगे तथा जोखिम उठाने से नहीं घबड़ायेंगे।
- 19 - आप अपनी शीघ्र कार्य-शैली के कारण पहचाने जायेंगे।
- 20 - आप की प्रमुख कमियाँ होंगी - अचानक विचारों में परिवर्तन, अधैर्य, अनियंत्रण, क्रोध, झगड़ालू या उग्र प्रवृत्ति, धार्मिक आस्थाओं में अंधभक्ति इत्यादि।



शास्त्रों के अनुसार फल

आप के नेत्र सुन्दर, क्षीण कटि, शरीर के नीचे का भाग अर्थात् कमर से पैर तक कृश, बलवान्, स्थूल मस्तक, गोल जंघा, कंठ व कान लंबे, केश काले, गर्दन में तिलादि का चिन्ह, चेहरा गोल, रंग साँवला तथा उँचा कद है। धैर्यवान्, चतुर, कृपालु, राजप्रिय, श्रेष्ठ भाग्य युक्त, अपने वचन के पालन में तत्पर, मातृभक्त, नित्य अपने परिवार का पोषण, दूसरों से सुख की प्राप्ति, धर्म-ध्वजी अर्थात् बाह्य आवरण धार्मिकता युक्त, गान विद्या का ज्ञान, शास्त्रों में निष्णात, सत्यभाषी, उन्नत, धर्मात्मा, कभी-कभी निर्दयी, विख्यात, अल्प क्रोधी, घृणा से हीन, अल्पोत्साही, निन्दक, सत्त-युक्त अर्थात् शारीरिक, मानसिक तथा आत्मिक शक्ति युक्त, भ्रमणप्रिय, पैदल चलने में रुचि, कार्य क्षेत्र में उच्च स्थिति प्राप्त करने के लिये सर्वदा प्रयासरत, पुत्रवान्, बहुत बम्बुओं से युक्त, अच्छी स्मरण शक्ति, भीष्म प्रतिज्ञ, काव्य में रुचि, ख्यातिमान, व्यवहार से शत्रु उत्पन्न करने वाले, मित्रजन दुर्भाव से मित्रता करते हैं। पनी में लीन, कामी, अच्छी स्त्री की प्राप्ति, किसी स्त्री पर आशिक किन्तु आत्मसम्मान का ध्यान रहता है।

शीत से भयभीत, वात रोग से पीड़ित, पेट व बांह में दर्द होता है।

आधुनिक मत से फल

आप अत्यधिक महत्वकांक्षी, उच्चाभिलाषी, उद्यमशील, सेवा-भावी होते हैं, जिसके कारण समाज में प्रशंसित होते हैं। आपमें दाशनिकता की झलक भी होती है साथ ही घोर पदार्थप्रियता भी। स्वभाव से धैर्यवान्, परिश्रमी तथा लगनशील हैं। अपने परिश्रम से ही उन्नति करते हैं। हर काम को पूरी सुचारूता से करने वाले, सोच-समझ के कदम उठाते हैं। आप के व्यक्तित्व में विरोधाभास भी देखने को मिलता है - कभी आप कट्टर आस्थावादी होते हैं तो कभी एकदम अनास्थावादी, कभी परंपरावादी होते हैं तो कभी बुद्धिपूजक अर्थात् केवल तर्क-सम्मत बात ही स्वीकार करते हैं। अपने आपको परिस्थिति के अनुसार बदल सकने में सक्षम हैं। आप अपनी भावनाओं को अपने अंदर छिपा कर रखेंगे, अपनी किसी भी योजना या दिल की बात की भनक दूसरों को नहीं लगाने देंगे। अचानक निर्णय लेकर सभी को चमकृत व आश्र्यचकित कर देंगे। आप के प्रमुख अवगुण हैं - अहंमन्यता, निराशावादिता, अधीरता, आलस्य, अधिक बोलने की आदत। इन्हे समझकर दूर करने का प्रयास करना चाहिये।

शारीरिक लक्षण

- 1 - मध्यम कद तथा जल्दी-जल्दी चलने-फिरने की आदत होती है।
- 2 - गर्दन एवं चेहरा कुछ लम्बा होता है।
- 3 - आँखे गोल और दृष्टि तीक्ष्ण तथा उग्र होती है। भौंहे घनी होती हैं।
- 4 - सिर या मुँह पर तिल, चोट या फोड़े का निशान होता है।
- 5 - घुटना और उसके नीचे का भाग कुछ दुर्बल होता है।



महत्त्वपूर्ण जानकारी

आपका मूल वाक्य है
मैं हूँ।

सबसे बड़ा गुण है
साहस।

सबसे बड़ी कमी है
जल्दबाजी।

महत्वाकांक्षा है
नायकत्व की सहज अभिलाषा।

शुभ दिन
सोमवार, मंगलवार तथा शुक्रवार।

शुभ रंग
सफेद, लाल तथा पीला शुभ हैं। नीला तथा हरा रंग ठीक नहीं हैं।

शुभ अंक
2,7,9 सर्वाधिक शुभ हैं। 1,3,4,6 मध्यम शुभ हैं। 5,8 अशुभ हैं।

शुभ रत्न
मोती, लाल मूँगा, पीला पुखराज।

शुभ उपरत्न
चन्द्रमणि।

अशुभ मास तारीखें
प्रतिवर्ष जुलाई का महीना, 9, 12, 22, 30 तारीखें और मंगलवार का दिन अशुभ है।

अशुभ तिथि
चतुर्थी, नवमी एवं चतुर्दशी तिथियाँ जातक के लिए अनिष्टकर होती हैं।

शुभ राशि
वृष, मिथुन, कन्या, तुला और कुम्भ राशि वाले मनुष्य मित्रता करते हैं। मेष, कर्क, सिंह तथा वृश्चिक राशि वाले मनुष्य शत्रुता करते हैं।

शुभ दिवस
शनिवार सर्वदा शुभ फलदायक होता है।

अरिष्ट समय
यवनाचार्य के मतानुसार श्रावण का मास, शुक्लपक्ष, दशमी तिथि, मंगलवार, ज्येष्ठा नक्षत्र अरिष्टकर होता है।



ग्रह फल

सूर्य



सूर्य द्वादश भाव में

शुभ फल : व्यय स्थान में सूर्य होने से जातक को युद्ध और विवाद में विजय मिलती है। शरीर का दुःख दूर होता है। जातक पुत्रवान् तथा धैर्यवान् होता है। राजा से धन मिलता है। भावेश बलवान् होने से देवसिद्धि प्राप्त हो सकती है। शायासुख भी प्राप्त होता है।

कर्क, वृश्चिक और मीन में सूर्य होने से जातक खर्चीला, बेफिकर, राजनैतिक कारावास पाने वाला, लोकोपकारी, तथा युद्ध में पराक्रमी होता है।

अशुभ फल : बारहवें भाव में सूर्य होने से जातक उदासीन, वाम-नेत्र तथा मस्तक रोगी, आलसी, परदेशवासी, मित्र-द्वेषी एवं कृश-शरीर होता है। द्वादश भाव में सूर्य उदर और आँख के रोग, रात्रयन्धता, मन्ददृष्टिता आदि व्याधि से पीड़ित करता है। शरीर में, पैरों में पीड़ा देता है। शरीर में विशेष व्यथा होती है। छत्तीसवर्ष की आयु में गुल्मरोग (पेट का रोग-वायुगोला) होता है। शरीर के किसी अंग में व्यंग अर्थात् विकृतांग वा अंगहीन होता है। चंचल होता है, इस कारण इसका स्वभाव अस्थिर होता है। अपने चाचा से जातक का वैमनस्य रहता है तथा चाचा की तरफ से आपत्तियाँ उठती हैं। यात्रा में हानि पहुँचती है। रास्ते में चलते हुए अकस्मात् धनहानि होती है। जातक कुल-परम्परागत धर्म से विरुद्ध चलता है। धर्मपतित होता है। निर्धन होता है। राजा से (सरकार से) और चोरों से भय रहता है। व्यर्थ इधर-उधर भटकनेवाला होता है। बहुत कामुक तथा परस्तीगामी होता है। पक्षी समूह का नाश करता है अर्थात् आकाश में उड़ते हुए पक्षियों का शिकार करता है। जंघा के रोग होते हैं। साधारण लोगों से विरोध रखता है। बन्ध्यास्ती का पति होता है य अर्थात् इसकी स्त्री संतान पैदा करने के अयोग्य होती है। बलहीन और तुच्छ अर्थात् ओछे स्वभाव का होता है। मानहीन, बहुत खर्चीला या उत्तम काम करनेवाला, दुष्टों का रक्षक और अत्यन्त क्रोधी होता है।

द्वादशभावस्थ रवि के साथ पापग्रह की युति होने से जातक के धन का खर्च कुपात्र के ऊपर किया जाता है अर्थात् असद्यायी होता है। शायासुख से वंचित रहता है।

सूर्य चन्द्र से युक्त न होने से अंतिम आयु में विजयी और भाग्यवान् होता है। जातक बड़ा मेहनती और धूर्त होता है किन्तु सफलता कम मिलती है।





ॐ

चन्द्र

ॐ

चन्द्र दशम भाव में

शुभ फल : दसवें भाव में चन्द्रमा होने से जातक सतोगुणी होता है। परोपकार एवं करुणा जातक के स्वाभाविक गुण होते हैं। शान्त प्रकृति और संतोषी होता है। यथालाभ संतुष्ट रहने वाला होता है। विद्यावान्, प्रकांड पंडित, विद्वान्, चतुर, महान् मतिमान् होता है। विषादहीन, प्रसन्नचित्त, सत्कर्म परायण, पवित्रात्मा, धर्मात्मा और दयालु होता है। जातक शीलवान् और सच्चरित्र होता है। जातक मनस्वी, बुद्धिमान् होता है। उसे परिवार में और समाज में आदर मिलता है। वह यशस्वी होता है। यश दूर-दूर तक फैलता है। लोकप्रिय होता है। तत्पर होकर कामों को करनेवाला, लोकहितैषी, और दानशील होता है। पराक्रमी और शौर्य सम्पन्न होता है। सर्वत्र विजय पाता है। जातक सब कामों को निष्पत्ति सम्पादन करनेवाला होता है। जिस काम को हाथ में लेता है इसमें इसे सफलता मिलती है। शुभ कर्म करता है। सत्युरुषों, सज्जनों के साथ उपकार करनेवाला होता है। शोभायमान लक्ष्मी से युक्त होता है जिससे जातक का व्यक्तित्व चमक उठता है। धनी, लक्ष्मीवान् और धनाद्वय, होता है। श्वासुरगृह से प्राप्त धन से धनी होता है। राजमान्य होता है। राजा से धन और मान पाता है। राजकुल से धन का लाभ होता है। राज्य से अथवा तत्समान धनी-मानी लोगों से भी सुख प्राप्त होता है। राज्याधिकारियों से सम्पर्क रखने वाला एवं उनमें अपना प्रभाव बनाने वाला बनता है। ऊँचे घराने की स्त्रियों से लाभ होता है। वस्त्र और अलंकार युक्त होता है। प्रसिद्ध व्यापारी, ऐसा जातक दरिद्र घर में जन्म लेकर भी अपने बाहुबल से प्रसिद्ध हो जाता है। पिता के सुख एवं सहयोग को प्राप्त करता है। बन्धु-बान्धवों से सुख प्राप्त होता है। पितृभक्त और कुटुम्बवत्सल होता है। अपने परिवार का पालक होता है। नवीन-अंगना- अर्थात् नव परिणीता स्त्री के ऐश्वर्य-प्रभूत्व और मान को देखकर बड़ी प्रसन्नता होती है। नित्य नवीना नगरवासिनी नारियों से रतिसुख मिलता है। स्त्रियों से विलास करनेवाला और कलाओं का जानेवाला होता है। यौवन में सर्वप्रकार का सुख प्राप्त होता है। नाना प्रकार के सुख प्राप्त होते हैं-स्त्री-पुत्र आदि से भरपूर होता है। ज्येष्ठपुत्र से पूर्णसुख प्राप्त नहीं होता है अर्थात् जातक और ज्येष्ठपुत्र का परस्पर वैमनस्य (मनमुटाव) रहता है। लोकोपयोगी वस्तुओं के व्यापार से लाभ होता है। वैश्यवृत्ति से व्यापार में धन प्राप्त होता है। स्मरण-रहे कि चन्द्रमा को वैश्य भी माना गया है। सम्पत्ति सदैव एक-सी नहीं रहती - कभी धन से पूर्ण और कभी धन से खाली।

भावेश बलवान् होने से जातक को अच्छे कामों में विशेष सफलता मिलती है।

अशुभ फल : निर्बल देहवाला होता है। वाल्यावस्था में अल्पसुख मिलता है अर्थात् बचपन कष्टमय व्यतीत होता है।

दूषित चन्द्रमा होने से अकर्मण्य होता है।

चरराशि में चन्द्र होने से व्यापार में अस्थिरता होती है। मंगल की युति में भारी नुकसान होता है। शनि की युति में चन्द्र होने से व्यवसाय में कठिनाइयाँ आती हैं।

भावेश पर पापग्रह की दृष्टि होने से, अथवा पापग्रह साथ में होने से जातक बुरे कामों को करनेवाला होता है। कामों में विघ्न पड़ते हैं-रुकावटें आती हैं।

दशमभाव स्थित चन्द्रमा मेष, कर्क, तुला वा मकर राशि में होने से बचपन में ही माता-पिता का वियोग होता है। इस भाव के चन्द्र से चुनाव में यश मिलता है। नेतृत्व प्राप्त होता है।

मेष, कर्क वा मकर में चन्द्र होने से आयु भर स्थिरता बहुत कम मिलती है। नौकरी में हमेशा परिवर्तन होते रहते हैं।

वृश्चिक राशि को छोड़कर अन्य किसी राशि में चन्द्र होने से माता-पिता का सुख नष्ट होता है। यदि इन दोनों में कोई एक जीवित रहे तो परस्पर अच्छे सम्बन्ध नहीं रह सकते।



मंगल



मंगल एकादश भाव में

शुभ फल : ग्यारहवें भाव में मंगल होने से जातक रोगहीन, साहसी, शूर, न्यायवान् एवं धैर्यवान् होता है। जातक बोलने में चतुर, सत्यवक्ता, मधुरभाषी, सुशील और व्रत का दृढ़ता से पालन करनेवाला होता है। स्वभाव से विनोदशील होता है। ग्यारहवें स्थान में मंगल की स्थिति होने से जातक पंडित और विद्वान् होता है। देव तथा ब्राह्मणों का भक्त होता है। आत्मसंयमन की शक्ति प्रबल होती है। जातक सुखी, धनाद्युय होता है। अपने गुणों से बहुत लाभ प्राप्त करनेवाला होता है। जातक की धनाद्युयता के बारे में कोई चुगली न कर दें-कहीं चोरों को इसकी धन संपत्ति का पता न लग जावे-इस कारण निर्धन-सा बना रहता है। इस मंगल के फलस्वरूप बड़ी बिल्डिंग, जमीन, धन, वाहन आदि से सुख प्राप्त होता है। जातक तांबा, मूंगा, सोना, सुंदर लाल वस्त्र, हर्ष, राजकृपा, मान-इनसे युक्त होता है। जातक जरी, रेशमी, मखमली, जर्कसी आदि वस्त्रों से युक्त तथा हाथी, घोड़ा, गाड़ी आदि वाहन नौकर आदि रखनेवाला होता है। 24-28 वें वर्ष में धन प्राप्त होता है। खेती, कृषि-तृणादि से लाभ प्राप्त करता है। गाय-भैंस आदि पशुधन से, एवं घोड़ा-ऊँट-हाथी आदि सवारी के जानवरों के व्यापार से मालामाल हो जाता है-अटूट द्रव्यलाभ से समृद्ध हो जाता है। जातक को यात्रा से, साहस से, अग्नि वा शस्त्रों से, या सोने वा जवाहरात के व्यापार से बहुत धन मिलता है। किन्तु दूसरों की दी हुई पूंजी से व्यापार किया तो उसमें बहुत नुकसान होता है। अग्नितत्व की राशि में होने से सद्वा, लाटरी, रेस और जुए में अच्छा लाभ होता है। उत्तम खाद्यपदार्थ खाने को मिलते हैं। स्त्रियों का लाभ होता है। जातक स्त्रियों के साथ क्रीड़ा करने में समर्थ होता है। जातक के मित्र विश्वस्त नहीं होते। मित्रों द्वारा ठगाया जाता है। किन्तु इस पर शुभग्रह की दृष्टि होने से मित्रों से अच्छा लाभ होता है। भाई का द्रव्य मिलता है। ग्यारहवें स्थान में मंगल शत्रुओं के लिए अच्छा नहीं होता, शत्रुओं को पीड़ित करता है। जातक के सामने शत्रु टिक नहीं पाते। जातक के शत्रु भी इसके प्रताप से दबकर इसकी प्रशंसा-इसकी बड़ाई करने लगते हैं। जातक संग्राम में शत्रुओं पर विजय पानेवाला होता है। डाक्टरों के लिए यह योग अच्छा है, सर्जरी में तथा स्त्रीरोग विशेषज्ञता में यशस्वी होते हैं। वकीलों के लिए भी लाभभाव का मंगल लाभदायक है धन मिलता है, अदालत पर प्रभाव भी पड़ता है-कभी ऐसा भी होता है कि सनद रद्द होने का समय भी आजावे। इनको वादी-प्रतिवादी दोनों से रिश्वत लेने की आदत होती है-इसी से कठिनाई भी होती है। ग्यारहवें स्थान में मंगल इंजिनीयर, फिटर, सोनार, लोहार आदि के लिए भी अच्छा होता है।

अशुभफल : ग्यारहवें भाव में मंगल होने से कटुभाषी, दम्प्ति, झगड़ालू, क्रोधी, चंचल, प्रवासी, अंहकारी, और धूर्त बनाता है। मृत जैसा निष्क्रिय तथा निराश अन्तःकारण का होता है। जातक कामुक होता है। लाभभाव का मंगल संतान के लिए अच्छा नहीं होता, क्योंकि इस स्थान का मंगल संतान को पीड़ित करता है। सन्तान के बारे में कष्ट होता है। पुत्र के दुःख से पीड़ित होता है। अग्नि और चोरों से हानि होती है। ग्यारहवें भाव से सप्तम भाव सुत स्थान रहने के कारण मंगल छोटी (बड़े से छोटे) सन्तानों को क्षति पहुंचाता है।

पुरुषराशि में-मेष-सिंह-धनु, मिथुन-तुला या कुम्भ राशि में होने से पुत्र नहीं होते-यदि हुए तो जीवित नहीं रहते, अथवा गर्भपात हो जाता है। अथवा बड़े होकर माँ-बाप से झगड़ते हैं।



बुध



बुध एकादश भाव में

शुभ फल : ग्यारहवें भाव में पड़ा बुध शुभ फल देता है। जातक नीरोग, श्यामवर्ण तथा सुन्दर नेत्रोंवाला होता है। स्वभाव में कवि की-सी सरलता और चरित्र में दृढ़ता गुण होती है। जातक सदाचारी, इमानदार, विनम्र, सुशील, नित्य आनन्द में रहनेवाला, और सत्यसंघ अर्थात् प्रतिज्ञापालक होता है। जातक स्त्रियों को प्रिय, अतिगुणी, बुद्धिमान, अपने लोगों को प्रिय होता है। लोगों से प्रेम से बर्ताव करनेवाला होता है। कई प्रकार की विद्याओं को जाननेवाला होता है। कई एक विद्याओं और विषयों का जिज्ञासु होता है। जातक वेदशास्त्र में श्रद्धालु होता है। जातक ज्ञानी, विद्वान्, विचारवान्, कीर्तिमान्, भाग्यवान् तथा सुखी होता है। एकादश बुध होने से दीर्घायु होता है। जातक को नौकरों का सुख भी प्राप्त होता है। आज्ञाकारी नौकर होते हैं। वाहनों का सुख मिलता है। घन धान्य सम्पन्न, नित्य लाभ वाला होता है। शिल्पकला, लेखन या व्यापार में अनेक प्रकारों से घन मिलता है। "ज्ञः पञ्चवेदे घनम्" - एकादश बुध 45 वें वर्ष में घनप्राप्ति करता है। कन्या सन्तति अधिक होती है। शत्रुओं का नाश करने वाला, शत्रुओं से घन का लाभ प्राप्त करने वाला होता है। जातक नानाविध भोगों से आसक्त, सदा ही सुखी होता है।

बुध बलवान् होने से बहुत सम्पत्ति प्राप्त होती है।

मिथुन-तुला या कुंभ में बुध होने से जातक शिक्षक, डिमानस्ट्रेटर आदि होता है।

अशुभ फल : जातक की भूख कम होती है। ग्यारहवें स्थान में बुध की होने से जातक की बुद्धि कुछ कुण्ठित होती है।

यह बुध पापग्रह की राशि में या पापग्रह के साथ होने से बुरे मार्गों से घन का नाश होता है।

राशियों के अनुसार बुध के फल जातक के लिये इस प्रकार हैं - कुम्भ विश्वास योग्य मित्र।





२

बृहस्पति

२

बृहस्पति नवम भाव में

शुभ फल : नवम भाव में गुरु होने से जातक धार्मिक, सच बोलनेवाला, नीतिमान, विचारी और माननीय होता है। जातक स्वभाव से शान्त और सदाचारी होता है-ऊँचे बिचारों का होता है। तीर्थठिन और देवता-गुरु व ब्राह्मणों में श्रद्धा देता है तथा जातक को पूण्यकर्म बनाता है। जातक साधुओं के संगति में रहनेवाला, भक्त, योगी, वेदान्ती, शास्त्रज्ञ, इच्छारहित और ब्रह्मवेत्ता होता है। जातक तपस्वी अर्थात् तपश्चर्या करनेवाला होता है। यह ज्ञानी, सर्वशास्त्रज्ञ, विद्वान्, स्वकुलाचारपरायण और कुल को बढ़ाने वाला होता है। सभी शास्त्रों और कलाओं में पूर्णतया अभ्यस्त, व्रती और देवपितृभक्त होता है। जातक तीर्थयात्रा और धर्मिक कार्यों में प्रेम रखने वाला होता है। पराक्रमी, यशस्वी, विख्यात, मनुष्यों में श्रेष्ठ, भाग्यवान्, साधुस्वभाव का होता है। जातक बहुत यज्ञ करता है। 35 वें वर्ष में देवयज्ञ करता है। नवम बृहस्पति अध्यात्मज्ञान, और योगाभ्यास का द्योतक है। अन्तर्ज्ञन या भविष्य का ज्ञान प्राप्त होता है। न्यायकार्य, लेखन आदि के लिए गुरु शुभ है। जातक को मकान का सुख पूर्ण रूप से मिलता है। जन्मलग्न से नवेस्थान में बृहस्पति होने से जातक का घर चारखण्ड (चारमंजिल) या चार चौक का होता है। बृहस्पति नवमभाव में होने से जातक का मकान पीला-लाल-हरे रंग से चित्रित चौकोर चारमंजिल का होता है। जातक राजा का प्रेमपात्र होता है। जातक पर राजा की बहुत कृपा रहती है। जातक राजमंत्री, राजमान्य, नेता, या प्रधान होता है और बहुतों का स्वामी अर्थात् पालक होता है। राज्य और समाज में सम्मानित होता है और प्रसिद्ध होता है। धनवान्, धनाद्य होता है। सभी प्रकार की संपत्ति बढ़ती है। राजा जैसा ऐश्वर्य मिलता है। जीवनभर सुख मिलता है। और स्त्रियों को प्रिय होता है। जातक का पिता दीर्घायु होता है, अच्छे काम करता है, अत एव बहुत आदर और सम्मान पाता है। नवम स्थान में स्थित बृहस्पति से हाथी-घोड़ों (वाहन) का सुख होता है। जातक भाई वंद और सेवकों से युक्त होता है। जातक के भाई-बच्चु जातक के प्रति विनीत और विनम्र व्यवहार करते हैं। जातक को कानून के काम, कर्कट का काम, धार्मिक विषय, वेदांत, दूर के प्रवास से लाभ होता है। विवाह सम्बन्ध से जो नए रिश्तेदार होते हैं उनसे अच्छा सुखप्राप्त होता है। नवमभाव का गुरु भाइयों की कुटुम्ब में एकत्र स्थिति के अनुकूल नहीं है-एकत्र स्थिति में दोनों भाई प्रगतिशील नहीं होंगे।

गुरु मेष, सिंह, धनु या मीन में होने से जातक एम.ए., एल.एल.बी., पी.एच.डी. आदि ऊची पदवियां प्राप्त करता है इस व्यक्ति को प्रोफेसर उपकुल गुरु आदि पद प्राप्त होते हैं।

अशुभफल : जातक किसी भी कार्य को प्रारम्भ से अन्त तक ले जाने के पहले ही छोड़ देता है। किसी भी विषय को थोड़ा ज्ञान होने पर आलस्य एवं प्रमादवश छोड़ बैठना जातक का स्वभाव होता है। जातक आलस्य से धर्म में उदासीन होता है, अर्थात् नित्यकर्म संध्यावंदनादि में भी आलस्य करता है। गुरु पीड़ित होने से ऊपरी दिखावा, वृथा अभिमान बहुत होता है। वाहियात वर्ताव से जातक की बेङ्जती होती है। नवमस्थान का गुरु पुत्र-चिन्ता बनाए रखता है। पुत्र होता नहीं-लड़की होती है-पुत्र चिन्ता बनी रहती है। पुत्र होता है, जीवित नहीं रहता है पुत्र चिन्ता बनी रहती है। जीवित तो रहता है किन्तु उच्छ्वस्त तथा विरुद्धाचारी होता है, पुत्र चिन्ता बनी रहती है। सुशिक्षित तो होता है किन्तु बरताव अच्छा नहीं करता, पुत्रचिन्ता बनी रहती है। नवमस्थान पितृस्थान है। किन्तु 'माता की मृत्यु होती है' बृहद्यवनजातक का यह फल भी सम्भव है। माता-पिता दोनों की मृत्यु भी सम्भव है।

गुरु पुरुष राशि में होने से भाई-बहिनों के लिए नेष्ट है-भाई-बहनें थोड़ी होती हैं।

पुरुषराशि का गुरु अल्प संतति(पुत्र) दाता है-एक या दो पुत्र, कन्याओं के बाद होते हैं।



♀

शुक्र

♀

शुक्र प्रथम भाव में

शुभ फल : लग्नस्थान में शुभ शुक्र होने से रूप सुन्दर होता है। शरीर, मुख और आंखें सुन्दर होती हैं। कांतिमान् अर्थात् तेजस्वी होता है। लग्न में शुक्र होने से या दृष्टि होने से जातक का रंग गोरा होता है। कमर, पीठ, उदर वा गुह्यस्थान में कोई ब्रण चिन्ह या तिल होता है। शुक्र लग्न में होने से जातक के 12 वें वर्ष मस्तक पर कोई चिन्ह प्रकट होता है। शरीर स्वस्थ और निरोग रहता है। दीर्घायु होता है। जातक साफ सुधरा रहने वाला, भूषणों से सुशोभित, अच्छे वस्तों का शौकीन होता है। शिल्पकला में निपुण, सुशील, विनम्र, काव्यशास्त्र परिशीलन में आनन्द लेने वाला और धर्मात्मा होता है। शुभवचन बोलनेवाला, दूसरों को उपदेश देनेवाला, आनन्दी स्नेहयुक्त होता है। गायन-वादन-चित्रकला आदि का शौक होता है। मधुरवाणी और आदरपूर्वक व्यवहार से लोग जातक का आदर करते हैं। शुक्र से जातक स्थिरस्वभाव का होता है - 'कवि: स्थिर प्रकृतिदायकः।' जातक की भाषण शैली मोहक, बरताव मृदुतापूर्ण और स्वभाव प्रसन्न तथा आकर्षक होता है। जातक अनेक कलाओं में कुशल, सब कामों में चतुर, विद्वान्, गणितज्ञ, सर्वप्रिय होता है। राजा जैसा प्रतापी, कुलभूषण और पराक्रमी होता है। नाना प्रकार के भूषण, वस्त्र अलंकार प्राप्त होते हैं। जातक सुन्दर मृगनयिनी स्त्रियों से रतिक्रीड़ा करता है। वह कामक्रीड़ा में निपुण होता है। स्त्रियों को वश करना सहजसाध्य होता है। बहुत शक्ति सम्पन्न तथा वीर्यवान् होने से बहुत स्त्रियों का उपभोग करता है। जातक कामी, विलासी, और भौतिक विचारों से युक्त होता है। प्रथम भाव में शुक्र के होने से जातक को सुखों की कमी नहीं रहती। समृद्धिमान्, सुख-साधनों से संपन्न, धनवान् और राजप्रिय होता है। राज्य में सम्मान प्राप्त करता है। सत्पुरुषों का संग और उत्तम कर्म करने वाला होता है। प्रबल शत्रुओं का सहसा नाश होता है। चित्रकलायुक्त घर में रहनेवाला, कौतुकी, भाग्य भरोसे रहनेवाला होता है। भोजन में नमकीन और खट्टे पदार्थ प्रिय होते हैं। जातक सुन्दर स्त्री-पुत्रों से युक्त होता है। केन्द्र स्थान में शुक्र होने से जातक का पुत्र दीर्घायु होता है। नाटक मण्डली या जिसमें लोकसमुदाय से सम्बन्ध आता हो-ऐसे अन्य व्यवसाय में सफलता मिलती है-ऐसा राफेल आदि ने कहा है। लग्न में शुक्र होने से जातक कवि-नाटककार, उपन्यास लेखक, गायक, चित्रकार आदि होते हैं और यश भी प्राप्त करते हैं।

तनुभाव में मेष, सिंह या धनु में शुक्र होने से विवाह विलम्ब से होता है। स्त्री अच्छी, पति-पत्नी में प्रेम अच्छा होता है।

तनुभाव में मेष, सिंह या धनु में शुक्र होने से व्यक्ति प्रभावी होता है। धनुराशि में शुक्र होने से 36 वर्ष की आयु हो जाने पर विवाह होता है। अथवा दिल चाहता है कि विवाह किया ही न जाए। शुक्र द्विभययोग भी करता है। नौकरी या धन्धा-ठीक चलता है। भाग्योदय के लिए कष्ट उठाना पड़ता है। सन्तान थोड़ी होती है।

अशुभ फल : जातक बहुत बोलने वाला होता है। जातक का स्वभाव वातपित्तप्रधान होता है अर्थात् वात और पित्त के रोग होते हैं। कुत्ते से, सींगोंवाले पशुओं से कष्ट और भय होता है। जातक कृतघ्न होता है। शुक्र लग्न में होने से चक्षुः नाशक होता है। नेत्ररोगवान् होता है।

मेष, वृश्चिक, कन्या और मकर लग्न में शुक्र शुभ नहीं होता।



ॐ

शनि

ॐ

शनि द्वादश भाव में

शुभ फल : बारहवें स्थान में शनि होने से जातक की प्रवृत्ति एकांतप्रिय, संन्यासी जैसी होती है। दयालु होता है। भिक्षागृह, कारागृह, दान संस्था आदि से सम्बन्ध रहता है। जातक गुप्तरीति से धन संचय करता है। गुप्त नौकरी, हलके काम आदि से लाभ होता है। शत्रुहंता और कुबेर के समान यज्ञ करने वाला होता है। शनि व्ययभाव में होने से जातक जनसमूह का नेता होता है।

व्ययस्थान का शनि मेष, मिथुन, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु और मीन में होने से वकील, वैरिस्टर, राजनीतिज्ञ आदि विद्वान् होता है।

व्ययस्थान का शनि मेष, मिथुन, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु और मीन में होने से शुभ फल देता है।

अशुभ फल : कातर, निर्लज्ज तथा शुभ कार्य में कठोर बुद्धि होता है। मूर्ख, निर्धन तथा वंचक (ठग) होता है। जातक पापी, हीनांग, तथा भोगों में लालसा रखता है। जातक की रुचि कूरर कामों में होती है। किसी अवयव में व्यंगयुक्त या किसी अंग के टूटने से सदा दुःखी रहता है। बारहवें स्थान में बैठा शनि व्यक्ति को सन्देहशील और दुष्ट स्वभाव का बनाता है। जातक मांस-मदिरा का सेवन करने वाला, म्लेच्छों के साथ संगति करनेवाला, पापकर्म में आसक्त, पतित होता है। वह कृतघ्न, व्यसनी, कटुभाषी, अविश्वासी, एवं आलसी होता है। शनि द्वादश होने से जातक व्याकुल रहता है। बारहवें भाव में शनि होने से जातक नेत्ररोग या मन्द दृष्टि अथवा छोटी आँखों वाला होता है। बारहवें भाव में हो तो अपस्मार, उन्माद का रोगी, रक्तविकारी होता है। जातक पसलियों में व्यथा वाला होता है। जांघ में व्रण होता है। फिजूलखर्च, व्यर्थ व्यय करनेवाला, खर्च से दुःखित होता है। शनि द्वादशभाव में होने से जातक बुरे कामों में धन खर्च करता है। अपने बांधवों से बैर करने वाला होता है। जातक के स्वजनों का नाश होता है। गुप्त शत्रुओं के कारण प्रगति में बारबार रुकावटें आती हैं। किसी पशु के कारण अपघात होता है। अपने हाथ से ही अपना नुकसान करता है। अज्ञातवास, कारावास, विषप्रयोग, झूठे इलजामों से कैद आदि से कष्ट होता है। शनि से साधारणतः उदास और शोकपूर्ण प्रवृत्ति होती है। जातक लोगों से अपमानित होता है। शत्रुद्वारा पराजित होता है। शनि के द्वादशस्थ होने से जातक दयाहीन, धनहीन, स्वकर्महीन, सुखहीन तथा अंगहीन होता है।

शनि पापग्रह से पीड़ित और राशि से बलहीन होने से ये अशुभफल तीव्र होते हैं।

पापग्रह साथ होने से मृत्यु के बाद नरकगामी होता है।



॥

राहु

॥

राहु षष्ठी भाव में

शुभ फल : छठे भाव में राहु अरिष्टनिवारक होता है। सब अरिष्ट दूर करता है। संकट नष्ट होते हैं। छठे स्थान में राहु होने से जातक प्रबल पराक्रमी, शक्ति-सम्पन्न होता है। जातक उदारहृदय, धैर्यवान्, स्थिरचित्, मतिमान् तथा बुद्धिमान् होता है। साहसिक कार्य कराता है एवं बड़े-बड़े कार्य करनेवाला होता है। शरीर नीरोग, नीरोगी, महान् बलशाली, और दीर्घायु होता है। जातक शत्रुनाशक, शत्रुहन्ता, शत्रुओं को जीतनेवाला वाला होता है। शत्रुओं से कष्ट नहीं होता है। राजा जैसा मान्य और विख्यात होता है। राजा की कृपा होती है। विधर्मियों द्वारा लाभ, धन प्राप्ति होती है। राहु छठे भाव में होतो मनुष्य को म्लेच्छ राजा से धनलाभ होता है, बड़ा अमीर होता है। जातक वाहन, भूषण, अधिक धन से युक्त तथा भाग्यवान् होता है। राहु के साथ शुभग्रह होने से धन का सुख मिलता है। जातक बहुत सुखी और कुलीन होता है। जातक की पत्नी अच्छी होती है।

षष्ठस्थ राहु स्त्रीराशि में होने से खेलों में जीत होती है। यह योग मल्लविद्या के लिए अच्छा है।

षष्ठस्थ राहु के शुभफलों का अनुभव स्त्रीराशियों में प्राप्त होता है।

राहु और शनि या केतु बलवान होने से घर में भैंसे बहुत होती है।

अशुभ फल : जातक उग्रकुल में उत्पन्न होता है। जातक बलहीन, बुद्धिहीन, मातृपितृद्वेषी होता है। जातक व्यभिचारी होता है। जातक निम्नश्रेणी (दुष्ट व्यक्तियों) के साथ मैत्री कराता है। जातक का सम्बन्ध म्लेच्छों से अर्थात् विदेशियों से होता है। जातक शत्रुओं से पीड़ित रहता है। जातक की कमर में पीड़ा होती है। कटिदेश में रोग होता है। छठे में राहु के होने से पेट में ब्रण होता है। छठे भाव में राहु होने से जातक को दाँत या होंठ के रोग होते हैं। जातक को सेना या जहाजों की नौकरी से खतरा होता है। राहु नौकरी के लिए अच्छा नहीं है-प्रगति कठिनता से हो पाती है। पैन्सन लेने से सुख होता है। जातक नीचों के व्यवसाय करता है। जातक निर्धन और चोर होता है। बचपन अच्छा नहीं व्यतीत होता, नजर लग जाती है-पिशाचबाधा होती है, नखविष फैलता है-मस्तिष्क के रोग आदि से कष्ट होता है। कहीं-कहीं पर मिरगी-कोढ़ आदि उपद्रव भी होते हैं। षष्ठी भाव के राहु से जातक की मृत्यु, लकड़ी या पत्थर के आघात से, चौपाए पशु द्वारा, पेड़ पर से गिरने से, अथवा पानी में झुबने से होती है। राहु छठे होने से मामा निःसंतान होता है अथवा सिर्फ कन्याएँ होती हैं। मामा के वंश का कोई व्यक्ति विदेश में मरता है। मौसी की संतान की मौत होती है, वह विदेश जाती है, विधवा होती है। चाचा, मामा आदि से कोई सुख प्राप्त नहीं होता है। पिता या मामा का चितस्थिर नहीं होता है। जातक के पशुओं को पीड़ा होती है। इस भाव के राहु से जातक परस्तीगामी होता है।

षष्ठस्थ राहु स्त्रीराशि में होने से पत्नी की मृत्यु पिशाचपीड़ा से होती है। पुत्र मरते हैं।

राहु क्रूरुग्रह से पीड़ित होने से जातक गुदरोगी होता है।



४

केतु

४

केतु द्वादश भाव में

शुभ फल : बारहवें भाव में केतु उत्तरोत्तर उन्नति प्रदान करता है। आंखें सुन्दर होती हैं, शिक्षा अच्छी होती है। राजा के समान सुख-ऐश्वर्य देता है। कवि-शास्त्रज्ञ और राजा जैसा संपन्न होता है। शत्रुओं को पराजित करता है, शत्रुओं का नाश करनेवाला होता है। वाद-विवाद में सर्वदा विजय प्राप्त करता है। धन सक्कार्यों में खर्च होता है - जातक का धन अच्छे कामों में खर्च होता है। मनुष्य राजा समान ऐश्वर्य सम्पन्न होकर राजा जैसा खर्च करता है।

उच्च या स्वगृह में, अथवा गुरु के साथ होने से विशेष योग्य, साधु और जितेन्द्रिय वृत्ति का होता है।

अशुभ फल : जन्मलग्न से द्वादशभाव में केतु झूठा और धोखेबाज बनाता है। जातक चंचल बुद्धि, धूर्त, ठग, अविश्वासी एवं जनता को भूत-पेरतों की जानकारी द्वारा ठगनेवाला होता है। जातक गुप्तपाप करनेवाला, अधम, उलटे मार्ग से चलनेवाला, लड़ाई में डरपोक, शुभ काम से रहित होता है। जातक के मन में अशांति रहती है। जातक खर्चीला, निर्धन, दीन और कंजूस होता है। जातक पुरानी संपत्ति को नष्ट करनेवाला होता है। जातक बुरे कामों में खर्च करता है। आंख के रोग से पीड़ित होता है। नाभि के निकट, नाभि के नीचे के स्थान में, वस्ति में रोग से पीड़ित होता है। गुदा में या गुह्यभाग में रोग होते हैं। पैर, पावों में रोग से पीड़ा होती है। जातक को मामा से सुख नहीं मिलता है। द्वादशस्थ केतु प्रभावयुक्त जातक बहुत प्रवास करता है।





भावेश फल

लग्नेश - एकादश स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

लग्नेशो द्वितीये लाभे स लाभी प्रणितो नरः।

सुशीलो धर्मविन्मानी बहुदारगुणैर्युतः॥

यवन जातक के अनुसार -

सुबहुजीवित आयगते नरस्तनुपतौ शुभभावसमन्विते।

गजरथाश्वसकोशनृपात् सुखं विविध कीर्ति विवेकविचारण॥

गर्ग संहिता के अनुसार -

एकादशगस्तनुपः सुजीवितं सुतसमन्वितं विदितम् तेजः।

कलितं कुरुते पुरुषं बलिनं न सीदतिचेत्॥

लग्नेश लाभस्थन में होने से जातक कई प्रकार से लाभ प्राप्त करता है, पाण्डित, अच्छा आचरण करनेवाला, धर्म का जानकार, अभिमानी, बहुत स्त्रियों से युक्त होता है। शुभ ग्रह से युक्त हो तो दीर्घायु होता है। हाथी, रथ, घोड़े खजाना आदि का सुख राजा से प्राप्त होता है, कीर्ति मिलती है, विवेकपूर्वक विचार करने वाला होता है। निर्बल न हो तो दीर्घायु, प्रसिद्ध, तेजस्वी, बलवान् एवं पुत्रों से युक्त होता है। मित्र अच्छे मिलते हैं, धन व अन्य अनेक प्रकार के लाभ हमेशा होते रहते हैं।

धनेश - लग्न में

लोमेश संहिता के अनुसार -

धनेशो च तनौपुत्रे स्वकृतुम्बस्य पालकः।

धनवान् निष्ठुरः कामी परकार्येषु तत्परः॥

मानसागरी के अनुसार -

द्रव्यपतिर्लग्नगतः कृपणं व्यवसायिनं सुकर्मणम्।

धनिनं श्रीपतिविदितं करोति नरमतुलभोगयुतम्॥

यवन जातक के अनुसार -

द्रव्याधिषे लग्नगते धनी स्यात् व्यापारवृत्तिः कृपणेऽतिभोगी।

सुखान्वितो भूपतिसल्कृतो भवेत् सुकर्मकृत् सुन्दरनेत्रपली॥

धनेश लग्न में होने से जातक अपने परिवार का पालन करनेवाला, धनवान, कठोर, कामुक किन्तु दूसरों के काम करने के लिए तैयार रहता है। कंजूस, व्यापारी, अच्छे काम करनेवाला, धनवान, श्रीमानों में प्रसिद्ध तथा बहुत उपभोग प्राप्त करनेवाला होता है। सुखी, राजा (सरकार) द्वारा सम्मानित, अच्छे काम करनेवाला होता है। पत्नी तथा आखें सुन्दर होती हैं।

अनुभवः धनेश शुक्र होने के कारण उपर्युक्त शुभ फल अनुभव में आते हैं।



तृतीयेश - एकादश स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

तृतीयेशो तनौ लाभे स्वभुजार्जितवितवान्।

सुखो कृशो महाक्रोधी साहसी जनसेवकः॥

यवन जातक के अनुसार -

सहजपे शुभलाभपराक्रमी भवगते सुतबन्धुभिरन्वितः।

नृपतिनाभिमतो विजयी नरो बहुलभोगयुतो निपुणः सदा॥

गर्ग संहिता के अनुसार -

लाभस्थः सहजेशः सुबान्धवं राजप्रियं नर कुरुते।

पुरुषबन्धुषु पूज्यं सेवा भिधायिनं भोगनिरतंच॥

तृतीयेश लाभ स्थान में होने से जातक अपनी मेहनत से धनवान होता है। सुखी, दुबला, बहुत क्रोधी, साहसी लोगों की सेवा करनेवाला होता है। अच्छे लाभ प्राप्त करनेवाला, पराक्रमी, पुत्र व बन्धुओं सहित, राजा द्वारा सम्मानिरत, विजयी तथा बहुत भोगों से युक्त होता है। बन्धु अच्छे होते हैं, उनसे सम्मान मिलता है, यह राजा को प्रिय, लोगों से सेवा करनेवाला तथा उपभोगों से युक्त होता है। व्यापार में बहुत धन कमाता है, श्रीमान होता है तथा मित्रों का सुख प्राप्त करता है। धनवान तथा पराक्रमी होता है।

चतुर्थेश - दशम स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

सुखेशो दशमे सस्य मातुसौख्येन संयुतः।

धनधान्य समायुक्तो धर्मं प्रीतिश्च जायते॥

यवन जातक के अनुसार -

गगनगे सुखपे गृहिणीसुखं जनकमातुकरो धनभुक क्षमी।

सुनयनः परतो पृपसम्मतः खलखगैरिंपरीतफलं वदेत्॥

चतुर्थेश दशम स्थान में होने से जातक को माता का सुख मिलता है, धन धान्य मिलता है तथा धर्म में रुचि रहती है। चतुर्थेश पापग्रह (रवि, मंगल तथा शनि) हो तो यह अपने पुत्र व उसकी माता (अपनी पत्नी) को छोड़ कर दूसरी स्त्री से सम्बन्ध रखता है। शुभग्रह हो (चन्द्र, बुध, शुक्र तथा गुरु) तो दूसरों की सेवा करता है। पत्नी का सुख मिलता है, मातापिता से धन मिलता है, क्षमावान, सुन्दर आंखोंवाला, राजद्वारा सम्मानित होता है, किन्तु चतुर्थेश पापग्रह हो तो सब फल उलटे बताने चाहिये।

चतुर्थेश पापग्रह हो तो पुत्र माता को छोड़ देता है तथा उसकी पत्नी को कन्याएं ही होती है।

अनुभव: चतुर्थेश चन्द्र होने के कारण जातक दूसरों की सेवा करता है। पत्नी का सुख मिलता है, मातापिता से धन मिलता है, क्षमावान, सुन्दर आंखोंवाला, राजद्वारा सम्मानित होता है।



पंचमेश - व्यय स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

सुतेशं षष्ठिः फस्थे पुत्रशत्रुत्वमाप्नुयात्।
मृत्युतो ग्राह्णपुत्रोवा धनपुत्रोथवाभवेत्॥

यवन जातक के अनुसार -

व्ययगतोन्यपकृत् सुतनायको विगतपुत्रसुखं खचरैः खलैः।
सुतयुत च शुभैः कुरुते नरं स्वपरदेशगमागमनोत्सुकम्॥

गर्ग जातक के अनुसार -

पंचमेशे द्वादशगे कूररे सुतरहितः शुभे ससुतः।
सुतसंतापकृप्तो विदेशगमनोद्यतो मनुजः॥

पंचमेश व्ययस्थान में होने से जातक के पुत्र मर जाते हैं, दत्तक पुत्र लेना पड़ता है या कोई लड़का खरीदकर पाला जाता है, या पुत्र से शत्रुता होती है। पापग्रह हो तो पुत्रहीन तथा शुभग्रह हो तो पुत्रयुक्त होता है, अपने देश और विदेश में जाने आने की उत्सुकता रहती है। पुत्रों के कष्ट से विदेश में जाना चाहता है। बुद्धि के दुरुपयोग से आपत्ति व दरिद्रता से कष्ट होता है।

अनुभवः पंचमेश रवि होने के कारण ऊपर वर्णित अशुभ फल अनुभव होते हैं।

षष्ठेश - लाभ स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

षष्ठेशे सप्तमे लाभे लग्ने वा पशुमान् भवेत्।
धनवान् गुणवान् मानी साहसी पुत्रवर्जितः॥

यवन जातक के अनुसार -

भवगतेऽरिपतौ खलसंगमो रिपुजनान्मरणं खलुजायते।
नृपतिचौरजनाद्धनहानिकृत् शुभखण्डः सततं शुभकृद भवेत्॥

गर्ग जातक और मानसागरी के अनुसार -

यवनजातक जैसा वर्णन है, सिर्फ
चतुर्ष्पदाल्लाभवान् मनुजः इतना अधिक बतलाया है।

षष्ठेश लाभ में होने होने से जातक धनवान, गुणवान, अभिमानी, साहसी, पशु पालनेवाला, किन्तु पुत्रहीन होता है। षष्ठेश पापग्रह (रवि, मंगल तथा शनि) लाभ में हो तो जातक दुष्टों की संगति में रहता है, शत्रु से उसकी मृत्यु होती है, राजा तथा चोरों से धनहानि होती है, शुभग्रह हो तो हमेशा शुभ फल मिलता है। चौपाये पशुओं से लाभ होता है। जातक को बड़े लाभ नहीं होते, मित्रों से शत्रुता होती है।

अनुभवः षष्ठेश बुध होने के कारण ऊपर वर्णित अशुभ फल अनुभव होते हैं।



सप्तमेश - लग्न में

लोमेश संहिता के अनुसार -

सप्तमेशो तनौ चास्ते परजायासु लम्पटः।
निष्ठुरो वचसाधीरो वार्ता न स्थीयते हृदि॥

यवन जातक के अनुसार -

मदपतिस्तनुगः कुरुते नरं सकलभोगयुतं च गतव्यम्।
बहुकलत्र सुखी न हि मानुषो दलितवैरिजनः प्रमदोत्सुकः॥

गर्ग जातक के अनुसार -

दधितेशो लग्नगतः स्तोकं निःस्वेहमन्यतरभार्यम्।
भोगभुजं रूपयुतं सुस्त्री जनप्रतिलोलचित्तम्॥

सप्तमेश लग्न में होने से जातक परस्तीलम्पट, निष्ठुर बोलनेवाला, उतावला होता है, किसी बात को मन में नहीं रख सकता। परस्ती पर आसक्ति नहीं होती। जातक को शोक होता है, सुन्दर भोग भोगनेवाला होता है, पत्नी जातक पर नियन्त्रण रखती है। जातक सब उपभोग प्राप्त करता है, खर्चा नहीं करता, अनेक पलियां होती हैं किन्तु सुख नहीं मिलता, शत्रु का नाश करनेवाला तथा कामुक होता है। जातक कुछ कम प्रेम करनेवाला, अन्य की पत्नी पर आसक्त, सुन्दर, भोग भोगनेवाला, सुन्दर पत्नी से युक्त, चंचल चित्तवाला होता है। जातक प्रवासी, कामुक, झांडालू व स्वतन्त्र प्रवृत्ति का होता है। क्रूर होता है इसे मेद के रोग होते हैं। अनुभवः सप्तमेश शुक्र होने के कारण ऊपर वर्णित शुभ फल अनुभव होते हैं।

अष्टमेश - लाभ स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

अष्टमेशो सुते लाभे कृते वृद्धिः प्रजायते।
द्रव्यं न स्थीयते गेहे सिथरवृद्धिर्भवेच्च न॥

यवन जातक के अनुसार -

भवगतोऽष्टमप खलु चाल्पतो भवति पुष्टियुतः परतः सुखी।
शुभगैर्दहु जीवति युक्त खलैर्भवति नीचजनैश्च समन्तिः॥

गर्ग जातक व मानसागरी के अनुसार -

लाभस्ते चाष्टमपे बाल्ये दुःखी सुखी पश्चात्।
दीर्घायु सौम्यखगे पापेऽल्पायुनरो भवति॥

अष्टमेश लाभ में होने से जातक की प्रगति होती है किन्तु उस में स्थिरता नहीं रहती, धन घर में नहीं टिकता। शुभग्रह (चन्द्र, बुध, शुक्र तथा गुरु) हो तो थोड़े परिश्रम से संपन्न, दूसरों से सुख प्राप्त करनेवाला होता है, दीर्घायु होता है। जातक को एकदम बहुत धन मिल सकता है, लोगों से पुरस्कार, मित्रों से धन की सहायता मिल सकती है। पापग्रह (रवि, मंगल तथा शनि) हो तो नीच लोगों से युक्त होता है। बचपन में दुःख सहन कर बाद में सुखी होता है परन्तु अल्पायु होता है।



नवमेश - नवम स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

धनधान्ययुतो नित्यं गुणसौन्दर्यसंयुतः।
बहुभ्रातृसुखैर्युक्तो भाग्येशो नवमे स्थिते॥

यवन जातक के अनुसार -

सुकृतभावपर्तिनवमे स्थितो भवति बन्धुजनैः सहितः शुचिः।
अरुचितश्च विवादकरो जनो गुरुसुहृत्स्वजनेषु रतः सदा॥

गर्ग जातक व मानसागरी के अनुसार -

यवनजातक जैसा वर्णन है।

नवमेश नवम स्थान में होने से जातक धनधान्य से संपन्न, गुणवान, सुंदर, बहुत भाइयों के सुख से युक्त होता है। बन्धुओं से युक्त, पवित्र, जिस विषय में रुचि न हो ऐसे विवाद करनेवाला, गुरु, मित्र तथा सम्बन्धियों पर प्रेम करनेवाला होता है। जातक भाग्यवान, कीर्तिमान, सफल, पुण्यकार्य करनेवाला तथा धर्मनिष्ठ होगा।
अनुभव : नवमेश गुरु होने के कारण ऊपर वर्णित शुभ फल अनुभव होते हैं।

दशमेश - व्यय स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

उक्मेशोऽरिव्यये यस्य शत्रुभिः परिपीडितः।
चातुर्युग्णसंपन्नः कदाचिन्न सुखी भवेत्॥

यवन जातक के अनुसार -

नृपतिकर्मकरो निजवीर्ययुग् जननिसौख्यविवर्जितवक्रधीः।
दशमपे व्ययगे परदेशवान् व्ययपरश्च तथा सुभगः स्वयम्॥

गर्ग जातक व मानसागरी के अनुसार -

यवनजातक जैसा वर्णन है।

दशमेश व्यय में होने से जातक शत्रुओं द्वारा पीड़ित, चतुर किन्तु कभी सुख न पानेवाला होता है। राजकर्मचारी, अपने बल से संपन्न, विदेश जानेवाला, सुंदर, खर्चीला होता है, इसकी बुद्धि कुटिल होती है। जातक को माता का सुख नहीं मिलता। व्यापार में धन नष्ट होगा, आर्थिक अडचन बनी रहेगी, राजा से दण्ड मिलेगा, अनेक संकट आयेंगे। असफल व दुखी होगा।
अनुभव : दशमेश शनि होने के कारण ऊपर वर्णित अशुभ फल अनुभव होते हैं।



लाभेश - व्यय स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

प्राप्तिस्थानाधिपे रिःफे म्लेच्छसंसर्गकारकः।

कामुको बहुकान्तश्च क्षणिकः कामलम्पटः॥

यवन जातक के अनुसार -

भवपतौ व्ययो च खलो नरश्चपलजीवितवित्तयुतो नरः।

भवति मानयुतो बहुकष्टदः स्थितधनो बहुदुष्टमतिः खलः॥

गर्ग जातक के अनुसार -

द्वादशगे लाभेशे उत्पन्नीगस्थितो भवति भोगी।

उत्पातरतो मानी दान्तो दुःखी सदा पुरुषः॥

लाभेश व्यय स्थान में होने से जातक म्लेच्छ लोगों से (विदेशियों-विधर्मियों से) सम्पर्क रखता है, कामुक व चंचल होता है, बहुत स्त्रियों से सम्बन्ध रखता है। दुष्ट, अल्पायु, धनी, सन्मानयुक्त, लोगों को कष्ट देनेवाला होता है। अपने परिश्रम की कमाई खाता है, उपभोग प्राप्त करता है, उत्पात करने में रुचि रहती है, अभिमानी जितेन्द्रिय, दुखी होता है। धन जितना मिलेगा उतना सब खर्च होगा, कुबेर जैसी संपत्ति भी समाप्त हो जायेगी।

अनुभव : लाभेश शनि होने के कारण ऊपर वर्णित फल अधिक अनुभव होते हैं।

व्ययेश - नवम स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

भ्रातृद्वेषी गुरुद्वेषी प्रियद्वेषी भवेन्नरः।

व्ययेशो सहजे धर्मे स्वशरीरस्य पोषकः॥

यवन जातक के अनुसार -

सुकृतकृत व्यये नवमाश्रिते वृषभगोमहिषीद्रविणः सुधीः।

भवति तीर्थविचक्षणपुण्ययुक्त खलखगेऽपि च पापरतो नरः॥

गर्ग जातक व मानसागरी के अनुसार -

यवनजातक जैसा वर्णन है।

व्ययेश नवम में होने से जातक केवल अपने शरीर का पोषण करता है, बाकी सब प्रियजन, भाई, गुरु का द्वेष करता है। अच्छे काम करता है, गाय, बैल, भैंस यह धन इस के पास होता है, बुद्धि अच्छी होती है, तीर्थ यात्रा कर पुण्य प्राप्त करता है, किन्तु व्ययेश पापग्रह हो तो पापकार्यों में बुद्धि प्रवृत्त रहती है। परोपकार व कीर्ति प्राप्त करने में धन खर्च होगा, सब सम्पत्ति धर्मकार्यों में खर्च होगी।



मंगली-दोष विचार

1. अगस्त्य संहिता के अनुसार -

धने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।
भार्या भर्तु विनाशाय भर्तुश्च स्त्री विनाशनम्॥

2. मानसागरी के अनुसार -

धने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।
कन्या भर्तुविनाशाय भर्तुः कन्या विनश्यति॥

3. बृहत् ज्योतिषसार के अनुसार -

लग्ने व्यये चतुर्थे च सप्तमे वा अष्टमे कुजः।
भर्तरं नाशयेद् भार्या भर्ताभार्या विनाशयेत्॥

4. भावदीपिका के अनुसार -

लग्ने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।
स्त्रीणां भर्तु विनाशः स्यात् पुंसां भार्या विनश्यति॥

5. बृहत् पाराशर होरा के अनुसार -

लग्ने व्यये सुखे वापि सप्तमे वा अष्टमे कुजे।
शुभ द्वग् योग हीने च पतिं हन्ति न संशयम्॥

उपरोक्त श्लोकों का भावार्थ यह है कि जन्म लग्न से प्रथम, द्वितीय, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम या द्वादश स्थान में मंगल स्थित होने पर मंगल दोष या कुज दोष होता है।

कुछ आचार्यों के अनुसार लग्न के अतिरिक्त चन्द्र लग्न, शुक्र या सप्तमेश से इन्हीं स्थानों में मंगल स्थित होने पर भी मंगली दोष होता है।

शास्त्रोक्ति है -

लग्नेन्दु शुक्राद् दुःस्थाने यद्यस्ति क्षिति संभवः।
तदशापाक समये दोषमाहर्मनीषिणः॥

यदि मंगल लग्न, चंद्रमा या शुक्र से दुःस्थान में स्थित हो तो उसकी दशा में अशुभ फल प्राप्त होते हैं।

सामान्यतः मंगल दोष को लग्न व चन्द्र से देखा जाता है।

Priyanko Singha की कुण्डली में मंगल लग्न से ग्यारह भाव में स्थित है और चन्द्र लग्न से द्वितीय भाव में स्थित है। अतः **Priyanko Singha** जन्म लग्न व चन्द्र लग्न दोनों से मांगलिक नहीं हैं।



मंगली दोष का फल

मंगली दोष वैवाहिक जीवन को विभिन्न प्रकार से प्रभावित करता है - विवाह में विप्लव, विलम्ब, व्यवधान या धोखा, विवाहोपरान्त दम्पति में से किसी एक अथवा दोनों को शारीरिक, मानसिक अथवा आर्थिक कष्ट, पारस्परिक मन-मुटाव, आरोप-प्रत्यारोप तथा विवाह-विच्छेद। अगर दोष अत्यधिक प्रबल हुआ तो दोनों अथवा किसी एक की मृत्यु हो सकती है।

फिर भी मंगली दोष से भयभीत या आतंकित नहीं होना चाहिये। प्रयास यह करना चाहिये कि मंगली का विवाह मंगली से ही हो क्योंकि मंगल-दोष साम्य होने से वह प्रभावहीन हो जाता है तथा दोनों सुखी रहते हैं।

दम्पत्योर्जन्मकाले व्ययधनहिबुके सप्तमे लग्नरस्ते। लग्नाच्चन्द्राच्च शुक्रादपि भवति यदा भूमिपुत्रो द्वयोर्वै॥
तत्साम्यात्पुत्रमित्रप्रचुरधनपतां दंपती दीर्घ-काला। जीवेतामेकहा न भवति मश्तिरिति प्राहुरत्रात्रिमुख्याः॥

अर्थात् यदि वर और कन्या के जन्मांग में मंगल द्वितीय, द्वादश, चतुर्थ, सप्तम अथवा अष्टम भाव में लग, चंद्रमा अथवा शुक्र से सम्भाव में स्थित हो तो समता का मंगल दोष होने के कारण वह प्रभावहीन हो जाता है। परस्पर सुख, धनधार्य, संतानि, स्वास्थ्य एवं मित्रादि की उपलब्धि रहती है।

कुज दोष वत्ति देया कुजदोषवते किल। नास्ति दोषो न चानिष्टं दम्पत्यो सुखवर्धनम्॥
मंगल दोष वाली कन्या का विवाह मंगल दोष वाले वर के साथ करने से मंगल का अनिष्ट दोष नहीं होता तथा वर-वधू के मध्य दाम्पत्य-सुख बढ़ता है।

मंगली दोष परिहार के उपाय

मंगली दोष की शान्ति के लिये प्रमुख उपाय हैं -

* मंगलवार का व्रत रखें। दिन में नमक के बिना तरल भोज्य पदार्थ (चाय, काफी, दूध, लस्सी, फलों के रस) लें। सायंकाल थाली में रोली से त्रिकोण बनाएँ तथा पंचोपचार (लाल चंदन, लाल पुष्प, धूप, दीप तथा नैवेद्य) से पूजन करें। तत्पश्चात् सूर्यास्त से पूर्व ही गेहूँ की रोटी, घी, गुड़ ग्रहण करें।

* मंगल दोष अधिक प्रबल हो तो मंगल चंडिका स्तोत्र का 108 दिन तक नित्यप्रति 21 बार जप करें। प्रातः काल पूर्वाभिमुख होकर बैठें व पंचमुखी दीप प्रज्वलित करके अपने इष्ट तथा मंगल ग्रह का पंचोपचार से पूजन करें, फिर निम्नलिखित जप करें -

रक्ष रक्ष जगन्मातर्देवि मंगलचंडिके ।
हारिके विपदां राशो हर्षमंगलकारिके ॥
हर्षमंगलदक्षे च हर्षमंगलदायिके ।
शुभे मंगलदक्षे च शुभे मंगलचंडिके ॥
मंगले मंगलाहें च सर्वमंगलमंगले ।
सदा मंगलदे देवि सर्वेषां मंगलालये ॥



साढ़ेसाती फल

प्राचीन काल से सामान्य भारतीय जनमानस में यह धारणा प्रचलित है कि शनि की साढ़ेसाती बहुधा मानसिक, शारीरिक और आर्थिक दृष्टि से दुखदायी एवं कष्टप्रद होती है। शनि की साढ़ेसाती सुनते ही लोग चिन्तित और भयभीत हो जाते हैं। साढ़ेसाती में असन्तोष, निराशा, आलस्य, मानसिक तनाव, विवाद, रोग-रिपु-ऋण से कष्ट, चोरों व अप्ति से हानि और घर-परिवार में बड़ों-बुजुर्गों की मृत्यु जैसे अशुभ फल होते हैं। शास्त्र शनि की साढ़ेसाती का फल इस प्रकार बतलाते हैं-

कल्याणं खलु यच्छति रविसुतो राशौ चतुर्थै में व्याधि बन्धुविरोधदेशगमनं क्लेशं च चिन्ताधिकम्॥

राशौ द्वादशशीर्षजन्महृदये पादौ द्वितीये शनिनानाक्लेशकरोऽपि दुर्जनभयं पुत्रान् पश्चन् पीडनम्॥

हानिःस्यान्मरणं विदेशगमनं सौख्यं च साधारणम् रामारिध्यविनाशनं प्रकुरुत तुर्याष्टमै वाथवा॥

अर्थात् चन्द्र राशि से चौथे या आठवें स्थान में शनि आने पर रोग, भाइयों से लड़ाई विदेश में प्रवास, कष्ट, चिन्ता ये फल मिलते हैं। चन्द्र राशि से बारहवें, पहले या दूसरे स्थान में गोचर के शनि से (साढ़ेसाती में) सिर, हृदय, पैर में पीड़ा होती है, दुष्टों से भय होता है, पुत्रों और पशुओं को कष्ट होता है।

अनुभव में पाया गया है कि सम्पूर्ण साढ़े-सात साल पीड़ा दायक नहीं होते। बल्कि साढ़ेसाती के समय में कई लोगों को अत्यधिक शुभ फल जैसे विवाह, सन्तान का जन्म, नौकरी-व्यवसाय में उन्नति, चुनाव में विजय, विदेश यात्रा, इत्यादिभी मिलते हैं।

प्रथम चक्र की साढ़े साती का फल

(26-01-2017 से 29-03-2025 तक)

शनि के साढ़ेसाती का प्रथम चक्र अत्यन्त प्रबल होता है इस अवधि में आपको शारीरिक कष्ट, अवरोध एवं अनेकप्रकार से क्षति उठानी पड़ सकती है। माता-पिता को भी शनि पीड़ित करता है।

द्वितीय चक्र की साढ़े साती का फल

(07-12-2046 से 05-02-2055 तक)

द्वितीय आवृत्ति में शनि अपेक्षाकृत मध्यम प्रभाव डालता है। इस अवधि में आपकी अपने श्रम व संघर्ष से उत्तेजित होगी। मानसिक अशान्ति अवश्य बनी रह सकती है किन्तु भौतिक उन्नति निश्चित होगी। माता-पिता या अन्य बुजुर्गों का वियोग सहन करना पड़ सकता है।

तृतीय चक्र की साढ़ेसाती का फल

(16-01-2076 से 19-03-2084 तक)

तृतीय आवृत्ति में शनि अनेक कठोर फल देता है। इस अवधि में मारक का प्रभाव अधिक होने के कारण आपको प्रबल शारीरिक कष्ट हो सकता है। इस आक्रमण से सौभाग्यशाली ही सुरक्षित रह पाते हैं।



साढ़ेसाती की प्रथम, द्वितीय व तृतीय फैया का फल

यह सामान्यतः पाया गया है कि साढ़ेसाती की तीन फैया में से एक शुभ, एक मध्यम तथा एक अशुभ फलदायी होती है। इसका निर्णय शनि के अष्टक वर्ग तथा सर्वाष्टक वर्ग में प्राप्त शुभ रेखाओं की संख्या के आधार पर किया जाता है। यदि शनि अष्टक वर्ग में चार रेखायें तथा सर्वाष्टक वर्ग में 28 रेखायें हैं तो शनि मिश्रित फलदायी होता है। इससे कम है तो अशुभ तथा अधिक होने पर शुभ फल प्राप्त होते हैं। यदि जन्म कुण्डली में शनि बलवान् (उच्च, स्वक्षेत्रीय आदि) या योगकारक हो या चन्द्रराशि का स्वामी हो तो जातक के लिए शनि का दुष्प्रभाव औरों की अपेक्षा बहुत कम होता है।

साढ़ेसाती की प्रथम फैया का फल

प्रथम चक्र 26-01-2017 से 20-06-2017 तक व 26-10-2017 से 24-01-2020 तक

द्वितीय चक्र 07-12-2046 से 06-03-2049 तक व 09-07-2049 से 04-12-2049 तक

तृतीय चक्र 16-01-2076 से 10-07-2076 तक व 11-10-2076 से 14-01-2079 तक

इस अवधि में शनि चन्द्र राशि से बाहरवे भ्रमण करता है तथा दूसरे, छठे, नवे भावों पर पूर्ण दृष्टि होती है। प्रथम फैया में शनि का निवास सिर पर रहता है। मानसिक-शारीरिक सुख में कमी आती है। नेत्रों की व्याधि, चश्मे आदि का प्रयोग सम्भव है। अचानक आर्थिक हानि होती है। अवांक्षित अतिरिक्त व्यय, अपव्यय होता है। जातक आर्थिक रूप से व्यथित रहता है आय की अपेक्षा व्यय अधिक होता है। कुटुम्ब से वियोग हो सकता है। परिवार में अशान्ति रहती है। पिता को कष्ट होता है। पिता से तनाव होता है। भाय पतन का भय रहता है। कार्यों में परेशानियाँ एवं विलम्ब होता है। प्रयासों के सुफल नहीं मिलते। लोगों से सहयोग नहीं मिलता। राजकीय लोगों से पीड़ा सम्भव है। आध्यात्मिकता में रुचि जाग्रत होती है। दुर्घटनाओं का भय होता है। व्यर्थ भ्रमण होता है। दूर की यात्रा करनी पड़ती है, जिसमें कष्ट उठाना पड़ता है। यह शनि पंचम से अष्टम होता है, अतः सन्तान के लिए भी यह समय कष्टप्रद होता है।

साढ़ेसाती की द्वितीय फैया का फल

प्रथम चक्र 24-01-2020 से 29-04-2022 तक व 12-07-2022 से 17-01-2023 तक

द्वितीय चक्र 06-03-2049 से 09-07-2049 तक व 04-12-2049 से 24-02-2052 तक

तृतीय चक्र 14-01-2079 से 11-04-2081 तक व 03-08-2081 से 06-01-2082 तक

इस अवधि में शनि चन्द्र राशि पर भ्रमण करता है तथा तीसरे, सातवें, दसवें भावों पर पूर्ण दृष्टि होती है। शनि इस फैया में उदर भाग में रहता है। अतः शरीर के सम्पूर्ण मध्य भाग में रोग व्याधि सम्भव होती है। शारीरिक तेज प्रभावित होता है। बुद्धि काम नहीं करती, गलत निर्णय होते हैं। भाईयों से तथा व्यापार में सांदीर से विवाद होता है। पत्नी को शारीरिक कष्ट अथवा पत्नी से गड़ा होता है। आर्थिक चिन्ताएँ निरन्तर रहती हैं। मानसिक स्तर पर प्रबल उद्देलन रहता है। व्यर्थ का भय व्यथित करता है। कोई कार्य मनोनुकूल नहीं होता, अपूर्ण कार्य दुःखी करते हैं, व्यवधान प्रबल रहते हैं। पारिवारिक तथा व्यवसायिक जीवन अस्त-व्यस्त रहता है। किसी सम्बन्धी को मारक कष्ट होता है। दूर स्थानों की यात्राएँ, शत्रुओं से कष्ट, आत्मिय जनों से अलगाव व्याधि, सम्पत्ति क्षति व सामाजिक पतन, मित्रों का अभाव एवं कार्यों में अवरोध इस चरण के फल हैं।

साढ़ेसाती की तृतीय फैया का फल

प्रथम चक्र 29-04-2022 से 29-04-2022 तक व 17-01-2023 से 29-03-2025 तक

द्वितीय चक्र 24-02-2052 से 14-05-2054 तक व 01-09-2054 से 05-02-2055 तक

तृतीय चक्र 11-04-2081 से 03-08-2081 तक व 06-01-2082 से 19-03-2084 तक

इस अवधि में शनि चन्द्र राशि से दूसरे भ्रमण करता है तथा चौथे, आठवें, यारहवें भावों पर पूर्ण दृष्टि होती है। उत्तरती साढ़ेसाती में शनि पैरों पर रहता है, अतः इस अवधि में पैरों में कष्ट होता है। शारीरिक दृष्टि से निर्बलता आती है। दैहिक रूप से जड़ता का अनुभव होता है, शरीर में आलस्य रहता है। आनन्द बाधित होता है। व्यर्थ के विवाद उत्पन्न होते हैं। आत्मियों से अकारण संघर्ष होता है उन्हें गम्भीर व्याधि अथवा किसी को मरण तुल्य कष्ट होता है। सुखों का नाश होता है, पदाधिकार पर संकट आता है। व्यय अत्यधिक होता है। पैसा आता है किन्तु उसी गति से व्यय भी होता है। निम्न श्रेणी के लोगों से कष्ट मिलता है। अष्टम पर दृष्टि होने से आयु प्रभावित होती है। चतुर्थ पर दृष्टि होने से गृह सुख, मातृसुख, वाहन सुख आदि तथा भौतिक सुख-सुविधाओं में बाधा आती है।



लघु कल्पाणी दैया व कंटक शनि का फल

शनि की चतुर्थ स्थान की दैया (कंटक शनि) का फल

प्रथम चक्र 17-04-1998 से 06-06-2000 तक व से तक

द्वितीय चक्र 02-06-2027 से 20-10-2027 तक व 23-02-2028 से 08-08-2029 तक

तृतीय चक्र 07-04-2057 से 27-05-2059 तक व से तक

चन्द्र राशि से शनि चतुर्थ स्थान में भ्रमण करता है तो छठे, दसवें एवं चन्द्र लग्र पर पूर्ण दृष्टि रहती है। स्थान परिवर्तन या स्थानान्तरण होता है। आवासीय सुख की क्षति होती है। हृदय सम्बन्धी कष्ट या अनियमित रक्तचाप सम्बन्ध होता है। सम्बन्धियों से वियोग होता है। पारिवारिक सूख में कमी आती है। जनता एवं राज्य दोनों द्वारा विरोध होता है। शनि की पूर्ण दृष्टि छठे भाव पर रहती है। अतः शत्रुओं एवं रोगों से कष्ट होता है। शनि की पूर्ण दृष्टि दशम पर रहती है। अतः कार्य क्षेत्र में अवरोध आता है। शनि की दशम दृष्टि चन्द्र लग्र पर रहती है। अतः मन में घबड़ाहट रहती है।

शनि के सप्तम स्थान की दैया (कंटक शनि) का फल

प्रथम चक्र 05-09-2004 से 13-01-2005 तक व 26-05-2005 से 26-05-2005 तक

द्वितीय चक्र 12-07-2034 से 27-08-2036 तक व से तक

तृतीय चक्र 24-08-2063 से 05-02-2064 तक व 09-05-2064 से 12-10-2065 तक

जन्म राशि से शनि सप्तम स्थान में भ्रमण करता है तो नवम, चन्द्र लग्र एवं चतुर्थ पर पूर्ण दृष्टि रहती है। पत्नी को शारीरिक कष्ट होता है अथवा पत्नी या व्यापार के भागीदारी से गम्भीर मतभेद होते हैं। जातक मूत्र-जनन तन्त्र सम्बन्धी रोगों से कष्ट पाता है। मानसिक चिन्ताएं बढ़ती हैं। नवम पर दृष्टि होने से भाग्य में गतिरोध आता है, पिता को कष्ट होता है, मान सम्मान पर अंच आती है तथा कार्यक्षेत्र में उथल पूथल होती है। चतुर्थ पर दृष्टि होने से माता का स्वास्थ्य प्रभावित होता है। वाहन सम्बन्धी कष्ट होते हैं। घर छोड़ना पड़ता है, दीर्घ प्रवास होता है, यात्रायें होती हैं और यात्रा में कष्ट होता है।

शनि के अष्टम स्थान की दैया का फल

प्रथम चक्र 01-11-2006 से 10-01-2007 तक व 15-07-2007 से 09-09-2009 तक

द्वितीय चक्र 27-08-2036 से 22-10-2038 तक व 05-04-2039 से 12-07-2039 तक

तृतीय चक्र 12-10-2065 से 03-02-2066 तक व 03-07-2066 से 30-08-2068 तक

जन्म राशि से शनि अष्टम स्थान में भ्रमण करता है तो दसवें, दूसरे एवं पंचम भाव पर पूर्ण दृष्टि रहती है। आयु बल प्रभावित होता है। दीर्घावधि की बीमारी या दुर्घटना की संभावना रहती है। अपमानित होने का भय रहता है। राजकीय लोगों से पीड़ा का भय रहता है। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन का योग बनता है। कार्य व्यापार पर आघात लगता है। धन सम्पत्ति की हानि होती है। सन्तान को कष्ट होता है या सन्तान वियोग की संभावना बनती है।

शनि के दशम स्थान की दैया (कंटक शनि) का फल

प्रथम चक्र 15-11-2011 से 16-05-2012 तक व 04-08-2012 से 02-11-2014 तक

द्वितीय चक्र 27-01-2041 से 06-02-2041 तक व 26-09-2041 से 11-12-2043 तक

तृतीय चक्र 04-11-2070 से 05-02-2073 तक व 31-03-2073 से 23-10-2073 तक

शनि राशि से दसवें भ्रमण करता है तो बारहवें, चतुर्थ एवं सप्तम भावों को भी अपनी पूर्ण दृष्टि से प्रभावित करता है। कार्यक्षेत्र में अवरोध आता है। आजीविका क्षेत्र में उत्थान पतन या व्यतिक्रम होता है। किसी ऐसे कार्य (व्यापार) में प्रवृत्ति हो जिसमें असफलता हो या ऐसा दुष्कर्म बन जाए जिसके कारण अप्रतिष्ठा हो, सम्मान भंग हो। अनावश्यक आर्थिक व्यय के प्रसंग आते हैं। पत्नी से मतभेद या अलगाव संभव है। घर सम्पत्ति के बारे में चिन्ता उत्पन्न होती है।



शनि की साढ़ेसाती तथा ढैया के उपाय

शनि की साढ़ेसाती या ढैया के अशुभ प्रभावों को कम करने के लिए निम्नलिखित उपाय करें -

1. मन्त्र

(क) महामृत्युंजय मंत्र का सवा लाख जप (नित्य 10 माला, 125 दिन) करें -

ॐ त्रयम्बकम् यजामहे सुगच्छि पुष्टिवर्द्धनं उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्।

(ख) शनि के निम्नदत्त मंत्र का 21 दिन में 23 हजार जप करें -

ॐ शत्रोदेवीरभिष्ठय आपो भवन्तु पीतये । शंयोरभिस्त्वन्तु नः । ॐ शं शनैश्चराय नमः ।

(ग) पौराणिक शनि मंत्र -

ॐ नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम् । छायामार्तण्डसम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम् ॥

2. स्तोत्र

- शनि के निम्नलिखित स्तोत्र का 11 बार पाठ करें या दशरथ कृत शनि स्तोत्र का पाठ करें।

कोणस्थः पिंगलो बध्नुः कृष्णो रौद्रोऽन्तको यमः । सौरिः शनैश्चरो मन्दः पिप्पलादेन संस्तुतः ॥

तानि शनि-नामानि जपेदश्वत्यसन्निधौ । शनैश्चरकृता पीडा न कदाचिद् भविष्यति ॥

साढ़ेसाती पीडानाशक स्तोत्र - पिप्पलाद उवाच -

नमस्ते कोणसंस्थय पिङ्गलाय नमोस्तुते । नमस्ते बधूरूपाय कृष्णाय च नमोस्तु ते ॥

नमस्ते रौद्ररद्धाय नमस्ते चान्तकाय च । नमस्ते यमसंज्ञाय नमस्ते सौरये विभो ॥

नमस्ते यमदसंज्ञाय शनैश्चर नमोस्तुते । प्रसादं कुरु देवेश दीनस्य प्रणतस्य च ॥

3. रत्न / धातु

शनिवार के दिन काले घोड़े की नाल या नाव की सतह की कील का बना छल्ला मध्यमा में धारण करें।

आपकी कुण्डली में शनि है।

न्यूनतम 4 रत्ती का नीलम रत्न पंचधातु में अंगूठी बनवा कर मध्यमा में धारण करने से लाभ होगा।

4. क्रत

शनिवार का व्रत रखें। व्रत के दिन शनिदेव की पूजा (कवच, स्तोत्र, मन्त्र जप) करें। शनिवार व्रतकथा पढ़ना भी लाभकारी रहता है। व्रत में दूध, लस्सी तथा फलों के रस ग्रहण करें, सांयकाल हनुमान जी या भैरव जी का दर्शन करें। काले उड़द की खिचड़ी (काला नमक मिला सकते हैं) या उड़द की दाल का मीठा हलवा ग्रहण करें।

5. औषधि

प्रति शनिवार सुरमा, काले तिल, सौंफ, नागरमोथा और लोध मिले हुए जल से स्नान करें।

6. दान

शनि की प्रसन्नता के लिये उड़द, तेल, इन्द्रनील (नीलम), तिल, कुलथी, भैंस, लोह, दक्षिणा और श्याम वस्त्र दान करें।

7. अन्य उपाय

(क) शनिवार को सांयकाल पीपल वृक्ष के चारों ओर 7 बार कच्चा सूत लपेटें, इस समय शनि के किसी मंत्र का जपे करते रहें। फिर पीपल के नीचे सरसों के तेल का दीपक प्रज्वलित करें, तथा ज्ञात-अज्ञात अपराधों के लिए क्षमा माँगें। (ख) शनिवार को अपने हाथ की नाप का 19 हाथ काला धागा माला बनाकर पहनें। (ग) टोटका - शनिवार के दिन उड़द, तिल, तेल, गुड़ मिलाकर लड्डू बना लें और जहाँ हल न चला हो वहां गाड़ दें। (घ) शनि की शान्ति के लिए बिछू की जड़ शनिवार को काले डोरे में लपेट कर धारण करें।



रत्न परामर्श

रत्न धारण करने से जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में संभावित परिवर्तन किए जा सकते हैं। यह एक प्रचीन विद्या है। मणि माला नामक ग्रन्थ में रत्नों के बारे में कहा गया है -

**माणिक्यं तरणे: सुजात्यममलं मुक्ताफलं शीतगोमहियस्य च विद्वुमो निगदितः सौम्यस्य गारुत्मतं ।
देवेज्यस्य च पुष्परागमसुराचार्ण्यसय वत्रं शनेर्नालं निर्मलमन्ययोश्च गदिते गोमेदवैदूर्यकं ॥**

"ग्रहों के विपरीत होने पर उन्हें शान्त करने के लिए रत्न पहने जाते हैं। सूर्य के विपरीत होने पर निर्दोष माणिक, चन्द्र के विपरीत होने पर उत्तम मोती, मंगल के लिए मूँगा, बुध के लिए पत्रा, बृहस्पति के लिए पुखराज, शुक्र के लिए हीरा, शनि को शान्त करने के लिए नीलम, राहु के लिए गोमेद एंव केतु के विपरीत होने पर लसुनिया धारण करना चाहिए।"- मणि माला भाग 2, 79

धन्यं यशस्यमायुष्यं श्रीमद् व्यसनसूदनं । हर्षणं काम्यमोजस्यं रत्नाभरणधारणं ॥

ग्रहदृष्टिहरं पुष्टिकरं दुःखप्रणाशनं । पापदौर्भाग्यशमनं रत्नाभरणधारणं ॥

"रत्न जडित आभूषण को धारण करने पर सम्मान, यश, लम्बी आयु, धन, सुख और धन में वृद्धि होती है तथा सभी प्रकार की अभिलाषाओं की पूर्ति होती है। ऐसा करने से ग्रह के विपरीत प्रभाव कम होते हैं, शरीर पुष्ट होता है तथा दुःख, पाप एंव दुर्भाग्य का नाश होता है।" - मणि माला, भाग 2, 121-122

जीवन रत्न

लग्नेश का रत्न धारण करना सदा शुभफल देने वाला होता है। यह स्वास्थ्य, प्राणशक्ति, कार्य में सिद्धि तथा कुशलता प्रदान करता है। यह जीवन के बाकी क्षेत्रों में भी सहायता प्रदान करता है। आपका लग्नेश मंगल है अतः मंगल का रत्न धारण करना आपके लिए शुभकारी होगा। मंगल के लिए रत्न हैं - मूँगा।

"स्वच्छ, कोमल, शीतल तथा विशिष्ट लाल रंग का मूँगा शुभ, हितकारी घनधान्य प्रदान करने वाला तथा विष का नाश करने वाला होता है।" - मणि माला, भाग 1, 356

"मूँगा खट्टा तथा मधुर, कफ-पित्त दोष का नाश करने वाला, बलकारी, शरीर को शोभा देने वाला तथा धारण करने वाली स्त्रियों का मंगल करने वाला होता है।" - मणि माला, भाग 2, 66

धारण करने की विधि - मंगल के रत्न को चांदी में जडित किया जाना चाहिए। किन्तु यदि इसे साहस, बल, तथा शारीरिक उष्णता में वश्चिद्ध के लिए धारण करने के लिए इसे स्वर्ण में भी जडित किया जा सकता है। रत्न जडित अंगूठी को अनामिका अथवा कनिष्ठा में मंगलवार को सूर्योदय के एक घटे पश्चात धारण करें। मंगल के रत्न को शुद्ध तथा प्रबल करने के लिए मंत्र - ऊँ अं अंगारकाय नमः।



पुण्य रत्न

पंचमेश का रत्न पुण्य प्रदान करता है तथा यह सृजनात्मक शक्ति तथा सन्तान के लिए भी शुभकारी है। आपका पंचमेश सूर्य है, अतः सूर्य का रत्न आपके लिए लाभकारी होगा। सूर्य के लिए रत्न है माणिक, रेड स्पाइनल, लाल गारनेट।

"पूर्णतया शुद्ध और दोषरहित मणि घर में रखने का प्रभाव अश्वमेध यज्ञ के आयोजन के समान शुभ फल प्रदान करने वाला तथा घन उम्र और सफलता प्रदान करने वाला होता है।" - मणि माला, भाग 1, 219

"जो व्यक्ति अपने मकान में शुद्ध मणि रखता है, यदि वह सदा शत्रु से धिरे हुए घर में रहे अथवा बुरा भाग्य उस पर हमला करे, उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।" - मणि माला, भाग 1, 199

"मणिक मधुर, शीतल, वायुपित्त का नाश करने वाला तथा रासायनिक कार्यों में बहुत उपयोगी है।" - मणि माला, भाग 2, 62

धारण करने की विधि - सूर्य के रत्नों को स्वर्ण में जड़ित करना चाहिए, इसे तांबे में भी जड़ित किया जा सकता है। रत्न जड़ित अंगूठी को अनामिका में रविवार को सूर्योदय के समय धारण करें।

सूर्य के रत्न को शुद्ध तथा प्रबल करने के लिए मंत्र - ॐ घणि: सूर्याय नमः।

भाग्य रत्न

नवमेश के लिए रत्न भाग्य प्रदान करता है। आपका नवमेश बृहस्पति है, अतः बृहस्पति का रत्न आपके लिए लाभकारी होगा। बृहस्पति के लिए रत्न है - पुखराज, पीला टोपाज, सिटराइन।

"पुखराज खट्टा, शीतल, वायु का नाश करने वाला, जठराश्चि की वृद्धि करने वाला तथा धारण करने पर यश, घन तथा बुद्धि की वृद्धि करने वाला होता है।" - मणि माला, भाग 2, 65

धारण करने की विधि - बृहस्पति के रत्न को स्वर्ण में जड़ित किया जाना चाहिए। रत्न जड़ित अंगूठी को तर्जनी में गुरुवार को सूर्योदय से एक घन्टा पहले धारण करें।

बृहस्पति के रत्न को शुद्ध तथा प्रबल करने के लिए मंत्र - ॐ बृं बृहस्पतये नमः।

सामान्य निर्देश

साधारणतया सदा उच्च कोटि के रत्न धारण किए जाने चाहिए। उपरत्न व कम शक्ति के रत्न कम मंहगे होते हुए भी अच्छे फल देते हैं मगर फलदायक होने के लिए इनका बड़ा आकार का होना आवश्यक है। रत्न को प्रभावकारी करने के लिए, धारण करने से पहले उसे कच्चे द्रूध और शुद्ध जल से धोना चाहिए। इसके पश्चात इसे हाथ में लेकर ध्यान केन्द्रित करते हुए दिए गए मंत्र का 108 बार जाप करें। पुरुषों को रत्न दाएं हाथ पर तथा स्त्रियों का बाएं हाथ पर धारण करना चाहिए। रत्न को अंगूठी में अथवा बाजू में पहनना चाहिए। इन्हें गले में भी पहना जा सकता है पर इससे लगातार शरीर से सम्पर्क नहीं रहता। रत्न का शरीर से सम्पर्क अति आवश्यक है।



कुण्डली में शुभ योग

दुरुधरा योग

जब चन्द्रमा से द्वितीय तथा द्वादश में सूर्य के अतिरिक्त कोई ग्रह हो तो दुरुधरा नाम का योग होता है।

फल : दुरुधरोत्पन्न मनुष्य धनी, वाहनयुक्त, दानी, सुखी, नौकरों से युक्त तथा शत्रुहन्ता होता है। दुरुधरोत्पन्न मनुष्य वाणी बुद्धि पराक्रम व गुणों से भूमि (संसार) में ख्याति प्राप्त करने वाला, स्वतन्त्र सुख लक्ष्मी वाहन सवारी आदि के सुख को भोगने वाला, दानी, पारिवारिक पालन से दुःख प्राप्त करने वाला, अच्छे व्यवहार वाला व प्रधान होता है। योगजनक ग्रह : मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि।

दुरुधरा योग (भौम गुरु)

जब चन्द्रमा से द्वितीय तथा द्वादश भौम गुरु ग्रह हों तो दुरुधरा नाम का योग होता है।

फल : जातक कार्यों में विख्यात, वैभव से युत अर्थात् धनी, अधिक मनुष्यों से शत्रुता करने वाला, क्रोधी, प्रसन्न चित्त, कुल का रक्षक एवं संग्रह करने वाला होता है। सारावली (अध्याय 13, श्लोक 21)

दुरुधरा योग (बुध गुरु)

जब चन्द्रमा से द्वितीय तथा द्वादश बुध गुरु ग्रह हों तो दुरुधरा नाम का योग होता है।

फल : बुध गुरु से दुरुधरा योग हो तो जातक धर्मपरायण, शास्त्रज्ञाता, वाचाल, सुन्दर कवि, धनी, त्यागी और प्रसिद्ध होता है। सारावली (अध्याय 13, श्लोक 24)

उभयचर योग

सूर्य से द्वितीय, द्वादश दोनों में चन्द्रमा के अतिरिक्त अन्य ग्रहों के रहने से उभयचर योग होता है।

फल : फल : (1) 'पाप' उभयचरोत्पन्न जातक रोगप्रस्त, दरिद्री, अस्वतन्त्र कर्म करने वाला होता है। 'शुभ' उभयचरोत्पन्न जातक राजा तुल्य धनी, ऐश्वर्यशाली, बलवान्, सुखी, सुशील, दयावान् बनाते हैं। (2) जातक समस्त कार्यभार को सहन करने वाला, कल्याण से युत (पाठान्तर से सुन्दर समदृष्टि वाला), समान शरीर वाला, अधिक बलवान्, अधिक ऊँची देह से रहित, समस्त वस्तु व साधनों से पूर्ण, विद्यावान्, सुन्दर ऐश्वर्य से युत, अधिक नौकर व धन से युत, अपने बन्धु बान्धवों का रक्षक, राजा के सदृश, पूर्ण उत्साही, प्रसन्न चित्त व सुख भोग करने वाला होता है। योगजनक ग्रह : सूर्य, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि।

लक्ष्मीयोग

लग्नेश प्रबल हो, भारयेश स्वभवन, स्वोच्च या मूलत्रिकोणस्थ होकर केन्द्रगत हो तो लक्ष्मीयोग होता है। बृहत्पाराशर होराशास्त्रम् (अध्याय 37, श्लोक 27,28)

फल : जातक सुन्दर, धमिष्ठ, धनी, गुणी, यशस्वी राजा तथा अनेक पुत्रों से परिपूर्ण होता है।

राज योग

पंचमेश का सप्तमेश या दशमेश से परस्पर सम्बन्ध हो तो राजयोग बनता है।

फल



राज योग

सुखेश व कर्मेश, पंचमेश या नवमेश के साथ संयुक्त हो तो राज योग होता है। (बृहत्पाराशर होराशास्त्र, अध्याय 40, श्लोक 37)

फल : राजा या राजसी पद प्राप्त होता है। सफलता, सम्मान तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होती है। आधुनिक संदर्भ में उच्च राजकीय पद मिलता है।

राज योग

लग्रस्थ शुक्र पर गुरु चन्द्र की युति या दृष्टि हो, तो जातक राजवर्गीय (राजसम्बन्ध या राजा ही) होता है। (बृहत्पाराशरहोराशास्त्र (अध्याय 40, श्लोक 11)

फल : राजा या राजसी पद प्राप्त होता है। सफलता, सम्मान तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होती है। आधुनिक संदर्भ में उच्च राजकीय पद मिलता है।

धन योग

यदि द्वितीय स्थान के स्वामी का यदि पंचम या नवम् या एकादश भाव के स्वामी से सम्बन्ध हो तो धन योग होता है। (डॉ- के- एस- चरक)

फल : जातक धनवान होता है।

धन योग

यदि पंचम भाव के स्वामी का नवम् अथवा एकादश भाव के स्वामी के साथ सम्बन्ध हो तो धन योग होता है। (डॉ- के- एस- चरक)

फल : जातक धनवान होता है।

धन योग

यदि नवम् स्थान के स्वामी का एकादश भाव के स्वामी से सम्बन्ध हो तो धन योग होता है। (डॉ- के- एस- चरक)

फल : जातक धनवान होता है।

कर्मजीव योग

यदि नवमांश का स्वामी दशम स्थान पर हो और दशमेश सूर्य हो तो कर्मजीव योग होता है। (बृहत् जातक 10/2)

फल : जातक का जीविकोपार्जन एवं सम्पत्ति सुगच्छित द्रव्य, सोना, ऊन और दवाइयों से प्राप्त होता है। जातक चिकित्सा के क्षेत्र से जुड़ा होता है तथा पिता से भी धनार्जन होता है। (सूर्य)

कर्मजीव योग

लग्र या सूर्य से चन्द्र यदि दशम स्थान पर हो तो कर्मजीव योग होता है। (बृहत् जातक)



फल : जातक को व्यवसाय और सामाजिक प्रतिष्ठा कृषि - जलीय उत्पादन मूंगा मोती सीप से मिलती है और जातक महिला पर निर्भर होता है। माँ द्वारा भी किसी रूप में धनार्जन होता है।

कर्मजीव योग

चन्द्र, लग्न या सूर्य से दशम स्थान पर बृहस्पति हों तब यह योग होता है। (बृहत् जातक)

फल : जातक को व्यवसाय और सामाजिक प्रतिष्ठा शिक्षित वर्ग के जुड़ाव से, ज्ञान से, कानून से, धर्म से, मन्दिरों से, दान पुण्य से, साधना से, तीर्थ यात्रा से तथा आध्यात्मिक अनुसरण आदि से प्राप्त होती है। जातक को धनार्जन अगली पीढ़ी से बच्चों से हो सकता है।

कर्मजीव योग

लग्न, चन्द्र या सूर्य से दशम भाव का स्वामी बृहस्पति हो तो यह योग होता है। (बृहत् जातक) (अन्य कर्मजीव योग से यह कम अंश का है)

फल : ग्रहों की स्थिति जातक को बृहस्पति से जुड़े व्यवसाय में सहायक होती है जैसे शिक्षित वर्ग के सम्पर्क से, ज्ञान से, कानून से, धर्म से, मन्दिरों से, दान से, साधना से, तीर्थ यात्राओं से तथा आध्यात्म से जुड़े व्यवसाय।

कर्मजीव योग

लग्न, चन्द्र या सूर्य से दशमेश से बृहस्पति युत हो या वृष्ट हो तो यह योग होता है। (बृहत् जातक) (अन्य कर्मजीव योग से यह कम अंश का है)

फल : यह ग्रह स्थिति जातक को बृहस्पति से जुड़े व्यवसाय में सहायक होती है, जैसे शिक्षित वर्ग के सम्पर्क से, ज्ञान, धर्म, मंदिर, दान, साधना, तीर्थ यात्रा तथा आध्यात्म से जुड़े व्यवसाय।

कर्मजीव योग

लग्न से, चन्द्र से या सूर्य से दशम स्थान का स्वामी शुक्र हो तब यह योग होता है। (बृहत् जातक) (अन्य कर्मजीव योग की तुलना में यह कम अंश का होता है)

फल : ग्रहों की स्थिति शुक्र से जुड़े व्यवसायों में सहायक होती है। जैसे रत्न व्यवसाय, चांदी, गाय, भैंस और मूल्यवान वस्तु या आनन्दित करने वाला कार्य या सौंदर्य से जुड़ा व्यवसाय।

कर्मजीव योग

लग्न, सूर्य या चन्द्र से दसवें भाव में शनि की उपस्थिति से कर्मजीव योग होता है। (बृहत् जातक) (अन्य कर्मजीव योग से यह योग कम अंश का होता है)

फल : ग्रहों की स्थिति शनि से सम्बन्धित व्यवसायों का संकेत देती है। जैसे - कर्म से जुड़े व्यवसाय, भार वहन करना अथवा पारिवारिक प्रतिष्ठा के विरुद्ध निम्न स्तर का व्यापार करना।

कर्मजीव योग

लग्न, सूर्य या चन्द्र से दशमेश की यदि शनि से युति हो अथवा वृष्ट हो तो कर्मजीव योग होता है। (बृहत्



फल : जातक को यह ग्रह स्थिति शनि से जुड़े व्यवसाय से जोड़ती है - जैसे परिश्रमी कार्य, भर वहन करना अथवा निम्न स्तर के व्यापार जो परिवार के मान के विरुद्ध हैं।

शरीर सुख्य योग

लग्नेश बृहस्पति या शुक्र केन्द्र में हों तो यह योग होता है। (सर्वर्थ चिन्तामणि 2/98)

फल : जातक को दीर्घ जीवन एवं सम्पदा मिलती है तथा राजनीतिक शक्तियों द्वारा सम्बन्ध बनता है।

सुमुख योग

द्वितीयेश यदि केन्द्र में स्वक्षेत्री हो, मित्र के घर में या उच्च राशि में हो तथा केन्द्र का स्वामी गोपुरांश में हो तो सुमुख योग होता है। (सर्वर्थ चिन्तामणि 3/26)

फल : जातक प्रसन्न एवं आकर्षक चेहरे वाला होता है।

वाहन योग

लग्नेश चतुर्थ भाव या नवम् भाव हो या एकादश भाव में हो तो वाहन योग होता है। (सर्वर्थ चिन्तामणि 4/162)

फल : जातक का स्वयं का वाहन होगा तथा अन्य भौतिक सुविधाओं प्राप्त होगी।

औरसपुत्र योग

पंचम भाव में शुभ ग्रह हों या इस भाव में शुभ राशि स्थित हो या यह भाव शुभग्रहों द्वारा दृष्ट हो तो औरसपुत्र योग होता है। (सारावली 34/25)

फल : जातक को स्वयं भी वैद्य पत्नी से वैद्य संतान होगी।

औरसपुत्र योग

बृहस्पति, लग्न, सूर्य अथवा चन्द्रमा को देखें तो औरसपुत्र योग होता है। (सारावली 35/26)

फल : जातक को वैद्य पत्नी द्वारा स्वयं की वैद्य संतान होगी।

जपध्यान समाधि योग

नवमांश राशि का स्वामी बली दशमेश के साथ हो तथा नवमेश एवं दशमेश के बीच आपसी सम्बन्ध हो तो यह योग होता है। (सर्वर्थ चिन्तामणि 7/2/41)

फल : जातक जप, ध्यान और समाधि में रत रहेगा।

सत्कलत्र योग

सप्तमेश या शुक्र, बृहस्पति या बृथ से युत हों या दृष्ट हों तो यह योग होता है। (मूल सन्दर्भ - अज्ञात)

फल : जातक का जीवन साथी (पत्नी) कुलीन और नैतिक चरित्र वाला होता है।



अरिष्ट भंग योग

बली बुध, बृहस्पति या शुक्र केन्द्र में किसी भी भाव में स्थित हों तो अरिष्ट भंग योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

फल : यह योग बालारिष्ट योग को जो नवजात शिशु भी मौत का संकेत देता है, को भंग करता है।

अरिष्ट भंग योग

राहु लग्र से तृतीय भाव में हो या षष्ठ्म भाव में हो या एकादश भाव में हो तो अरिष्ट भंग योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

फल : यह योग बालारिष्ट योग, जो कि नवजात शिशु की मौत का संकेत देता है, को निरस्त या भंग करता है।

पूर्णायु योग

लग्र और चन्द्र दोनों चर राशि में हों, या एक द्विस्वभाव में और दूसरा स्थिर राशि में हों तो यह योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

फल : यह योग जातक की दीर्घायु 100 वर्ष तक की दर्शाता है।

पूर्णायु योग

लग्रेश, पंचमेश और अष्टमेश बली हो और स्वयं की राशि में हों, स्वयं के नवमांश में हो, या मित्र भाव में हों तो यह योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

फल : यह योग जातक की पूर्णायु 100 वर्ष तक की दर्शाता है।

मंगल बुध योग

मंगल तथा बुध की किसी भी भाव में युति होने पर यह योग होता है। (डॉ. के. एस. चरक)

फल : जातक दवा बनाने के व्यवसाय से जुड़ होता है, किसी विधवा अथवा निम्न महिला के प्रति झुकाव रखता है। धातु तथा कला में पारंगत तथा पहलवान अथवा मुक्केबाज होता है। वह ज्यादा धनवान नहीं होता परन्तु वाक्चातुर्य से भरा होता है।



कुण्डली में सम योग

आश्रय योग - रज्जुयोग

यदि लग्र चर राशि में हो तथा कई ग्रह चर राशि में हों तो रज्जुयोग होता है।

फल : जातक महत्वाकांक्षी होता है तथा नाम प्रसिद्ध, और यश के लिए जगह-जगह धूमता है, यात्रा प्रिय, शीघ्र निर्णय लेने वाला और अधिक ग्रहणशील होता है। बौद्धिक रूप से गतिशील और खुले दिमाग का होता है। यद्यपि कभी-कभी अत्यधिक परिवर्तनशील स्वभाव, अनिर्णय, अस्थिर मन, अविश्वसनीय और किसी एक कार्य में संलग्न रहने में असमर्थ होता है। जातक लगातार संघर्ष में रहता है और सामान्यतः स्थिर सम्पत्ति बनाने में सफलता नहीं मिलती।

संख्या - पाश योग

सब ग्रह जब पाँच स्थानों में होते हैं, तब 'पाश' योग बनता है।

फल : पाशयोगोत्पन्न जातक जेल जानेवाला, कार्य में दक्ष, प्रपन्नी, बहुत भाषण करनेवाला, शीलरहित, अनेक सेवक वाला तथा विशाल परिवार वाला होता है। बृहत्पाराशार होराशास्त्रम्, (अध्याय 36, श्लोक 18, 46) मतान्तर से दूसरों से हमेशा प्रशंसित, धनोपार्जन में सर्वदा ध्यान देने वाला, अत्यंत चतुर, बातुनी, पुत्रवान, जनता का कल्याण करने की इच्छा होती है।

सम योग

सूर्य से पणकर स्थान (2, 5, 8, 11) में चन्द्रमा हो तो सम योग होता है।

फल : यदि सम योग में उत्पन्न हो तो द्रव्य, सवारी, यश, सुख, सम्पत्ति, ज्ञान, बुद्धि, निषुणता, विद्या, उदारता और सुख योग, इनका मध्यम फल प्राप्त हो। फलदीपिका (अध्याय 6, श्लोक 14, 18)

मध्यायु योग

लग्र और होरा लग्र दोनों द्विस्वभाव राशि में हो या एक चर राशि में और दूसरी स्थिर राशि में हों तो मध्यायु योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

फल : यह योग जातक की मध्यायु 70 वर्ष तक को दर्शाता है।

मूकबधिरांध योग

सूर्य के द्वादश भाव में होने पर यह योग होता है। (शंभु होरा प्रकाश 14)

फल : जातक अपने दाँँ नेत्र में विकार का अनुभव करेगा।

सूर्य-शनि योग

सूर्य तथा शनि की युति किसी भाव में यदि हो तो यह योग होता है। (डॉ. के. एस. चरक)

फल : जातक धातु विज्ञान में पारंगत होता है। धार्मिक कार्यों में लीन, पती तथा बच्चों से कटा हुआ, विद्वान शत्रुओं के दबाव में रहने वाला तथा परम्पराओं को मानने वाला होता है।



कुण्डली में अशुभ योग

शकट योग

बृहस्पति लग्न से केन्द्र में न हो तथा चन्द्रमा से बारहवें में हो तो शकट योग बनता है।

फल : जातक दीन हीन (निराश्रय), दरिद्र, हमेशा मुश्किल में फंसा हुआ, सबका अप्रिय तथा सदा भाग्य में उतार चढ़ाव आता रहता है। जातक अनासक्त (अलग), गृह विहीन, दीर्घायु तथा दूसरों के उपकार व दया पर जीने वाला होता है।

पामर योग

यदि पंचमेश दुःखान में पड़ा हो तो पामर योग होता है। फलदीपिका (अध्याय 6, श्लोक 62)

फल : जातक दुःख से जीवन व्यतीत करता है। ऐसा व्यक्ति असत्य बोलने वाला अविवेकी तथा वंचक (दूसरे को ठगने वाला) होता है। ऐसे जातक को संतान सुख नहीं होता या तो संतान होवे ही नहीं या होकर मर जावे। यदि सन्तान चिरजीवी हों तो भी उनसे सुख प्राप्त न हो पिता के प्रति कर्तव्य पालन न करने वाली बल्कि पिता को संताप देने वाली पितृद्वेषी सन्तान होती है। ऐसा व्यक्ति नास्तिक होता है और छोटे तथा दुष्ट आदमियों की सोहबत करता है। ऐसे व्यक्ति बहुत अधिक भोजन करते हैं अर्थात् पेटू होते हैं।

दुर्योग

दशमेश 6, 8 या 12 स्थान में पड़ा हो तो 'दुर्योग' होता है। फलदीपिका (अध्याय 6, श्लोक 67)

फल : जातक के द्वारा पूर्ण परिश्रम से किए हुये कार्यों में भी सफलता प्राप्त नहीं होती। उसके प्रयास निष्फल होते हैं। ऐसा मनुष्य प्रायः प्रवासी (घर से बाहर परदेश में) रहता है। दुर्योग में उत्पन्न मनुष्य का आदर नहीं होता। वह और लोगों से द्रोह करता रहता है और अपने पेट पालने की ही फिक्र में रहता है। फलदीपिका (अध्याय 6 श्लोक 57, 67)

दरिद्रयोग

एकादशेश त्रिक में हो तो 'दरिद्रयोग' होता है। फलदीपिका (अध्याय 6, श्लोक 68)

फल : जातक कर्जदार, अत्यन्त दरिद्री कान की बीमारी से तकलीफ पाने वाला, अच्छे भाइयों से हीन, दुष्कार्य करने वाला, अप्रशस्त वचन बोलने वाला, दूसरे का नौकर और दुःख उठाने वाला होता है।

देहकष्ट योग

लग्नेश यदि पापग्रह के साथ हो या अष्टम भाव में हो तो यह योग होता है। (सर्वर्थ चिन्तामणि 2/109)

फल : जातक को शारीरिक सुख के अभाव में जीवन यापन करना होगा।

विषप्रयोग योग

द्वितीय भाव में पापग्रह हो अथवा पापग्रह से वृष्ट हो और द्वितीयेश क्रूर नवमांश में पापग्रह द्वारा वृष्ट हो तो विषप्रयोग योग होता है। (सर्वर्थ चिन्तामणि 3/143)

फल : जातक को दूसरों से विषपान सम्बन्धी संकट उत्पन्न हो सकता है। (दूसरों द्वारा उसे जहर दिया जा



सकता है)

गृहांश योग

नवमांश राशि का स्वामी तथा चतुर्थेश द्वादश भाव में स्थित हों तो गृहांश योग होता है। (सर्वर्थ चिन्तामणि 4/63)

फल : जातक को गृह सम्पत्ति से अत्यधिक नुकसान होगा।

बंधुभीष्यकता योग

यदि चतुर्थेश पापग्रहों से जुड़ा हो या नीच षष्ठिमांश में हो या शत्रु राशि में या दुर्बल राशि में हो तो यह योग होता है। (सर्वर्थ चिन्तामणि 4/68)

फल : जातक अपने निकटवर्ती परिजनों के कारण संकटग्रस्त होगा तथा गलतफहमी का शिकार हो उनके द्वारा त्याग दिया जाएगा।

मातृशां योग

चन्द्रमा यदि पापग्रहों के बीच पीडित (फँस) जा, या पापग्रहों से युत हो या दृष्ट हो तो यह योग होता है। (सर्वर्थ चिन्तामणि 4/133)

फल : जातक की माँ का निधन शीघ्र हो जाता है।

अरिष्ट योग

लग्नेश यदि षष्ठमेश, अष्टमेश या द्वादशेश के साथ हो या एक दूसरे से दृष्ट हो तो यह योग होता है। (यदि द्वितीयेश और सप्तमेश का दखल हो तो इसका प्रभाव और अधिक गम्भीर हो जाता है) (डॉ- के- एस- चरक)

फल : जातक का स्वास्थ्य खराब रहेगा। (ग्रह जो यह योग बनाते हैं वे इस सम्बन्ध में विशिष्ट जानकारी दे सकते हैं)

अरिष्ट योग

यदि षष्ठमेश अष्टमेश या द्वादशेश के साथ हो या आपस में एक दूसरे से दृष्ट हो तो यह योग होता है। (यदि द्वितीयेश और सप्तमेश का दखल हो तो इसका प्रभाव और अधिक गम्भीर हो जाता है) (डॉ- के- एस- चरक)

फल : जातक का स्वास्थ्य खराब रहेगा। (ग्रह जो यह योग बनाते हैं उनसे इस सम्बन्ध में विशिष्ट जानकारी मिल सकती है)

अरिष्ट मतिभ्रम योग

क्षीण चन्द्र अनिष्ट नवमांश में केन्द्र में हो जबकि ब्रुध पापग्रहों से युत हो तो यह योग होता है। (मेजर एस. जी. खूट)

फल : जातक मानसिक असंतुलन से ग्रसित रह सकता है।



अरिष्ट मतिभ्रम योग

षष्ठमेश पापग्रहों से वृष्ट या युत हो षष्ठम भाव में पापग्रह स्थित हों या षष्ठम भाव पापग्रह से वृष्ट हो ब्रुध व चन्द्र दुःस्थान पर हो या पापग्रहों से वृष्ट हों तो यह योग होता है। (मेजर एस. जी. खूट)

फल : जातक मानसिक असंतुलन से ग्रस्त रहेगा।

दरिद्र योग

लग्नेश यदि दुःस्थान के स्वामी से युत हो शनि के साथ हो और किसी शुभ ग्रह से वृष्ट न हो तो यह योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

फल : जातक गरीबी, कृपणता और खराब सेहत का शिकार हो सकता है।

दरिद्र योग

जिन भावों में दुःस्थान के स्वामी बैठें हों, उनके स्वामी (उन भावों के स्वामी) भी स्वयं दुःस्थान में बैठे हों और पापग्रहों से वृष्ट हों या युत हो तो यह योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

फल : जातक गरीबी, कंजूसी और खराब स्वास्थ्य से पीड़ित रहता है।

दरिद्र योग

एकादश भाव का स्वामी दुःस्थान (षष्ठम, अष्टम या द्वादश भाव) में हों तो दरिद्र योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

फल : जातक अत्यधिक ऋण लेता है, गरीबी से पीड़ित होता है, श्रवणेन्द्रिय में विकार से ग्रस्त होता है, तुच्छ मानसिकता का होता है और पापकर्मों व अवैधानिक कृत्यों में लिप्त रहता है।

अरिष्ट भंग योग

कृष्ण पक्ष में दिन के समय जन्म हो या शुक्ल पक्ष की रात्रि में जन्म हो तो यह अरिष्ट भंग योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

फल : यह योग बालारिष्ट योग, जो नवजात शिशु की मौत का संकेत देता है, को निरस्त या भंग करता है।

अल्पायु योग

लग्नेश और अष्टमेश दोनों स्थिर राशि में हो या एक चर राशि में और दूसरा द्विस्वभाव राशि में हो तो यह योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

फल : यह योग जातक को अल्प आयु या बत्तीस वर्ष तक की आयु प्रदान करता है।

अल्पायु योग

पंचम भाव, अष्टम भाव और अष्टमेश पीड़ित हो तो यह योग होता है। (डा. के. एस. चरक)



फल : यह योग अल्प आयु या जातक की 32 वर्ष तक आयु का संकेत देता है।

अल्पायु योग

तृतीयेश और मंगल अस्त, पाप ग्रहों से पीड़ित हों तो यह योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

फल : यह योग जातक को अल्प आयु या 32 वर्ष तक की आयु का संकेत देता है।

अल्पायु योग

अष्टमेश और शनि अस्त या पाप ग्रहों से पीड़ित हों तो अल्पायु योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

फल : यह योग जातक को अल्प आयु या 32 वर्ष तक की आयु का संकेत देता है।

योगारिष्ट (योगज आयु) योग

शनि सिंह के नवमांश में हो और केवल राहु से दृष्ट हो तो यह योग होता है। (जातक पारिजात)

फल : जातक को पन्द्रह वर्ष की आयु में मृत्यु का संकट उत्पन्न हो सकता है और किसी तेज हथियार से घाव हो सकता है। (ध्यान रहे कि यह एक पृथक विचार है। इसके सत्य होने के लिए अन्य संकेत की आवश्यकता है। अरिष्ट भंग योग से यह योग निरस्त हो जाता है।)

योगारिष्ट (योगज आयु) योग

लग्नेश और अष्टमेश यदि पापग्रह हो और षष्ठम और द्वादश भाव में गुरु न हों तो यह योग होता है। (जातक पारिजात)

फल : जातक की कुल आयु अठारह वर्ष होगी। (ध्यान रहे कि यह एक पृथक विचार है। इसके सत्य होने के लिए अन्य संकेतों का होना आवश्यक है। अरिष्ट भंग योग इस योग को निरस्त करता है।)

मलेच्छ योग

सूर्य तथा शनि की एक ही द्रेष्कोण नवमांश या त्रिशांश में हो तो यह योग होता है। (शंभु होरा प्रकाश 14/34)

फल : जातक जीवन के प्रारम्भ में यद्यपि अच्छे स्थान पर हो सकता है पर बाद में कुछ मायनों में परिवर्त्यक्त हो सकता है।

हिल्लजा नेत्र दोष योग

मंगल यदि पाप राशि में हो या केन्द्र में पाप राशि से दृष्ट हो तो यह योग होता है। (शंभु होरा प्रकाश 14/67)

फल : जातक को अंधा होने का संकट उत्पन्न हो सकता है।

जिह्वादोष योग

षष्ठमेश यदि बुध हो तो यह योग होता है। (शंभु होरा प्रकाश 14/73)



फल : जातक को भोजन के स्वाद की रुचि में कमी हो सकती है। (रसना)

व्रणदोष योग

शनि केतु से युत होकर सप्तम द्वादश या षष्ठम भाव में हो तो यह योग होता है। (शंभु होरा प्रकाश)

फल : जातक को अल्सर ट्यूमर या कैंसर हो सकता है।

कुलपमशला योग

पापग्रह और शुभ ग्रह केन्द्र में हो लग्नेश पर चन्द्र की वट्ठि न हो तो यह योग होता है। (शंभु होरा प्रकाश)

फल : जातक मातृभूमि से दूर जाकर रहता है। उसके अपने परिवारजनों द्वारा निष्कासित किया जाता है। पत्नी और बच्चों को खो देता है और गरीबी में जीवन बिताता है।



जीवन फलादेश



आपका शीलनता पूर्ण आचरण, प्रीतिकर व्यवहार तथा सरल मित्रवत व्यवहार है। आपका व्यक्तित्व मुदु एवं शान्त है। आपका व्यक्तित्व बहिरुखी है। आपको बाहर रहना पसंद है। आप आमोद प्रमोद पसंद करने वाले व्यक्ति हैं।

आप सहदयी हैं। जिस क्षेत्र या राज्य में लोग काम करने से डरते हैं, वहां आप सहजता से कार्य कर लेते हैं।

आप जिस कार्य को शुरू करते हैं उसे पूरा भी करते हैं, आप उसे आधे रास्ते में नहीं छोड़ते हैं। आप समर्पित व्यक्ति हैं। आप में धैर्य है। आप विश्वसनीय एवं निष्ठावान हैं। सामान्यतः आप शीघ्रता से घबराने वाले नहीं हैं। आप कोई कार्य करने से पूर्व उसके विषय में भली प्रकार जान लेते हैं। जब आपका स्वयं का कार्य हो, तो आप बहुत सावधान और चौकस हो जाते हैं। राजनीतिक रूप से आपकी सोच परम्परावादी है।

आप सत्य निष्ठ हैं। आपका व्यक्तित्व कलात्मक है एवं आपमें सौदर्य के प्रति गहन जागरूकता है। आप में न्याय की चाहत है तथा कभी भी पक्षपात पूर्ण निर्णय आपके या किसी और के भी पक्ष में होने पर आप विचलित हो जाते हैं। गहराई से अन्वेषण कर, आपके द्वारा दिये गये तर्क पूर्णतः सही होते हैं। आप शारीरिक शक्ति एवं कुशाग्र बुद्धि वाले साधन सम्पन्न व्यक्ति हैं। आप यान्त्रिक दृष्टि वाले, प्रबल तार्किक एवं वाद विवाद प्रिय व्यक्ति हैं। आप उद्देश्यपूर्ण मितव्ययी, कर्तव्यनिष्ठ तथा समझदार हैं।

आप आदर्श रूप से कर्म प्रधान हैं व निष्क्रिय नहीं हैं। आप दृढ़ निश्चयी हैं। बड़ी बीमारी जैसी विपरीत परिस्थितियों का भी मुकाबला कर लेते हैं। एक बार यदि वास्तव में आप कुछ पाना चाहें तो आप अत्यधिक दृढ़ संकल्पित हो जाते हैं। आप हठधर्मी (निश्चयतात्मक) हैं। आप मित्रवत् तथा सौम्य तरीके से, प्रेरक व विश्वासोत्पादक हैं। आप साहसी हैं। आप में साहस, ऊर्जा और अनुशासन का संयोग है। आप उद्यमी इंसान हैं। युवावस्था में आप बहुत आवेग शील रहे होंगे। आप आत्म निर्भर सोच वाले व्यक्ति हैं। आप स्वतन्त्र प्रवृत्ति वाले जनतन्त्र दृष्टिकोण वाले व्यक्ति हैं। आप अपने तरीके से काम करने को प्राथमिकता देते हैं, इससे आपको दबाब रहित रहने से सुकून मिलता है। आप पहले नम्बर को महत्व देते हैं। आप सदैव आकर्षण का बिन्दु बनना चाहते हैं। आप अपने लायक पहचान को पाने के लिये उत्तेजित हो जाते हैं।

सभी तरह की कठिनाइयां और परेशानियों में भी आप इन सबसे ऊपर बने रहते हैं, यानि हार नहीं मानते हैं। आपमें प्रतियोगिता की भावना है। आप प्रतिस्पर्धा में विजयी रहते हैं। पर, आप बहुत प्रतिस्पर्धाओं में भाग भी लेते हैं। आप दूसरों को प्रभावित करने का प्रयास करते हैं। आपकी राय पर दूसरों का और दूसरों की राय पर आपका काफी प्रभाव रहता है। अपने निकटतम मित्रों, भागीदारों और अपने जीवनसाथी पर आपका पूरा प्रभाव पड़ता है। आप रोमांच पसंद और उत्साही व्यक्ति हैं।

आप जब एक लक्ष्य चुन लेते हैं तो उसे प्राप्त करके ही दम लेते हैं। अव्यवस्थाओं को हटाकर आप सामान्य जीवन जीना चाहते हैं। मध्यमवर्गीय लोग आपको कम पसंद आते हैं। आप किसी विचारधारा विशेष के प्रति निष्ठावान नहीं हैं और इस बात की संभावना है कि आप धर्म परिवर्तन कर लें। आपको निर्जन और एकान्त स्थान



पसंद हैं। आप एकान्तप्रिय और अद्वारदर्शी हो सकते हैं।

अपने कार्यों में आपको स्वार्थ रहित होना चाहिये और अपनी इच्छाओं में स्वार्थ और अहंकार को स्थान नहीं देना चाहिए। आप अक्सर संतुष्ट और शांत रहते हैं। चूंकि आपकी राय या वृष्टिकोण दृढ़ होता है, अतः आप योजना बना सकते हैं या बातों को परिस्थितिनुसार मोड़ दे सकते हैं।

आपका वास्तविक व्यक्तित्व छिपा रहता है। आप अक्सर भ्रान्ति की स्थिति में रहते हैं। आपके व्यक्तित्व में काफी गहनता है। आप राज़ रखना जानते हैं। आप अपना वास्तविक रूप किसी को नहीं दिखते हैं। आप कुटिल एवं चतुर हो सकते हैं। आप कभी - कभी अनैतिक हो सकते हैं। आप सलाह देने के लिए उत्सुक रहते हैं।

जब आप विरोध देखते हैं, तो आप अपना शान्त स्वभाव खोने लगते हैं, एवं लड़ाकू बन जाते हैं। आप पूर्णरूपेण प्रतिशोधी एवं क्रोधी हो सकते हैं। आप एक बहुत आक्रमक इन्सान हैं। आप असहनशील, आक्रमक, या चिड़चिड़े हो सकते हैं। आप आलोचनात्मक बनने को प्रवृत्त हैं। आपमें दोष हैं।

आप चिन्ता के प्रति प्रवृत्त हैं। आपके कुछ प्रयासों में कार्य करने में संकोच हो सकता है। जब आपको वास्तव कुछ हो जाने का अति उत्तम अवसर प्रदान किया जाता है तब आप भय एवं असुरक्षा का अनुभव कर सकते हैं। आपमें दूसरों से प्राप्त आंकलन के अनुसार स्वयं का मूल्यांकन करने की प्रवृत्ति है। शायद आप दूसरों की राय पर बहुत अधिक निर्भर हैं।

घर पर अधिक देर तक रहने पर आप ऊब जाते हैं। बहुत अधिक जिम्मेदारियाँ आप पर कष्टकर प्रभाव डालती हैं। आपके व्यक्तित्व में विरोधाभासी गुण हैं। आप एक व्याकुल व्यक्ति हो सकते हैं। कभी-कभी प्रशंसा की इच्छा आपको स्वयं अपने लक्ष्यों पर ध्यान केन्द्रित करने से भटका सकती है।

अपने कार्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में निपुणता हासिल करके इन्द्रियों पर विजय प्राप्त करना आपके जीवन में निरन्तर चलने वाला विषय है।

आप शीघ्र नकारात्मकता से प्रभावित नहीं होते हैं। जीवन्त एवं स्पष्ट परिस्थितियाँ इच्छाओं की पूर्ति में सहायक होती हैं। आप अपने जीवन के पूर्वार्ध में प्रसन्न नहीं हो सकते किन्तु बाद के भाग में आप प्रसन्न एवं प्रबल होंगे। आप भौतिक लाभ या पारिवारिक जीवन में बहुत अधिक प्रसन्नता नहीं पाते हैं। आप सरकारी अधिकारियों से अवरोध एवं मुश्किल झेल सकते हैं क्योंकि ये आपकी प्रसन्नता की खोज के बीच आते हैं।



आप फुर्तीले तथा लचीले हैं। आपकी लम्बाई मध्यम है। सम्भवतः आपका वनज आवश्यकता से अधिक है। आपके संभवतः भूरे बाल हैं। आपके केश काले या भूरे हो सकते हैं। यह संभव है कि आपके केश सुनहरे हों। आपका चहरा युवा है। आपका चहरा लम्बा तथा त्रिकोणाकार है। आपका चहरा अण्डाकार है। आप सदा एक ताज़गी भरा चहरा लिए होते हैं। आपका मुखमण्डल श्यामल है। आपके नेत्र सुन्दर हैं। आपकी आँखे मनोहर हैं। आपके दाँत आपके सुन्दर रूप को विकृत कर सकते हैं।

आप वेषभूषा के चलन का अच्छा ज्ञान रखते हैं।

आप वाक्पटु हो सकते हैं। आप समय-समय पर भाषण देने में प्रबल हैं।



आपका प्रदर्शन प्रभावशाली है।

आप पूर्णतः तर्कसंगत हैं, तथा आप दूसरों के साथ संघर्ष करते समय प्रायः विजेता रहते हैं। आपके लिए बात को स्वीकार करने की अपेक्षा तर्क करना अधिक स्वभाविक है। आपकी कल्पना शक्ति अच्छी है, और आप उसे संरचनात्मक ढंग से व्यक्त करते हैं।

आपको लोगों के बीच में बोलने में कुछ मुश्किलें हो सकती हैं क्योंकि आप थोड़े अन्तर्मुखी हैं।

आप उग्र व स्पष्ट वक्ता हैं। अपने प्रतिद्वन्द्वी के विचारों को काटते वक्त आप अहंकारी व निरंकुश हो सकते हैं। आपके बोलने का तरीका रुखा हो सकता है। आप क्रूरता पूर्वक बोलते हैं। आप अत्यधिक सावधान व छोटी-छोटी बातों पर झिक-झिक करते हैं।

आपने बचपन में देरी से भाषा ज्ञान सीखा तथा बोलने में कुछ अटकते थे। आपको अपने भावों में ओर आकर्षण व युक्तियाँ लगानी होगी।



आपके दिमाग की श्रेष्ठ अभिव्यक्ति दूसरों की सेवा व बलिदान में दिखाई देती हैं। आप आपको सही नहीं प्रतीत होन वाली सारी सूचनाएँ छोड़ देते हैं। आप पवित्रता की ताकत में यकीन रखते हैं।

आप अपनी वास्तविक मानसिक शक्ति खोज लेते हैं। आप निडर व परिणामप्रद हैं। आप विश्लेषात्मक है व व्यवस्थित पहुंच रखते हैं। आप में उपचार तथा लोगों के कार्यों के कारणों संबंधी बुद्धि है। आपका मानस श्रेष्ठ व अत्यधिक सकारात्मक है।

आपका दिमाग जीवन्त है। आपका मन दूरदर्शी है। आप खुले विचारों के, सकारात्मक व दार्शनिक हैं। आप दाशनिक व ब्रह्मज्ञान के चतुर प्रश्नकर्ता हैं। आपके दिमाग में रिश्तों से सम्बन्धित मसले अधिक होते हैं।

आप अपने दिमाग व चुनने की योग्यता से नये अवसर व संसाधनों को खोज लेते हैं। आप कभी-कभी ऐसे विचार देते हैं जो वक्त आने पर सही सिद्ध होते हैं।

आप असंवेदनशील तरीके से सोच सकते हैं तथा आप अपने श्रोताओं की भावनाओं का ध्यान नहीं रखते हैं। आप कई बार अवर्णनीय रूप से घबरा जाते हैं। आप के समक्ष कई बार किस धर्म व दर्शन को अपनाना चाहिये सम्बन्धी दुविधा आती है। आप एक ओर तो सत्ताधारी, स्वामित्व, नेता और रक्षक हैं और दूसरी ओर आप स्वार्थी, क्रोधी व निम्न हो जाते हैं। आपकी कल्पना अत्यन्त संकीर्ण हैं।

आप काफी अन्तर्द्वन्द्वों के बाद आप मार्ग खोज लेंगे जिससे आपके आत्मविश्वास, लगन व अनुशासन में वृद्धि होगी। आपको धर्म व नैतिकता का ज्ञान है। आपको सेक्स सम्बन्धि नैतिक मूल्यों का ज्ञान है जिन्हें आप निभाते हैं व अन्य से भी निभाने की उम्मीद करते हैं। आप अपने अपमान व दयालुता के प्रति अतिसंवेदी हैं। आप सितारों की चाल समझते हैं परन्तु दूसरे आप को नहीं समझते हैं। आप दूसरे स्थान की संस्कृति को बढ़ावा देना स्वयं की जिम्मेदारी समझते हैं। आपकी भावनाएं आपको सृजनात्मकता की ओर ले जाती हैं।

आप नकारे हुए व अवसादी महसूस करते हैं। कई बार आप चिन्तातुर, अवसादग्रस्त व एकाकी महसूस करते हैं। आप



एकाकी व अलग नहीं रहना चाहते हैं। आपमें भय व जटिलताओं से भागने का स्वभाव है। आप आत्महत्या के भावना के साथ, गहरे अवसाद में घिर सकते हैं। आप विषाद, क्षोभ, उदासी, असुरक्षा की भावना से घिर सकते हैं। आप अपनी व्यक्तिगत भावना अनिश्चय में फंसी महसूस करते हैं। आप शायद महसूस करें की आप जो कहते हैं उसे लोग न सुनते हैं और न ध्यान देते हैं। कई बार आपका अन्तःमन आपको हार का अहसास करायेगा जिससे आपका आत्मविश्वास प्रभावित हो सकता है। अपनी अति चाही महत्वाकाँक्षा के पूर्ण नहीं होने के कारण आप सोचते हैं कि आपके प्रयास व्यर्थ गए। आप शायद अपने कमजोर पहलू की तरह इतने अधिक सतर्क नहीं होंगे जब तक आप अपने आप को असुरक्षित स्थिति में नहीं पाएंगे।

आपके पास अनेकों युक्तियाँ हैं परन्तु आप उन्हें चरम सीमा पर ले जाते हैं। वे जब आपकी अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतरती, तब आप उनके लिए अपना आपा खो देते हैं। आप भावुक नहीं हैं। आपके संवेग विचित्र हैं। कभी- कभी आप स्वयं को भीड़-भाड़ में फँसा पाते हैं।

आप बढ़े खर्चों के कारण परेशानी में हैं परन्तु कोई मार्ग खोजने का धीरज धरते हैं। कई बार आप कमजोर हो जाते हैं। अपनी इन्द्रिय निग्रह द्वारा आप अपने कार्यक्षेत्र में लाभ प्राप्त कर सकते हैं। परन्तु आत्मसंयम के प्रति आपका उद्देलित स्वभाव स्वयं व दूसरों के लिए परेशानी बन सकता है।

आप चतुर, परन्तु असाहित्यिक हैं। आपमें विशेषतः मानवीय गुणों की कमी है।

आप अत्यधिक चतुर हैं।

आप अपने शोध में अत्यन्त धैर्यवान हैं व अपने चाहे परिणाम को प्राप्त कर सकते हैं।

आपका दर्शन ज्योतिषिय प्रकार का है जो जीवन के सभी क्षेत्रों में लागू होता है।

आपकी बुद्धि, उत्तेजक, अधीर व गहन है।



आप ज्ञान संवर्धन व स्वयं को शिक्षित करने में सदैव रुचि रखते हैं।

कुछ आध्यापकों का आपके जीवन पर अमिट प्रभाव है। आप आपने गुरु के संदेश को तोड़ मरोड़ देते हैं अथवा उनके सुधारों को अनसुना कर देते हैं। आप गहन शोध करेंगे।

आप श्रेष्ठ शोधकर्ता हैं, तथा अपने कार्य को विद्या की दक्षता से करते हैं। आप शोध व ज्ञान में श्रेष्ठ स्तर पर हैं। आप अपने लिए जरुरी विषयों की खोज में घट्टों व्यतीत कर सकते हैं। आप दर्शनशास्त्र का अध्ययन उच्च आदर्शों को समझने के लिए करते हैं।

शिक्षा प्राप्ति के प्रयास आपके जीवन में व्यर्थ जायेंगे और यदि इसे पाना ही चाहते हैं, तो आपको दूर यात्रा करनी पड़ेगी।

आप ज्ञानी हैं। आपके जीवन में उच्चतर ज्ञान को अर्जित तथा विस्तृत करना एक बड़ा विषय है। आपके पास सुनिश्चित, संतोषजनक अनुभव ज्ञान तथा शिक्षा के क्षेत्र में है, औपचारिक या अनौपचारिक। ज्ञानार्जन की प्रक्रिया में, किसी प्रकार का शायद तीर्थस्थान या आध्यात्मिक या शैक्षिक मूल्य के स्थान की यात्रा होगी। आप अपने ज्ञान की सीमा का विस्तार करने का चयन पीएचडी करके करना चाहते हैं या किसी अन्य औपचारिक तरीके से प्राप्त करना चाहते हैं। आप छुपा ज्ञान प्राप्त करना



चाहेंगे।

आप उत्तर की तलाश में हर प्रयास करेंगे। आप पांच इन्द्रियों को नियंत्रित करने का ज्ञान प्राप्त करना चाहते हैं व सफल होंगे। जीवन में आप ज्ञान से पूर्ण होंगे।



आप कुशल हैं। आप उच्च रूप से दक्ष हैं। आप किसी न किसी कार्य में श्रेष्ठ हैं व इसके लिये जाने जाते हैं। आप कौशल से अपने कार्यों में सफलता प्राप्त करेंगे।

आप में परीश्रम, परस्पर सम्पर्क तथा अच्छे रिश्ते कायम रखने तथा अपने व्यवसाय को बनाये रखने की कला है। आप सामाजिक सोच के अच्छे जानकार हैं और समूह गतिविधियों में दक्ष हैं। आप व्यवस्थापन व शक्तिकेन्द्रों का विशिकोण, श्रोताओं के बड़े समूह को समझाने की योग्यता रखते हैं।

आप जिम्मेदार व व्यवहारिक हैं, तथा व्यवहार कुशल व्यवसाय की तथा प्रशासनिक योग्यताएँ रखते हैं। आप कम्प्यूटर में शिक्षा तथा कुछ जटिल तकनीकों में विशेषता प्राप्त करेंगी।

आप तकनीकी लेखन में कुशल हैं। आप में भाषा के प्रति एक विशेष जन्मजात प्रवृत्ति है।

आप अपने आर्थिक सौदे में सफल हैं। चाहे आप एक पेशेवर उपचारक हो या ना हो आप स्वयं या दूसरे को स्वस्थ कर सकने की योग्यता रखते हैं। आपके पास चिकित्सिय कौशल, उपचार में दक्षता व रसायनों के साथ कार्य करने की योग्यता हैं।

आप जिम्मेदारियों से भागते हैं या उन्हें अनमने हो कर निभाते हैं।

आपके पास कलात्मक व अच्छी कल्पनाशक्ति है व आप इसे सृजनात्मक तरीके से अभिव्यक्त करते हैं। आप में कलात्मक योग्यताएँ हैं। आप जो चाहेंगे प्राप्त करेंगे।

आप में कठीनाईयों व जटिलताओं के मध्य भी अपना मार्ग खोज लेने की उल्कृष्ट मानसिक क्षमता है।

आप यान्त्रिक संगठन या अच्छे इंजीनियर बन सकते हैं। आप यान्त्रिक समस्याओं को जल्दी निपटा देते हैं।

आप शारीरिक स्वास्थ में रुझान रखते हैं। आप उन कार्यों में श्रेष्ठ हैं जो आपके व दूसरों के शारीरिक, आध्यात्मिक एंव मानसिक उत्थान से जुड़े हैं।

आपको जल संबंधी खेल पसन्द नहीं हैं।





आप व्यवस्थित, प्रक्रियारत व उद्देश्यपरक हैं। आपकी व्यवहारिक सोच है। आप गम्भीर कदम उठाकर अति नाटकीय परिणाम देते हैं। आप अपना कार्य पूर्ण होने तक आराम से नहीं बैठते। आप अवसरों का लाभ उठाने में अति चतुर व तत्पर हैं। आप परीश्रमी हैं तथा अपनी प्रक्रिया में सतत हैं।

आपकी नमनशीलता के कारण आपकी नैतिकता दूसरों के सामने उदाहरण की तरह रखी जाती है। आप यदि उन लोगों की सहायता करें जिन्हें सहायता की जरुरत है या जो अकैलेपन के शिकार हैं तो सफलता आपके कदम चूमेगी। आप अपने कर्तव्यों को पूरा करने में पूर्ण रूप से समर्पित हैं।

आप एक सर्वश्रेष्ठ श्रोता हैं।

आप अन्य लोगों से ईर्ष्या कर सकते हैं। आक गलत चीजों का बचाव करेंगे और यह मानने से इंकार करेंगे कि आप गलत हैं। आप अपना ही नुकसानकारित करने वाले हो सकते हैं। आप बड़ों और और अध्यापकों का सम्मान नहीं कर पाएँगे। आपको कुछ कृत्यों से अध्यापकों को पीड़ा हो सकती है। आपके द्वारा शुरू किये गये कार्य को अच्छी तरह से पूरा करने की आदत डालें। आपको यथास्थिति को छिन-भिन्न करने के लिए योजनाएं बनाना पसंद है।

आप अति उग्र एवं क्रोधी स्वभाव के हैं एवं दूसरों की जरुरतों एवं इच्छाओं को नहीं समझते हैं। आप समाज से अलगाव और नैतिक एवं सांस्कृतिक परिसीमाओं के कारण आप सीमाओं को तोड़कर इस तरह व्यवहार कर सकते हैं कि कोई आपको अनैतिक समझे। आप पर कानून तोड़ने के कारण जुर्माना, शास्त्रियां या सजा अधिरोपित की जा सकती है। आप अस्थिर, स्वार्थी हो सकते हैं और दूसरों की भलाई के लिए बलिदान करने के इच्छुक नहीं हैं।



आपको उद्भूत होती, परिवर्तित होती और पल्लवित होती वस्तुएं देखना पसंद है।

आपको खुशामद किया जाना पसंद है। आप सही कार्य करने की मजबूत भावना के साथ उच्चतम आचार और नैतिक मानकों के साथ जीने का प्रयास करेंगे। आपको प्रशिक्षण स्वतः ही अच्छा लगता है।

आपको प्राचीन सम्प्रताओं की खोज करना पसंद हैं। आपको राजनीति पसंद है। आप कई खुशियों का मजा ले सकते हैं। आप सभी प्रकार की विशालता जैसे - विशाल मशीनें, कारें या घर या विशाल पहाड़ों आदि को पसंद करते हैं। आप पानी के नजदीक रहना पसंद करते हैं और संपत्ति के माध्यम से धन कमा सकते हैं। अपने कार्यों में तकनीकी और सामरिक योजनाओं को आप आसानी से काम में लेते हैं। आप विभिन्न संस्कृतियों और विदेशी परम्पराओं में रुचि रखते हैं। आपकी रुचि योग और जादूगरी में हो सकती है। आपको दूसरों की मदद करना पसंद है। आप प्रशंसा करना जानते हैं ऊचे उद्देश्य हेतु कुछ कर सकते हैं। आपको अधीनस्थता स्वीकार नहीं आप या तो नेतृत्व करते हैं या स्वतंत्रतापूर्वक कार्य करते हैं। आपको लक्ष्य तय करने और उसे प्राप्त करने में आनन्द आता है।

आपको वस्तुओं को अलग कर उनकी धनि सुनना पसंद है। आपको भरे हुए बक्से, सन्दूक, बर्तन, और वस्तुएं पसंद है।

आपको भौतिक सुख आनंद देते हैं। आपको धार्मिक और आध्यात्मिक कृत्यों से जुड़ना पसंद है।

आपके प्रति जो पशु प्रेम भाव रखते हैं उनसे आप भी प्रेम प्रदर्शित करते हैं। आपको संभवतया हाथी पसंद है।

आपको रोजमर्रा के नीरस कार्य पसंद नहीं हैं। कुछ उपक्रमों के विफल रहने के कारण आप अपने व्यवसाय से असंतुष्ट हो



सकते हैं।

आपको अच्छे कलबों और रेस्तरां में जाना पसंद है।



सामान्यतया आपका स्वास्थ्य उत्तम रहता है। आपका शारीरिक गठन और सामर्थ्य अच्छा है। आपका शारीरिक गठन ऊष्ण है। आपकी शारीरिक समस्याएँ आपकी खुशियों में बाधक हो सकती हैं।

आप मानसिक समस्या, यात्रा के दौरान दुर्घटना, फेफड़े, कूलहे के रोग जिसमें कूलहे, जांघ और पैर में दर्द सम्मिलित है से पीड़ित हो सकते हैं। आपका गला सूख जाता है। आपका संवेदनशील पाचन तंत्र और अम्लता संबंधी रोग प्रेरणान कर सकते हैं। आप गुदा में किसी रोग से पीड़ित हो सकते हैं। पालतु पशुओं पर रहने वाले परजीवी आपके लिए समस्याजनक हो सकते हैं। आपके नेत्रों में कोई समस्या हो सकती है जिसके अथवा अन्य किसी स्वास्थ्य कारण से आपको अस्पताल में भर्ती भी रहना पड़ सकता है। आपके दाँत सुदृढ़ हैं। आप जननांगों, निम्न उर्वरता, हॉर्मोनों के असंतुलन, त्वचा की समस्याओं और संभवतया भावनात्मक अभावों से रोगप्रस्त हो सकते हैं। आपके लिए ठंडी फुहारे ऊर्जादायक हैं। आपका हृदय लगातार दबाव या संक्रमण से ग्रस्त हो सकता है।

आपको दीर्घायु की चिंता है और आपकी सहन-शीलता की शक्ति कमजोर हो सकती है।

आपको पानी से संबंधित दुर्घटना को टालने के लिए सावधान रहना चाहिए। आपका कमर से नीचे के भाग में चोट लग सकती है।



आपके अभिभावकों की ओर से सीमित खुशियां होगीं जिनके लिए आपके जीवन या विकास-यात्रा में पूर्वत्या सम्मिलित होना कठिन हो सकता है। आपके अभिभावक अप्रवासी हो सकते हैं।

आपकी माता संवेदनशील अभिभावक है जो अपनी अनुभवहीनता को, विश्व प्रसिद्ध जीवन, आध्यात्मिक उपलब्धि या कम से कम भौतिक आराम के लिए प्रेरित करने की आशा करती है। वह प्रत्येक वस्तु को गहराने से अनुभव करती है और कभी-कभी स्वयं पीछे रह जाती है ताकि दूसरे आगे बढ़ सके। वह अत्यधिक दयालु प्रवृत्ति की है। आपकी माता की पूर्व संवेदना और भावनात्मक खुलापन दूसरों को उसमें विश्वास करने के लिए प्रेरित करता है। उसकी संबंध जिम्मेदारी और सजीव कल्पनाशीलता से उसकी ऐसी आनंददायक उपस्थिति का अहसास होता है जिससे सभी को प्रसन्नता का अनुभव होता है। अपने उत्साहवर्धक व्यक्तित्व के कारण कभी-कभी वह स्व-केन्द्रित हो सकती है। आपकी माता दिन में सपने देखना पसंद करती है।

आपकी माता के चेहरे और कृत्यों में उसके आंतरिक विचार और भावनाएं स्पष्ट रूप से झलकती हैं। आपकी माता अत्यधिक ग्राही है और सरतला से प्रभावित हो सकती है। आपकी माता स्वयं को निष्क्रिय रखते हुए उस वातावरण में सशक्त रंग भर



सकती है जिसमें वह रह रही है। आपकी माता की मनःस्थिति चन्द्रमा की भाँति बदल जाती है कभी तो वे अधिक उदारवादी और कल्पनाशील हो जाती है और कभी कम। आपकी माता ऊर्जा लिए जाने पर इस प्रकार प्रतिक्रिया करती है मानों कि उनमें से जीवन शक्ति निकाल दी गयी हो। आपकी माता प्यार और ऊर्जा मिलने पर महान गंभीरता से प्रतिक्रिया देती है। आपकी माता के लिए भावनाओं पर विवेक से काबू करना कठिन हो सकता है। आपकी माता की भावनाओं और विचारों का पैमाना सदैव बदलता रहता है जिससे उनका जीवन के प्रति रवैया निरंतर परिवर्तित हो सकता है। आपकी माता भावुक और संवेदनशील होकर अव्यवहारिक निर्णय ले सकती है। आपकी माता यदाकदा मुख्य धारा से कटकर एकान्त में रहना पसंद करती है। आपकी माता सामाजिक उत्थान, इत्यादि के बारे में पठन और विचार विमर्श के बावदूज परिवार के कल्याण की ओर ज्यादा उन्मुख है। आपकी माता का परिवार के प्रति प्रेम है और वे परिवार से दूरी पसंद नहीं करती है। आपकी माता के व्यक्तित्व ने आप पर गहरी छाप छोड़ी है। आपकी माता ने लक्ष्यपूर्ति में आपका बहुत सहयोग किया है। आप और आपकी माता के संबंधों में कोई कठिनाई आ सकती है। आपकी माता और आपके विचार नहीं मिलते।

आपके पिता सूचना और संचार क्रान्ति का भरपूर लाभ उठाते हैं। उनकी व्ययशील, मजाकिया और सामाजिक प्रवृत्ति उन्हें दूसरों का नेतृत्व प्रदान करती है। वे ज्ञान का प्रसार करते हैं। वे कर्तव्य निष्ठ और साथ ही बुद्धिमान हैं। वे जीवन में कई क्षेत्रों में नाम कमा सकते हैं। उनके पिता अत्यधिक धनवान थे और आपके पिता स्वयं भी समृद्ध हैं। आपके पिता भाग्यवान हैं और मात्रा प्रकाशन अध्यापन और विश्वविद्यालय सम्पर्क इत्यादि से धनार्जन करते हैं। आपके पिता जब सामान्य में अच्छाई देखकर उनमें रुचि लेते हैं। उनके आसपास के लोग आते जाते रहते हैं परं वे निस्पृह भाव से कार्य करते रहते हैं और आसपास के लोगों को सलाह देते रहते हैं। वे एक अच्छे वक्ता हैं। वे अत्यन्त गरिमापूर्ण हैं परं दूसरी ओर वे आलोचक भी हो सकते हैं। वे काफी उत्त्राति कर सकते हैं। उन्हें जीवन में कभी भी आर्थिक कठिनाई नहीं आएगी। आपके पिता साधारणतया शान्त स्वभाव के हैं। आपके पिता उचित तरीके से महत्वाकांक्षी हैं। आपके पिता खुश एवं सफल रहेंगे। आपके पिता को अक्सर किताबे या अखबार पढ़ते देखा जा सकता है।

आपके पिता के जीवन में कठिनाईयां आ सकती हैं तथा उन्हें वित्तिय समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

आपके पिता दूसरों को सलाह व राय देने में अपनी अत्यधिक ऊर्जा बर्बाद कर सकते हैं यहां तक कि जब उसकी जरूरत भी न हो। आपके पिता स्पष्टवादी वक्ता हैं। आपके पिता घर से दूर जा सकते हैं। आपके पिता को शारीरिक कसरत व ताजी हवा अत्यधिक स्वास्थ्य लाभ दे सकती है।

आपके पिता दूसरों की बुराई करते समय अपनी सीमाओं को लांघ सकते हैं।

जीवन कभी भी आसान नहीं है। आपके पिता के पूर्व जन्म के कर्मों का इस जीवन में परिणाम निकल रहा है तथा उन्हें अपने ऋणों को चुकाने का मौका मिल रहा है।

आप अपने पिता का सम्मान करते हैं तथा बुद्धिमानी के लिये उनके पास जाते हैं। बचपन में आप अपने पिता के अत्यधिक करीब रहना पसंद करते होंगे। आपको काम या कोई दूसरा अनिश्चित प्रभाव आपके पिता से आपकी इच्छा से अधिक दूर रखेगा। आप अपने पिता से अलग हो सकते हैं।

आप अपने परिवार के सदस्यों के बीच प्रसन्न हैं। आपका परिवार स्नेहपूर्ण व प्यारभरा है तथा आपने इसमें स्वस्थ सामाजिक कुशलता का विकास करने की अच्छी शुरुआत दी है।

आपका अपने बड़े भाई/बहिन से अच्छा विचार संप्रेषण हो सकता है।

आपकी मां तथा छोटे भाई बहिन आपको असाधारण समझते हैं अथवा अपने सांस्कृतिक ज्ञान को बढ़ाना चाहते हैं। जिन परेशानियों से आपके मित्र व बड़े भाई-बहिन गुजरते हैं वे आप में एक परिवर्तन लाती हैं। जीवन में उनके स्तर में व्यापक परिवर्तन की संभावना है जिससे आपका रोजगार प्रभावित होगा। आपके भाई बहन के साथ आपके सम्बन्ध में कोई परेशानी हो सकती है या आप उनसे बिछड़ सकते हैं अपने बड़े भाईयों व मित्रों के साथ कभी व्यापार तथा ऋण लेन देन न करें।

आपका एक भाई जीवन में खूब प्रगति करेंगा।



बड़े भाई/बहिन के साथ आपके संबंध बहुत अधिक मधुर नहीं होंगे। आपका बड़ा भाई या बहिन तथा आपके बीच प्रतिद्वंद्वता हो सकती है। आप अपने बड़े भाई बहिन या पूर्वस्थापित साथियों के प्रति कटु हो सकते हो। आपका बड़ा भाई/बहिन लू, बूखार, सूजन, कटना जैसी बीमारियों से पीड़ित हो सकते हैं।

आपके नानाजी के घर में कुछ समस्या हो सकती है। आपके चाचाजी जीवन में खूब प्रगति करेंगे।



आप साहसी हैं। आप महिलाओं द्वारा दिये गये ध्यान से अत्यधिक आकर्षित होते हैं।

आप में पुरुषत्व की कमी तथा सैक्स के प्रति उदासीनता हो सकती है।

आपके जीवन में विवाह व रिश्ते महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। आपके अपने जीवन साथी से अच्छा सामंजस्य है। आपका जीवन साथी एक अच्छा मित्र है।

आपको जहां प्रेम का सम्बन्ध हो वहां स्वयं को पहचानने में कठिनाई हो सकती है। आप में अपने जीवन साथी पर धौस जमाने की प्रवृत्ति है तथा आप विपरीत लिंग के सम्बन्धों में रुचि लेते हैं।

आपका कार्य आपको आपके जीवनसाथी से दूर रख सकता है। आपका जीवनसाथी आपके कार्य की जटिलताओं को समझने में असमर्थ है तथा इससे आपके बीच की दूरी बढ़ सकती है।

आपकी पत्नी विस्तृत अज्ञात के लिए प्रेम व भय रखती है वे व्यवसाय में कुशल हैं तथा वे अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखती हैं प्यार व आध्यात्मिकता के द्वन्द्व में उनका झुकाव आध्यात्मिकता की ओर होता है।

आपका जीवनसाथी वह व्यक्ति हो सकता है जिसे आप बचपन से जानते हैं तथा आपके अत्यधिक करीब है। आपको सुन्दर जीवन साथी मिलेगा। आपका जीवनसाथी आकर्षक व साथ साथ दृढ़ परिपक्व व न्यायपसन्द है। आप और आपका जीवनसाथी दोनों बहुत आकर्षक हैं। आपकी पत्नी दिल के मामलों में अच्छी सलाहकार है। आपकी पत्नी सामाजिक कर्तव्यों को सावधानीपूर्वक पूरा करती है। आपकी पत्नी शान्ति प्रिय है। आपकी पत्नी सकारात्मक चिन्तन व जीवन को बढ़ावा देने वाली है। आपकी पत्नी बात अधिक बढ़ने पर झगड़ा करने की अपेक्षा वहाँ से चुपचाप चली जाती है। आपके जीवनसाथी का विशेष सामाजिक स्तर है अथवा वह उत्तम पृष्ठभूमि से है। आपका जीवनसाथी लोकप्रिय तथा शक्तिशाली हो सकता है। आपका जीवनसाथी कामुक व आकर्षित हैं। आपकी पत्नी जहाँ तक संभव होता है, वाद-विवाद एवं तर्क से बचने का प्रयास करती है। आपकी पत्नी अपने वातावरण को स्वयं की उन्नति के लिए उपयोग करना सीख रही हैं। आपकी पत्नी के मित्र माननीय एवं समाज में प्रतिष्ठित हैं।

आपके जीवन-साथी की शारीरिक-स्वास्थ में रुचि होने की संभावना है।

आपमें अपने जीवन-साथी को अपनी इच्छा छोड़कर उसकी इच्छानुसार चलने देने की प्रवृत्ति है। आप अपने जीवन-साथी के लिए कठिनाईयाँ खड़ी कर सकते हैं, जैसे, उसे मुकदमेबाज़ी एवं अन्य समस्याओं में डालना। आपके साथी का आपके व्यक्तित्व एवं व्यवहार पर अत्यंत गहरा प्रभाव पड़ सकता है।



आपके जीवन-साथी का स्वास्थ्य ठीक न रहे ऐसा संभव है।



आप जिन लोगों का संग विशेषरूप से रहते हैं, उनमें से कुछ व्यक्ति उद्यमी एवं दृढ़ हैं। आपके अनेक कंप्यूटर की जानकारी रखने वाले (कंप्यूटर-साक्षर) मित्र हैं एवं संभवतः आप स्वयं भी अत्यंत कंप्यूटर साक्षर हैं। आपके मित्र शत्रुओं में बदल जाएँ ऐसी घटनाएँ भी संभव हैं। आप संभवतः अपने मित्र के मामलों में तल्लीन हो जाएँ। आपको अवचेतन रूप से लगता है जैसे आप अपने मित्रों से प्रतिस्पर्धा में हैं। आपका जीवन व्यस्त होने के कारण धनिष्ठ मित्रता को बनाए रखना समस्यात्मक हो सकता है। आप अपने मित्रों से दूरी बनाए रखेंगे ऐसा संभव है।

आप अपने मित्रों की समस्याओं के तकनीकी हल प्रदान कर सहायता कर सकते हैं। आप अधिकतर लोगों के साथ चल लेते हैं, परंतु बुद्धिजीवियों एवं कलाकारों से आप विशेषरूप से आकर्षित होते हैं। आपकी लोगों से मित्रता योग्यताओं के ज्ञान पर अथवा प्रशिक्षण के समान तरीकों पर आधारित है। आपके मित्र ऐसे उपद्रवों से गुज़र सकते हैं जो आपको प्रभावित करें।

आपके विरोधी, प्रतिद्वन्द्वी अथवा आपके व्यवसाय को अपना शिकार बनाने के इच्छुक औद्योगिक-गुप्तचर हो सकते हैं। आपके शत्रु अथवा प्रतिद्वन्द्वी चोरों अथवा स्वास्थ्य समस्याओं के शिकार हो सकते हैं। आप अपने शत्रुओं पर प्रभावशाली ढंग से विजयी होते हैं। आप प्रतिस्पर्धापूर्ण परिस्थितियों से लाभान्वित हो सकते हैं। आपके पास शत्रुओं पर विजय पाने के अनेक उपाय हैं। आपको शत्रुओं, विरोधियों एवं प्रतिद्वन्द्वियों की ओर से दबाव आएंगे जो आपके जीवन को उत्पीड़ित करेंगे परंतु आप संघर्षों एवं प्रयत्नों के बाद उनपर विजय प्राप्त कर लेंगे। आपके शत्रु अथवा प्रतिद्वन्द्वी स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित रहते हैं अथवा वैधानिक-विवादों में उलझे रहते हैं जिससे वे आप का विरोध नहीं कर पाते। आप शत्रुओं के अवरोधों के कारण एवं समस्या सुलझाने के उपाय प्रयोग करके, ऐसी योजना विकसित करें जिससे आप अपने प्रमुख प्रतिद्वन्द्वियों एवं विरोधियों का लाभ उठा सकते हैं। आपको ऐसा लग सकता है कि संसाधनों को प्राप्त करने के बहुत से अवसर आपके विरोधियों अथवा प्रतिद्वन्द्वियों के माध्यम से प्राप्त होंगे। यह आश्वर्यजनक हो सकता है परंतु आपकी इन उपायों से अर्थोपार्जन की अच्छी संभावना है। आपके लिए अन्य अवसर वास्तविक रूप में बाधापूर्ण हो सकते हैं। आपके प्रतिद्वन्द्वियों अथवा शत्रुओं से प्राप्त दुःख आपके वैवाहिक सुख एवं कार्य-क्षेत्र के वातावरण को प्रभावित कर सकता है। आपके प्रतिद्वन्द्वी अथवा विरोधी आपसे पहले ही अवसर हथिया लें अथवा आर्थिक वृद्धि के लिए आपकी कोई योजना चुरा लें, ऐसा संभव है।

आप विशिष्टिकृत क्षेत्रों में अन्यों के द्वारा सम्मानित हैं। आप साधारणतः अधिकांश लोगों में पसंद किए जाते हैं एवं लोकप्रिय हैं क्योंकि आप प्रेमी स्वभाव के हैं एवं विपरीत लिंग के सदस्यों के लिए आकर्षक हैं।

आपको ऐसा लग सकता है कि एक अच्छी कीर्ति एवं समाज में प्रतिष्ठा स्थापित करने के आपके प्रयास केंद्रित नहीं हैं एवं प्रभावहीन हैं। संभव है कि आप निम्न क्रिया-कलापों पर उत्तर आएँ जिनसे आपको कलंक एवं लोक अपमान ही प्राप्त होगा।

आप एक अच्छी प्रतिष्ठा व सम्मान प्राप्त करेंगे, लोकप्रिय होंगे एवं अपने अच्छे कार्यों के लिए प्रसिद्धि भी प्राप्त करेंगे। आप संगठनों के प्रति सकारात्मक योगदान देते हैं। लोगों के समूह में आप कभी-कभी सभी को एक समान लक्ष्य के विषय में प्रोत्साहित करने के महत्वपूर्ण उपकरण सिद्ध होते हैं। आपकी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएँ समाज की आवश्यकताओं के एकदम विपरीत हैं।

आप झगड़े उत्पन्न कर सकते हैं एवं लोगों में मतभेद पैदा कर सकते हैं। आपको आसानी से गलत समझा जा सकता है जिससे आपको कुछ कठिनाई हो सकती है। आपके लिए लोगों से जुड़ना एवं संपर्कों का जाल जिससे आपके लिए नये अवसर खुल सकते हैं, बुनना, कठिन हो सकता है। लोगों से दूर रहने एवं एकाकी रूप से में कार्य करने की एक गंभीर अवचेतन



आवश्यकता है। आप आसानी से संबंध स्थापित कर लेते हैं एवं सभी के साथ सन्देश रखने का प्रयास करते हैं। आपकी संबंध बनाने की योग्यता व्यापारिक एवं सामाजिक जीवन में अत्यंत लाभदायक हैं।

आप अपनी मातृभूमि से ज्यादा विदेशों में जाने जाते हैं। हो सकता है आप जिन विदेशियों से सौदा करें वे किसी प्राकृतिक आपदा या बीमारी से ग्रस्त हों व आप उनकी सहायता करें। यदि आपको विदेश जाने के लिए कुछ करना होगा तो आप उस कार्य को कमियों के बावजूद तन्मयता व जिम्मेदारी के साथ करेंगे। विदेशी स्थान व लोग आपके लिए बड़ी समस्या उत्पन्न कर सकते हैं विदेशी साझे में सावधानी रखें। आप किसी बड़ी बीमारी से ग्रसित हो सकते हैं। आपका आपके मातृ देश से ज्यादा अन्य देशों से बन्धन ज्यादा मजबूत होगा।



आप प्रयासरत, प्रजातान्त्रिक, गम्भीर, पवित्र व आत्मनियन्त्रित हैं। सम्पति व सफलता आपकी प्राथमिकता है। आप गोपनीय व शानदार महत्वाकांक्षा रखते हो औरैं से अर्न्तद्वन्द्व आपको चिन्तित व अपनी उच्चता व कुशलता को कम आँकने पर मजबूर करता है। आप दुनिया पर आश्वर्यजनक रूप से टूट पड़ेगे जो दूसरों के साथ - साथ आपको भी चौंका देगा। आप अपनी कार्य कुशलता के लिए सब और जाने जाते हैं। आप अपना व्यवसाय सावधानी से चुनते हैं। आप अपनी पदोन्नति के लिए एक सृजनात्मक योजना तैयार करेंगे।

आप व्यवसायी समूहों को संरचना व मार्गदर्शन देते हैं। हो सकता है आप अपने क्षेत्र के लोगों के साथ किसी चुनौतिपूर्ण मुकाबले में लगे हों। कानूनी राजनीति व सरकारी कार्यों में भी आप अच्छा कर सकते हैं। आप प्रसव व बच्चों से सम्बन्धित क्षेत्र में सशक्त रुझान रखते हैं। आप मनोरंजन के क्षेत्र में कार्य करेंगे। आपके व्यावसाय में कलात्मक व सृजनात्मकता का मिलान रहेगा। आप समाज सेवा, चिकित्सा, ध्यान व विदेशियों के साथ कार्य करेंगे। आप यदि लाभ कमाना चाहते हैं तो ऐसे पेशे का चुनाव करें जिसमें निस्वार्थ क्रिया कलाप, आत्मबलिदान व सबकी भलाई निहित हो। आप ऐसे कार्य अथवा नौकरी में होंगे जिससे आप ज्यादा लोगों को नजर नहीं आयेंगे।

आपमें ठेकेदारी उत्साह है व आप अवसरों से लाभ प्राप्त करने को तत्पर हैं। आप अपने व्यापारिक क्रियाओं में श्रेष्ठ होंगे। आप अपने प्रतियोगियों पर गहरा प्रभाव रखते हैं।

आपके साथी दिशा-निर्देशों के लिये आप पर निर्भर रहेंगे।

आप आवश्यकता के कारण स्वरोजगार पर केन्द्रित होंगे। आप अच्छे ठेकेदार हैं तथा आर्थिक रूप से स्वंय पर निर्भर हैं।

आप स्वतंत्र व्यवसाय के बजाय किसी बड़ी कम्पनी के कर्मचारी के रूप में ज्यादा प्राप्त करेंगे। यदि आप नौकरी कर रहे हैं तो आपका मालिक बुद्धिमान व सहनुभूतिपूर्ण होगा। आपके अधिकारी के प्रति आपको गहरा क्षोभ होगा। आपके अधिकारी के कारण आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा को चोट पहुँच सकती है।

आपके पास कर्मचारी या कई अधीनस्थ होंगे।

आप काम पसंद हो सकते हैं। आप अपने काम में आ रही बाधा निवारण के प्रति दृढ़ निश्चयी हैं। आप तर्क, व्याकरण में कमी सहन नहीं कर सकते। किसी तस्वीर को देख कर उसी के विस्तार में अधिक कार्य करना आपके लिये अति साधारण बात है। यदि आप एक अध्ययन करने वाला अथवा शोधकर्ता हैं, तो आप चीजों के विस्तार व अत्यधिक साहित्यिक प्रस्तुति के लिए विचारों में खो जाते हैं अथवा दल-दल की तरह फंस जाते हैं। आपका कार्य आपको समूह और संस्थाओं के सम्पर्क में लाता है जहाँ पर आपको विभिन्न नाटकीय एवं परीक्षणों के दौर से गुजरना पड़ता है। पालन - पोषण सम्बन्धी दृष्टिकोण आपकी



कार्यशैली का ही एक हिस्सा होगा और संभवतयः आप लोगों के समूह से जुड़े हुए रहेंगे। आप जो कार्य करेंगे वह किसी संस्था को अग्रिम व अपूर्व ज्ञान प्रदान करने वाला होगा। आप किसी जिम्मेदार पद या स्थान पर जहाँ पर आम लोगों के साथ, लेन-देन या व्यवहार हो, कार्य कर सकेंगे। आप जन सम्पर्क या शिक्षा के उच्चतम संस्थान या चर्च के साथ कार्य कर सकते हैं।

आपकी तैयारी से पूर्व ही आपको दायित्वपूर्ण पद दिया जायेगा। आप उच्च प्रतिष्ठा एवं प्रसिद्धि प्राप्त कर नेतृत्व के शिखर पर पहुंचेंगे। आप कैरियर की दृष्टि से समयान्तराल में सफल हो सकते हैं।

आपकी उन्नति अस्थायी है। आपको अपनी इच्छाओं व आकांक्षाओं को पूर्ण करते समय कठिन समय से गुजरना पड़ सकता है, क्योंकि आप के मार्ग में कष्टप्रद बाधाएं और रुकावटें आती हैं। आप अधिकांशतः काम के बोझ से दबे रहते हैं। आप वांछित पद को प्राप्त करने और उसे संभालने में चुनौतियों का सामना कर सकते हैं। आप विदेश आधारित संगठनों से संबंध होंगे और अपनी प्रेरणा के लिए बाह्य प्रभावों का उपयोग करेंगे। आप विदेश में लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आप शासन और अधिकारियों के साथ अच्छे संबंध स्थापित करेंगे। आप सरकार के पक्ष में रहना पसंद करते हैं। आप जिन संगठनों से संबंध हैं, उन्हे मुकदमेबाजी और अन्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। यह आपकी और उनकी प्रगति को विलम्बित करेगी।



आपको बहुत से स्रोतों से आय प्राप्त होगी। आपके जीवन में बहुत से स्रोतों जैसे आध्यात्मिक, और जादुई प्रयास, शोध एवं जांच कार्य, यौन गतिविधियां, उत्तराधिकार, जुआ और खेल आदि से धन का प्रवाह होगा। आप अपने व्यय की पर्ति के लिए दृढ़ निश्चय, गर्व और सम्मान के साथ काम करते हैं। आप विभिन्न तरीकों से धनोपार्जन करेंगे किन्तु ये नैतिक हींगे। आप कुल मिला कर स्वनिर्मित व्यक्ति हैं। आप अपने प्रतिद्वन्द्यों, प्रतियोगियों और शत्रुओं से धन प्राप्त करते हैं।

आप वित्तीय मामलों में निपुण हैं और धन एकत्र करने में क्षमतावान हैं। आप धनवान होंगें, किन्तु अपने सभी संबंधियों से दूर हो सकते हैं। आप अपनी युवावस्था में जितनी अपेक्षा करते थे, उससे अधिक धन और धन के अन्य स्वरूप आश्वर्यजनक मात्रा में प्राप्त कर सकते हैं।

आप अपने ही प्रकार से, व अपनी ही शैली और अपने ही प्रयासों से धन अर्जित करते हैं। आप की महत्वाकांक्षा और अथक प्रयास आपको बहुत सारा धन दिला सकते हैं। आपके संसाधन खो सकते हैं। ऐसी स्थितियां हो सकती हैं जहाँ धन तीव्रता से अर्जित किया जाता है किन्तु आपको उसके लिए संघर्ष करना पड़ सकता है व न्यायालय में कार्यवाही करनी पड़ सकती है। आप कठिन परिश्रम से आय और परिणाम प्राप्त करेंगे।

आप अपने वित्तीय साधनों में स्थायित्व प्राप्त करेंगे। आप अन्त में अपने खर्चों को पूरा करने के लिए स्थिर आय प्राप्त करेंगे। आप अपने वित्तीय प्रबन्धन में अकुशल हो सकते हैं।

विधि, चिकित्सा, प्रशासन रक्षा सेवाओं, सेल्फ-केयर क्लीनिक आदि से आय सुजन हो सकती है। आप जीवन में किसी समय किसी क्लीनिक, अस्पताल, एकान्तवास, आश्रम, जेल या सैक्स क्लब में अतिरिक्त काम कर सकते हैं। विदेश स्थित उद्यम लाभप्रद हैं। मित्र और मित्रता आपकी आय में योगदान देंगे। आय की हानि हो सकती है। अनैतिक कार्य कलाप, ऋण, वित्तीय



आयोजन की कमी एवं अस्वस्था आदि हानि के कारण हो सकते हैं।

आप तेज, स्पोर्टी लाल रंग की गाड़ियाँ चलाना पसंद करते हैं। आपकी कार या अन्य वाहन आपके लिए महत्वपूर्ण हैं और कभी-कभी आपको सन्ताप दे सकती हैं।

आप भूमि और संपति में निवेश कर सकते हैं। आप भूमि, संपति या वाहन के संबंध में समस्याग्रस्त हो सकते हैं अतः सदैव बीमा करना श्रेयस्कर होगा। अचल संपति में निवेश लाभदायक नहीं हो सकता है।

छुटपुट वस्तुओं और गतिविधियों में अत्यधिक व्यय होगा। आप कभी-कभी धन व्यय के निकृष्ट निर्णय लेते हैं या परिस्थितियां आपको धन व्यय के नये तरीके सिखा सकती हैं। आप अहंकारी हो सकते हैं और अन्ततः सभी सुखों से विरक्त हो सकते हैं। आपकी गुप्त वित्तीय समस्याएं हो सकती हैं। आप वित्तीय रूप से सुविधानजक स्थिति में हैं। आप मानवतावादी उद्देश्यों पर व्यय करते हैं। आप भौतिक रूप से निर्धन अकुशल शक्तियों पर समय, शक्ति और धन व्यय करते हैं।

कानून की अवहेलना संबंधित व्यय भी हो सकते हैं। आप निम्न श्रेणी के व्यक्तियों की संगत में धन व्यय करेंगे। नशा, ध्यान योग, आकर्षक विदेश यात्राओं पर अधिक धन व्यय होगा। चोरी की आशंका है। आप के वस्त्रों की चोरी हो सकती है और आप को हानि हो सकती है। अकारण हानियां और चोरी संभव है। आपके जीवन में वित्तीय अवरोध एवं बड़ी हानि के अन्तराल आयेंगे। सहोदर और मित्र हानि पहुंचाते हैं। आपके मित्र आपके साथ कपट कर सकते हैं और अनपेक्षित हानि हो सकती है। आप सामान्यतः जुआं खेलने व लॉटरी में अमर्यादित व्यवहार कर सकते हैं। कुछ व्यय गुप्तरूप से किये जाएंगे।



आप ज्ञान, प्रसन्नता, सुख, शान्ति और शान्त वातावरण की पिपासा लिए जीवन में आगे बढ़ते हुए आध्यात्मिक व्यक्ति हैं। आत्मज्ञान के उच्चतर स्तरों को युग्मन करने से आध्यात्मिक उन्नति है। आपका जीवन धार्मिक सिद्धान्तों एवं दृढ़ नैतिक मूल्यों से निर्देशित है।

आप मानवता के कल्याण में वृद्धि करने वाली गतिविधियों में प्रवृत्त हैं। और आध्यात्मिक कार्यों में संलिप्त हैं। आपकी एक आध्यात्मिक निष्ठा प्रबलतम अनुभूति है, जो अधिकांश परिचितों के लिए अदृश्य हो सकती है।

आप इस जीवन काल में ज्ञानोदय को प्राप्त कर सकते हैं। आप महान ज्ञानी अथवा अत्यन्त विकृत व्यक्ति हो सकते हैं। आप अपनी आध्यात्मिक क्रियाओं अथवा स्वत्याग के संबंध में व्यक्तिगत सीमाओं को परिभाषित करने अथवा प्राप्त करने का प्रयास कर सकते हैं, जिससे आप वास्तव में आत्म चेतना की उच्चतम स्थिति प्राप्त करें। आप की वास्तविक चुनौतियां हैं चेतन रहना और भ्रम के पार जाने के लिए मन के अशांत पहलुओं की खोज करना, जो आपके सच्चे स्व की खोज में बाधक होते हैं। आप जिस प्रकार की आन्तरिक खोज कर रहे हैं, उसके अभाव में यह खोज गुण विहीन होगी। आप अन्तिम सत्य की ज्ञान प्राप्ति से कम किसी वस्तु से संतुष्ट नहीं होते हैं। आप प्रत्येक वस्तु को अत्यंत संवेदना से अनुभव करते हैं। अतः आपको अप्रसन्न व्यक्तियों का परिहार करना चाहिए एवं प्रतिदिन एकांत में प्रार्थना, ध्यान अथवा प्रकृति में रहकर कुछ समय व्यतीत करना चाहिए। आपको ध्यान योग जैसे आध्यात्मिक कार्य बहुत लाभप्रद अनुभव प्रदान करेंगे एवं अत्यन्त सहायक होंगे। आप श्रेष्ठ आध्यात्मिक पथ प्रदर्शकों को आकर्षित करते हैं।

आप आध्यात्मिक विषयों का अध्ययन करते हैं तथा आध्यात्मिक संवेदना में लाभ प्राप्त करते हैं। आप सामान्य सांसारिक इच्छाओं के प्रति अनासक्त हो सकते हैं। आप भौतिक वस्तुओं के प्रति अधिक आसक्त नहीं रहते हैं। आप जैसे ही यह अनुभव करेंगे कि भौतिक सुख क्षणिक है, आप सन्यास एवं आध्यात्मिक विकास के मार्ग में आनन्द प्राप्त करते हैं। आपकी ज्ञान की खोज आपको एकान्त व शान्त परिवेश में ले जाती है। आध्यात्मिक गतिविधियां अच्छा लाभ अर्जित करती हैं।



आप सर्वोच्च को पूरी तरह समर्पित करने की वृष्टि से पूर्णतः आध्यात्मिक अथवा भक्तिमय नहीं है। आप एक सुविकसित अन्तर्जीवन के स्वामी हैं तथा मृत्योपरांत अनुभव की प्रकृति के विषय में प्रबल विचार युक्त हैं।

आप धार्मिक हैं। आप धर्म में अंधविश्वास करते हैं। आप संभवतः बहुत एकाग्र श्रोता हैं एवं ईश्वर के प्रति समर्पित हैं। आप अन्य धर्मों के व्यक्तियों से मिलते हैं एवं उनसे सीखते हैं।



आपके घर का दरवाजा समृद्धि के लिए पर्वमुखी होना चाहिये। आप छोटी उम्र में ही काम के सिलसिले में विदेश जा सकते हैं। आप जीवन के अंतिम क्षणों में अपने मौलिक घर से दूर हो सकते हैं। आपके विचारों में अब भी आपका पुराना आवास रहता है।

आपको यात्रा पसंद है। आपको बाहरी जीवन पसंद है। आपको नई जगह खोजना पसंद है। आपको यात्रा पसंद है। आपको छुट्टियां और मित्र मण्डली पसंद हैं। आपको जल के बजाय थल मार्ग से यात्रा पसंद है। आप कुछ समय के लिए विदेशों या पुरातत्व स्थलों की यात्रा कर सकते हैं। आप विदेश गमन कर सकते हैं और शिक्षार्थी के रूप में वहां इत्याति प्राप्त कर सकते हैं। आपके लिए कारोबारी यात्रा लाभदायक रहती है। आपको यात्राएं करनी पड़ती हैं पर आप अपने स्थान पर रहना ज्यादा पसंद करते हैं। आप आध्यात्मिक ज्ञान के लिए विस्तृत यात्राएं करेंगे। आप उच्चतर ज्ञान हेतु यात्राएं करेंगे। आप ज्यादा यात्रा पसंद नहीं करते हैं।



आप जीवन के प्रयोजन और संरचना को समझ जाएंगे तो आपमें पूर्णता का भाव आ जाएगा।

आपका जीवन ओडिसी की भौति नए जोखिमों की खोज करते रहना है तथा उनसे निपटने के लिए नए अनुभवों व योग्यताओं का विकास करना है। मृत्यू व जीवन के बीच अस्तित्व का संतुलन है। समय के साथ-साथ सफलता में वृद्धि होगी।

आपके लिये जीवन कभी-कभी निष्ठुर हो सकता है। आपको अनेक चिंताएँ हो सकती हैं जो कि आपके मुक्त रूप से जीवन जीने में बाधा उत्पन्न कर सकती है। अत्यधिक सांसारिक भोग दुखः का कारण बन सकता है। आपके जीवन के कुछ भाग ऐसे हैं जिन्हें आप गुप्त रखते हैं तथा उस भाग में कुछ ऐसे अनैतिक कार्य कर सकते हैं जिनके लिए आपको बाद में पछताना पड़ सकता है। अपने सपनों व आशाओं को पूरा करने में कठिनाइया उठानी पड़ सकती है। वे जिम्मेदारियां जिन्हें आपने पहले नहीं जाना वे अचानक पैदा हो सकती हैं।

आप जीवन मैं सौभाग्यशाली हैं।

आपके भाग्योदय में कुछ कठिनाई हो सकती है। अच्छे दिखने वाले मौके आपके लिये व्यर्थ हो सकते हैं।



ज्ञान, बुद्धिमता, वित्त, निवेश तथा धर्म वे क्षेत्र हैं जिनमें आपको दिव्य कृपा प्राप्त है। आपके भाग्य में उतार चढ़ाव हो सकते हैं, परन्तु प्रकृति से आपको धन व सफलता प्राप्त होंगे। विदेश जाकर उन्नति करने के प्रति आपका स्वाभाविक आकर्षण है। आप किसी भी कीमत पर जीतेंगे। आप संभवत समृद्ध होंगे तथा अक्सर यात्रा करेंगे एवं संभवतः विदेश में रहेंगे।

कुछ घटनाएं आपकी नाराजगी व चिढ़ का कारण बन सकती हैं। आप अपने जीवन में एकान्त स्थलों जैसे अस्पताल, जेल व शरणस्थली से जुड़ सकते हैं। आपको अपने जीवन में कुछ समय जेल, आश्रयस्थल या मानसिक रोग चिकित्सालय में गुजारना पड़ सकता है।

लाल मूँगा, माणिक्य या पुखराज में से कोई भी रत्न धारण करना आपके लिए अत्यधिक लाभकारी होगा। आप पन्ने, नीलम व हीरे से बचें।



गोचर फल

जन्म चंद्रमा से बुध का द्वादश भाव से गोचर (29 दिसम्बर 2025 07:23:42 से 17 जनवरी 2026 10:23:51)

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके बारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह आपके लिए व्यय का द्योतक है। सुविधापूर्ण जीवन के लिए आपको अनुमानित से अधिक खर्च करना पड़ सकता है। मुकदमेबाजी से दूर रहें क्योंकि यह धन के अपव्यय का कारण बन सकता है। इसके अलावा आपको अपने द्वारा सम्पादित कार्यों को पूर्ण करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है।

शत्रुओं से सावधान रहें और अपमानजनक स्थिति से बचने के लिए उनसे दूर ही रहें। समाज में अपना मान व प्रतिष्ठा बचाए रखने का प्रयास करें।

कई कारणों से आप मानसिक रूप से त्रस्त हो सकते हैं। इस समय आपको बेचैनी व चिन्ताओं की आशंका हो सकती है। इस दौर में असंतोष व निराशा के आप पर हावी होने की भी संभावना है।

आपका खाने से व दाम्पत्य सुखों से मन हटने की भी संभावना है। इन दिनों आप स्वयं को बीमार व कष्ट में महसूस कर सकते हैं।

जन्म चंद्रमा से शुक्र का प्रथम भाव से गोचर (13 जनवरी 2026 03:57:50 से 6 फरवरी 2026 01:11:24)

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके प्रथम भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह आपके लिए भौतिक व ऐन्ड्रिक भौतिक सूख का सूचक है। आप व्यक्तिगत जीवन में अनेक घटनाओं की आशा कर सकते हैं। यदि आप अविवाहित हैं तो आपको आदर्श साथी मिलेगा। आपमें से कुछ परिवार में ए कनए सदस्य के आने की आशा भी कर सकते हैं। सामाजिक रूप से नए लोगों से मिलने व विपरीत लिंग वालों का साथ पाने हेतु यह अच्छा समय है। समाज में आपको सम्मान मिलने व प्रतिष्ठा बढ़ने की संभावना है। आपको सुस्वादु देशी-विदेशी बढ़िया भोजन का आनन्द उठाने के ढेर सारे अवसर मिलेंगे। इस दौरान जीवन को और ऐश्वर्ययुक्त व मादक बनाने हेतु आपको वस्तुएँ व अन्य उपकरण उपलब्ध होंगे। आप वस्त्र, सुगच्छियाँ (छत्रादि), सौंदर्य प्रसाधन व वाहन का भी आनन्द उठा सकते हैं।

वित्तीय दृष्टि से यह समय निर्विघ्न है। आपकी आर्थिक दशा में भी सुधार होगा।

यदि आप विद्यार्थी हैं तो ज्ञानोपार्जन के क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने हेतु यह उत्तम समय है।

आप इस समय विशेष में शत्रुओं के विनाश की आशा कर सकते हैं। ऐसे किसी भी प्रभाव से बचें जो आपमें नकारात्मक आक्रोश जगाए।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का प्रथम भाव से गोचर (14 जनवरी 2026 15:07:05 से 13 फरवरी 2026 04:08:43)

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा। इसका आपके कार्य एवम् आपके व्यक्तिगत जीवन पर स्पष्ट प्रभाव पड़ेगा। इसमें स्थायी अथवा अस्थायी स्थान परिवर्तन, कार्य करने के स्थान पर कठिनाइयाँ तथा अपने विशेष अफसरों अथवा मालिक की अप्रसन्नता ज्ञेलना विशिष्ट हैं। अपने कार्य करने के स्थान या कार्यालय में बदनामी से बचने को आपको विशेष सावधानी बरतनी होगी।

अपने नियत कार्य पूर्ण करने अथवा उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु आपको सामान्य से अधिक प्रयास करना होगा। आपको लम्बी यात्राओं पर जाना पड़ सकता है परन्तु आवश्यक नहीं है कि आपका मनचाहा परिणाम प्राप्त हो।

इस समय के दौरान आप थकान महसूस कर सकते हैं। आपको उदर रोग, पाचन क्रिया सम्बन्धी रोग, नेत्र तथा हृदय से सम्बन्धित समस्याएँ हो सकती हैं। अतः स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्क रहने व ध्यान देने की आवश्यकता है। इस काल के दौरान आप कोई भी खतरा मोल न लें।

जहाँ तक घर का सम्बन्ध है, परिवार में अनबन तथा मित्रों से मन-मुटाव वाली परिस्थितियाँ गृह-कलह अथवा क्लेश का कारण बन सकती हैं। जीवन साथी से असहमति अथवा विवाद आपके वैवाहिक सम्बन्धों को प्रभावित कर सकता है। कुल मिलाकर घर की शान्ति एवम् परस्पर सामन्जस्य हेतु यह समय चुनौतीपूर्ण है।

जन्म चंद्रमा से मंगल का प्रथम भाव से गोचर (16 जनवरी 2026 04:28:18 से 23 फरवरी 2026 11:50:08)

इस अवधि में मंगल आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह कठिनाइयों का सूचक है। व्यापार और व्यवसाय के लिए यह समय



काँटों भरी राह का है। आपको अपनी परियोजना समय पर सफलतापूर्वक समाप्त करने में कठिनाई आ सकती है। अच्छा हो इन दिनों आप कोई नया कार्य आरम्भ न करें। यदि आप सेवारत हैं तो वरिष्ठ सदस्यों, अधिकारियों व सरकारी विभाग से विवाद एवं गलतफहमियों से बचें। आपमें से कई को अपने पद में परिवर्तन झेलना पड़ सकता है।

शत्रुओं पर नजर रखें क्योंकि वे इस समय आपके लिए समस्याएँ उत्पन्न कर सकते हैं।

आपको कुछ अनचाहे खर्च करने पड़ सकते हैं अतः धन के सम्बन्ध में विशेष सावधानी बरतें। धन व्यय करने की ललक पर नियंत्रण रखें।

इस अवधि में यात्रों के अनेक अवसर हैं। अतः आप विवाहित हैं तो जीवनसाथी व बच्चों से दूर रहने का योग है।

स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। आर रोज के जीवन में बुझा-बुझा सा व उत्साहीन अनुभव कर सकते हैं। आपमें ज्वर तथा रक्त व पेट से सम्बन्धित कष्ट पनप सकते हैं। आप हथियार, अग्नि, विषेश जीव अर्थात् ऐसी हर वस्तु से दूर रहें जो जीवन के लिए खतरा बन सकती है। अपने आप को चुस्त-दुरुस्त रखने का प्रयत्न करें क्योंकि इसमें आपको विषाद, घबराहट व व्यर्थ के भय के दौरे से पड़ सकते हैं।

जन्म चंद्रमा से बुध का प्रथम भाव से गोचर (17 जनवरी 2026 10:23:51 से 3 फरवरी 2026 21:51:48)

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा। इसका जीवन में विपरीत परिणाम हो सकता है। इसमें अधिकतर ऐसी स्थिति आती है जब आपको किसी की इच्छा के विरुद्ध अनचाही सेवा करनी पड़े। इस दौरान आप उत्पीड़न के शिकार हो सकते हैं। ऐसी परिस्थिति में घसीटे जाने से बचें जहाँ मन को दग्ध करने वाले और कोड़ों की तरह बसने वाले दयाहीन शब्द हृदय को छलनी कर दें। स्वयं को आगे न लाना व अपना कार्य करते रहना ही स समय उत्तम है।

अपव्यय के प्रति सचेत रहें क्योंकि यह पैसे की कमी का कारण बन सकता है। ध्यानपूर्वक खर्च करें।

आपकी ऐसे कुपात्रों से मित्रता की भी संभावना है जो हानि पहुँचा सकते हैं। अपने निकट वाले व प्रियजनों से व्यवहार करते समय शब्दों का ध्यान रखें। आपमें संवेदनशीलता का अभाव आपके अपने दाए़े में व्यर्थ ही शत्रुता का कारण बन सकता है। मुकदमों व दुर्जनों की संगत से बचें। ऐसा कुछ न करें जिससे आपका महत्व व गरिमा कम हो। सौभाग्य की निरन्तर आवश्यकता रहती है, उसे बचाए रखें। अपनी शिक्षा व अनुभव का लाभ उठाते हुए जीवन में व्यवधान न आने दें।

लचीलेपन को अपनाएँ क्योंकि आपकी योजना, परियोजना अथवा विचारों में अनेक ओर के दबाव से भय की आशंका को देखते हुए कुछ अन्तिम समय पर परिवर्तन करने पड़ सकते हैं। यदि आप विदेश में रहते हैं तो कुछ बाधाएँ आ सकती हैं। घर में भी अनुष्ठान सम्पन्न करने में बाधाएँ आ सकती हैं। स्वयं का व परिवार का ध्यान रखें क्योंकि इस दौरान छल-कपट का खतरा हो सकता है। संभव हो तो यात्रा न करें क्योंकि न तो आनन्द आएगा न अभीष्ट परिणाम निकलेंगे।

जन्म चंद्रमा से बुध का द्वितीय भाव से गोचर (3 फरवरी 2026 21:51:48 से 11 अप्रैल 2026 01:15:51)

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके द्वितीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह आर्थिक लाभ व आय में वृद्धि का द्योतक है। विशेष रूप से उनके लिए जो रत्न व्यवसाय से जुड़े हैं।

इस समय सफलतापूर्वक कुछ नया सीखने से व ज्ञान अर्जित करने से आपको आनन्द का अनुभव होगा।

इस काल में अच्छे व्यक्तियों का साथ मिलेगा और सुस्वादु बढ़िया भोजन करने के अवसर प्राप्त होंगे।

यह सब कुछ होते हुए भी कुछ लोगों के लिए यह विशेष समय कष्ट, समाज में बदनामी व शत्रुओं द्वारा हानि पहुँचाने का हो सकता है। इस काल में आप किसी सम्बन्धी व प्रिय मित्र को भी खो सकते हैं।

जन्म चंद्रमा से शुक्र का द्वितीय भाव से गोचर (6 फरवरी 2026 01:11:24 से 2 मार्च 2026 00:56:50)

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके द्वितीय भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह आर्थिक लाभ का समय है। इसके अतिरिक्त यह समय जीवनसंगी व परिवार के साथ अत्यंत मंगलमय रहेगा। यदि आप पर लागू हो तो परिवार में नए शिशु के आने की आशा की जा सकती है।

आर्थिक रूप से आप सुख - चैन की स्थिति में होंगे व आपके परिवार की समुद्दिश में निरन्तर वृद्धि की आशा है। व्यक्तिगत रूप से आप



बहुमूल्य पोशाक व साथ के सारे साज सामान जिनमें बहुमूल्य रक्त भी शामिल हैं। अपने स्वयं के लिए क्रय कर सकते हैं। कला व संगीत में आपकी रुचि बढ़ेगी। आप उच्च पदाधिकारियों अथवा सरकार से अनुग्रह की आशा कर सकते हैं।

स्वास्थ्य बढ़िया रहने की आशा है साथ ही सौंदर्य में भी वृद्धि हो सकती है।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का द्वितीय भाव से गोचर (13 फरवरी 2026 04:08:43 से 15 मार्च 2026 01:02:48)

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके द्वितीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह समय आपके लिए धन सम्बन्धी चुनौतियों का है। इस दौरान आपको पूर्वाभास हो जाएगा कि व्यापार में अपेक्षित लाभ न होकर धन का हास हो रहा है। यदि आप कृषि सम्बन्धी कार्य करते हैं तो उसमें भी कुछ हानि हो सकती है।

इस समय अनेक प्रकार के प्रिय व निकट रहने वाले आक्रान्त करते रहेंगे। आप अपने प्रिय व निकट रहने वाले व्यक्तियों के प्रति चिड़चिड़ेपन का व्यवहार करेंगे। आपके कार्य घटिया व नीचतापूर्ण हो सकते हैं। आप पाएंगे कि सदा आसानी से किए जाने वाले साधारण क्रियाकलापों को करने में भी आपको कठिनाई अनुभव हो रही है।

नेत्रों के प्रति विशेष सावधानी बरतें। यह समय नेत्र सम्बन्धी समस्याओं का है। इन दिनों आप सिर दर्द से भी परेशान रह सकते हैं।

जन्म चंद्रमा से मंगल का द्वितीय भाव से गोचर (23 फरवरी 2026 11:50:08 से 2 अप्रैल 2026 15:29:21)

इस अवधि में मंगल चंद्रमा से आपके दूसरे भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह हानि उठाने का समय है। अपने धन व मूल्यवान वस्तुओं की सुरक्षा पर ध्यान केन्द्रित करें क्योंकि इस काल में चोरी की संभावना है। कार्यस्थल पर कुछ अप्रिय घटनाओं के कारण निराशा का दौर रहेगा। विवाद से दूर रहें। किसी के भी सामने बोलने से पहले अपने शब्दों को ताल लें। यदि आपने सावधानी नहीं बरती तो यह बुरा समय आपमें से कुछ को पदच्युत भी कर सकता है।

पुराने शत्रुओं से सतर्क रहें व नए न बनने दें। आपमें दूसरों के लिए ईर्ष्या जैसी नकारात्मक प्रवृत्तियाँ उभर सकती हैं। अपने अधिकारी व सरकार के क्रोध के प्रति सचेत रहें। इस विशेष समय में आप कुछ दुष्ट लोगों से मित्रता करके अपने परिवार व प्रियजनों से झगड़ा मोल ले सकते हैं।

जन्म चंद्रमा से शुक्र का तृतीय भाव से गोचर (2 मार्च 2026 00:56:50 से 26 मार्च 2026 05:09:04)

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके तृतीय भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह आपके लिए सुख व संतोष का सूचक है। आप अपनी विवितीय स्थिति में लगातार वृद्धि की आशा व वित्तीय सुरक्षा की भी आशा कर सकते हैं।

व्यवसाय की दृष्टि से यह समय अच्छा होने की संभावना है व आप पदोन्नति की आशा कर सकते हैं। आपको अधिक अधिकार प्राप्त हो सकते हैं। आपको आपके प्रयासों का लाभ भी मिल सकता है।

सामाजिक दृष्टि से भी समय सुखद है और आपके अपनी चिन्ताओं व भय पर विजय पा लेने की आशा हैं। आपके सहयोगी व परिचारों का रवैया सहयोगपूर्ण व सहायतापूर्ण रहेगा। इस विशेष समय में मित्रों का दायरा बढ़ने की व शत्रुओं पर विजय पाने की संभावना है।

अपने स्वयं के परिवार से आपका तालमेल अच्छा रहेगा और आपके भाई - बहनों का समय भी आपके साथ आनन्दपूर्वक व्यतीत होगा। आप इस समय अच्छे वस्त्र पहनेंगे व बहुत बढ़िया भोजन ग्रहण कर सकते हैं। आपकी धर्म में रुचि बढ़ेगी व एक मांगालिक कार्य आपको आल्हादित कर सकता है।

स्वास्थ्य के अच्छे रहने की संभावना है। यदि विवाह योग्य है तो विवाह के सम्बन्ध में सोच सकते हैं क्योंकि यह समय आदर्श साथी खोजना का है। आपमें से कुछ परिवार में नए सदस्य के आगोचर की आशा कर सकते हैं।

फिर भी संभव है यह समय इतना अच्छा न हो। आपमें से कुछ को व्यापार में वित्तीय हानि होने का खतरा है। शत्रु भी इस समय समस्याएँ पैदा कर सकते हैं। हर प्रकार के विवाद व गलतफहमियों से दूर रहें।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का तृतीय भाव से गोचर (15 मार्च 2026 01:02:48 से 14 अप्रैल 2026 09:32:23)

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह समय आपके व्यवसाय एवम् व्यक्तिगत जीवन में सुख व सफलता का है। व्यवसाय में आपकी उन्नति के सुअवसर हैं। आपको आपके अच्छे कार्य व उपलब्धियों हेतु राजकीय पुरस्कार प्राप्त हो सकता है।



समाज में आपको और भी अधिक सम्माननीय स्थान प्राप्त हो सकता है। परिवार के सदस्य, मित्र व परिचित व्यक्ति आपको सहज स्वार्थरहित स्नेह देंगे तथा शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी।

व्यक्तिगत जीवन में आप स्वयं को मानसिक व शारीरिक रूप से इतना स्वस्थ अनुभव करेंगे जैसा पहले कभी नहीं किया होगा। इस दौरान धन लाभ भी होगा। जीवन के प्रति आपका दृष्टिकोण सकारात्मक व उत्साहपूर्ण होगा। बच्चे जीवन में विशेष आनन्द का स्रोत होंगे। कुल मिलाकर सुखमय समय का वरदान मिला है।

जन्म चंद्रमा से शुक्र का चतुर्थ भाव से गोचर (26 मार्च 2026 05:09:04 से 19 अप्रैल 2026 15:46:39)

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह अधिकतर वित्तीय वृद्धि का द्योतक है। आप समृद्धि बढ़ने की आशा कर सकते हैं। यदि आप कृषि व्यवसाय में हैं तो यह कृषि संसाधनों, उत्पादों आदि पा लाभ मिलने के लिए अच्छा समय हो सकता है।

घर में आपका बहुमूल्य समय पती/पति व बच्चों के साथ महत्त्वपूर्ण विषयों पर बातचीत करने में व्यतीत होने की संभावना है। साथ ही आप बढ़िया भोजन, उत्तम शानदार वस्त्र व सुगंधियों का आनन्द उठाएँगे।

सामाजिक जीवन घटनाओं से परिपूर्ण रहेगा। आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी व नए मित्र बनने की संभावना है। आपके नए - पुराने मित्रों का साथ सुखद होगा और आप घर से दूर आमोद - प्रमोद में कुछ आनन्दमय समय बिताने के बारे में सोच सकते हैं। इसमें विपरीत लिंग वालों के साथ का आनन्द उठाने की भी संभावना है।

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आप अपने भीतर शक्ति महसूस करेंगे। इस विशेष समय में ऐशोआराम के उपकरण खरीदने के विषय में आप सोच सकते हैं।

जन्म चंद्रमा से मंगल का तृतीय भाव से गोचर (2 अप्रैल 2026 15:29:21 से 11 मई 2026 12:38:24)

इस अवधि में मंगल चंद्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह शुभ समय का प्रतीक है, विशेष रूप से धन लाभ हेतु। इस काल में आप अपने व्यापार व व्यवसाय से अच्छा धन कमाएँगे। इस समय आपके मूल्यवान आभूषण क्रय करने की भी संभावना है।

कार्य सरलतापूर्वक सम्पन्न होंगे व महत्त्वपूर्ण मामलों में सफलता की संभावना है। नए प्रयासों में भी आपको सफलता मिलेगी। यदि आप सेवारत हैं तो अधिक अधिकार व प्रतिष्ठा वाले पद पर पदोन्नत हो सकते हैं। सफलता के फलस्वरूप आपके आत्मविश्वास व इच्छाशक्ति को अत्यंत बल मिलेगा।

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आप शक्ति व स्वास्थ्य से दमकते रहेंगे। आपका उत्साह चरम सीमा पर होगा और पूर्व की समस्त भ्रांतियों और बाधाओं से आपको मुक्ति मिल सकती है। यह समय अत्यंत सुखादु भोजन के सेवन के अवसर प्रदान कर सकता है।

शत्रुओं की पराजय होगी और आपको मानसिक शान्ति मिलेगी।

विदेश यात्रा से बचें क्योंकि इस समय वांछित परिणाम प्राप्त होने की संभावना नहीं है।

जन्म चंद्रमा से बुध का तृतीय भाव से गोचर (11 अप्रैल 2026 01:15:51 से 30 अप्रैल 2026 06:52:20)

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह आप व आपके अधिकारियों के बीच विषम स्थिति का सूचक है। आपको अपने से वरिष्ठ अधिकारी व अफसर से व्यवहार करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ सकती है। किसी भी ऐसे तर्क से जो विवादपूर्ण है अथवा गलतफहमी को जन्म दे, दूर रहें।

जाने-पहचाने शत्रुओं से दूर रहें तथा अनजानों के प्रति सावधान रहें। फिर भी यह दौर आपको कुछ न व सुयोग्य मित्र भी दे सकता है जिनकी मित्रता जीवन की एक मूल्य निधि होगी। वित्त को सावधानीपूर्वक खर्च करें क्योंकि धन पर इस समय विशेष ध्यान की आवश्यकता है। धन हाथ से न निकल जाय इसके प्रति विशेष सावधानी बरतें।

बुध की इस यात्रा में आप विषाद, पुराने तथ्यों को पुनः एकत्रित करने की परेशानी, मानसिक तनाव व प्रयासों में आई अप्रत्याशित रुकावट से कष्ट भोग सकते हैं।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का चतुर्थ भाव से गोचर (14 अप्रैल 2026 09:32:23 से 15 मई 2026 06:21:46)

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह समय आपके वर्तमान सामाजिक स्तर व कार्यालय में



अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने में कठिनाई का है क्योंकि इसमें गिरावट के संकेत हैं। अपने से वरिष्ठ अधिकारी शुभचिन्तकों व परामर्शदाताओं से विवाद से बचें।

वैवाहिक जीवन में तनाव व दाम्पत्य सुख में यथेष्ट कमी आ सकती है। गृह शान्ति के लिए परिवार के सदस्यों से किसी भी प्रकार के झगड़े से बचें।

यह संकट अवसाद व चिन्ताओं का समय सिद्ध हो सकता है। स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्क रहें तथा रोग से बचाव व नशे से दूर रहना आवश्यक है।

इस काल में यात्रा बाधा दौड़ हो सकती है। अतः उसके अपेक्षित परिणाम नहीं निकल सकते।

जन्म चंद्रमा से शुक्र का पंचम भाव से गोचर (19 अप्रैल 2026 15:46:39 से 14 मई 2026 10:53:32)

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके पाँचवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह अधिकांश समय आमोद - प्रमोद में व्यतीत होने का सूचक है। वित्तीय रूप में भी यह अच्छा समय है क्योंकि आप अपने धन में वृद्धि कर सकेंगे।

यदि आप राजकीय विभाग द्वारा आयोजित किसी परीक्षा में परीक्षार्थी हैं तो बहुत करके आपको सफलता मिलेगी।

यदि सेवारत हैं तो पदोन्तति की संभावना है। आप सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि की भी आशा रख सकते हैं। आपके मित्रों, आपके बड़ों व अध्यापकों की भी आप पर कृपा वृष्टि रहेगी व आपके प्रति अच्छे रहेंगे।

सम्बन्धों के मधुरता से निर्वाह होने की आशा है और अपने प्रिय के साथ अत्यधिक उत्तेजना व जोशीला परिणय रहने की आशा है। आप दाम्पत्य जीवन के सुख अथवा किसी विशेष विपरीत लिंग वाले से शारीरिक सम्पर्क की आशा कर सकते हैं। आप परिवार के किसी नए सदस्य से मिल सकते हैं। यहाँ तक कि नए व्यक्ति को परिवार में ला सकते हैं।

इस समय स्वास्थ्य बढ़िया रहेगा। इस अवधि में आप अच्छे भोजन का आनन्द उठाएंगे, धन लाभ होगा और जिन वस्तुओं की आपने कामना की थी वे मिलेंगी।

जन्म चंद्रमा से बुध का चतुर्थ भाव से गोचर (30 अप्रैल 2026 06:52:20 से 15 मई 2026 00:31:50)

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह जीवन के हर क्षेत्र में उत्तरि का सूचक है। व्यक्तिगत रूप से आप अपने जीवन से पूर्णतया संतुष्ट होंगे और हर कार्य, हर उद्यम में लाभ होगा। समाज में आपका स्तर बढ़ेगा व आप सम्मान प्राप्त करेंगे।

वित्तीय रूप से भी यह अच्छा दौर है और धन व जायदाद के रूप में सम्पत्ति प्राप्त होने का द्योतक है। आपको अपने पति/पत्नी व विपरीत लिंग वालों से लाभ होने की संभावना है।

घर में यह समय किसी नए सदस्य के आने का सूचक है। आपकी माता आप पर गर्व करे, इसकी भी पूरी संभावना है। आपकी उपस्थिति मात्र से परिवार के सदस्यों को सफलता मिल सकती है।

आपकी उच्च स्तरीय शिक्षा प्राप्त व सज्जन व सुसंस्कृत नए व्यक्तियों से मित्रता होने की संभावना है।

जन्म चंद्रमा से मंगल का चतुर्थ भाव से गोचर (11 मई 2026 12:38:24 से 20 जून 2026 23:59:19)

इस अवधि में मंगल चंद्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह आपके जीवन के कुछ भागों में कठिनाई उत्पन्न करेगा। आपमें से अधिकांश को पुराने शत्रुओं को नियन्त्रित रखने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। कुछ नए शत्रुओं से भिड़ने की भी संभावना है जो आपके परिवार व मित्रों की परिधि में ही होंगे। आपमें से कुछ की दुष्टजनों से मित्रता हो सकती है जिनके कारण बाद में कष्ट झेलने पड़ सकते हैं। अपने व्यवहार पर नजर रखें क्योंकि इस काल में यह कूर हो सकता है।

फिर भी आपमें से कुछ का शत्रुओं से किसी प्रकार का समझौता हो जाएगा।

स्वास्थ्य के प्रति अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि इस समय आपको ज्वर होने अथवा छाती में बेचैनी होने की संभावना है। आपमें से कुछ रक्त व पेट के रोगों से ग्रस्त हो सकते हैं।



मानसिक रूप से आप चिन्तित रह सकते हैं तथा विषाद के दौर से गुजर सकते हैं।

इस काल में रिश्ते आपसे विशेष अपेक्षा रखेंगे। अधिक दुःख से बचने के लिए अपने परिवार व अन्य सम्बन्धियों से शान्तिपूर्ण व्यवहार रखें। अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा व सम्मान को किसी प्रकार की ठेस न लगाने दें।

इस समय भूमि व अन्य जायदाद सम्बन्धी मामलों से दूर ही रहें।

जन्म चंद्रमा से शुक्र का षष्ठी भाव से गोचर (14 मई 2026 10:53:32 से 8 जून 2026 17:42:45)

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके छठे भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह गोचर आपके लिए कुछ कठिन समय ला सकता है। आपके प्रयासों में अनेक परेशानियाँ आ सकती हैं। शत्रुओं के बढ़ने की संभावना है और आपका अपने व्यावसायिक साझेदार से झगड़ा हो सकता है। यह भी संभव है कि आपको अपनी इच्छा के विरुद्ध शत्रुओं से समझौता करना पड़े।

इस दौरान पती व बच्चों से किसी भी प्रकार के विवाद से बचें। आपको यह भी सलाह दी जाती है कि लम्बी यात्रा से बचें क्योंकि दुर्घटना की संभावना है।

स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि आप रोग, मानसिक बेचैनी, भय तथा असमय यौन इच्छा से ग्रसित हो सकते हैं।

समाज में प्रतिष्ठा व कार्यालय में सम्मान बनाए रखने का इस समय भरसक प्रयास करें नहीं तो आपको अपमान, व्यर्थ के विवाद व मुकदमेबाजी झेलना पड़ सकता है।

जन्म चंद्रमा से बुध का पंचम भाव से गोचर (15 मई 2026 00:31:50 से 29 मई 2026 11:11:41)

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके पाँचवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह आपके व्यक्तिगत जीवन में कष्ट का सूचक है। इस विशेष अवधि में आप अपनी पती, बच्चों व परिवार के अन्य सदस्यों से विवादों के टकराव से बचें। यह ऐसा समय नहीं है कि मित्रों में भी आप हठ कों अथवा अपनी राय दूसरों पर थोपें। अपने प्रियजनों से व्यवहार करते समय अतिरिक्त सतर्कता बरतें।

स्वास्थ्य इस समय चिन्ता का कारण बन सकता है। खाने पर ध्यान दें क्योंकि आप ज्वर अथवा लू लगने से बीमार हो सकते हैं। ऐसे किसी क्रियाकलाप में भाग न लें जिसमें जीवन के प्रति खतरा हो।

मानसिक रूप से आप उत्तेजित व शक्तिहीन महसूस कर सकते हैं।

इस समय आप बेचैनी व बदन-दर्द से पीड़ित हो सकते हैं।

कामकाज में कष्टदायक कठिन परिस्थिति आ सकती है। यदि आप विद्यार्थी हैं तो वृद्ध निश्चयपूर्वक एकाग्रता से पढ़ाई पर ध्यान दें, मन को भटकने न दें।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का पंचम भाव से गोचर (15 मई 2026 06:21:46 से 15 जून 2026 12:52:44)

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके पाँचवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। इसका प्रभाव आपके जीवन पर भी पड़ेगा। यह समय विशेष रूप से आर्थिक चुनौतियों व मानसिक शान्ति में विप्रभाव पड़ने का सूचक है। अपने व्यवसाय व कार्यालय में भी आपको विशेष सावधानी बरतनी होगी जिससे आपके अधिकारीगण आपके कार्य से अप्रसन्न न हों। कार्यालय में अपने से ऊँचे पदाधिकारी व मालिक से विवाद से बचें। कुछ सरकारी मसले आपके लिए चिन्ता का विषय बन सकते हैं। इस काल में कुछ नए लोगों से शत्रुता भी हो सकती है।

संभव है कि आप स्वयं को अस्वस्थ अथवा अकर्मण्य अनुभव करें। अतः स्वास्थ्य की ओर ध्यान देने की आवश्यकता है। आपके स्वभाव में भी अस्थिरता आ सकती है।

संतान से सम्बन्धित समस्याएँ चिन्ता का विषय बन सकती है। ऐसे किसी भी विवाद से बचें जो आप व आपके पुत्र के बीच मतभेद का कारण बने। आपके परिवार का स्वास्थ्य भी हो सकता है। उतना अच्छा न रहे जितना होना चाहिए। मानसिक चिन्ता, भय व बैचैनी आपके ऊपर हावी होकर कुप्रभाव डाल सकते हैं।

जन्म चंद्रमा से बुध का षष्ठी भाव से गोचर (29 मई 2026 11:11:41 से 22 जून 2026 15:30:21)

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके छठे भाव में होते हुए गोचर करेगा। इस दौरान सकारात्मक व नकारात्मक गतिविधियों का मिश्रण रहेगा। यह विशेष समय व्यक्तिगत जीवन में सफलता, स्थिरता व उन्नति का सूचक है। आपकी योजना व परियोजनाएँ सफलतापूर्वक



सम्पन्न होंगी व उनसे लाभ भी प्राप्त होगा ।

कार्यक्षेत्र में आपके और भी अच्छा काम करने की संभावना है । आप समस्त कार्यों में उत्तेजित की आशा कर सकते हैं ।

इस समय में समाज में आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी । आपका सामाजिक स्तर बढ़ने की भी संभावना है । स्वास्थ्य अच्छा रहेगा साथ ही मानसिक शान्ति व संतोष अनुभव करने की पूर्ण संभावना है ।

किन्तु फिर भी, आपमें से कुछ के लिए बुध की यह गति शत्रु पक्ष से चिंताएँ व कठिनाइयाँ ला सकती हैं ।

अपने वित्त का पूरा ध्यान रखें । अपने अधिकारियों से किसी भी प्रकार के विवाद से बचें ।

स्वास्थ्य को जोखिम में डालने वाली हर गतिविधि से बचें । शरीर का ताप इन दिनों कष्ट का कारण बन सकता है ।

जन्म चंद्रमा से गुरु का सप्तम भाव से गोचर (2 जून 2026 01:49:46 से 31 अक्टूबर 2026 12:02:02)

इस अवधि में बृहस्पति चन्द्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह जीवन में सुखद समय लाएगा । आप इन दिनों शारीरिक व भौतिक सुखों का आनन्द ले सकते हैं जैसे उत्तम सुखाद भौजन, जायदाद पाना, फलतू समय में आमोद-प्रमोद या किसी अधिकारी द्वारा विशेष सम्मान दिया जाना ।

सामाजिक जीवन में भी आप अच्छे समय की आशा कर सकते हैं । आप ऐसे विशिष्ट व्यक्तियों से मिल सकते हैं या मित्रता कर सकते हैं जो आपके लिए लाभप्रद सिद्ध हों । व्यक्तिगत रूप में भी आप एक चुस्त-दुरुस्त वक्ता व उत्कृष्ट बुद्धिमता के द्वारा पहचान बना सकते हैं । इस समय आप घर से बाहर रहकर कोई मांगलिक कार्य सम्पन्न कर सकते हैं ।

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा । आपकी सचिरिता व शारीरिक भव्यता की ओर सबका ध्यान जाएगा ।

इस समय आरामदायक घर प्राप्त करने का है एवम् इच्छापूर्ति होने की संभावना है । एकल व्यक्ति विवाह के विषय में व विवाहित परिवार बढ़ाने के बारे में सोच सकते हैं । यदि आप विवाहित हैं तो दाम्पत्य जीवन का परमानन्द प्राप्त होने की संभावना है ।

जन्म चंद्रमा से शुक्र का सप्तम भाव से गोचर (8 जून 2026 17:42:45 से 4 जुलाई 2026 19:13:41)

इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह स्त्रियों के कारण उत्पन्न हुई परेशानियों के समय का द्योतक है । स्त्रियों के साथ किसी भी मुकदमेबाजी से दूर रहें व पत्नी के साथ मधुर सम्बन्ध बनाएं रखें । यह ऐसी महिलाओं के लिए विशेष रूप से अस्वस्था का समय है जिनकी जन्मपत्री में शुक्र सातवें भाव में है । आपकी पत्नी अनेक स्त्री रोगों, शारीरिक पीड़ा, मानसिक तनाव आदि से ग्रसित हो सकती हैं ।

धन की वृष्टि से भी समय अच्छा नहीं है । वित्तीय नुकसान न हो अतःस्त्रियों के सम्पर्क से बचें ।

आपको यह अग्रीस भी होसकता है कि कुछ दुष्ट मित्र आपका अनिष्ट करने की चेष्टा कर रहे हैं । व्यर्थ की महिलामंडली के साथ उलझाव संताप का कारण बन सकता है । यह भी संभावना है कि किसी महिला से सम्बन्धित झगड़े में पड़कर आप नए शत्रु बना लें ।

इस समय आपके मानसिक तनाव, अवसाद व क्रोध से ग्रसित होने की संभावना है । स्वास्थ्य का ध्यान रखें क्योंकि आप यौन रोग, मूत्र-नलिका में विकार अथवा दूसरे छोटे-मोटे रोगों से ग्रस्त हो सकते हैं ।

व्यावसायिक रूप में भी यह समय सुचारू रूप से कार्य - संचालन का नहीं है । दुष्ट सहकर्मियों से दूर रहें क्योंकि वे उत्तेजित के मार्ग में रोड़े अटका सकते हैं । आपको अपने उच्च पदाधिकारी द्वारा सम्मान प्राप्त हो सकता है ।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का षष्ठ भाव से गोचर (15 जून 2026 12:52:44 से 16 जुलाई 2026 23:39:06)

इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके छठे भाव में होते हुआ गोचर करेगा । यह समय आपके जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलताओं का है । आप धन प्राप्ति से बैंक खाते में वृद्धि, समाज में उच्च स्थान व जीवन शैली में सकारात्मक परिवर्तन की आशा कर सकते हैं । यह समय आपकी वित्तवृत्ति हेतु सर्वश्रेष्ठ है । आपकी पदोन्नति हो सकती है व सबसे ऊँचे पदाधिकारी द्वारा आपका सम्मान किया जा सकता है । आपके प्रयासों की सराहना व अपने उच्च अफसरों से अनुकूल सम्बन्ध इस काल की विशेषता है । शत्रु आपके जीवन से खदेड़ दिए जाएंगे ।



जहाँ तक स्वास्थ्य का प्रश्न है, आप रोग, अवसाद, अकर्मण्यता व चिन्ताओं से मुक्त रहेंगे। आपके परिवार का स्वास्थ्य भी इस काल में उत्तम रहेगा।

जन्म चंद्रमा से मंगल का पंचम भाव से गोचर (20 जून 2026 23:59:19 से 2 अगस्त 2026 22:51:12)

इस अवधि में मंगल चंद्रमा से आपके पाँचवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह जीवन में क्षुब्धता व अस्त-व्यस्तता का प्रतीक है। अपने व्यय जितना सम्भव हो, कम करना बुद्धिमतापूर्ण होगा क्योंकि इस काल में धन और व्यय का नियंत्रण आपके हाथ से निकल सकते हैं।

बच्चों का विशेष ध्यान रखें क्योंकि वे रोग-ग्रस्त हो सकते हैं। अपने और अपने पुत्र के बीच अनबन न होने दें क्योंकि यह कष्टकारक हो सकती है।

शत्रुओं से सावधानीपूर्वक भली भाँति निपटें और नए शत्रु न बन जाएँ, इसके प्रति विशेष सतर्कता बरतें। शत्रु इस विशेष अवधि में आपके और अधिक संताप का कारण बन सकते हैं।

स्वास्थ्य के प्रति विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। आप उत्साहीन, कमजोरी व हरारत अनुभव कर सकते हैं। आपमें से कुछ किसी ऐसे रोग से ग्रस्त हो सकते हैं जिसकी पूरी जाँच करानी पड़ेगी। अपनी भोजन सम्बन्धी आदतों पर भी ध्यान दें।

आपमें से कुछ के व्यवहार में परिवर्तन आ सकता है। आपमें से कुछ क्रोधी, आशंकित व अपने प्रियजनों के प्रति उदासीन हो सकते हैं जो आपकी सामान्य प्रकृति के विरुद्ध है। आपमें से कुछ अपनी शान व प्रसिद्धि भी गँवा सकते हैं। व्यर्थ की आवश्यकताओं का उभरकर आना व कुछ अनैतिक कार्यों का प्रलोभन आपमें से कुछ को परेशानी में डाल सकता है। आप इस दौरान परिवार के सदस्यों से झगड़ा करने से बचें।

जन्म चंद्रमा से बुध का सप्तम भाव से गोचर (22 जून 2026 15:30:21 से 7 जुलाई 2026 10:46:15)

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह शारीरिक व मानसिक दृष्टि दोनों से ही कठिन समय है। यह रोग का सूचक है। आपको इस समय शरीर में दर्द व कंजमोरी झेलनी पड़ सकती है।

मानसिक रूप से आप चिंतित व अशान्त अनुभव कर सकते हैं। यह समय मानसिक उलझन व परिवार के साथ गलतफहमियाँ भी दर्शाता है। अपनी पती/पति बच्चों से बात करते समय विवाद अथवा परस्पर संचार में कमी न आने दें। ध्यान रखें कि ऐसी स्थिति न आ जाय जो आपको अपमानित होना पड़े या नीचा देखना पड़े।

अपने प्रयासों में बाधाएँ आपको और अधिक क्षुब्ध कर सकती हैं। यदि आपकी यात्रा की कोई योजना है तो सम्भव है वह कष्टकर हो व वांछित फल न दे पाए।

जन्म चंद्रमा से शुक्र का अष्टम भाव से गोचर (4 जुलाई 2026 19:13:41 से 1 अगस्त 2026 09:28:03)

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके आठवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह अच्छे समय का प्रतीक है। इस विशेष समय में आप भौतिक सुख-साधनों की आशा कर सकते हैं तथा पूर्व में आई विपत्तियों पर विजय पा सकते हैं। आप भूमि जायदाद व मकान लेने के विषय में विचार कर सकते हैं।

यदि आप अविवाहित युवक या युवती हैं तो अच्छी वधु/वर मिलने की आशा है जो सौभाग्य भी लाएगी/लाएगा। इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गुजरेगा। अतः आप मनोहारी व सुन्दर महिलाओं का साथ पाने की आशा रख सकते हैं।

स्वास्थ्य इस दौरान अच्छा रहेगा।

यदि आप विद्यार्थी हैं तो और अधिक उन्नति करेंगे। आपकी प्रखरता की ओर सबका ध्यान जाएगा अतः सामाजिक वृत्त में आपका मान व प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

व्यवसाय हेतु अच्छा समय है। व्यापार व व्यवसाय शुभ - चिन्तकों व मित्रों की सहायता से फूलेगा। किसी राजकीय पदाधिकारी से मिलने की संभावना है।

जन्म चंद्रमा से बुध का षष्ठ भाव से गोचर (7 जुलाई 2026 10:46:15 से 5 अगस्त 2026 19:54:01)

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके छठे भाव में होते हुए गोचर करेगा। इस दौरान सकारात्मक व नकारात्मक गतिविधियों का मिश्रण रहेगा। यह विशेष समय व्यक्तिगत जीवन में सफलता, स्थिरता व उन्नति का सूचक है। आपकी योजना व परियोजनाएँ सफलतापूर्वक



सम्पन्न होंगी व उनसे लाभ भी प्राप्त होगा ।

कार्यक्षेत्र में आपके और भी अच्छा काम करने की संभावना है । आप समस्त कार्यों में उत्तेजित की आशा कर सकते हैं ।

इस समय में समाज में आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी । आपका सामाजिक स्तर बढ़ने की भी संभावना है । स्वास्थ्य अच्छा रहेगा साथ ही मानसिक शान्ति व संतोष अनुभव करने की पूर्ण संभावना है ।

किन्तु फिर भी, आपमें से कुछ के लिए बुध की यह गति शत्रु पक्ष से चिंताएँ व कठिनाइयाँ ला सकती हैं ।

अपने वित्त का पूरा ध्यान रखें । अपने अधिकारियों से किसी भी प्रकार के विवाद से बचें ।

स्वास्थ्य को जोखिम में डालने वाली हर गतिविधि से बचें । शरीर का ताप इन दिनों कष्ट का कारण बन सकता है ।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का सप्तम भाव से गोचर (16 जुलाई 2026 23:39:06 से 17 अगस्त 2026 07:58:29)

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह कष्टप्रद यात्रा, स्वास्थ्य सम्बन्धी चिन्ताएँ तथा व्यापार में मंदी का सूचक है । कार्यालय में अपने से वरिष्ठ व्यक्तियों तथा उच्चाधिकारियों से किसी भी प्रकार के झगड़े से बचें । कार्यालय अथवा दैनिक जीवन में कोई नए शत्रु न बने इसके प्रति विशेष सावधान रहें ।

व्यापार में इस काल में गतिरोध आ सकता है या धक्का लग सकता है । आपको अपने प्रयास बीच में ही छोड़ने के लिए विवश किया जा सकता है । उस उद्देश्य अथवा लक्ष्य प्राप्ति में इस अवधि में बाधाएँ आ सकती हैं जिसे पाना आपका सपना था ।

अपने जीवनसाथी के शारीरिक कष्ट, विषाद व मानसिक व्यथा आपकी चिन्ता का कारण बन सकते हैं । आपको स्वयं भी स्वास्थ्य के प्रति विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है क्योंकि आप पेट में गडबड़ी, भोजन से प्रत्युर्जता (एलर्जी) विषाक्त भोजन से उत्पन्न बीमारियाँ अथवा रक्त की बीमारियों का शिकार हो सकते हैं । बच्चों का स्वास्थ्य भी चिन्ता का कारण हो सकता है । इसके अतिरिक्त आप इस अवधि में थकान महसूस कर सकते हैं ।

जन्म चंद्रमा से शुक्र का नवम भाव से गोचर (1 अगस्त 2026 09:28:03 से 2 सितम्बर 2026 13:44:14)

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके नवम भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपकी मंजूषा में नए वस्तु संचित करने का सूचक है । इसके अतिरिक्त यह शारीरिक व भौतिक सुख व आनन्द का परिचायक है ।

वित्तीय लाभ व मूल्यवान आभूषणों का उपभोग भी इस समय की विशेषता है । व्यापार अबाध गति से चलेगा व संतोषजनक लाभ होगा ।

यह समय शिक्षा में सफलता भी इंगित करता है । स्वास्थ्य अच्छा रहेगा ।

घर परिवार में आपको भाई - बहनों का सहयोग व स्नेह पहले से भी अधिक मिलेगा । आपके घर कुछ मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे और यदि अविवाहित हैं तो विवाह करने का निर्णय ले सकते हैं । आपको आपका मनपसन्द जीवन साथी मिलेगा जो सौभाग्य लेकर आएगा ।

यह समय सामाजिक गतिविधियों के संचालन का है अतः आपके नए मित्र बनाने की संभावना है । आपको आध्यात्म की राह दिखाने वाला पथ - प्रदर्शक भी मिल सकता है । कला में आपकी अभिरुचि इस दौरान बढ़ेगी । आपके सदुगणों सत्कृत्यों की ओर स्वतः ही सबका ध्यान आकृष्ट होगा । अतः आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में चार चाँद लगेंगे ।

इस समय मनोकामनाएँ पूर्ण होंगी व शत्रुओं की पराजय होगी । यदि आप किसी प्रकार के तर्क - वितर्क में लिप्त हैं तो आपके ही जीतने की ही संभावना है । आप इस दौरान लम्बी यात्रा पर जाने का मानस बना सकते हैं ।

जन्म चंद्रमा से मंगल का षष्ठ भाव से गोचर (2 अगस्त 2026 22:51:12 से 18 सितम्बर 2026 16:35:19)

इस अवधि में मंगल चंद्रमा की ओर से आपके छठे भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह शुभ समय का सूचक है । आप पाएँगे कि इस काल में आप धन, स्वर्ण, मूँगा, ताँबा प्राप्त करेंगे, धातु व अन्य व्यापार में आपको अप्रत्याशित लाभ होगा । यदि आप कहीं सेवारत हैं तो आप जिस पदोन्नति व सम्मान की इतनी प्रतीक्षा कर रहे हैं, वह आपको अपने कार्यालय में प्राप्त होगा । आपमें से अधिकांश को अपने कार्य में सफलता मिलेगी ।

हर ओर आर्थिक दशा में सुधार से आप सुरक्षा, शान्ति व सुख अनुभव कर सकते हैं । आपको इन दिनों पूर्ण मानसिक शान्ति मिलेगी व



आपको लगेगा कि आप भयमुक्त हैं।

यह शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने का भी समय है। यदि आपके ऊपर कोई कानूनी मुकदमा चल रहा है तो फैसला आपके पक्ष में हो सकता है। आपके अधिकांश शत्रु पीछे हट जाएँगे और विजय आपकी होगी। समाज में आपको सम्मान व प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। आपमें से कुछ इस समय दान-पुण्य के कार्य भी करेंगे।

इस काल में स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। सारे पुराने रोगों व पीड़ाओं से मुक्ति मिलेगी।

जन्म चंद्रमा से बुध का सप्तम भाव से गोचर (5 अगस्त 2026 19:54:01 से 22 अगस्त 2026 19:31:37)

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह शारीरिक व मानसिक दृष्टि दोनों से ही कठिन समय है। यह रोग का सूचक है। आपको इस समय शरीर में दर्द व कंजमोरी झेलनी पड़ सकती है।

मानसिक रूप से आप चिंतित व अशान्त अनुभव कर सकते हैं। यह समय मानसिक उलझन व परिवार के साथ गलतफहमियाँ भी दर्शाता है। अपनी पत्नी/पति बच्चों से बात करते समय विवाद अथवा परस्पर संचार में कमी न आने दें। ध्यान रखें कि ऐसी स्थिति न आ जाय जो आपको अपमानित होना पड़े या नीचा देखना पड़े।

अपने प्रयासों में बाधाएँ आपको और अधिक क्षुब्ध कर सकती हैं। यदि आपकी यात्रा की कोई योजना है तो सम्भव है वह कष्टकर हो व वांछित फल न दे पाए।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का अष्टम भाव से गोचर (17 अगस्त 2026 07:58:29 से 17 सितम्बर 2026 07:52:41)

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके आठवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। कुल मिलाकर यह समय हानि व शारीरिक व्याधियों का है। व्यर्थ के खर्चों से विशेष रूप से दूर रहें व आर्थिक मामलों में सावधान रहें।

यह अवधि कार्यालय में अप्रिय घटनाओं की है। अने कार्यालय अध्यक्ष व वरिष्ठ पदाधिकारियों से किसी भी प्रकार के मनामालिन्य से बचें तभी सुरक्षित रह पाएंगे।

घर में पति/पत्नी से विवाद, झगड़े का रूप ले सकता है। पारिवारिक सामंजस्य व सुख के लिए परिवार के सदस्यों व शत्रुओं से किसी भी प्रकार का झगड़ा न हो, इसके प्रति विशेष संचेत रहें।

अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें क्योंकि आप पेट की गड़बड़ी, रक्त चाप, बवासीर जैसी बीमारियों से पीड़ित हो सकते हैं। आप व्यर्थ के भय, चिन्ता व बैचेनी से आक्रान्त हो सकते हैं। अपने अपवा अपने परिवार के सदस्यों के जीवन को किसी खतरे में न डालें। किसी रिश्तेदार की समस्याएँ अचानक उभरकर सामने आ सकती हैं व चिन्ता का कारण बन सकती हैं।

जन्म चंद्रमा से बुध का अष्टम भाव से गोचर (22 अगस्त 2026 19:31:37 से 7 सितम्बर 2026 13:32:41)

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके आठवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह अधिकतर धन व सफलता का प्रतीक है। यह आपके समस्त कार्यों व परियोजनाओं में सफलता दिलाएगा। यह वित्तीय पक्ष में स्थिरता व लाभ का समय है। आपका समाज में स्तर ऊँचा होगा। लोग आपको अधिक सम्मान देंगे व आपकी लोकप्रियता में वृद्धि होगी।

इस दौरान जीवन शैली आरामदायक रहेगी। संतान से सुख मिलने की संभावना है। परिवार में शिशु जन्म सुख में वृद्धि कर सकता है। इस विशेष काल में आपकी संतान का संतुष्ट व सुखी रहने का योग है।

आपमें चैतन्यता व बुद्धिमानी बढ़ेगी। आप अपनी प्रतिभा व अन्तर ज्ञान का सही निर्णय लेने में उपयोग करेंगे।

शत्रु परास्त होंगे व आपके तेज के सामने फीके पड़ जाएँगे। आप इस बार सब ओर से सहायता की आशा कर सकते हैं।

परन्तु इस सबके बीच आपको स्वास्थ्य की ओर अतिरिक्त ध्यान देना होगा क्योंकि आप बीमार पड़ सकते हैं। खाने-पीने का ध्यान रखें, प्रसन्नचित्त रहें तथा व्यर्थ के भय व उदासी को पास न फटकने दें।

जन्म चंद्रमा से शुक्र का दशम भाव से गोचर (2 सितम्बर 2026 13:44:14 से 6 नवम्बर 2026 01:04:17)

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके दसवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह समय मानसिक संताप, अशान्ति व बैचेनी लेकर आया है। इस दौरान शारीरिक कष्ट भोगना पड़ेगा।



धन के विषय में विशेष सतर्क रहें तथा ऋण लेने से बचें क्योंकि इस पूरे समय आपकी ऋण में ढूबे रहने की संभावना है।

शत्रुओं से सावधान रहें तथा अनावश्यक व्यर्थ के विवाद से दूर रहें क्योंकि इससे कलह बढ़ सकता है व शत्रुओं की संख्या में वृद्धि हो सकती है। समाज में बदनामी व तिरस्कार न हो, इसके प्रति संचेत रहें।

अपने सगे सम्बन्धियों व महिलाओं के प्रति व्यवहार में विशेष सतर्कता बरतें क्योंकि मूर्खतापूर्ण गलतफहमी शत्रुओं की संख्या बढ़ा सकती है। अपने वैवाहिक जीवन में स्वस्थ संतुलन बनाए रखने हेतु अपनी पत्नी/पति से विवाद से दूर ही रहें।

आपको अपने उच्चाधिकारी अथवा सरकारजनित परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अपने समस्त कार्यों को सफलतापूर्वक सम्पन्न करने हेतु आपको अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है।

जन्म चंद्रमा से बुध का नवम भाव से गोचर (7 सितम्बर 2026 13:32:41 से 26 सितम्बर 2026 12:38:19)

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके नवे भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह रोग व पीड़ा का सूचक है। यह काल विशेष आपके कार्यक्षेत्र में बाधा व रुकावट ला सकता है। कार्यालय में अपना पद व प्रतिष्ठा बनाए रखें। यह भी निश्चित कर लें कि आप कोई ऐसा कार्य न कर दैंठें जो बाद में पछताना पड़े।

कोई भी नया काम आरम्भ करने से पहले देख लें कि उसमें क्या बाधाएँ आ सकती हैं। अनेक कारणों से मानसिक रूप से आप झल्लाहट, अत्यधिक भार व अस्थिरता का अनुभव कर सकते हैं।

शत्रुओं से सावधान रहें क्योंकि इस दौरान वे आपको अधिक हानि पहुँचा सकते हैं। परिवार व सम्बन्धियों से विवाद में न पड़ें क्योंकि यह झगड़े का रूप ले सकता है।

इस दौरान अपने चिह्नित स्वभाव के कारण आप धर्म अथवा साधारण धारणाओं में कमियाँ या गलतियाँ ढाँढ़ सकते हैं। इस समय कार्य सम्पन्न करने हेतु आपको अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है। परन्तु कार्य रुचिकर न लगना आपको परिश्रम करने से रोक सकता है।

लम्बी यात्रा से बचें क्योंकि इसके कष्टकर होने की संभावना है व वांछित फल भी नहीं मिलेगा। भोजन में अच्छी आदतों को अपनाएँ साथ ही जीवन में सकारात्मक रवैया अपनावें।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का नवम भाव से गोचर (17 सितम्बर 2026 07:52:41 से 17 अक्टूबर 2026 19:51:25)

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके नवे भाव में होता हुआ गोचर करेगा। इसका आपके जीवन पर विशेष महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा। इस काल में आप पर किसी कुचाल के कारण दोषारोपण हो सकता है, स्थान बदल सकता है तथा मानसिक शान्ति का अभाव रह सकता है।

आपको विशेष ध्यान देना होगा कि आपके अधिकारी आपके कार्य से निराश न हों। हो सकता है कि आपको अपमान अथवा मानभंग झेलना पड़े और आप पर मिथ्या आरोप लगने की भी संभावना है। स्वयं को पेचीदा अथवा उलझाने वाली परिस्थिति से दूर रखें।

आर्थिक रूप से यह समय कठिनाई से परिपूर्ण है। पैसा वसूल करने में कठिनाई आ सकती है। व्यर्थ के खर्चों से विशेष रूप से बचें। आपके और आपके गुरु के मध्य गलतफहमी या विवाद हो सकता है। आपमें और आपके परिवार के सदस्यों तथा मित्रों के बीच मतभेद या विचारों का टकराव झगड़े व असंतोष का कारण बन सकता है।

इस बीच शारीरिक व मानसिक व्याधियों की संभावना के कारण आपको स्वास्थ्य के प्रति विशेष ध्यान देना होगा। आप इन दिनों अधिक थकावट व निराशा/अवसाद महसूस कर सकते हैं।

इस सबके बावजूद आप किसी सकारात्मक विषय में सोच सकते हैं तथा उसमें सफलता भी प्राप्त कर सकतें हैं। यात्रा का योग है।

जन्म चंद्रमा से मंगल का सप्तम भाव से गोचर (18 सितम्बर 2026 16:35:19 से 12 नवम्बर 2026 20:18:16)

इस अवधि में मंगल चंद्रमा की ओर से आपके सातवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। स्वास्थ्य सम्बन्धों की दृष्टि से यह कठिन समय है।

आपके स्वयं की पति/पत्नी की अथवा किसी नजदीकी व प्रियजन के स्वास्थ्य की समस्या अत्यधिक मानसिक चिन्ता का कारण बन सकती है। आप थकान महसूस कर सकते हैं तथा नेत्र सम्बन्धी कष्ट, पेट के दर्द या छाती की तकलीफ का शिकार हो सकते हैं। आपको अपने



जीवनसंगी के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना पड़ सकता है। आप व आपकी पत्नी/पति को कोइ गहरी मानसिक चिन्ता सता सकती है।

आपमें से अधिकांश की किसी सज्जन, व्यक्ति से शत्रुता होने की संभावना है। आप व आपके पति/पत्नी के बीच व्यर्थ अनुमानित अलग सोच के कारण गलतफहमी न हो जाय, इसका ध्यान रखें व इससे बचें। यदि बुद्धि चारुर्य से कुशलतापूर्वक इससे नहीं निपटा गया तो ये आप दोनों के बीच एक बड़े झगड़े का रूप ले सकता है। अपने मित्रों व प्रियस्वर्जनों से समझौता कर लें। आपके सम्बन्धी आपकी मनोव्यथा का कारण बन सकते हैं। अपने व्यवहार को नियंत्रित रखें क्योंकि अपनी संतान तथा भाई-बहनों के प्रति आप क्रोध कर सकते हैं व अपशब्दों का प्रयोग कर सकते हैं।

धन सम्बन्धी मामलों के प्रति भी सचेत रहें। व्यर्थ की प्रतियोगिता के चक्कर में आप व्यर्थ गँवा सकते हैं। रंगरेलियों पर व्यय न करके अच्छे भोजन व वस्तों पर ध्यान दें।

जन्म चंद्रमा से बुध का दशम भाव से गोचर (26 सितम्बर 2026 12:38:19 से 2 दिसम्बर 2026 17:27:16)

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके दसवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह सुख के समय व संतोष का सूचक है। आप प्रसन्न रहेंगे व समस्त प्रयासों में सफलता मिलेगी। व्यावसायिक पक्ष में आप अच्छे समय की आशा कर सकते हैं। आप स्वयं को सौंपे हुए कार्य सफलतापूर्वक नियत समय में सम्पन्न कर सकेंगे।

यह समय घर पर भी सुख का द्योतक है। आप किसी दिलचस्प व्यक्ति से मिलने की आशा कर सकते हैं। आपमें से कुछ विपरीत लिंग वाले के साथ भावनापूर्ण व्यतीत कर सकते हैं। इस व्यक्ति विशेष से लाभ की भी आशा है।

वित्तीय दृष्टि से भी यह अच्छा समय है। आपके प्रयासों की सफलता से आपको आर्थिक लाभ मिलेगा व आप और भी लाभ की आशा कर सकते हैं।

इस अवधि में समाज में आपका स्थान ऊँचा होने की भी संभावना है। आपको सम्मान मिल सकता है व समाज में प्रतिष्ठा में वृद्धि हो सकती है। समाज में आप अधिक सक्रिय रहेंगे व समाज सुधार कार्य में भाग लेंगे।

यह समय मानसिक तनाव मुक्ति एवम् शान्ति का सूचक है। शत्रु सरलता से परास्त होंगे व जीवन में शान्ति प्राप्त होने की संभावना है।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का दशम भाव से गोचर (17 अक्टूबर 2026 19:51:25 से 16 नवम्बर 2026 19:42:56)

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके दसवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह समय शुभ है। यह लाभ, पदोन्नति, प्रगति तथा प्रयासों में सफलता का सूचक है।

आप कार्यालय में पदोन्नति की आशा कर सकते हैं। उच्च अधिकारियों की कृपा दृष्टि, सत्ता की ओर से सम्मान तथा और भी अधिक सुअवसरों की आशा की जा सकती है।

यह अवधि आप द्वारा किए जा रहे कार्यों की सफलता है व अटके हुए मामलों को पराकाष्ठा तक पहुँचाने की है।

समाज में आपको और भी सम्माननीय स्थान मिल सकता है। आपका सामाजिक दाएरा बढ़ेगा, अर्थात् और लोगों से, विशेष रूप से आप यदि पुरुष हैं तो महिलाओं से और महिला हैं तो पुरुषों से सकारात्मक लाभप्रद आदान-प्रदान बढ़ेगा। आप इस दौरान सर्वोच्च सत्ता से भी सम्मान प्राप्त करने की आशा कर सकते हैं। जहाँ की आशा भी न हो, ऐसी जगह से आपको अचानक लाभ प्राप्त हो सकता है।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और हर ओर सुख ही सुख बिखरा पाएंगे।

जन्म चंद्रमा से गुरु का अष्टम भाव से गोचर (31 अक्टूबर 2026 12:02:02 से 25 जनवरी 2027 01:31:44)

इस अवधि में बृहस्पति चंद्रमा से आपके आठवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह समय अधिकतर निराशाएँ लेकर आया है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पड़ेगी क्योंकि इन दिनों आप कुछ ऐसे रोगों से ग्रसित हो सकते हैं जिनमें जीवन को खतरा हो। साथ ही आप थकान व उत्साहहीनता भी महसूस कर सकते हैं।

सफलतापूर्वक काम सम्पन्न करने में अत्यधिक परिश्रम की आवश्यकता पड़ सकती है। एकाग्रचित्त होकर काम करें व्यर्थ विवादों में न पड़ें अपने पद व प्रतिष्ठा को बिल्कुल ढील न दें क्योंकि इस समय अपमानजनक रूप से यह हाथ से फिसल सकते हैं। आपको राजकीय आक्रोश का सामना, मुकदमेबाजी में लिप्त होना यहाँ तक कि कारागार जाने जैसी स्थितियों तक का सामना करना पड़ सकता है।



वित्तीय मामलों पर विशेष नजर रखें, चोरों व व्यर्थ के खर्चों से सावधान रहें।

यदि आप यात्रा की योजना बना रहे हैं तो उसे फिलहाल टाल दें। यात्रा कष्टदायक हो सकती है और संभव है कि वांछित परिणाम प्राप्त न हों।

परिवारजन व मित्रों से विवाद से दूर रहें क्योंकि इससे शत्रुता पनप सकती है। इन दिनों आपका व्यवहार चिड़चिड़ा, दयाहीन व बिना सोच-समझा हो सकता है। स्वभाव को शान्त रखें।

जन्म चंद्रमा से शुक्र का नवम भाव से गोचर (6 नवम्बर 2026 01:04:17 से 22 नवम्बर 2026 17:20:45)

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके नवम् भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह आपकी मंजूषा में नए वस्त्र संचित करने का सूचक है। इसके अतिरिक्त यह शारीरिक व भौतिक सुख व आनन्द का परिचायक है।

वित्तीय लाभ व मूल्यवान आभूषणों का उपभोग भी इस समय की विशेषता है। व्यापार अबाध गति से चलेगा व संतोषजनक लाभ होगा।

यह समय शिक्षा में सफलता भी इंगित करता है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

घर परिवार में आपको भाई - बहनों का सहयोग व स्नेह पहले से भी अधिक मिलेगा। आपके घर कुछ मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे और यदि अविवाहित हैं तो विवाह करने का निर्णय ले सकते हैं। आपको आपका मनपसन्द जीवन साथी मिलेगा जो सौभाग्य लेकर आएगा।

यह समय सामाजिक गतिविधियों के संचालन का है अतः आपके नए मित्र बनाने की संभावना है। आपको आध्यात्म की राह दिखाने वाला पथ - प्रदर्शक भी मिल सकता है। कला में आपकी अभिरुचि इस दौरान बढ़ेगी। आपके सदुगणों सत्कृत्यों की ओर स्वतः ही सबका ध्यान आकृष्ट होगा। अतः आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में चार चाँद लगेंगे।

इस समय मनोकामनाएँ पूर्ण होंगी व शत्रुओं की पराजय होगी। यदि आप किसी प्रकार के तर्क - वितर्क में लिप्त हैं तो आपके ही जीतने की ही संभावना है। आप इस दौरान लम्बी यात्रा पर जाने का मानस बना सकते हैं।

जन्म चंद्रमा से मंगल का अष्टम भाव से गोचर (12 नवम्बर 2026 20:18:16 से 10 मार्च 2027 00:13:26)

इस अवधि में मंगल चंद्रमा की ओर से आपके आठवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह अधिकतर शारीरिक खतरों का सूचक है। अपने जीवन, स्वास्थ्य व देह-सौष्ठव के प्रति अत्यधिक सतर्कता इस समय विशेष की माँग है। रोगों से दूर रहें साथ ही अच्छे स्वास्थ्य के लिए किसी भी प्रकार के नशे व बुरी लत से दूर रहें। आपमें से कुछ को रक्त सम्बस्थी रोग जैसे एनीमिया (रक्त की कमी), रक्त स्त्राव अथवा रक्त की न्यूनता से उत्पन्न बीमारियाँ हो सकती हैं। इस समय शस्त्र व छद्मवेशी शत्रु से दूर रहें। जीवन को खतरे में डालने वाला कोई भी कार्य न करें।

आर्थिक मामलों पर नजर रखना आवश्यक है। यदि सावधानी नहीं बरती जो आपमें से अधिकांश को आय में भारी गिरावट का सामना करना पड़ सकता है। जो भी ऋण लेने से बचें व स्वयं को ऋण-मुक्त रखने की चेष्टा करें।

यदि अपने कार्य/व्यवसाय में सफल होना चाहते हैं तो अतिरिक्त प्रयास करें। अपने पद व प्रतिष्ठा पर पकड़ मजबूत रखें क्योंकि यह कठिनाईपूर्ण घटिया स्थिति भी गुजर ही जाएगी।

आपमें से अधिकांश को विदेश यात्रा पर जाना पड़ सकता है। यहाँ तक कि काफी समय के लिए परिवार से दूर रहकर उनका विछोह झेलना पड़ सकता है।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का एकादश भाव से गोचर (16 नवम्बर 2026 19:42:56 से 16 दिसम्बर 2026 10:24:46)

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। इसका अर्थ है धन लाभ, आर्थिक व सामाजिक स्थिति में सुधार व उन्नति।

अपने अफसर से पदोन्नति माँगने का यह अनुकूल समय है। यह अवधि कार्यालय में आपकी उन्नति, पदाधिकारियों के विशेष अप्रत्याशित अनुग्रह तथा राज्य से सम्मान तक प्राप्त होने की है।

इस समय आप व्यापार में लाभ, धन प्राप्ति और यहाँ तक कि मित्रों से भी लाभ प्राप्त करने की आशा की जा सकती है।



समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ सकती है तथा पड़ोस में सम्मान में वृद्धि हो सकती है।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा जो परिवार के लिए आनन्ददायक होगा।

इस काल के दौरान आपके घर कोई आध्यात्मिक निर्माणात्मक कार्य सम्पन्न होगा जो घर - परिवार के आनन्द में वृद्धि करेगा। आमोद-प्रमोद, अच्छा स्वादिष्ट भोजन व मिष्ठान आदि का भी वितरण होगा। कुल मिलाकर यह समय आपके व परिवार के लिए शान्तिपूर्ण व सुखद है।

जन्म चंद्रमा से शुक्र का दशम भाव से गोचर (22 नवम्बर 2026 17:20:45 से 1 जनवरी 2027 23:22:36)

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके दसवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह समय मानसिक संताप, अशान्ति व बेचैनी लेकर आया है। इस दौरान शारीरिक कष्ट भोगना पड़ेगा।

धन के विषय में विशेष सतर्क रहें तथा ऋण लेने से बचें क्योंकि इस पूरे समय आपकी ऋण में डूबे रहने की संभावना है।

शत्रुओं से सावधान रहें तथा अनावश्यक व्यर्थ के विवाद से दूर रहें क्योंकि इससे कलह बढ़ सकता है व शत्रुओं की संख्या में वृद्धि हो सकती है। समाज में बदनामी व तिरस्कार न हो, इसके प्रति सचेत रहें।

अपने सगे सम्बन्धियों व महिलाओं के प्रति व्यवहार में विशेष सतर्कता बरतें क्योंकि मूर्खतापूर्ण गलतफहमी शत्रुओं की संख्या बढ़ा सकती है। अपने वैवाहिक जीवन में स्वस्थ संतुलन बनाए रखने हेतु अपनी पत्नी/पति से विवाद से दूर ही रहें।

आपको अपने उच्चाधिकारी अथवा सरकारजनित परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अपने समस्त कार्यों को सफलतापूर्वक सम्पन्न करने हेतु आपको अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है।

जन्म चंद्रमा से राहु का प्रथम भाव से गोचर (25 नवम्बर 2026 17:45:35 से 24 मई 2028 15:06:31)

इस अवधि में राहु चंद्रमा से आपके प्रथम भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह आपके जीवन पर अधिकतर अनेक नकारात्मक (विपरीत) प्रभाव डालेगा। राहु की यह स्थिति वित्तीय स्तरों की हानि व धन की व्यर्थ की बर्बादी की दौतक है।

आपको शत्रुओं से होने वाले कष्टों के प्रति अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ेगी। इसके अतिरिक्त आपका अपमान होने की भी संभावना है जिससे आपको नीचा देखना पड़े व कार्यक्षेत्र में कुछ नई अप्रत्याशित समस्याएँ उभरकर आ सकती हैं। मन में खोट रखने वाले व्यक्ति से सावधान रहें व काला जादू जैसे संदिग्ध क्रिया-कलापों के चक्कर में न पड़ें।

स्वास्थ्य की ओर निरन्तर ध्यान देने की आवश्यकता है। कोई अनजानी व्याधि उभर सकती है जो ठीक होने में सामान्य से अधिक समय ले सकती है। आपको माता - पिता के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना होगा।

शारीरिक कष्ट के मानसिक चिन्ता बन जाने की संभावना है। निरन्तर चिन्तित रहने के कारण आप गहरी मानसिक व्यथा से पीड़ित हो सकते हैं। आप इस विशेष समय में सायंकालिक तनाव, मानसिक क्लेश व बेचैनी से ग्रस्त हो सकते हैं।

जन्म चंद्रमा से केतु का सप्तम भाव से गोचर (25 नवम्बर 2026 17:45:35 से 24 मई 2028 15:06:31)

इस अवधि में केतु चंद्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह आपके लिए व्यक्तिगत यातनाएँ लेकर आया है। आपके स्वास्थ्य को सर्वाधिक देखभाल की आवश्यकता है क्योंकि अझाप अनेक रोगों से ग्रस्त हो सकते हैं जिनका मूलरूप से सम्बन्ध पेट से है। आप उत्साहीनता व थकान महसूस कर सकते हैं।

मानसिक रूप से भी आप व्यथित व बीमार महसूस कर सकते हैं। व्यय पर ध्यान दें क्योंकि व्यर्थ के मदों पर धन खर्च करने की संभावना है। कुछ भी हो, उधार न लें। यदि कृषि व्यवसाय में हैं तो उत्पादों पर नजर रखें क्योंकि चोरी का भय है। फिर भी, आपमें से कुछ के व्यापार व वित्तीय स्थिति में अचानक प्रगति हो सकती है।

अपना आचरण सही रखें व पति / पत्नी से विवाद में न पड़ें। यदि झगड़ा हुआ तो जीवनसाथी आपको छोड़कर जा सकता है। सम्बन्धियों से सौहाद्रपूर्ण व्यवहार रखें, यदि ध्यान न रखा तो वे आपके शत्रु बन सकते हैं।

झगड़ों व मुकदमेबाजी से बचें। अपनी मान प्रतिष्ठा व ध्यान रखें क्योंकि इसे चोट पहुँचा कर आपकी बदनामी हो सकती है। यात्रा का भी योग है।

**जन्म चंद्रमा से बुध का एकादश भाव से गोचर (2 दिसम्बर 2026 17:27:16 से 22 दिसम्बर 2026 07:39:26)**

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह धन लाभ व उपलब्धियों का सूचक है। यह समय आपके लिए धन लाभ लेकर आ सकता है। आप विभिन्न स्तोत्रों से और अधिक आर्थिक लाभ की आशा कर सकते हैं। आपके व्यक्तिगत प्रयास, व्यापार व निवेश आपके लिए और अधिक मुनाफा और अधिक धन लाभ ला सकते हैं। यदि आप सेवारत हैं या व्यवसायी हैं तो इस विशेष समय में आपके और अधिक सफल होने की संभावना है। आप इस दौरान अपने कार्यक्षेत्र में अधिक समृद्ध होंगे।

स्वास्थ्य अच्छा रहना चाहिए। आप स्वयं में पूर्ण शान्ति अनुभव करेंगे। आप बातचीत व व्यवहार में और भी अधिक विनम्र हो सकते हैं।

घर पर भी आप सुख की आशा कर सकते हैं। आपके बच्चे व जीवनसाथी प्रसन्न व विनीत रहेंगे। कोई अच्छा समाचार प्राप्त होने की संभावना है। आप भौतिक सुविधाओं से धिरे रहेंगे।

सामाजिक दृष्टि से भी यह अच्छा दौर है। समाज आपको और अधिक आदर-सम्मान देगा। आपकी वाक्पटुता व मनोहारी प्रकृति के कारण लोग आपके पास खिंचे चले आएँगे।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का द्वादश भाव से गोचर (16 दिसम्बर 2026 10:24:46 से 14 जनवरी 2027 21:10:08)

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके बारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह काल विशेष रूप से आर्थिक चुन्नीतियों से परिपूर्ण है। अतः कोई भी वित्त सम्बन्धी निर्णय सोच-समझकर सावधानी पूर्वक लें।

यदि आप कहीं कार्यरत हैं तो आप और आपके अधिकारी के बीच कुछ परेशानियाँ आ सकती हैं। अधिकारी आपके कार्य की सराहना नहीं करेंगे और संभव है कि आपको दिए गए उत्तरदायित में कटौती करें या आपका वेतन कम कर दें। यदि आपको अपने प्रयासों व परिश्रम की पर्याप्त सराहना न हो, इच्छित परिणाम न निकलें तो भी निराश न हों।

यदि आप व्यापारी हैं तो व्यापार में धक्का लग सकता है। लेन-देन में विशेष सावधानी बरतें।

यह समय सामाजिक दृष्टि से भी कठिनाईपूर्ण है। किसी विवाद में न पड़ें क्योंकि मित्र व वरिष्ठ व्यक्तियों से झगड़े की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता।

आपको लम्बी यात्रा पर जाना पड़ सकता है परन्तु उसके मनचाहे परिणाम नहीं निकलेंगे। ऐसे कार्यकलापों से बचें जिनमें जीवन के लिए खतरा हो, सुरक्षा को अपना मूल-मंत्र बनाएं। अपने और अपने परिवार के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें क्योंकि ज्वर, पेट की गड़बड़ी अथवा नेत्र रोग हो सकता है। इस समय असंतोष आपके घर की शांति व सामंजस्य पर प्रभाव डाल सकता है।

जन्म चंद्रमा से बुध का द्वादश भाव से गोचर (22 दिसम्बर 2026 07:39:26 से 10 जनवरी 2027 00:37:07)

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके बारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह आपके लिए व्यय का द्योतक है। सुविधापूर्ण जीवन के लिए आपको अनुमानित से अधिक खर्च करना पड़ सकता है। मुक्कदमेबाजी से दूर रहें क्योंकि यह धन के अपव्यय का कारण बन सकता है। इसके अलावा आपको अपने द्वारा सम्पादित कार्यों को पूर्ण करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है।

शत्रुओं से सावधान रहें और अपमानजनक स्थिति से बचने के लिए उनसे दूर ही रहें। समाज में अपना मान व प्रतिष्ठा बचाए रखने का प्रयास करें।

कई कारणों से आप मानसिक रूप से त्रस्त हो सकते हैं। इस समय आपको बेचैनी व चिन्ताओं की आशंका हो सकती है। इस दौर में असंतोष व निराशा के आप पर हावी होने की भी संभावना है।

आपका खाने से व दाम्पत्य सुखों से मन हटने की भी संभावना है। इन दिनों आप स्वयं को बीमार व कष्ट में महसूस कर सकते हैं।



दशा फल

राहु महादशा: 21 मई 2016 से 22 मई 2034 तक

राहु महादशा फल

स्वाभाविक फल

सामान्य रूप से राहु की महादशा में निम्नलिखित फल होते हैं -

- साधारण रूप से मति भ्रम, शारीरिक कष्ट तथा अनेक प्रकार के दुःख हो सकते हैं।
- राजा से, चोर से, विष से तथा शस्त्र से भय संभव है।
- सुख, सम्पत्ति और सांसारिक स्थिति चिन्ताजनक रहेगी।
- संतान को कष्ट, कलत्र-पुत्र आदि के वियोग, प्रिय-वियोग का दुःख हो सकता है।
- निम्न लोगों से अपमान तथा अपयश का भय रहेगा।
- कोई ऐसा दुष्कर्म हो सकता है जिसके कारण बदनामी मिल सकती है।
- अपना स्थान (मकान या नौकरी) में परिवर्तन संभव है। परदेश वास हो सकता है।
- रोगों से पीड़ा और झूँगड़े की ओर अभिरुचि रहेगी।
- राजा से भय एवं उद्योग में उपद्रव अर्थात् नौकरी व्यवसाय इत्यादि छूट सकती है।
- धर्म कर्म की हानि और रोग, चोर तथा अग्नि से भय संभव है।
- राहु की महादशा में अनेक प्रकार के रोग (प्रमेह, गुल्म, प्लीहा, क्षय, पित्त-प्रकोप, चर्म रोग आदि) से पीड़ा संभव है।
- राजा, अग्नि और चोर से भय, मित्रों का विनाश और तथा मृत्यु का भी भय हो सकता है।
- राज दरबार में श्रेष्ठ यश, उत्तम आर्थिक स्थिति, नौकर का सुख तथा शत्रु नष्ट होंगे।
- राहु की महादशा में व्यवसाय में लाभ, मध्य वर्ग के लोगों से लाभ होगा।
- स्त्री-पुत्र आदि का सुख तथा संतोष वृत्ति में वृद्धि होगी।
- ग्रामाधिपत्य और वाहन का सुख मिलेगा।
- निम्न श्रेणी के कार्यों में रुचि तथा व्यवसायों से हानि संभव है।

राहु-बुध : 3 मई 2024 से 20 नवम्बर 2026 तक

राहु की महादशा में बुध की अन्तर्दशा का फल

राहु की महादशा में बुध की अन्तर्दशा में -

- आरोग्य, बुद्धि तथा विवेक की वृद्धि होगी।
- भाईयों तथा मित्रों के स्नेह में वृद्धि, मित्रों से सहायता प्राप्त होगी।
- सांसारिक सुखों में वृद्धि, धन का आगमन और कार्य व्यवसाय में उन्नति होगी।

राहु-बुध-राहु : 5 अक्टूबर 2025 से 22 फरवरी 2026 तक

बुध की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- बुध की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर में स्त्रियों के साथ झगड़ा, एकाएक भयागम, राजा तथा शस्त्रकृत भय संभव है।



राहु-बुध-गुरु : 22 फरवरी 2026 से 26 जून 2026 तक

बुध की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- बुध की अन्तर्दशा में गुरु प्रत्यन्तर में राज्य या राज्याधिकार की प्राप्ति, राजा के द्वारा सम्मान, सदुबद्धि तथा विद्या की वृद्धि संभव है।

राहु-बुध-शनि : 26 जून 2026 से 20 नवम्बर 2026 तक

बुध की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- बुध की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में शारीरिक आघात के कारण वात पित्त जनित पीड़ा तथा अनेक रूप में धन का नाश हो सकता है।

राहु-केतु : 20 नवम्बर 2026 से 9 दिसम्बर 2027 तक

राहु की महादशा में केतु की अन्तर्दशा का फल

राहु की महादशा में केतु की अन्तर्दशा में -

- राजकोप, धन एवं मान की हानि संभव है।
- स्त्री तथा सन्तान को सामान्य कष्ट, पशुओं का मरण, नाना प्रकार के उपद्रवों का आक्रमण हो सकता है।
- चोर, अग्नि, शस्त्र, विष से भय एवं ज्वर आदि रोगों से पीड़ा, तथा व्रण से दुःख एवं कलह हो सकता है।
- भ्रमण, राजभय, वातज्वरादिरोग, पशुक्षय संभव है।
- राहुदशा में केतु अन्तर में रोगाधिक्य, चोर, सर्प, व्रण से पीड़न, पिता, माता से वियोग, भाई से द्वेष, मानसिक कष्ट संभव है।

राहु-केतु-केतु : 20 नवम्बर 2026 से 13 दिसम्बर 2026 तक

केतु की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- केतु की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में एकाएक आपित्त, देशान्तर गमन, द्रव्यनाश संभव है।

राहु-केतु-शुक्र : 13 दिसम्बर 2026 से 14 फरवरी 2027 तक

केतु की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- केतु की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में म्लेच्छों का भय, या उससे धनक्षय,



नेत्ररोग, शिरोवेदना, पशुओं की हानि संभव है।

राहु-केतु-सूर्य : 14 फरवरी 2027 से 6 मार्च 2027 तक

केतु की अन्तर्दर्शा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- केतु की अन्तर्दर्शा में सूर्य प्रत्यन्तर में मित्रों के साथ विरोध, अपमृत्यु, पराजय, बुद्धिभंश तथा विवाद हो सकता है।

राहु-केतु-चन्द्र : 6 मार्च 2027 से 7 अप्रैल 2027 तक

केतु की अन्तर्दर्शा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- केतु की अन्तर्दर्शा में चन्द्र प्रत्यन्तर में अन्ननाश, याशःक्षय, शारीरिक पीड़ा, बुद्धिभ्रम आमवात की वृद्धि संभव है।

राहु-केतु-मंगल : 7 अप्रैल 2027 से 29 अप्रैल 2027 तक

केतु की अन्तर्दर्शा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- केतु की अन्तर्दर्शा में भौम प्रत्यन्तर में शस्त्राघात से, गिरने से तथा अग्नि से पीड़ा, नीच से भय और शत्रु से अशंका संभव है।

राहु-केतु-राहु : 29 अप्रैल 2027 से 26 जून 2027 तक

केतु की अन्तर्दर्शा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- केतु की अन्तर्दर्शा में राहु प्रत्यन्तर में स्त्रियों से भय, शत्रुओं का प्रादुर्भाव, तथा क्षुद्रजनों से भी भय हो सकता है।

राहु-केतु-गुरु : 26 जून 2027 से 16 अगस्त 2027 तक

केतु की अन्तर्दर्शा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- केतु की अन्तर्दर्शा में गुरु प्रत्यन्तर में धनक्षय, महोत्पात, वस्त्र तथा मित्रों का विनाश, सर्वत्र क्लेश संभव है।

राहु-केतु-शनि : 16 अगस्त 2027 से 15 अक्टूबर 2027 तक

केतु की अन्तर्दर्शा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- केतु की अन्तर्दर्शा में शनि प्रत्यन्तर में शारीरिक पीड़ा, मित्रों का बध, तथा



अत्यल्पलाभ संभव है।

राहु-केतु-बुध : 15 अक्टूबर 2027 से 9 दिसम्बर 2027 तक

केतु की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- केतु की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में बुद्धिनाश, महान् उद्वेग, विद्याक्षय, महाभय तथा सतत कार्यसिद्धि में विकलता संभव है।

राहु-शुक्र : 9 दिसम्बर 2027 से 8 दिसम्बर 2030 तक

राहु की महादशा में शुक्र की अन्तर्दशा का फल

राहु की महादशा में शुक्र की अन्तर्दशा में -

- कार्य व्यवसाय में अत्यंत कष्ट से अल्प धन का लाभ होगा।
- स्त्री सुख की प्राप्ति तथा स्त्री द्वारा धन लाभ होगा।
- मित्र के कारण संताप तथा कुटुम्ब से विरोध का भय रहेगा।
- परदेश गमन तथा वहाँ पर अनेक प्रकार के लाभ संभव है।
- मूत्र जनन तन्त्र के रोग हो सकते हैं।
- राहु की दशा में शुक्रान्तर्दशा में ब्राह्मण द्वारा धनप्राप्ति, पशुलाभ, पुत्रोत्सव, घर में कल्याण, लोगों से आदर, राजसम्मान राज्यलाभ, महासुख होगा।
- अपनी अन्तर्दशा में स्त्री-पुत्र का विनाश, आत्मपीड़ा, भय तथा अपमृत्यु कारक हो सकता है।
- शान्त्यर्थ दुर्गा, लक्ष्मी का पाठ-जप करना चाहिये, उससे कल्याण की प्राप्ति होगी।

राहु-शुक्र-शुक्र : 9 दिसम्बर 2027 से 8 जून 2028 तक

शुक्र की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शुक्र की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में श्वेत घोड़ा, श्वेत वस्त्र, मोती, सुवर्ण, माणिक आदि का सौख्य तथा सुन्दर स्त्री की प्राप्ति हो सकती है।

राहु-शुक्र-सूर्य : 8 जून 2028 से 2 अगस्त 2028 तक

शुक्र की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शुक्र की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में वातज्वर, शिरोवेदना, राजा तथा शत्रु के द्वारा क्लेश, और थोड़ा सा लाभ भी होगा।

राहु-शुक्र-चन्द्र : 2 अगस्त 2028 से 1 नवम्बर 2028 तक



शुक्र की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शुक्र की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में कन्या की उत्पत्ति, राजा से लाभ, वस्त्र आभूषणों की प्राप्ति, राज्याधिकार संभव है।

राहु-शुक्र-मंगल : 1 नवम्बर 2028 से 4 जनवरी 2029 तक

शुक्र की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शुक्र की अन्तर्दशा में मंगल प्रत्यन्तर में रक्त पित्त सम्बन्धी रोग, झगड़ा, मारपीट तथा महाक्लेश होगा।

राहु-शुक्र-राहु : 4 जनवरी 2029 से 18 जून 2029 तक

शुक्र की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शुक्र की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर में स्त्रियों के साथ झगड़ा, अकस्मात् भयागम, राजा तथा शत्रु से कष्ट संभव है।

राहु-शुक्र-गुरु : 18 जून 2029 से 11 नवम्बर 2029 तक

शुक्र की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शुक्र की अन्तर्दशा में गुरु प्रत्यन्तर में प्रचुरद्रव्य राज्य, वस्त्र, मोती, भूषण, हाथी, घोड़ा तथा स्थान की प्राप्ति होती है।

राहु-शुक्र-शनि : 11 नवम्बर 2029 से 3 मई 2030 तक

शुक्र की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शुक्र की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में गदहा, ऊँट, बकरा, की प्राप्ति, लोह, उड़द, तिल का लाभ, तथा शरीर में थोड़ा कष्ट भी होता है।

राहु-शुक्र-बुध : 3 मई 2030 से 6 अक्टूबर 2030 तक

शुक्र की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शुक्र की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में धन ज्ञान का लाभ, राजा के यहां अधिकारप्राप्ति, निष्केप से भी धनलाभ संभव है।

राहु-शुक्र-केतु : 6 अक्टूबर 2030 से 8 दिसम्बर 2030 तक



शुक्र की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शुक्र की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में भयंकर अपमृत्यु एक देश से दूसरे देश का भ्रमण, बीच-बीच में कभी कुछ लाभ भी हो सकता है।

राहु-सूर्य : 8 दिसम्बर 2030 से 2 नवम्बर 2031 तक

राहु की महादशा में सूर्य की अन्तर्दशा का फल

राहु की महादशा में सूर्य की अन्तर्दशा में -

- अनेक प्रकार के उपद्रवों का शमन होगा।
- धन-धान्य की वृद्धि तथा दान-धर्मादि कर्म में रुचि बढ़ेगी।
- शत्रुओं से व्यथा, राजा, विष, अग्नि एवं शस्त्र का भय संभव है।
- नेत्र एवं हृदय और छूआछूत वाली बीमारियों से पीड़ित होने की आशंका रहेगी।
- राहु की दशा में सूर्य के अन्तर में विदेश में राजसम्मान और शुभप्रद कल्याण होगा।

राहु-सूर्य-सूर्य : 8 दिसम्बर 2030 से 25 दिसम्बर 2030 तक

सूर्य की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- उद्वेग, धनक्षय, स्त्रीपीड़ा, शिरोवेदना, ब्राह्मण के साथ विवाद आदि अस्तफल संभव है।



OUR ASTRO SERVICES

Signature Reading



Numerology



Daily Horoscope



Janm-Kundli



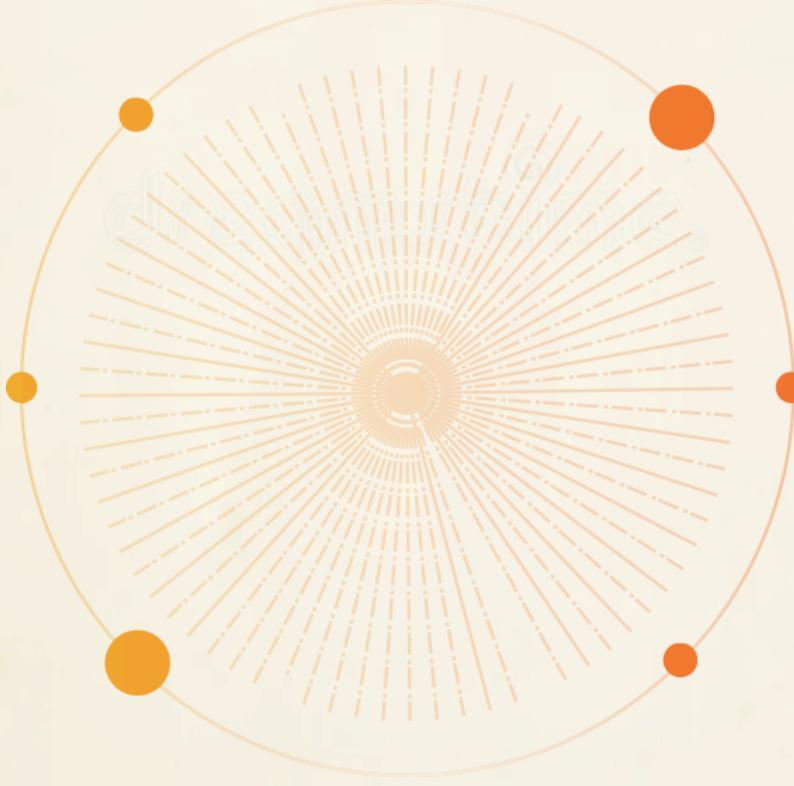
Kundli Matching



Chat With Astrologer



Call With Astrologer



Rajyoga's





93%

Accuracy Report

1000+

Top Astrologer of India

1 Lakhs+

Happy Customers

Thank you for trusting AstroBuddy.

This Kundali is designed to guide you with clarity on your strengths, opportunities, and the cosmic patterns shaping your journey

